छात्रोपयोगी अध्ययन सामग्री

कक्षा -10 , हिन्दी 'अ' (002)

शैक्षिक वर्ष 2022-23

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

क्षेत्रीय कार्यालय , रायपुर

प्रधान संरक्षक

श्री विनोद कुमार

उपायुक्त

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर

संरक्षक

श्री अशोक कुमार मिश्र

सहायक आयुक्त,

के० वि० सं०, रायपुर संभाग

श्रीमती बिरजा मिश्र

शैक्षिक सलाहकार

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर

समन्वयकर्ता एवं निदेशक

श्री धीरेन्द्र कुमार झा,

प्राचार्य केन्द्रीय विद्यालय बिलासपुर

विद्यार्थियों के लिए संदेश

केन्द्रीय विद्यालय के कक्षा दसवी के विद्यार्थियों के लिए हिन्दी कोर्स 'अ' (002) पाठ्यक्रम की यह अध्ययन सामग्री सौंपते हुए हमें हार्दिक प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है।

विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति का इस अध्ययन सामग्री में विशेष ध्यान रखा गया है। परीक्षा में उच्चतम अंक प्राप्त करना हर विद्यार्थी का सपना होता है। इस सामग्री का निर्माण करते हुए इस बात का ध्यान रखा गया है कि इसमें विद्यार्थियों की अवधारणात्मक स्पष्टता, अनुप्रयोग कौशल, आलोचनात्मक एवं चिंतन कौशल, योग्यता निर्माण कौशल का विकास हो सके।

इस सामग्री को परीक्षा प्रश्न-पत्र नए 'प्रारूप' के अनुसार विद्यार्थियों को पाठ्यवस्तु का अभ्यास कराने के साथ—साथ उनके आत्मविश्वास को मजबूत बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मूलभूत बातों एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मण्डल के निर्देशों को ध्यान में रखा गया है। अपठित गद्यांश, पद्यांश, व्याकरण भाग एवं पाठ्य पुस्तकों (क्षितिज भाग-2 गद्य ,पद्य ,कृतिका भाग ,रचनात्मक लेखन) के पाठों का सारांश, केन्द्रीय भाव, आलोचनात्मक एवं चिंतन आधारित प्रश्नों, अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्नों के अतिरिक्त बोध और अधिगम पर आधारित सामग्री को प्रस्तुत किया गया है। हिन्दी विषय के शिक्षकों द्वारा यह सामग्री विशेषज्ञों के पर्यवेक्षण में तैयार की गई है| उद्देश्य यह है कि इससे विद्यार्थियों को सघन, संक्षिप्त और समेकित रूप में अध्ययन सामग्री उपलब्ध हो सके, जो उनके अधिगम में सहायक हो|

इस सामग्री का निर्माण सी.बी.एस.ई.के सत्र 2022-23 के पाठ्यक्रम में किए गए नवीनतम संशोधन के अनुरूप एवं प्रश्न पत्रों के डिजाइन को ध्यान में रखकर किया गया है| इसके द्वारा विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारियाँ संक्षिप्त रूप में उपलब्ध कराई गई हैं | साथ ही इसमें वे सभी आवश्यक एवं महत्वपूर्ण बिंदु शामिल किए गए हैं, जो संबंधित विषय को भली प्रकार से दोहराने के लिए आवश्यक हैं| इस पाठ्य सामग्री की विषयवस्तु और डिजाइन में मानकता तथा प्रस्तुतीकरण में एकरूपता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इसे केंद्रीय विद्यालय संगठन संभागीय कार्यालय रायपुर के स्तर पर अंतिम रूप दिया गया है| आशा ही नहीं, पूर्ण विश्वास है कि इस सामग्री से विद्यार्थी पाठों को शीघ्रता से हृदयंगम कर सकेंगे| विश्वास है कि यह सहायक सामग्री विद्यार्थियों के लिए सुनियोजित कठिन परिश्रम, बेहतर समय प्रबंधन तथा निष्ठापूर्वक अध्ययन द्वारा सफलता के उच्च शिखर तक पहुँचने में अवश्य सहायक सिद्ध होगी।

मैं पूर्णतः आशान्वित हूँ कि इस अध्ययन सामग्री का विद्यार्थियों द्वारा भरपूर उपयोग किया जाएगा और बोर्ड परीक्षाओं में यह उनके लिए लाभदायी सिद्ध होगी | हमारे विद्यार्थी प्रगति-पथ के सजग पथिक बनकर अपने माता-पिता, गुरुजनों और केंद्रीय विद्यालय संगठन को गौरवन्वित करेंगे।

मंगलकामनाओं सहित!

विनोद कुमार

उपायुक्त

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर

छात्रोपयोगी-अध्ययन–सामग्री

कक्षा – १० वीं

विषय- हिन्दी 'अ' (002)

(शैक्षिक वर्ष 2022- 23)

संपादन समिति

श्रीमती जोसफिन लाकरा

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका

केन्द्रीय विद्यालय बिलासपुर

श्री पवन कुमार मिश्रा

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक

केन्द्रीय विद्यालय जगदलपुर

श्रीमती कंचन तिवारी

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका

केन्द्रीय विद्यालय नया रायपुर

श्रीमती अनिता जयसवाल

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका

केन्द्रीय विद्यालय क्र.1 रायपुर (प्रथम पाली)

श्री बृजेश कुमार सरोज

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक

केन्द्रीय विद्यालय बैकुंठपुर

डिजाइनिंग एवं तकनीकी सहायक

श्री संदीप साहू

संगणक अनुदेशक

केन्द्रीय विद्यालय बिलासपुर

अध्ययन सामग्री निर्माण समिति

क्र.सं	प्रभारी / सदस्य	केन्द्रीय विद्यालय
1	श्रीमती जोसफिन लाकरा	के.वि. बिलासपुर
२	श्री सतीश कुमार	के.वि. बचेली
3	श्री बृजेश कुमार सरोज	के.वि. बैकुंठपुर
4	सुश्री सरला उइके	के.वि. भिलाई (CISF)
5	श्री पवन कुमार मिश्रा	के.वि. जगदलपुर
6	श्री जानकी शरण	के.वि. अंबिकापुर
7	श्री पवन कुमार वर्मा	के.वि. धमतरी
8	श्रीमती कंचन तिवारी	के.वि. नया रायपुर
9	श्रीमती अनिता जयसवाल	के.वि. क्र.1 रायपुर
10	श्री सतीश कुमार धीवर	के.वि. दुर्ग
11	श्री तीजराम चौहान	के.वि. जांजगीर
12	श्री शशिकांत	के.वि. जशपुर
13	श्री अभिषेक मौर्या	के.वि.झगराखंड (SECL)
14	श्री योगेश्वर साहू	के.वि. कांकेर
15	श्री शालिक राम तिवारी	के.वि. कवर्धा
16	श्री सुमंत यादव	के.वि. खैरागढ़
17	श्रीमती रोशनी मरकाम	के.वि. किरुंदुल
18	श्री एम. एम. देवांगन	के.वि.कोरबा क्र.II (NTPC)
19	श्री लाल जी अहीर	के.वि.कोरबा क्र.III(SECL)
20	श्रीमती माया गुप्ता	के.वि.कोरबा क्र.IV
21	श्री घनश्याम साहू	के.वि. महासमुंद
२२	श्री सुनील कुमार गुप्ता	के.वि. मनेन्द्रगढ़
23	श्री दीपक सिंह	के.वि. सुकमा
24	श्री कमलेन्दु मिश्रा	के.वि. रायगढ़
25	श्री रंजीत सिंह	के.वि. रायपुर (SHIFT-I)
26	श्रीमती रोशनी चंद्राकर	के.वि. भिलाई (CISF)
27	श्री पुरषोत्तम पटेल	के.वि. रायपुर II
28	श्री मनोज कुमार कोसरिया	के.वि. कुरूद
29	श्री आशीष मध्देशिया	के.वि. चिरमिरी
30	श्री अरुन कुमार शुक्ला	के.वि. बीजापुर

विषय सूची

क्रम संख्या	पाठ्य विवरण
1	पाठ्यक्रम
2	अंक विभाजन
3	अपठित बोध (गद्य)- बहुविकल्पीय प्रश्न
4	अपठित बोध (पद्य)- बहुविकल्पीय प्रश्न
5	व्याकरण भाग - निर्धारित प्रकरण (बहुविकल्पीय प्रश्न)
6	क्षितिज भाग -2 गद्य
6	क्षितिज भाग -2 पद्य
8	कृतिका भाग -2
9	रचनात्मक लेखन - निर्धारित प्रकरण

विषय-हिन्दी(अ-002)

कक्षा 10 (2022-23)

अंक विभाजन

बहुविकल्पीय प्रश्न				
क्रम संख्या	प्रश्न खंड	प्रश्नों की संख्या	प्रश्न करना है	निर्धारित अंक
1 .	अपठित बोध (गद्यांश)अथवा के साथ	05/05	05/05	5*1=5
2	अपठित बोध (पद्यांश)अथवा के साथ	05/05	05/05	5*1=5
3	वाक्य के प्रकार एवं उपवाक्य	05	04	4*1=4
4	वाच्य परिचय : प्रकार एवं परिवर्तन	05	04	4*1=4
5	पद परिचय : प्रकार एवं पहचान	05	04	4*1=4
6	अलंकार : परिभाषा एवं उदाहरण	05	04	4*1=4
7	पाठ्यपुस्तक (क्षितिज) से गद्यांश	07	07	7*1=7
8	पाठ्यपुस्तक (क्षितिज) से पद्यांश	07	07	7*1=7
		44	40	40
वर्णनात्मक प्रश्न				
9	पाठ्यपुस्तक (क्षितिज) गद्य से प्रश्न	04	03	3*2=6
10	पाठ्यपुस्तक (क्षितिज) पद्य से प्रश्न	04	03	3*2=6
11	पाठ्यपुस्तक (कृतिका) गद्य से प्रश्न	03	02	2*4=8
12	अनुच्छेद लेखन	01	01	1*6=6
13	पत्र लेखन	01	01	1*5=5
14	स्ववृत्त लेखन / ई मेल लेख	01	01	1*5=5
15	विज्ञापन लेखन / संदेश लेखन	01	01	1*4=4
	कुल कुल अंक			40 80

हिंदी पाठ्यक्रम -अ (कोड सं. 002)

कक्षा 10वीं हिंदी - अ परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम विनिर्देशन 2022-23

- प्रश्नपत्र दो खंडों, खंड 'अ' और 'ब' में विभक्त होगा।
- खंड 'अ' में 49 वस्तुपरक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से केवल 40 प्रश्नों के ही उत्तर देने होंगे।
- खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रश्नों में उचित आंतरिक विकल्प दिए जाएँगे।
- भारांक-(80(वार्षिक बोर्ड परीक्षा)+20 (आंतरिक परीक्षा)

निर्धारित समय- 3 घंटे **भारांक-80**

वार्षिक बोर्ड परीक्षा हेतु भार विभाजन					
खंड - अ (बहुविकल्पी प्रश्न)					
	विषयवस्तु			उप भार	कुल भार
1	अपठित गद्यांश व काव्यांश पर चिंतन क्षमता एवं अभिव्यक्ति कौशल पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न।				10
	अ	एक अपठित गद्यांश लगभग 250 शब्दों का। (1x5=5) (विकल्प के बिना)		5	
	ब	एक अपठित काव्यांश लगभग 120 शब्दों का। (1x5=5) विकल्प सहित		5	
2	व्याकरण के लिए निर्धारित विषयों पर विषयवस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/ संरचना आदि पर बहुविकल्पी प्रश्न। (1x16) (कुल 20 प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से केवल 16 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे)				16
	व्याकरण				
	1	रचना के आधार पर वाक्य भेद (4 अंक) (5 में से 4 प्रश्न करने होंगे)		4	
	2	वाच्य (4 अंक) (5 में से 4 प्रश्न करने होंगे)		4	
	3	पद परिचय (4 अंक) (5 में से 4 प्रश्न करने होंगे)		4	
	4	अलंकार- (शब्दालंकार : श्लेष) (अर्थालंकार : उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, मानवीकरण) 4 अंक (5 में से 4 प्रश्न करने होंगे)		4	
3	पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग - 2				
	अ	गद्य खंड		7	
		1	क्षितिज से निर्धारित पाठों में से गद्यांश के आधार पर विषयवस्तु का ज्ञान, बोध, अभिव्यक्ति आदि पर एक अंकीय पाँच बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे। (1x5)	5	

		2	क्षितिज से निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर विद्यार्थियों की उच्च चिंतन क्षमताओं एवं अभिव्यक्ति का आकलन करने हेतु एक अंकीय दो बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे। (1x2)	2	
	ब		**काव्य खंड**	7	14
		1	क्षितिज से निर्धारित कविताओं में से काव्यांश के आधार पर एक अंकीय पाँच बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे (1x5)	5	
		2	क्षितिज से निर्धारित कविताओं के आधार पर विद्यार्थियों का काव्यबोध परखने हेतु एक अंकीय दो बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे। (1x2)	2	
	खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)				
	पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग - 2 व पूरक पाठ्यपुस्तक कृतिका भाग - 2				
1	अ	**गद्य खंड**			
		क्षितिज से निर्धारित पाठों में से विषयवस्तु का ज्ञान बोध, अभिव्यक्ति आदि पर तीन प्रश्न पूछे जाएँगे।(विकल्प सहित- 25-30 शब्द-सीमा वाले 4 में से 3 प्रश्न करने होंगे) (2x3)		6	
	ब	**काव्य खंड**			
		क्षितिज से निर्धारित कविताओं के आधार पर विद्यार्थियों का काव्यबोध परखने हेतु तीन प्रश्न पूछे जाएँगे। (विकल्प सहित-25-30 शब्द-सीमा वाले 4 में से 3 प्रश्न करने होंगे) (2x3)		6	20
	स	**पूरक पाठ्यपुस्तक कृतिका भाग - 2**			
		कृतिका के निर्धारित पाठों पर आधारित दो प्रश्न पूछे जाएँगे । (4x2) (विकल्प सहित-50-60 शब्द-सीमा वाले 3 में से 2 प्रश्न करने होंगे)		8	
2	**लेखन**				
	i	विभिन्न विषयों और संदर्भों पर विद्यार्थियों के तर्कसंगत विचार प्रकट करने की क्षमता को परखने के लिए संकेत-बिंदुओं पर आधारित समसामयिक एवं व्यावहारिक जीवन से जुड़े हुए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लेखन		6	
	ii	अभिव्यक्ति की क्षमता पर केंद्रित औपचारिक अथवा अनौपचारिक विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र		5	20
	iii	उपलब्ध रिक्ति के लिए लगभग 80 शब्दों में स्ववृत्त लेखन अथवा विविध विषयों पर आधारित लगभग 80 शब्दों में औपचारिक ई-मेल लेखन		5	

	iv	विषय से संबंधित लगभग 60 शब्दों के अंतर्गत विज्ञापन लेखन अथवा संदेश लेखन लगभग 60 शब्दों में (शुभकामना, पर्व-त्योहारों एवं विशेष अवसरों पर दिए जाने वाले संदेश)	4	
		कुल		80
		आंतरिक मूल्यांकन	अंक	20
	अ	सामयिक आकलन	5	
	ब	बहुविध आकलन	5	
	स	पोर्टफ़ोलियो	5	
	द	श्रवण एवं वाचन	5	
		कुल		100

निर्धारित पुस्तकें :

1. **क्षितिज, भाग-2,** एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नवीनतम संस्करण
2. **कृतिका, भाग-2,** एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नवीनतम संस्करण

नोट - निम्नलिखित पाठों से प्रश्न नहीं पूछे जाएँगे-

क्षितिज, भाग - 2	काव्य खंड	• देव- सवैया, कवित्त (पूरा पाठ) • गिरिजाकुमार माथुर - छाया मत छूना (पूरा पाठ) • ऋतुराज - कन्यादान (पूरा पाठ)
	गद्य खंड	• महावीरप्रसाद द्विवेदी - स्त्री-शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन (पूरा पाठ) • सर्वेश्वर दयाल सक्सेना- मानवीय करुणा की दिव्य चमक (पूरा पाठ)
कृतिका, भाग - 2	• एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा! (पूरा पाठ) • जार्ज पंचम की नाक (पूरा पाठ)	

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र, 2022-23

विषय-हिंदी, कोर्स-ए (कोड-002)

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश :

(1) इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं- खंड 'क' और ख'। खंड-क में वस्तुपरक/बहुविकल्पी और खंड-ख में वस्तुनिष्ठ/वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।

(2) प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 17 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(3) यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।

(4) खंड 'क' में कुल 10 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 49 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(5) खंड 'ख' में कुल 7 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड - अ (बहुविकल्पी/ वस्तुपरक प्रश्न)

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- (1x5=5)

'घर' जैसा छोटा-सा शब्द भावात्मक दृष्टि से बहुत विशाल होता है। इस आधार पर मकान, भवन, फ़्लैट, कमरा, कोठी, बँगला आदि इसके समानार्थी बिलकुल भी नहीं लगते हैं क्योंकि इनका सामान्य संबंध दीवारों, छतों और बाहरी व आंतरिक साज-सज्जा तक सीमित होता है, जबकि घर प्यार-भरोसे और रिश्तों की मिठास से बनता है। एक आदर्श घर वही है, जिसमें प्रेम व भरोसे की दीवारें, आपसी तालमेल की छतें, रिश्तों की मधुरता के खिले-खिले रंग, स्नेह, सम्मान व संवेदनाओं की सज्जा हो। घर में भावात्मकता है, वह भावात्मकता, जो संबंधों को महकाकर परिवार को जोड़े रखती है। यह बात हमें अच्छी तरह याद रखनी चाहिए कि जब रिश्ते महकते हैं, तो घर महकता है, प्यार अठखेलियाँ करता है, तो घर अठखेलियाँ करता है, रिश्तों का उल्लास घर का उल्लास होता है, इसलिए रिश्ते हैं, तो घर है और रिश्तों के बीच बहता प्रेम घर की नींव है। यह नींव जितनी मज़बूत होगी, घर उतना ही मज़बूत होगा। न जाने क्यों, आज का मनुष्य संवेदनाओं से दूर होता जा रहा है, उसके मन की कोमलता, कठोरता में बदल रही है; दिन-रात कार्य में व्यस्त रहने और धनोपार्जन की अति तीव्र लालसा से उसके अंदर मशीनियत बढ़ रही है, इसलिए उसके लिए घर के मायने बदल रहे हैं; उसकी अहमियत बदल रही है, इसी कारण आज परिवार में आपसी कलह, द्वंद्व आदि बढ़ रहे हैं। आज की पीढ़ी प्राइवेसी (वैयक्तिकता) के नाम

पर एकाकीपन में सुख खोज रही है। उसकी सोच 'मेरा कमरा, मेरी दुनिया' तक सिमट गई है। एक छत के नीचे रहते हुए भी हम एकाकी होते जा रहे हैं। काश, सब घर की अहमियत समझें और अपना अ हटाकर घर को घर बनाए रखने का प्रयास करें।

(1) भावात्मक दृष्टि से घर जैसे छोटे-से शब्द की 'विशालता' में निहित हैं-

कथन पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए-

कथन

(i) प्रेम, विश्वास, नातों का माधुर्य व संवेदनाएँ

(ii) आकर्षक बनावट, सुंदर लोग, वैभव व संपन्नता

(iii) सुंदर रंग संयोजन, आंतरिक सजावट एवं हरियाली

(iv) स्नेह, सम्मान, सरसता, संवेदनाएँ, संपन्नता व साज-सज्जा

विकल्प

(क) कथन i सही है।

(ख) कथन i व ii सही हैं।

(ग) कथन ii व iii सही हैं।

(घ) कथन iii व iv सही हैं।

(2) सामान्य रूप में मकान, भवन, फ़्लैट, कमरा, कोठी आदि शब्दों का संबंध किससे होता है?

(क) हृदय की भावनाओं से

(ख) वैभव और समृद्धि से

(ग) स्थानीय सुविधाओं से

(घ) बनावट व सजावट से

(3) आज की पीढ़ी को सुख किसमें दिखाई दे रहा है?

(क) निजी जीवन व एकांतिकता में

(ख) पारिवारिक भावात्मक संबंधों में

(ग) बिना मेहनत सब कुछ मिल जाने में

(घ) धन कमाने के लिए जी तोड़ मेहनत करने में

(4) गद्यांश में प्रेम को घर का क्या बताया गया है?

(क) आभूषण | (ख) आधार

(ग) भरोसा | (घ) उल्लास

(5) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए-

कथन (A) - आदमी के अंदर संवेदनाओं की जगह मशीनियत बढ़ती जा रही है।

कारण (R) - व्यस्तता और अर्थोपार्जन की अति महत्वाकांक्षा ने उसे यहाँ तक पहुँचा दिया है।

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित दो पद्यांशों में से किसी एक पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- (1x5=5)

सच हम नहीं, सच तुम नहीं, सच है महज़ संघर्ष ही।।
संघर्ष से हटकर जिए तो क्या जिए हम या कि तुम
जो नत हुआ, वह मृत हुआ, ज्यों वृंत से झरकर कुसुम
जो पंथ भूल रुका नहीं,
जो हार देख झुका नहीं,
जिसने मरण को भी लिया हो जीत, है जीवन वही।। सच हम नहीं...

ऐसा करो जिससे न प्राणों में कहीं जड़ता रहे।
जो है जहाँ चुपचाप अपने आप से लड़ता रहे।
जो भी परिस्थितियाँ मिलें,
काँटे चुभें, कलियाँ खिलें,
टूटे नहीं इनसान, बस संदेश यौवन का यही।। सच हम नहीं....

अपने हृदय का सत्य अपने आप हमको खोजना।
अपने नयन का नीर अपने आप हमको पोंछना।
आकाश सुख देगा नहीं,
धरती पसीजी है कहीं!
हर एक राही को भटककर ही दिशा मिलती रही।। सच हम नहीं...

-जगदीश गुप्त

(1) इस कविता के केंद्रीय भाव हेतु दिए गए कथनों को पढ़कर सबसे सही विकल्प चुनिए-

4

कथन

(i) प्रतिकूलता के विरुद्ध जूझते हुए बढ़ना ही जीवन की सच्चाई है।

(ii) परिस्थितियों से समझौता करके जोखिमों से बचना ही उचित है।

(iii) लक्ष्य-संधान हेतु मार्ग में भटक जाने का भय त्याग देना चाहिए।

(iv) जीवन में 'अपने छाले, ख़ुद सहलाने' का दर्शन अपनाना चाहिए।

विकल्प

(क) कथन ii सही है।

(ख) कथन i व iii सही हैं।

(ग) कथन i, iii व iv सही हैं।

(घ) कथन i, ii, iii व iv सही हैं।

(2) मरण अर्थात मृत्यु को जीतने का आशय है-

(क) साधुता व साधना से अमरत्व प्राप्त करना

(ख) योगाभ्यास व जिजीविषा से दीर्घायु हो जाना

(ग) अर्थ, बल व दृढ़ इच्छाशक्ति से जीवन को कष्टमुक्त करना

(घ) जीवन व जीवन के बाद भी आदर्श रूप में स्मरण किया जाना

(3) 'आकाश सुख देगा नहीं, धरती पसीजी है कहीं...' का अर्थ है कि-

(क) आकाश और धरती दोनों में संवेदनशीलता नहीं है।

(ख) ईश्वर उदार है, अतः वही सुख देता है, वही पसीजता है।

(ग) जुझारू बनकर स्वयं ही जीवन के दुख दूर किए जा सकते हैं।

(घ) सामूहिक प्रयत्नों से ही संकट की स्थिति से निकला जा सकता है।

(4) अपने आप से लड़ने का अर्थ है-

(क) अपनी अच्छाइयों व बुराइयों से भलीभाँति परिचित होना

(ख) किसी मुद्दे पर दिल और दिमाग़ का अलग-अलग सोचना

(ग) अपने किसी ग़लत निर्णय के लिए स्वयं को संतुष्ट कर लेना

(घ) अपनी दुर्बलताओं की अनदेखी न करके उन्हें दृढ़ता से दूर करना

(5) युवावस्था हमें सिखाती है कि-

कथन पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए-

कथन

(i) स्वयं को चैतन्य, गतिशील, आत्मआलोचक व आशावादी बनाए रखें।

(ii) सजग रहें; जीवन में कभी कठिन परिस्थितियाँ उत्पन्न ही न होने दें।

(iii) सुख-दुख, उतार-चढ़ाव को भाग्यवादी बनकर स्वीकार करना सीखें।

(iv) प्रतिकूल परिस्थितियों के आगे घुटने न टेकें; बल्कि दो-दो हाथ करें।

विकल्प

(क) कथन i व ii सही हैं।

(ख) कथन i व iv सही हैं।

(ग) कथन ii व iii सही हैं।

(घ) कथन iii व iv सही हैं।

अथवा

'फ़सल' किसान के कच्चे-अधपके
सपनों की लहलहाती आस है
यह उसके हृदय की गहराइयों में
अंकुरित एक विश्वास है
यह विश्वास है-
ढही हुई दीवार की चिनाई का
अट्ठारह पार कर चुकी बेटी की सगाई का
परचूनिए की उधारी चुकाने का
मन के सपनों को नए परिधान पहनाने का
इसी विश्वास की सलामती के लिए
वह मूँदता है आँखें
दिन में न जाने कितनी बार...
और दुआएँ प्रेषित करता है ऊपर तक
भरोसे और आशंका की रस्साकशी में
न जाने कितनी बार वह जागता है नींद से

4

और जगा देना चाहता है उस परमात्मा को भी

जिसके बारे में सुनता आया है कि सभी कुछ उसके ही हाथ है...

और इसीलिए जब फ़सल सौंधियाती है

असल में, किसान के सपने सौंधियाते हैं

और फ़सल घर आ जाने पर, सपने पक जाते हैं...

-डॉ. विनोद 'प्रसून'

(1) फ़सल को किसानों के कच्चे-अधपके सपनों की लहलहाती आस कहने का कारण है-

कथन पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए-

कथन

(i) फ़सल देखकर बैंकों से सस्ते ब्याज पर ऋण सरलता से मिल जाना

(ii) फ़सल से किसान के स्वप्नों की संबद्धता और भावात्मक लगाव होना

(iii) फ़सल से जुड़े निराई, सिंचाई, कटाई, गहाई, भंडारण आदि के सपने देखना

(iv) फ़सल से ही जीवन की ज़रूरी इच्छाओं के साकार होने की संभावना जुड़ी होना

विकल्प

(क) कथन i व ii सही हैं।

(ख) कथन ii व iii सही हैं।

(ग) कथन ii व iv सही हैं।

(घ) कथन iii व iv सही हैं।

(2) किसान के ह्रदय की गहराइयों में अंकुरित हुए विश्वास की परिधि में आते हैं-

(क) कुछ पाकर सामाजिक कार्य करने की इच्छाएँ

(ख) अति आवश्यक कार्य एवं मन के भावात्मक सपने

(ग) आधुनिक कृषि यंत्र आदि जुटा लेने की अभिलाषाएँ

(घ) कठिन समय के लिए कुछ बचाकर रखने की योजनाएँ

(3) 'दुआएँ प्रेषित करता है ऊपर तक' का आशय है-

(क) ईश्वर को प्रसन्न करने के लिए व्रत-उपवास रखना

(ख) सामूहिक यज्ञ करके फ़सल की कुशलता की कामना करना

(ग) फ़सल की कुशलता हेतु मन ही मन ईश्वर से प्रार्थना करना

(घ) निवेदन को ग्राम्य विकास से जुड़े अधिकारियों तक पहुँचाना

(4) 'भरोसे और आशंका की रस्साकशी में' पंक्ति के आधार पर किसान की मनोदशा से जुड़ा विकल्प है-

(क) ईश्वर पर अटूट विश्वास कि वे फ़सल को कोई हानि नहीं होने देंगे

(ख) ईश्वर पर विश्वास, किंतु फ़सल की कुशलता को लेकर मन आशंकित रहना

(ग) परिश्रम पर पूर्ण विश्वास, किंतु 'भाग्य में क्या लिखा है' इससे सदा आशंकित रहना

(घ) स्वयं पर भरोसा करना, किंतु प्राकृतिक आपदाओं की आशंका से सदैव भयभीत बने रहना

(5) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए-

6

कथन (A) - किसान अपनी फ़सल के साथ भावात्मक रूप से जुड़ा होता है।

कारण (R) - व्यवसाय और व्यवसायी के बीच ऐसे संबंध स्वाभाविक हैं।

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

प्रश्न 3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से ' <u>चार</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **(1x**

(1) 'न तो तुम वहाँ जा सके, न ही मैं।' इसका सरल वाक्य होगा-

(क) तुम और मैं दोनों ही वहाँ नहीं जा सके।

(ख) तुम भी वहाँ नहीं जा सके और मैं भी वहाँ नहीं जा सका।

(ग) यद्यपि तुम और मैं वहाँ जा सकते थे, फिर भी नहीं जा सके।

(घ) चूँकि तुम वहाँ नहीं जा सके, इसलिए मैं भी वहाँ नहीं जा सका।

(2) 'सूर्योदय होते ही प्रकृति का सौंदर्य खिल उठता है।' इसका संयुक्त वाक्य होगा-

(क) सूर्योदय होने पर प्रकृति का सौंदर्य खिल उठता है।

(ख) सूर्योदय होता है और प्रकृति का सौंदर्य खिल उठता है।

(ग) जब सूर्योदय होता है, तब प्रकृति का सौंदर्य खिल उठता है।

(घ) क्योंकि सूर्योदय होता है, इसलिए प्रकृति का सौंदर्य खिल उठता है।

(3) आपके आवाज़ उठाने पर सभी आपके साथ खड़े हो जाएँगे। इसका मिश्र वाक्य होगा-

(क) आपके आवाज़ उठाते ही सभी आपके साथ खड़े हो जाएँगे।

(ख) आप आवाज़ उठाएँगे, तो सभी आपके साथ खड़े हो जाएँगे।

(ग) आप आवाज़ उठाएँगे और सभी आपके साथ खड़े हो जाएँगे।

(घ) आप आवाज़ उठाएँगे इसलिए सभी आपके साथ खड़े हो जाएँगे।

(4) निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य पहचानकर नीचे दिए गए सबसे सही विकल्प को चुनिए-

(i) आप कह सकते थे कि यह गलती आपने नहीं की है।

(ii) यदि आप अपना पक्ष रखते, तो अवश्य ही निर्दोष सिद्ध होते।

(iii) जब आपने गलती की ही नहीं है, तो उसका दंड आपको क्यों मिलेगा?

(iv) चूँकि दोषी कोई और है इसलिए आप यह दोष अपने ऊपर बिलकुल मत लीजिए।

7

विकल्प

(क) केवल कथन i सही है।

(ख) कथन ii व iii सही हैं।

(ग) कथन iii व iv सही हैं।

(घ) कथन i, ii, iii व iv सही हैं।

(5) कॉलम 1 को कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए-

कॉलम 1	**कॉलम 2**
(1) बिल्ली आई और दूध पी गई।	(i) सरल वाक्य
(2) यदि दूध बाहर न रखा होता, तो बिल्ली ऐसा नहीं कर पाती।	(ii) संयुक्त वाक्य
(3) हमें बिल्ली का जूठा दूध फेंकना पड़ा।	(iii) मिश्र वाक्य

विकल्प

(क) 1-iii, 2-i, 3-ii

(ख) 1-ii, 2-iii, 3-i

(ग) 1-ii, 2-i, 3-iii

(घ) 1-ii, 2-i, 3-iii

प्रश्न 4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं <u>चार</u> प्रश्नों के दीजिए- **(1**

(1) कॉलम 1 को कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए-

कॉलम 1	कॉलम 2
(1) भारत द्वारा मैच जीत लिया गया।	(i) कर्तृवाच्य
(2) गेंदबाज़ों ने मैच में बेहतरीन प्रदर्शन किया।	(ii) कर्मवाच्य
(3) विपक्षी बल्लेबाज़ों से क्रीज़ पर रुका नहीं जा सका।	(iii) भाववाच्य

विकल्प

(क) 1-ii, 2-i, 3-iii

(ख) 1-i, 2-iii, 3-ii

(ग) 1-ii, 2-iii, 3-i

(घ) 1-i, 2-ii, 3-iii

8

(2) इनमें कर्मवाच्य का उदाहरण है-

(क) रवीना ग़ज़ल नहीं गा पाती है।

(ख) रवीना से ग़ज़ल नहीं गाई जाती है।

(ग) रवीना पैदल नहीं चल पाती है।

(घ) रवीना से पैदल नहीं चला जाता है।

(3) इनमें कर्तृवाच्य का उदाहरण है-

(क) चलो, अब घर चलें।

(ख) चलो, अब घर चला जाए।

(ग) कैरम के बाद अब शतरंज खेली जाए।

(घ) हमारे द्वारा शतरंज खेली जा सकती है।

(4) 'दादी जी पढ़ नहीं सकतीं।' इसका भाववाच्य होगा-

(क) दादी जी कुछ भी पढ़ नहीं पाएँगी।

(ख) दादी जी से पढ़ा नहीं जा सकेगा।

(ग) दादी जी से पढ़ा नहीं जा सकता।

(घ) दादी जी कुछ भी पढ़ नहीं पाती हैं।

(5) 'बिना सहारे बूढ़ी माँ से अब चला नहीं जाता है।' इसका कर्तृवाच्य होगा-

(क) बिना सहारे बूढ़ी माँ अब चल नहीं सकेंगी।

(ख) बिना सहारे बूढ़ी माँ अब चल नहीं पाती हैं।

(ग) बिना सहारे बूढ़ी माँ अब चल नहीं पाएँगी।

(घ) बिना सहारे बूढ़ी माँ अब चल नहीं सकती हैं।

प्रश्न 5. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के दीजिए- (1

(1) 'चारों ओर छाई हरियाली मनमोहक लग रही थी।' रेखांकित अंश का पद-परिचय होगा-

(क) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(ख) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्म कारक

(ग) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

9

(2) 'ड्राइवर ने जोर से ब्रेक मारे।' रेखांकित अंश का पद-परिचय होगा-

(क) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, विशेष्य क्रिया-मारे

(ख) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, विशेष्य क्रिया-मारे

(ग) कालवाचक क्रियाविशेषण, विशेष्य क्रिया- मारे

(घ) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, विशेष्य क्रिया- मारे

(3) 'यह पुस्तक मैंने तब खरीदी थी, जब मैं पंद्रह वर्ष का था।' रेखांकित अंश का पद-परिचय होगा

(क) संकेतवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग

(ख) सार्वनामिक विशेषण, विशेष्य- पुस्तक

(ग) निपात, वाक्य के अर्थ को बल दे रहा है

(घ) परिमाणवाचक विशेषण, विशेष्य-पुस्तक

(4) 'हालदार साहब ने पान खाया।' रेखांकित अंश का पद-परिचय होगा-

(क) अकर्मक क्रिया, सामान्य भूतकाल, कर्तृवाच्य

(ख) सकर्मक क्रिया, कर्म-पान, सामान्य भूतकाल, कर्तृवाच्य

(ग) प्रेरणार्थक क्रिया, कर्म-पान, सामान्य भूतकाल, कर्तृवाच्य

(घ) द्विकर्मक क्रिया, कर्म-पान, हालदार साहब, सामान्य भूतकाल, कर्तृवाच्य

(5) कुछ लड़के बाहर खेल रहे हैं। चाय में कुछ पड़ा है। दोनों वाक्यों के कुछ का सामान्य पद-परि होगा-

(क) पहला कुछ- सार्वनामिक विशेषण, दूसरा कुछ- अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण

(ख) पहला कुछ- अनिश्चयवाचक सर्वनाम, दूसरा कुछ- अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण

(ग) पहला कुछ- अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण, दूसरा कुछ- अनिश्चयवाचक सर्वनाम

(घ) पहला कुछ- अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण, दूसरा कुछ- निश्चयवाचक सर्वनाम

प्रश्न 6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों दीजिए- (

(1) "अर्थ बिना कब पूर्ण हैं, शब्द, सकल जग-काज।
अर्थ अगर आ जाए तो, ठाठ-बाट औ' राज।।" इस दोहे में प्रयुक्त अलंकार है-

(क) श्लेष (ख) उत्प्रेक्षा

(ग) मानवीकरण (घ) अतिशयोक्ति

(2) "कैसे कलुषित प्राण हो गए।
मानो मन पाषाण हो गए।।" इन काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है-

10

(क) श्लेष (ख) उत्प्रेक्षा

(ग) मानवीकरण (घ) अतिशयोक्ति

(3) "इधर उठाया धनुष क्रोध में और चढ़ाया उस पर बाण।
धरा, सिंधु, नभ काँपे सहसा, विकल हुए जीवों के प्राण।।" इन काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंक

(क) श्लेष (ख) उत्प्रेक्षा

(ग) मानवीकरण (घ) अतिशयोक्ति

(4) "एक दिवस सूरज ने सोची, छुट्टी ले लेने की बात।
सोचा कुछ पल सुकूँ मिलेगा, चलने दो धरती पर रात।।" इन काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंक

(क) श्लेष (ख) उत्प्रेक्षा

(ग) मानवीकरण (घ) अतिशयोक्ति

(5) "कहती हुई यों उत्तरा के नेत्र जल से भर गए।

हिमकणों से पूर्ण मानो हो गए पंकज नए।।" इन काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है-

(क) श्लेष (ख) उत्प्रेक्षा

(ग) मानवीकरण (घ) अतिशयोक्ति

प्रश्न 7. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त वि चुनकर लिखिए- (1x5

कुछ नहीं पूछ पाए हालदार साहब। कुछ पल चुपचाप खड़े रहे, फिर पान के पैसे चुकाकर जीप में अ और रवाना हो गए। बार-बार सोचते, क्या होगा उस कौम का जो अपने देश की ख घर-गृहस्थी-जवानी-ज़िंदगी सब कुछ होम देने वालों पर भी हँसती है और अपने लिए बिकने के ढूँढ़ती है। दुखी हो गए। पंद्रह दिन बाद फिर उसी कस्बे से गुज़रे। कस्बे में घुसने से पहले ही ख आया कि कस्बे की हृदयस्थली में सुभाष की प्रतिमा अवश्य ही प्रतिष्ठापित होगी, लेकिन सुभाष आँखों पर चश्मा नहीं होगा।...क्योंकि मास्टर बनाना भूल गया।...और कैप्टन मर गया। सोचा, आज रुकेंगे नहीं, पान भी नहीं खाएँगे, मूर्ति की तरफ़ देखेंगे भी नहीं, सीधे निकल जाएँगे। ड्राइवर से दिया, चौराहे पर रुकना नहीं, आज बहुत काम है, पान आगे कहीं खा लेंगे। लेकिन आदत से चौराहा आते ही मूर्ति की तरफ़ उठ गईं। कुछ ऐसा देखा कि चीखे, रोको! जीप स्पीड में 11 ज़ोर से ब्रेक मारे। रास्ता चलते लोग देखने लगे। जीप रुकते-न-रुकते हालदार साहब जीप से कूदकर तेज़ कदमों से मूर्ति की तरफ़ लपके और उसके ठीक सामने जाकर अटेंशन में खड़े हो गए। मूर्ति आँखों पर सरकंडे से बना छोटा-सा चश्मा रखा हुआ था, जैसा बच्चे बना लेते हैं। हालदार साहब भ हैं। इतनी-सी बात पर उनकी आँखें भर आईं।

(1) हालदार साहब क्या सोचकर दुखी हो गए?

(क) नेता जी की मूर्ति की आँखों पर चश्मा न देखकर

(ख) देशभक्तों का मज़ाक उड़ाने वाली बिकाऊ कौम को देखकर

(ग) घर-गृहस्थी, जवानी-ज़िंदगी आदि की बीती हुई बातें सोचकर

(घ) देश में अलग-अलग कौमों की विचारधारा में बहुत अंतर देखकर

(2) 'सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति की आँखों पर चश्मा नहीं होगा...।' हालदार साहब ऐसा क्यों सोच रहे

(क) कैप्टन के सारे चश्मे बिक जाने के कारण

(ख) कैप्टन के गंभीर रूप से बीमार हो जाने के कारण

(ग) मूर्तिकार मास्टर की भूल और कैप्टन की मृत्यु के कारण

(घ) नटखट बच्चों द्वारा चश्मा बार-बार उतार दिए जाने के कारण

(3) हालदार साहब की आदत से मजबूर आँखों ने क्या किया?

(क) चौराहे पर आते ही पान की दुकान खोजने लगीं

(ख) उन्होंने कैप्टन का स्मरण किया और वे नम हो गईं

(ग) चौराहे पर आते ही स्वभावतः मूर्ति की ओर उठ गईं

(घ) बॉस पर चश्मे लगाकर उन्हें बेचते हुए कैप्टन को खोजने लगीं

(4) हालदार साहब क्यों चीख पड़े?

(क) पानवाले का बदला हुआ व्यवहार देखकर

(ख) नेता जी की मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा लगा देखकर

(ग) नेता जी की मूर्ति के पास बहुत सारे बच्चों को एकत्र देखकर

(घ) ड्राइवर के द्वारा उनके आदेश का पालन न किए जाने के कारण

(5) सरकंडे से बना छोटा-सा चश्मा किस बात का प्रतीक था?

(क) राष्ट्रीय धरोहरों को संरक्षण देने का

(ख) हस्तकला के प्रति बढ़ रहे अनुराग का

(ग) देशभक्तों के प्रति श्रद्धा व सम्मान का

(घ) सरकंडे जैसी वनस्पति को संरक्षित करने का

12

प्रश्न 8. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त वि चुनकर लिखिए- (1x

(1) बालगोबिन भगत साधु की सभी परिभाषाओं पर किन गुणों के कारण खरे उतरते थे?

(क) मधुर गायन, खेतीबाड़ी करना, गांधीवादी दर्शन, सारा समय पूजा पाठ में बिताना

(ख) मृत्यु से न घबराना, हर समय भजन में लीन रहना, बेटे व बहू से बहुत प्रेम करना

(ग) सात्विक गृहस्थ जीवन, सत्यवादिता, शुद्ध व्यवहार, कबीर दर्शन से सज्जित आत्मा

(घ) आस्तिकता, समाज-सेवा, प्रतिदिन मंदिर जाना, रास्ते में जो भी मिले, उसे उपदेश देना

(2) काशी को संस्कृति की पाठशाला इसलिए कहा गया है क्योंकि -

(क) यहाँ के लोग अपने बच्चों को धार्मिक संस्कार देते हैं।

(ख) यहीं से सांस्कृतिक संरक्षण अभियान का शुभारंभ हुआ था।

(ग) यहाँ गली-गली में पाठशालाएँ हैं, जिनमें संस्कार सिखाए जाते हैं।

(घ) यह विद्वानों, कला-मर्मज्ञों, कलाकारों, स्नेह व सद्भावना की पावन स्थली है।

प्रश्न 9. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त चुनकर लिखिए- (

तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला
प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ
आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ
तभी मुख्य गायक को ढाँढ़स बँधाता
कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर
कभी-कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ
यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है
और यह कि फिर से गाया जा सकता है
गाया जा चुका राग
और उसकी आवाज़ में जो एक हिचक साफ़ सुनाई देती है
या अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है
उसे विफलता नहीं
उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए।

(1) 'तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला' इस पंक्ति में 'उसका' शब्द किसके लिए प्रयो गया है?

(क) संगतकार के लिए (ख) प्रधान गायक के लिए

(ग) गाने के इच्छुक संगीत प्रेमियों के लिए (घ) वाद्ययंत्र बजाने वाले कलाकारों के लि

(2) संगतकार का स्वर मुख्य गायक की सहायता कब करता है?

(क) जब ऐसा करने के लिए उसका मन उससे कहता है

(ख) जब गायन को प्रभावी बनाकर वह वाहवाही लूटना चाहता है

(ग) गायक के द्वारा किसी पंक्ति विशेष को गाने का आग्रह किए जाने पर

(घ) गायक का कंठ कमज़ोर होने तथा प्रेरणा व उत्साह में गिरावट आने पर

(3) 'संगतकार' किसका प्रतीक है?

(क) संगीत को पागलपन की हद तक चाहने वाले जज़्बात का

(ख) स्वर को साधने के लिए अनवरत की जाने वाली साधना का

(ग) किसी की सफलता में निस्स्वार्थ सहयोग करने की भावना का

(घ) मनोरंजन, माधुर्य, मनुष्यत्व, अपनत्व, प्रतिबद्धता व प्रेरणा का

(4) कभी-कभी संगतकार गायक का यूँही साथ क्यों देता है?

(क) अपने आप को उसके समकक्ष प्रदर्शित करने के लिए

(ख) उसे यह संदेश देने के लिए कि वह स्वयं को अकेला न समझे

(ग) वह मुख्य गायक की कमज़ोरियों से पूरी तरह परिचित होता है

(घ) उसे विश्वास होता है कि बीच-बीच में गाने से गाने की मधुरता बनी रहेगी

(4) संगतकार की 'मनुष्यता' किन कार्यों से प्रकट होती है?

(क) प्रधान गायक की सेवा में सदैव श्रद्धापूर्वक जुटे रहने से

(ख) गाने से पहले प्रत्येक कार्य को करने की पूर्व योजना बनाने से

(ग) स्वयं को विशिष्ट न बनाकर प्रधान गायक की विशिष्टता बढ़ाने से

(घ) कार्यक्रम से पहले एवं उसके उपरांत प्रधान गायक के चरण स्पर्श करने से

प्रश्न 10. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक 14
चुनकर लिखिए-

(1) 'फ़सल' कविता में 'फ़सल' की श्रेष्ठ परिभाषा के साथ प्रकाश में आए अन्य बिंदु हैं-

(क) जैविक खेती को प्रोत्साहन एवं कृषि विज्ञान की समझ द्वारा खेती

(ख) पर्यावरण संरक्षण तथा उपभोक्तावाद, प्रकृति और मनुष्य के संबंध

(ग) कृषि संस्कृति से निकटता, प्रकृति एवं मनुष्य के सहयोग से सृजन

(घ) कर्मवाद एवं भाग्यवाद, वैज्ञानिक तरीके से कृषि करने का आह्वान

(2) गोपियों को उद्धव का शुष्क संदेश पसंद न आने का मुख्य कारण था-

(क) उद्धव के कठोर शब्द एवं अति कटु व्यवहार

(ख) उद्धव में वाक्-पटुता की कमी एवं हृदयहीनता

(ग) गोपियों का प्रेम मार्ग के स्थान पर ज्ञान मार्ग को पसंद

(घ) गोपियों का ज्ञान मार्ग के स्थान पर प्रेम मार्ग को पसंद करना

खंड - ख (वर्णनात्मक प्रश्न)

प्रश्न 11. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं <u>तीन</u> प्रश्नों के उत्तर लगभ 25-30 शब्दों में लिखिए- (2x:

(क) नवाब साहब की सनक नकारात्मक थी, किंतु हर सनक नकारात्मक नहीं होती। सोदाहरण कीजिए कि किस सनक को सकारात्मक कहा जा सकता है?

(ख) महानगरों की 'फ़्लैट-कल्चर' और लेखिका मन्नू भंडारी के परंपरागत 'पड़ोस कल्चर' में आपको अंतर दिखाई देता है? विचार करके लिखिए।

(ग) मंगलध्वनि किसे कहते हैं? बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगलध्वनि का नायक क्यों कहा ग स्पष्ट कीजिए।

(घ) सच्चे अर्थों में 'संस्कृत व्यक्ति' किसे कहा जा सकता है? 'संस्कृति' पाठ के आधार पर तर्क स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 12. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं <u>तीन</u> प्रश्नों के उत्तर लगभ 25-30 शब्दों में लिखिए- (2x:

15

(क) 'क्रोध से बात और अधिक बिगड़ जाती है।' 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' कविता के ... कथन की पुष्टि कीजिए।

(ख) आपके पाठ्यक्रम की किस कविता में कवि ने बादल से फुहार, रिमझिम तथा बरसने के स्था गरजने के लिए कहा है? इस आह्वान का क्या कारण है? अपने शब्दों में लिखिए।

(ग) 'पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण।' यह पंक्ति किस कविता से ली गई है और माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?

(घ) आत्मकथा लिखने के लिए किन गुणों की आवश्यकता होती है? कवि के लिए यह कार्य कठिन था? सोचकर लिखिए।

प्रश्न 13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए- (4x

(क) "वहीं सुख, शांति और सुकून है, जहाँ अखंडित संपूर्णता है। पेड़, पौधे, पशु और आदमी सब अ अपनी लय, ताल और गति में हैं। हमारी पीढ़ी ने प्रकृति की इस लय, ताल और गति से खिलवा अक्षम्य अपराध किया है।" 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर बताइए कि इस अक्षम्य अ का प्रायश्चित मनुष्य किस प्रकार कर सकता है?

(ख) रचनाकार की भीतरी विवशता ही उसे लेखन के लिए मजबूर करती है और लिखकर ही रच उससे मुक्त हो पाता है। 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर हिरोशिमा घटना से जोड़ते हुए इस की पुष्टि कीजिए।

(ग) 'माता का अँचल' पाठ में भोलानाथ का अपने माता-पिता से बहुत लगाव है। बचपन में हर एक पल के लिए भी माता-पिता का साथ नहीं छोड़ना चाहता है, किंतु माता-पिता के बूढ़े हो जा इनमें से ही कुछ उन्हें साथ न रखकर वृद्धाश्रम में पहुँचा देते हैं। ऐसे लोगों को आप किन शब समझाएँगे? विचार करके लिखिए।

प्रश्न 14. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में सार अनुच्छेद लिखिए-

(क) जीवन का कठिन दौर और मानसिक मज़बूती

संकेत-बिंदु-

- मानसिक दृढ़ता से मुश्किल हालातों का सामना संभव
- कठिन हालातों से दो-दो हाथ करने की शक्ति
- अनेक संघर्षशील व्यक्तियों के उदाहरण
- मानसिक दृढ़ता का संकल्प

16

(ख) साइबर युग, साइबर ठगी : सावधानियाँ एवं सुरक्षा उपाय

संकेत-बिंदु-

- बढ़ते ऑनलाइन कार्य
- साइबर ठगी की बढ़ती घटनाएँ
- सावधानियाँ
- इससे बचने के उपाय

(ग) बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय

संकेत-बिंदु-

- दूसरों की कमियाँ देखना स्वाभाविक प्रवृत्ति
- इस प्रवृत्ति का समाज पर प्रभाव
- अपने अंदर झाँकना आवश्यक
- आत्मनिरीक्षण का संकल्प

प्रश्न 15. आप मनस्वी मौर्य/ मनस्विता मालवीय हैं। बरसात के दिनों में दुर्घटना को दावत देते खुले प सीवर लाइन के मैनहोलों के संदर्भ में दैनिक जागरण, अ ब स नगर के संपादक को एक समाच प्रकाशित करने का अनुरोध करते हुए लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए। **(5**

अथवा

आप श्रेयस राजपूत/ श्रेयसी सिंह हैं। आप छात्रावास में रहते हैं। आपको पिता जी से पता चला है f आपकी माता जी पूरे परिवार का तो ध्यान रखती हैं, किंतु अपने स्वास्थ्य की अक्सर अनदेखी करती माता जी को समझाते हुए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

प्रश्न 16. आप तरुण वैश्य/ तरुणा वैश्य हैं। आप बी.एड कर चुके हैं। आपको विवेक इंटरनेशनल स्कूल, अ ब स नगर में हिंदी अध्यापक/ अध्यापिका पद के लिए आवेदन करना है। इसके लिए आप अपना ए संक्षिप्त स्ववृत्त (बायोडाटा) लगभग 80 शब्दों में तैयार कीजिए। **(5**

अथवा

आप रॉबर्ट पॉल/ डॉली डिसूजा हैं। आपने अ ब स प्रकाशन, क ख नगर से ऑनलाइन कुछ पुस्त मँगवाई थीं। प्रकाशन द्वारा उनमें से दो पुस्तकें किसी अन्य लेखक की भेज दी गई हैं और एक पुस्त के पहले कुछ पेज फटे हुए हैं। इसकी शिकायत करते हुए तथा इन पुस्तकों को शीघ्र लौटाने और न पुस्तकें भिजवाने के लिए प्रकाशन के वरिष्ठ प्रबंधक को लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखिए।

अपठित गद्यांश, पद्यांश एवं व्याकरण

निर्धारित समय : 3 घंटे पूर्णांक :80

सामान्य निर्देश :

(1) एस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं - खंड 'क' और 'ख' | खंड -क में वस्तुपुरक / बहुविकल्पी और खंड- ख में वस्तुनिष्ठ /वर्णात्मक प्रश्न दिए गए हैं |

(2) प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 17 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं |

(3) यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए |

(4) खंड 'क' में कुल 10 प्रश्न हैं ,जिनमे उपप्रश्नों की संख्या 49 हैं |दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य हैं |

(5) खंड 'ख' में कुल 7 प्रश्न है ,सभी प्रश्नों के उनके विकल्प भी दिए गए हैं |निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए |

अपठित बोध(गद्य)

'अपठित गद्यांश' के अंतर्गत किसी अपठित अनुच्छेद को पढ़कर उससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर देने होते हैं। ध्यान यह रखना होता है कि उत्तर वही दिए जाएँ जो उस अनुच्छेद में दिए गए हों। छात्र को अपनी ओर से नई जानकारी नहीं देनी चाहिए।

हल करने की विधि :-

-सबसे पहले आपको चाहिए कि आप गद्यांश को सावधानीपूर्वक पढ़ें। यदि कुछ शब्द या वाक्य समझ न आए, तो भी घबराने की आवश्यकता नहीं।

-अब आप नीचे दिए गए प्रश्नों को पढ़ें।

-इसके पश्चात् आप प्रश्नों को ध्यान में रखते हुए अनुच्छेद को फिर से पढ़ें। जिन-जिन प्रश्नों के उत्तर मिलते चले जाएँ, उन पर निशान लगाते चले जाएँ तथा उत्तरों को रेखांकित करते चले जाएँ।

जिन प्रश्नों के उत्तर अस्पष्ट रह गए हों, उन्हें फिर से सावधानीपूर्वक पढ़ें। सोचने पर उनके उत्तर अवश्य मिल जाएँगे। बार-बार पढ़ने से आपकी सारी समस्याएँ हल हो जाएँगी।

शीर्षक का चुनाव- शीर्षक चुनते समय ध्यान रखें-

*शीर्षक मूल विषय से संबंधित होना चाहिए।

*शीर्षक संक्षिप्त, आकर्षक तथा सार्थक होना चाहिए।

*शीर्षक में अनुच्छेद से संबंधित सारी बातें आ जानी चाहिए।

*शीर्षक का व्याप मूल विषय से अधिक नहीं होना चाहिए।

सावधानी:

बहुविकल्पी उत्तरों में कई बार मिलते-जुलते अर्थ वाले विकल्प आ जाते हैं। ऐसी स्थिति में प्रयुक्त शब्द की शक्ति, सीमा और अर्थ-भार पर ध्यान रखना चाहिए। स्वयं से पूछना चाहिए कि क्या दिए गए उत्तर का संबंध पूरे अनुच्छेद से है या उसमें कुछ कमी या अधिकता है। इस प्रकार आप ठीक उत्तर का चुनाव कर सकेंगे।

निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर उनसे संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. एक व्यक्ति को अपने जीवन में कई भूमिका निभाने पड़ती हैं जिनमें से उसकी अधिकतम निर्णायक भूमिका एक कमाने वाले सदस्य के रूप मे है, यह इसलिए नहीं है कि एक व्यक्ति इस भूमिका को निभाने में अपने जीवन का लगभग एक तिहाई समय लगा देता है अपितु इसलिए कि या उसकी आजीविका और परिस्थिति को निर्धारित करती है तथा उसको अपने परिवार और समाज के सामाजिक दायित्व पूरा करने के योग्य बनाती है |

यह उसे शक्तिशाली भी बनाती है । यदि सक्षम और अंतर्निहित शक्ति रखने वाला व्यक्ति काम करने से इनकार करता है या उसे काम नहीं मिलता है तो ना केवल उसे समाज में कोई प्रतिष्ठा मिलती है ,अपितु अनेक भावनात्मक एवं सामाजिक समस्या से भी ग्रसित हो जाता है। उसकी दशा से वही प्रभावित नहीं होता, बल्कि उसका परिवार और समाज भी प्रभावित होता हैं। इसमें कोई आश्चर्य नहीं यदि बेरोजगारी को समाज की सबसे महत्वपूर्ण समाजशास्त्रीय समस्या कहा गया है।इसलिए ऐसी सब संस्कृतियों में जो अपने को लोकतांत्रिक करने का दावा करती है, रोजगार के अवसर अवश्य होने चाहिए।रोजगार के समान अवसर ही अर्जित परिस्थिति को समान रूप से प्राप्त करने के लिए एक पूर्व अपेक्षा है। बेरोजगारी से निपटने के लिए अभी तक दो दिशा में प्रयत्न हुए हैं

प्रथम,बेरोजगार की स्थिति का निवारण करना और द्वितीय,बेरोजगारी को ही खत्म करना। चूंकि स्थानीय समुदाय इस समस्या को सुलझाने में असमर्थ रहे, अतः केंद्र और राज्य, दोनों सरकारों ने स्वतंत्रता के बाद इस समस्या को अपने हाथों में लिया। फिर भी वैसे सुलझाने प्रभावशाली नहीं रही और उन व्यक्तियों को जो आत्मनिर्भर नहीं है,उनको सहायता प्रदान नहीं कर पाए।सरकार अभी तक बेरोजगारी को एक सामाजिक तथ्य मानने के बजाय एक आर्थिक घटना ही मानती है।

प्रश्न1. उपरोक्त गद्यांश आधार पर निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

कथन I स्थानीय स्तर पर बेरोजगारी की समस्या का समाधान नहीं हो सकता

कथन II सरकार अब तक समस्या के सही रूप को पहचान करने में विफल है|

उपरोक्त में से कौन सा कथन सही है

(क) केवल I (ख) केवल I,II (ग) केवल II (घ) न तो I,और न ही II

उत्तर (ग) केवल II

प्रश्न 2. निम्न कथनों पर विचार कीजिए|

कथन I बेरोजगारी महज एक आर्थिक समस्या है |

कथन II रोजगार व्यक्ति के पारिवारिक और सामाजिक दायित्व को पूरा करने के लिए भी आवश्यक है|

कथन III लोकतंत्र को सुचारू रूप से चलाने में इसकी अनिवार्य भूमिका है|

(क) केवल I (ख) केवल I,II (ग) I , II III (घ) कोई नहीं

उत्तर (ख) केवल I,II

प्रश्न 3. एक व्यक्ति की अपने जीवन में सबसे अधिक निर्णायक भूमिका किस रूप में होती है

(क) पति के रूप मे (ख) कमाने वाले सदस्य के रूप मे

(ग) पिता के रूप मे (घ) सभी मे

उत्तर (ख) कमाने वाले सदस्य के रूप मे

प्रश्न 4. एक कमाने वाले सदस्य के रूप में व्यक्ति की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण क्यों है?

(क)यह व्यक्ति को परिवार की सहायता करने के योग्य बनती है

(ख) यह व्यक्ति को परिवार की सहायता करने की योग्य बनाती है तथा परिवार के सामाजिक दायित्व को पूरा करने के योग्य बनाती हैं ।

(ग)इससे व्यक्ति आर्थिक रूप से सम्पन्न बनाता है |

(घ) उपरोक्त सभी

उत्तर (घ) उपरोक्त सभी

प्रश्न 5. बेरोजगारी से निपटने के लिए अभी तक किन दिशाओं मे प्रयास हुए हैं|

(A) बेरोजगार की स्थिति का निवारण करना (B) बेरोजगारी को ही खत्म करना

निम्न में से उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए |
(क) केवल A (ख) केवल B (ग) A और B दोनों (घ) कोई भी नहीं
उत्तर (ग) Aऔर B दोनों

2. शिक्षा जीवन के सर्वांगीण विकास हेतु अनिवार्य है |शिक्षा के बिना मनुष्य विवेकशील और शिष्ट नहीं बन सकता| विवेक से मनुष्य में सही और गलत का चयन करने की क्षमता उत्पन्न होती है| विवेक से ही मनुष्य के भीतर उसके चारों और नित्य प्रति होते घटनाक्रमों के प्रति एक छिद्रान्वेषी दृष्टिकोण उत्पन्न होता है। शिक्षा ही मानव को मानव के प्रति माननीय भावनाओं से पोषित करती है। शिक्षा से मनुष्य अपने परिवेश के प्रति जागृत होकर कर्तव्य अभीमुख हो जाता है। ' स्व 'से 'पर ' की ओर अग्रसर होने लगता है।निर्बल की सहायता करना ,दुखियों के दुख दूर करने का प्रयास करना, दूसरों के दुख से दुखी हो जाना और दूसरों के सुख से स्वयं सुख का अनुभव करना जैसी बातें एक शिक्षित मानव में सरलता से देखने को मिल जाती है। इतिहास, साहित्य, राजनीतिशास्त्र,समाजशास्त्र, दर्शनशास्त्र इत्यादि पढ़कर विद्यार्थी विद्वान ही नहीं बल्कि उसमें एक विशिष्ट जीवन दृष्टि,रचनात्मकता और परिपक्वता का सृजन भी होता है।शिक्षित सामाजिक परिवेश में व्यक्ति अशिक्षित सामाजिक परिवेश की तुलना में सदैव उच्च स्तर पर जीवन यापन करता है ।परंतु आज शिक्षा का अर्थ बदल रहा है। शिक्षा आज भौतिक आकांक्षा की चेरी बनती जा रही है। व्यावसायिक शिक्षा के अंधानुकरण में छात्र सैद्धांतिक शिक्षा से दूर होते जा रहे हैं। रूस की क्रांति , फ्रांस की क्रांति , अमेरिका की क्रांति, समाजवाद, पूंजीवाद, राजनीतिक व्यवस्था,सांस्कृतिक मूल्यों आदि की सामान्य जानकारी भी व्यवसायिक शिक्षा यह करने वाले छात्रों को नहीं है।यह शिक्षा का विशुद्ध रोजगारकरण है |

प्रश्न 1. गद्यांश के अनुसार शिक्षा व्यक्ति में किस प्रकार की दृष्टिकोण का विकास करती है?
(क) उचित और अनुचित का ज्ञान कराने वाले (ख) मानवता पूर्ण भाव का
(ग) पर छिद्राअन्वेषण करने में समर्थ (घ) चारों ओर के घटनाक्रमों को देखने वाला
उत्तर (क) उचित और अनुचित का ज्ञान कराने वाले

प्रश्न 2. गद्यांश के अनुसार शिक्षा के विशुद्ध रोजगारकरण का क्या कारण है?
(क) शिक्षा को रचनात्मक एवं परिपक्व बनाना (ख) शिक्षा के व्यवसाय पक्ष को विकसित करना
(ग) शिक्षा को समर्थ एवं समुचित बनाना (घ) शिक्षा द्वारा भौतिक इच्छाओं की पूर्ति
उत्तर (घ) शिक्षा द्वारा भौतिक इच्छाओं की पूर्ति

प्रश्न3. व्यावसायिक शिक्षा के अंधानुकरण में छात्र किस प्रकार की शिक्षा से दूर होते जा रहे हैं?
(क) प्रायोगिक शिक्षा (ख)सैद्धांतिक शिक्षा (ग) उपर्युक्त दोनों से (घ)किसी से नहीं
उत्तर (ख)सैद्धांतिक शिक्षा

प्रश्न4. मनुष्य में सही और गलत का चयन करने की क्षमता आती है;
(क) विवेक से (ख) बुद्धि से (ग) मन से (घ) अध्ययन से
उत्तर (क) विवेक से

प्रश्न5. निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिये |
कथन (A)- शिक्षा के बिना मनुष्य विवेकशील और शिष्ट नहीं बन सकता
कारण (R) - विवेक से मनुष्य में सही और गलत का चयन करने की क्षमता उत्पन्न होती है।
(क) कथन (A) सही है कारण (R) सही है, कारण कथन की व्याख्या करता है |
(ख) कथन (A) सही है कारण (R) सही है, कारण कथन की व्याख्या नहीं करता
(ग) कथन (A) सही है कारण (R) गलत है
(घ) कथन (A) गलत है कारण (R) सही है

उत्तर (क) कथन (A) सही है कारण (R) सही है, कारण कथन की व्याख्या करता है |

3. चंपारण सत्याग्रह के बीच जो लोग गांधी जी के संपर्क में आए वे आगे चलकर देश के निर्माताओं में गिने गए। चंपारण में गांधी जी न सिर्फ सत्य और अहिंसा का सार्वजनिक हितों में प्रयोग कर रहे थे बल्कि हलुवा बनाने से लेकर सिल पर मसाला पीसने और चक्की चलाकर गेहूँ का आटा बनाने की कला भी उन बड़े वकीलों को सिखा रहे थे, जिन्हें गरीबों की अगुवाई की जिम्मेदारी सौंपी जानी थी। अपने इन आध्यात्मिक प्रयोगों के माध्यम से वे देश की गरीब जनता की सेवा करने और उनकी तकदीर बदलने के साथ देश को आजाद कराने के लिए समर्पित व्यक्तियों की एक ऐसी जमात तैयार करना चाह रहे थे जो सत्याग्रह की भट्ठी में उसी तरह तपकर निखरे, जिस तरह भट्ठी में सोना तपकर निखरता और कीमती बनता है।

गांधी जी की मान्यता थी कि एक प्रतिष्ठित वकील और हज़ामत बनाने वाले हज़्ज़ाम में पेशे के लिहाज़ से कोई फ़र्क नहीं, दोनों की हैसियत एक ही हैं। उन्होंने पसीने की कमाई को सबसे अच्छी कमाई माना और शारीरिक श्रम को अहमियत देते हुए उसे उचित प्रतिष्ठा व सम्मान दिया था। कोई काम बड़ा नहीं, कोई काम छोटा नहीं, इस मान्यता को उन्होंने प्राथमिकता दी ताकि साधन शुद्धता की बुनियाद पर एक ठीक समाज खड़ा हो सके। आज़ाद हिंदुस्तान आत्मनिर्भर, स्वावलंबी और आत्म-सम्मानित देश के रूप में विश्व-बिरादरी के बीच अपनी एक खास पहचान बनाए और फिर उसे बरकरार भी रखे।

प्रश्न1.चंपारण सत्याग्रह से जो लोग गांधी जी के संपर्क मे आए वे गिने गए?

(क) देश के वीरों मे (ख) देश के निर्माताओं मे (ग) देश के बड़े लोगों मे (घ)कोई नहीं

उत्तर (ख) देश के निर्माताओं मे

प्रश्न2. किसी काम या पेशे के बारे मे गांधी जी की क्या मान्यता थी?

(क) सभी काम और पेशे बड़े छोटे होते हैं

(ख)किस काम या पेशे के बारे में गांधी जी की मान्यता यह थी कि एक प्रसिद्ध वकील और हज्जाम के पेशे में कोई अंतर नहीं है|

(ग) बड़े लोगों के बड़े व्यवसाय होते हैं |

(घ) उपर्युक्त सभी

उत्तर (ख)किस काम या पेशे के बारे में गांधी जी की मान्यता यह थी कि एक प्रसिद्ध वकील और हज्जाम के पेशे में कोई अंतर नहीं है|

प्रश्न3.गांधी जी सबसे अच्छी कमाई किसे मानते थे?

(क) पसीने की कमाई (ख) खून की कमाई (ग)धन की कमाई (घ) इज्जत की कमाई

उत्तर (क) पसीने की कमाई

प्रश्न4. चंपारण सत्याग्रह के दौरान गांधी जी आध्यात्मिक प्रयोग क्यों कर रहे थे?

(I) गरीब जनता को देश की सेवा के लिए तैयार करने के लिए

(ii) देश को आजाद करने के लिए

उपरे दिए गए कथन के आधार पर सही विकल्प का चयन कीजिए |

(क) i और ii दोनों सही हैं (ख) I सही और ii गलत है

(ग) I गलत और ii सही हैं (घ) I और ii दोनोंगलत हैं

उत्तर(क) i और ii दोनों सही हैं

प्रश्न5. आत्मनिर्भर शब्द का का विलोम क्या होगा है ?

(क) स्वनिर्भर (ख) परनिर्भर (ग) सब पर निर्भर (घ) लोगों पर निर्भर

4. आज की भारतीय शिक्षित नारी को गृहणी के रूप में न देख पाना पुरूषों की एकांगी दृष्टि का परिणाम है। विवाह के बाद बदली हुई उनकी मनः स्थिति तथा परिस्थितियों की कठिनाइयों पर ध्यान नहीं दिया जाता। उसकी रूचियों और भावनाओं की उपेक्षा की जाती है। पुरूष यदि अपने सुख के साथ पत्नी के सुख का ध्यान रखे, तो वह अच्छी गृहणी हो सकती है। पत्नी और पति दोनों का कर्तव्य है कि वे एक-दूसरे के कार्य में हाथ बटाएँ और एक-दूसरे की भावनाओं, इच्छाओं और रूचियों का ध्यान रखें। आखिर नारी भी तो मनुष्य है। उसकी अपनी जरूरतें भी हैं और वह भी परिवार में, पड़ोस तथा समाज में सम्मान पाना चाहती है। यदि नारी त्याग की मूर्ति है, तो पुरूष को बलिदानी होना चाहिए।

प्रश्न1. किसकी रूचियों और भावनाओं की उपेक्षा की जाती है?

(क) नारी की (ख) पुरूष की (ग) संत की (घ) कवि की

ऊतर (क) नारी की

प्रश्न 2. पुरूष को अपने सुख के साथ और किसके सुख का ध्यान रखना चाहिए?

(क) स्वदेशी के (ख) पत्नी के (ग) पड़ोसी के (घ) विदेशी के

उत्तर (ख) पत्नी के

प्रश्न3.सुखी वैवाहिक जीवन के लिए पत्नी और पति को किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

(क) एक-दूसरे के नाम में हाथ बँटाएँ (ख) एक-दूसरे की भावनाओं का ध्यान रखें

(ग) एक-दूसरे की इच्छाओं और रूचियों का ध्यान रखें (घ) उपर्युक्त तीनों

उत्तर(घ) उपर्युक्त तीनों

प्रश्न4. यदि नारी त्याग की मूर्ति है तो पुरूष को होना चाहिए-

(क) स्वार्थी (ख) परिश्रमी (ग) बातूनी (घ) बलिदानी

उत्तर (घ) बलिदानी

प्रश्न5. निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिये |

कथन (A)दाम्पत्य जीवन मे सुखी रहने के लिए पति- पत्नी दोनों का खुश रहना जरूरी है

कारण(R) खुश रहने के लिए पति- पत्नी दोनों को एक दूसरे का ध्यान रखना चाहिए |

(क) कथन (A) सही है कारण (R) सही है, कारण कथन की व्याख्या करता है |

(ख) कथन (A) सही है कारण (R) सही है, कारण कथन की व्याख्या नहीं करता

(ग) कथन (A) सही है कारण (R) गलत है

(घ) कथन (A) गलत है कारण (R) सही है

उत्तर (क)कथन (A) सही है कारण (R) सही है, कारण कथन की व्याख्या करता है |

5. हमारे देश के त्योहार चाहे धार्मिक दृष्टि से मनाये जा रहे हों या नये वर्ष के आगमन के रूप मे, फसल की कटाई एवं खलिहानों के भरने की खुशी में हों या महापुरुषों की याद में, सभी विशेषताओं एवं अपने क्षेत्रीय प्रभाव से युक्त होने के साथ ही देश की राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक एकता और अखंडता को मजबूती प्रदान करते हैं। ये त्योहार जहाँ जनमानस में उल्लास, उमंग एवं खुशहाली भर देते हैं वहीं हमारे अंदर देशभक्ति एवं गौरव की भावना के साथ-साथ विश्व-बंधुत्व और समन्वय की भावना भी बढ़ाते हैं। इनके द्वारा महापुरुषों के उपदेश हमें बार-बार इस बात की याद दिलाते हैं कि सद्विचार एवं सद्भावना द्वारा ही हम प्रगति की ओर बढ़ सकते हैं। इन त्योहारों के माध्यम से हमें यह भी शिक्षा मिलती है कि वास्तव में धर्मों का मूल लक्ष्य एक है, किन्तु उस लक्ष्य तक पहुँचने के तरीके अलग-अलग हैं।

प्रश्न1. त्योहार मनाए जाने के सम्बन्ध में कौन सा कथन सत्य है ?

(क) धार्मिक दृष्टि से (ख) नये वर्ष के आगमन के रूप में (ग) महापुरुषों की याद में (घ) उपर्युक्त सभी

उत्तर (घ) उपर्युक्त सभी

प्रश्न2. त्योहार क्यों महत्वपूर्ण हैं?

(i) मनोरंजन के लिए

(ii) व्यापार के लिए

(iii) धर्म के लिए

(iv) राष्ट्र और संस्कृति की अखंडता के लिए

उपरोक्त के आधार पर उचित विकल्प का चयन करें |

(क) (i), (ii) (ख) (ii), (iii) (ग) (i), (iv) (घ) (iii) , (iv)

उत्तर (घ) (iii) , (iv)

प्रश्न 3. त्योहारों से लाभ के सम्बन्ध में कौन सा कथन सत्य है?

कथन (I) भाईचारा बढ़ता है,

कथन (ii) आनंद में वृद्धि होती है

कथन (iii) खुशहाली आती है

कथन (iv) विश्व-बंधुत्व और समन्वय की भावना है

(क)(i) . (iv) (ख) (ii), (iv) (ग) (iii), (i) (घ) (iv), (ii), (iii),(i)

उत्तर (घ) (iv), (ii), (iii),(i)

प्रश्न4. त्योहारों से शिक्षा मिलती है-?

(क) मित्रता से रहने की (ख) विश्व-बंधुत्व की (ग) सद्भावना से रहने की (घ) सभी धर्मों का लक्ष्य एक है

उत्तर (घ) सभी धर्मों का लक्ष्य एक है

प्रश्न 5. “ धार्मिक “ शब्द में प्रत्यय और मूल शब्द है ?

(क) धरम,इक (ख) धार्मिक, इत (ग) धर्म ,एक (घ) धर्म ,इक

उत्तर-(घ) धर्म ,इक

अपठित बोध(पद्य)

1. छोड़ो मत अपनी आन, सीस कट जाए ,
मत झुको अनय पर,भले व्योम फट जाए ।
दो बार नहीं यमराज कंठ धरता है ,
मरता है जो,एक बार ही मरता है ।
तुम स्वयं मरण के मुख पर चरण धरो रे ।
जीना हो तो मरने से नहीं डरो रे ।
स्वातंत्र्य जाति की लगन,व्यक्ति की धुन है ,
बाहरी वस्तु यह नहीं,भीतरी गुण है ।
नत हुए बिना जो अशनि-घात सहती है ,
स्वाधीन जगत में वही जाति रहती है ।
वीरत्व छोड़,मत पर का चरण गहो रे ।
जो पड़े आन,खुद ही सब आन सहो रे ।
दासत्व जहाँ है,वहीं स्तब्ध जीवन है ,
स्वातंत्र्य निरंतर समर,सनातन रण है ।

स्वातंत्र्य समस्या नहीं आज या कल की ,
जागृति तीव्र यह घड़ी-घड़ी पल-पल की ।
पहरे पर चारों ओर सतर्क लगो रे ।
धर धनुष-बाण उद्यत दिन-रात जगो रे ॥

प्रश्न1. प्रस्तुत काव्यांश के माध्यम से कवि क्या प्रेरणा देना चाहता है?

(क) अत्याचारी न बनने का (ख) स्वाभिमानी बनने का

(ग) अन्यायी न बनने का (घ) बलिदानी बनने का

उ० - (ख) स्वाभिमानी बनने का

प्रश्न2. निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिये |

कथन (A) संसार मे वही जाती स्वतंत्र रहती है जो बिना झुके विपदाओं को झेलती है |

कारण(R) झुकने से व्यक्ति टूट जाता है |

(क) कथन (A) सही है कारण (R) सही है, कारण, कथन की व्याख्या करता है |

(ख) कथन (A) सही है कारण (R) सही है, कारण,कथन की व्याख्या नहीं करता

(ग) कथन (A) सही है कारण (R) गलत है

(घ) कथन (A) गलत है कारण (R) सही है

उत्तर-(ग) कथन (A) सही है कारण (R) गलत है

प्रश्न 3. संसार में कौन सी जाति स्वतंत्र रहती है?

(क) जिसे कोई पकड़ नहीं सकता (ख) जो जाति डरकर रहती है ।

(ग) जिसकी धुन स्वतंत्र रहना हो (घ) जो जाति दूसरों पर अत्याचार करती है।

उत्तर-(ग) जिसकी धुन स्वतंत्र रहना हो

उ० - (ग) जिसकी धुन स्वतंत्र रहना हो

प्रश्न 4. 'अन्याय' और 'आकाश' के लिए कविता में कौन-कौन से शब्द प्रयोग हुए हैं?

(क) अनय और व्योम (ख) आन और अशनि

(ग) स्वातंत्र्य और आन (घ) दासत्व और व्योम

उ० - (क) अनय और व्योम

प्रश्न5. प्रस्तुत काव्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक होगा ?

(क) परतंत्र जीवन (ख) स्वतंत्र जीवन

(ग) सांसारिक जीवन (घ) आध्यात्मिक जीवन

उ० - (स) स्वतंत्र जीवन

2 मैंने झुक नीचे को देखा ,
तो झलकी आशा की रेखा
विप्रवर स्नान कर चढ़ा सलिल
शिव पर दूर्वा दल ,तंडुल ,तिल ,
लेकर झोली आए ऊपर ,
देखकर चले तत्पर वानर |
द्विज राम भक्त ,भक्ति की आस
भजते शिव को बारहों मास ;
कर रामायण का पारायण ,

जपते हैं श्रीमन्नारायण ,
दुख पते जब होते अनाथ ,
कहते कपियों के जोड़े हाँथ ,
मेरे पड़ोस के वे सज्जन ,
करते प्रतिदिन सरिता-मज्जन ,
झोली से पुए ,निकाल लिए ,
बढ़ते कपियोंके हाँथ दिए ,
देखा भी नहीं उधर फिर कर
जिस ओर रहा वह भिक्षु इतर ,
चिल्लाया किया दूर दानव ,
बोल मैं -"धन्य ,श्रेष्ठ मानव! "

*उपर्युक्त पद्यांश के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर विकल्प का चयन कीजिए |

प्रश्न 1. ब्राहमण ने स्नान कार शिव पर क्या-क्या अर्पित किए ?

(I) दुर्वादल (ii) तंदुल (iii) तिल (iv) पुष्प

सही विकल्प ल का चयन कीजिए |

(क) i ,ii ,iv (ख) ii , iv ,iii (ग) i ,ii , iii (घ) i ,ii ,iii ,iv

उत्तर-(ग) i ,ii , iii

प्रश्न2.श्रेष्ट ब्राहमण किसके परम भक्त थे?

(क) कृष्ण के (ख) राम के (ग)शिव के (घ) इनमे से किसी के नहीं

उत्तर-(ग) शिव के

प्रश्न3 . निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिये |

कथन (A) कवि ब्राहमण के कृत्यों को देखकर दुखी होता है |

कारण (R) क्योंकि ब्राहमण असहाय भिक्षु के बजाय वानरों को मालपूए दे रहा था |

(क) कथन (A) सही है कारण (R) सही है, कारण, कथन की व्याख्या करता है |

(ख) कथन (A) सही है कारण (R) सही है, कारण,कथन की व्याख्या नहीं करता

(ग) कथन (A) सही है कारण (R) गलत है |

(घ) कथन (A) गलत है कारण (R) सही है |

उत्तर (क) कथन (A) सही है कारण (R) सही है, कारण, कथन की व्याख्या करता है |

प्रश्न4 .श्रेष्ठ मानव किसके लिए प्रयुक्त हुआ हैं ?

(क) ढोंगी व्यक्तियों पर व्यंग के लिए (ख) सदाचारी व्यक्तियों कर लिए

(ग) भिक्षुओं के लिए (घ) दानी व्यक्तियों के लिए

उत्तर-(क) ढोंगी व्यक्तियों पर व्यंग्य के लिए

प्रश्न5. 'सज्जन' शब्द का सही विलोम होगा |

(क) सतजन (ख) दुर्जन (ग) लोभीजन (घ) विजन

उत्तर-(ख) दुर्जन

3. पूर्व चलने के बटोही,
बाट की पहचान कर ले।
पुस्तकों में है नहीं

छापी गई इसकी कहानी,
हाल इसका ज्ञात होता
है ना औरों की जबानी,
अनगिनत राही गए इस
राह से, उनका पता क्या ,
पर गए कुछ लोग इस पर
छोड़ पैरों की निशानी,
यह निशानी मूक होकर
भी बहुत कुछ बोलती है,
खोल इसका अर्थ, पंथी,
पंथ का अनुमान कर ले ।
पूर्व चलने के बटोही,
बाट की पहचान कर ले।

प्रश्न 1.कवि के अनुसार हमारी जीवन यात्रा की कठिनाइयों के बारे मे कहाँ नहीं लिखा गया हैं ?

(क) किस्मत मे (ख) पन्नों मे (ग) पुस्तकों मे (घ) हाथ की लकीरों मे

ऊत्तर-(ग) पुस्तकों मे

प्रश्न 2. किनके पद चिन्हों मे जीवन की सफलता के अनेक रहस्य छिपे हैं ?

(क) महापुरुषों के (ख) राही के (ग) बटोही (घ) इनमे से कोई नहीं

उत्तर-(क) महापुरुषों के

प्रश्न 3. काव्यांश मे रास्ते के लिए किन - किन शब्दों का प्रयोग हुआ है ?

(I) पंथ (ii) बाट (iii) राह

सही विकल्प का चयन कीजिए |

(क) केवल i (ख) केवल ii (ग) i और ii दोनों (घ) उपरोक्त सभी

उत्तर-(घ) उपरोक्त सभी

प्रश्न 4. . निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिये |

कथन (A) किसी रास्ते पर अनगिनत लोग जाते हैं , परंतु महापुरुष उसी राह को अनुकरणीय बना जाते हैं |

कारण (R) क्योंकि महापुरुषों के पदचिन्हों अर्थात जीवनयात्रा मे सफलता प्राप्त करने के लिए संदेश छिपे होते हैं |

(क) कथन (A) सही है कारण (R) सही है, कारण, कथन की व्याख्या करता है |
(ख) कथन (A) सही है कारण (R) सही है, कारण,कथन की व्याख्या नहीं करता
(ग) कथन (A) सही है कारण (R) गलत है |
(घ) कथन (A) गलत है कारण (R) सही है |

उत्तर (क) कथन (A) सही है कारण (R) सही है, कारण, कथन की व्याख्या करता है |

प्रश्न 5.चलाने से पूर्व रास्ते की पहचान करने के लिए किसे कहा गया है ?

(क) पंथी के लिए (ख) राही के लिए (ग) बटोही के लिए (घ) तीनों के लिए

उत्तर-(घ) तीनों के लिए

4. हम नवीन भारत के सैनिक, धीर, वीर, गंभीर, अचल।

हम प्रहरी ऊँचे हिमाद्रि के, सुरभि स्वर्ग की लेते हैं।
हम हैं शांति-दूत धरणी के, छाँह सभी को देते हैं।
वीर प्रसू माँ की आँखों के, हम नवीन उजियाले हैं।
गंगा, यमुना, हिंद महासागर के हम ही रखवाले हैं।
तन-मन-धन तुम पर कुर्बान,
जियो, जियो जय हिंदुस्तान!
हम सपूत उनके, जो नर थे, अनल और मधु के मिश्रण।
जिनमें नर का तेज प्रखर था, भीतर था नारी का मन।
एक नयन संजीवन जिनका, एक नयन था हालाहल।
जितना कठिन खड्ग था कर में उतना ही अंतर के मल।
थर-थर तीनों लोक काँपते थे जिनकी ललकारों पर।
स्वर्ग नाचता था रण में जिनकी पवित्र तलवारों पर।
हम उन वीरों की संतान
जियो, जियो जय हिंदुस्तान।

प्रश्न 1. कविता में 'हम' कौन हैं ?

(क) भीड़ (ख) भारत की नई पीढ़ी के नवयुवक
(ग) भारत की पुरानी पीढ़ी के लोग (घ) भारत के महापुरुष

उ० - (ख) भारत की नई पीढ़ी के नवयुवक

प्रश्न 2. वे अपने को प्रचंड की नई किरण क्यों कह रहे हैं?

(क) उन्हें अपने अच्छे कार्यों का आलोक दुनिया भर में फैलाना है,
(ख) वे देश के भावी कर्णधार हैं।
(ग) क और ख दोनों
(घ) वे वहाँ के शासक हैं

उ० - (ग) क और ख दोनों

प्रश्न 3. भारतवासी हिंदुस्तान पर क्या-क्या न्योछावर करना चाहते हैं, क्यों?

(क) केवल तन (ख) केवल मन (ग) केवल धन (घ) सर्वस्व

उ० - (घ) सर्वस्व

प्रश्न 4. भारतवासी हिंदुस्तान पर अपना सब कुछ न्योछावर क्यों करना चाहते हैं?

(क) वे अपने जीवन से तंग आ चुके हैं
(ख) वे सन्यासी बन चुके हैं
(ग) क्योंकि देश की आन-बान-शान की रक्षा और भविष्य का उत्तरदायित्व उनके कंधों पर है
(घ) उन्हें सारा संसार जीतना है

उ० - (ग) क्योंकि देश की आन-बान-शान की रक्षा और भविष्य का उत्तरदायित्व उनके कंधों पर है

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों और कारण को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों का उत्तर दीजिए |

कथन (A) - हम भारतीयों के पूर्वजों को'अनल और मधु के मिश्रण' कहा गया है?
कारण (R) - क्योंकि हमारे पूर्वज तन मन धन सब कुर्बान करने वाले वीर सपूत थे भारत माता के
सही उत्तर का चयन कीजिये-

(क) कथन (A) सही है कारण (R) सही है, कारण, कथन की व्याख्या करता है |

(ख) कथन (A) सही है कारण (R) सही है, कारण,कथन की व्याख्या नहीं करता

(ग) कथन (A) सही है कारण (R) गलत है |

(घ) कथन (A) गलत है कारण (R) सही है |

उत्तर-(क) कथन (A) सही है कारण (R) सही है, कारण, कथन की व्याख्या करता है |

5. कोई खंडित, कोई कुंठित,
कृष बाहु, पसलियां रेखांकित,
टहनी से टांगे, बढ़ा पेट,
टेढ़े मेढ़े, विकलांग घृणित!
विज्ञान चिकित्सा से वंचित,
ये नहीं धात्रियों से रक्षित,
ज्यों स्वास्थ्य सेज हो, ये सुख से,
लौटते धूल में चिर परिचित!
पशुओं सी भीत मुक्त चितवन,
प्राकृतिक स्फूर्ति से प्रेरित मन,
तृण तरुओं से उग-बढ़, झर-गिर,
ये ढोते जीवन क्रम के क्षण!
कुल मान ना करना इन्हें वहन,
चेतना ज्ञान से नहीं गहन,
जगजीवन धारा में बहते ये मूर्ख पंगु बालू के कण!

*उपर्युक्त पद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए-

प्रश्न1. काव्यांश में आपके अनुसार किस विषय पर लिखा गया है?

(क) गांव के बच्चों में कुपोषण की समस्या

(ख) गांव के बच्चों में चेतना ज्ञान का अभाव

(ग) गांवों में चिकित्सा सुविधाओं का अभाव

(घ) गांव के बच्चों की दयनीय दशा का वर्णन

उत्तर - गांव के बच्चों की दयनीय दशा का वर्णन

प्रश्न2. दूसरे पद में कवि कह रहा है कि

(क) गांव में विज्ञान की शिक्षा नहीं दी जा रही है

(ख) गांव में शिशु जन्म हेतु पर्याप्त दाइयां नहीं है

(ग) गांव में बच्चे स्वास्थ्य के प्रति सजग रहकर शारीरिक व्यायाम कर रहे हैं

(घ) गांव में बच्चे अपने मित्रों के साथ धूल में कुश्ती जैसे खेल खेल रहे हैं

उत्तर - गांव में शिशु जन्म हेतु पर्याप्त दाइयां नहीं है

प्रश्न 3. गाँव के बच्चों की स्थिति कैसी है

(क) कुपोषित, खिन्न तथा अशिक्षित हैं।

(ख) क्षीणकाय , किंतु कुल कुल के मान का ध्यान करने वाले हैं।

(ग) पशुओं की तरह प्राकृतिक वातावरण में रहते हुए पूर्ति से भरे हुए हैं।

(घ) पशुओं की तरह बलिष्ठ परंतु असहाय व मूर्ख है।

उत्तर- कुपोषित, खिन्न तथा अशिक्षित हैं।

प्रश्न 4. काव्यांश में कवि का रवैया कैसा प्रतीत होता है?

(क) वे बच्चों की दशा के विषय में व्यंग्य कर मनोरंजन करना चाह रहे हैं।

(ख) वह बच्चों की दशा की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं।

(ग) वह तटस्थ रहकर बच्चों की शारीरिक व मानसिक दशा का वर्णन कर रहे हैं।

(घ) वे बच्चों की शारीरिक व मानसिक दशा से संतुष्ट प्रतीत होते हैं।
उत्तर - वह बच्चों की दशा की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं।
प्रश्न 5. "तृण तरुओं से उग-बढ़" इस पंक्ति का अर्थ है?
(क) घास फूस की तरह हल्के हैं इसलिए तिनकों की तरह उड़ रहे हैं।
(ख) पौधों तथा घास की तरह बिना कुछ खाए पिए बढ़ रहे हैं ।
(ग) घास तथा पौधों की तरह पैदा हो रहे हैं तथा मर रहे हैं।
(घ) प्राकृतिक वातावरण में घास व पौधों की तरह फल फूल रहे हैं।
उत्तर - घास तथा पौधों की तरह पैदा हो रहे हैं तथा मर रहे हैं।

व्याकरण

रचना के आधार पर वाक्य के भेद:-

वाक्य की परिभाषा -

दो या दो से अधिक पदों के सार्थक समूह को, जिसका पूरा पूरा अर्थ निकलता है, वाक्य कहते हैं।
उदाहरण : 'सत्य कड़वा होता है ।'
एक वाक्य है क्योंकि इसका पूरा पूरा अर्थ निकलता है किन्तु 'सत्य होता कड़वा।' वाक्य नहीं है क्योंकि इसका अर्थ नहीं निकलता है।
वाक्य के कितने अंग होते है-
वाक्य मे तीन भाग/पार्ट होते है कर्ता, कर्म, क्रिया। इन्हीं तीनो के आधार पर वाक्य के अंग बनाये गए है।
*वाक्य के दो अंग होते है
1.उद्देश्य
2.विधेय
वाक्य में उद्देश्य क्या है ?
वाक्य में कर्ता (जो कार्य कर रहा है) उसे उद्देश्य कहा जायेगा । साथ ही कर्ता का विस्तारक या विशेषण हो तो उसे भी हम उद्देश्य मे रखेंगे।
जैसा कि हम जानते है कर्ता एक कारक है, वह संज्ञा या सर्वनाम होता है उसी के संबंध मे अगर कुछ और कहा जाये तो वह कर्ता का विस्तारक कहलाता है। और कर्ता की विशेषता बताई जाये तो विशेषण कहलाता है।
साथ ही हम यह भी कह सकते है कि विधेय जिसके लिये आये, वही कर्ता है, वही उद्देश्य है।
आइये हम इसे उदाहरण से समझेंगे।
उदाहरण :- मेरी सहेली पूजा बहुत सुंदर लेख लिखती है।
पूजा - उद्देश्य
मेरी सहेली - उद्देश्य का विस्तार
लेख लिखती है - विधेय
बहुत सुंदर - विधेय विस्तारक
यहां पूजा जो कर्ता है और पूजा का विस्तारक मेरी सहेली है अतः मेरी सहेली का प्रयोग पूजा के लिये किया गया है यह पूजा का विस्तारक है इसलिए इसे उद्देश्य कहेगे ।
वाक्य में विधेय क्या है ?
उद्देश्य के बारे मे जो कथन कहा जाता है वह विधेय है। इसमें कर्म और क्रिया का प्रयोग होता है कर्ता जो भी कार्य कर रहा है वह विधेय है। विधेय मे कर्म तथा कर्म का विस्तारक होगा,क्रिया व क्रिया का विस्तारक, पूरक व सहायक क्रिया होती है ।
आइये समझते है उदाहरण से..
उदाहरण :- मेरी सहेली रमा सुंदर लेख लिखती है।

कर्म और क्रिया यहां विधेय है । कर्म है :- " लेख " और क्रिया है: - "लिखना" अतः ये विधेय है और इनका विस्तारक है "सुंदर " ।
और "है " सहायक क्रिया है
अतः पूरा वाक्य में सुंदर लेख लिखती है विधेय कहलाता है।
आइये एक अन्य उदाहरण से हम इसे समझते है...उदाहरण :- मेरा भाई मोहन हिंदी साहित्य की पुस्तकें अधिक पढ़ता है।
उद्देश्य:- 1.यहां मोहन कर्ता है
2.कर्ता का विस्तारक मेरा भाई है।
3.अतः मेरा भाई मोहन उद्देश्य है।
विधेय:- 1. "पढ़ता " क्रिया है।
2. "अधिक" क्रिया का विस्तारक है ।
3. "पुस्तके" कर्म है।
4. "हिंदी साहित्य "कर्म का विस्तारक है।
5. "है "सहायक क्रिया है।
अतः कर्म,कर्म का विस्तारक, क्रिया,क्रिया का विस्तारक और सहायक क्रिया विधेय कहलाती है ।
वाक्य भेद दो प्रकार से किए जा सकते है-
अर्थ के आधार पर वाक्य भेद(8)
रचना के आधार पर वाक्य भेद(3)
रचना के आधार पर वाक्य के निम्नलिखित तीन भेद होते हैं-'
1.सरल वाक्य/साधारण वाक्य
2.मिश्रित/मिश्र वाक्य
3.संयुक्त वाक्य
1.साधरण वाक्य या सरल वाक्य
जिन वाक्य में एक ही क्रिया होती है, और एक कर्ता होता है, वे साधारण वाक्य कहलाते है।
दूसरे शब्दों में - जिन वाक्यों में केवल एक ही उद्देश्य और एक ही विधेय होता है, उन्हें साधारण वाक्य या सरल वाक्य कहते हैं।
इसमें एक 'उद्देश्य' और एक 'विधेय' रहते हैं।
जैसे- बिजली चमकती है।
पानी बरसा।
इन वाक्यों में एक-एक उद्देश्य अर्थात कर्ता और विधेय अर्थात क्रिया है। अतः ये साधारण या सरल वाक्य हैं।
2. मिश्रित वाक्य
जिस वाक्य में एक से अधिक वाक्य मिले हों, किन्तु एक प्रधान उपवाक्य तथा शेष आश्रित उपवाक्य हों, मिश्रित वाक्य कहलाता है।
सरल शब्दों में - जिस वाक्य में मुख्य उद्देश्य और मुख्य विधेय के अलावा एक या अधिक समापिका क्रियाएँ हों, उसे 'मिश्रित वाक्य' कहते हैं।
दूसरे शब्दों में - जिन वाक्यों में एक प्रधान (मुख्य) उपवाक्य हो और अन्य आश्रित (गौण) उपवाक्य हों तथा जो आपस में कि, जो, क्योंकि, जितना, उतना, जैसा, वैसा, जब, तब, जहाँ, वहाँ, जिधर, उधर, अगर/यदि, तो, यद्यपि, तथापि, आदि से मिश्रित (मिले-जुले) हों उन्हें मिश्रित वाक्य कहते हैं।
जब दो ऐसे वाक्य मिलें जिनमें एक मुख्य उपवाक्य तथा एक गौण अथवा आश्रित उपवाक्य हो, तब मिश्र वाक्य बनता है।
जैसे-मेरा दृढ़ विश्वास है कि भारत जीतेगा।
सफल वही होता है जो परिश्रम करता है।

उपर्युक्त वाक्यों में ‘मेरा दृढ़ विश्वास है कि’ तथा ‘सफल वही होता है’ मुख्य उपवाक्य हैं और ‘भारत जीतेगा’ तथा ‘जो परिश्रम करता है’ गौण उपवाक्य। इसलिए ये मिश्र वाक्य हैं।

3.संयुक्त वाक्य

जिस वाक्य में दो या दो से अधिक उपवाक्य मिले हों, परन्तु सभी वाक्य प्रधान हो तो ऐसे वाक्य को संयुक्त वाक्य कहते है।

दूसरे शब्दो में - जिन वाक्यों में दो या दो से अधिक सरल वाक्य योजकों (और, एवं, तथा, या, अथवा, इसलिए, अतः, फिर भी, तो, नहीं तो, किन्तु, परन्तु, लेकिन, पर आदि) से जुड़े हों, उन्हें संयुक्त वाक्य कहते है।

सरल शब्दों में - जिस वाक्य में साधारण अथवा मिश्र वाक्यों का मेल संयोजक अवयवों द्वारा होता है, उसे संयुक्त वाक्य कहते हैं।

उदाहरण -जैसे -वह सुबह गया और शाम को लौट आया।

उसने बहुत परिश्रम किया किन्तु सफलता नहीं मिली।

संयुक्त वाक्य उस वाक्य-समूह को कहते हैं, जिसमें दो या दो से अधिक सरल वाक्य अथवा मिश्र वाक्य अव्ययों द्वारा संयुक्त हों। इस प्रकार के वाक्य लम्बे और आपस में उलझे होते हैं।

संयुक्त वाक्य उस वाक्य-समूह को कहते हैं, जिसमें दो या दो से अधिक सरल वाक्य अथवा मिश्र वाक्य अव्ययों द्वारा संयुक्त हों। इस प्रकार के वाक्य लम्बे और आपस में उलझे होते हैं।

जैसे- ‘मैं रोटी खाकर लेटा कि पेट में दर्द होने लगा, और दर्द इतना बढ़ा कि तुरन्त डॉक्टर को बुलाना पड़ा।’

इस लम्बे वाक्य में संयोजक ‘और’ है, जिसके द्वारा दो मिश्र वाक्यों को मिलाकर संयुक्त वाक्य बनाया गया।

इसी प्रकार ‘मैं आया और वह गया’ इस वाक्य में दो सरल वाक्यों को जोड़ने वाला संयोजक ‘और’ है। यहाँ यह याद रखने की बात है कि संयुक्त वाक्यों में प्रत्येक वाक्य अपनी स्वतन्त्र सत्ता बनाये रखता है, वह एक-दूसरे पर आश्रित नहीं होता, केवल संयोजक अव्यय उन स्वतन्त्र वाक्यों को मिलाते हैं। इन मुख्य और स्वतन्त्र वाक्यों को व्याकरण में ‘समानाधिकरण’ उपवाक्य भी कहते हैं।

एक वाक्य का दूसरे वाक्य में रचना की दृष्टि से रूपांतरित होना वाक्य रूपांतरण कहलाता है।

1.सरल वाक्य का संयुक्त वाक्य तथा मिश्र वाक्य में

2.संयुक्त वाक्य का सरल वाक्य तथा मिश्र वाक्य में

3.मिश्र वाक्य का सरल वाक्य तथा संयुक्त वाक्य में

इन तीनों वाक्यों के आपस में रूपांतरण होते समय इनके अर्थ में परिवर्तन नहीं होना चाहिए।

जैसे -

प्रात:काल पक्षी चहचहाते हैं। (सरल वाक्य)

प्रात:काल हुआ, और पक्षी चहचहाने लगे। (संयुक्त वाक्य)

जब प्रात:काल हुआ तब पक्षी चहचहाने लगे। (मिश्रित वाक्य)

रचना के आधार पर सरल वाक्य का रूपांतरण उदाहरण

1.सरल वाक्य से संयुक्त वाक्य -

1- सरल वाक्य - राधा नाचती-गाती है।

संयुक्त वाक्य - राधा नाचती और गाती है।

2- सरल वाक्य - मोहन हँसकर बोला।

संयुक्त वाक्य - मोहन हँसा और बोला।

3- सरल वाक्य - तुम पढ़कर सो जाना।

संयुक्त वाक्य - तुम पढ़ना और सो जाना।

4- सरल वाक्य - अंकित की कलम छूटकर गिर गई।

संयुक्त वाक्य - अंकित की कलम छूटी और गिर गई।

5- सरल वाक्य - बादल घिरते ही मोर नाचने लगा।

संयुक्त वाक्य - बादल घिरे और मोर नाचने लगा।

6- सरल वाक्य - राम प्रथम आते ही खेलने लगा।
2.संयुक्त वाक्य - राम प्रथम आया तथा खेलने लगा।
2.सरल वाक्य से मिश्र वाक्य -
1- सरल वाक्य - राधा नाचती-गाती है।
मिश्र वाक्य - जो नाचती-गाती है, वह राधा है।
2- सरल वाक्य - मोहन हँसकर बोला।
मिश्र वाक्य - वह मोहन है जो हँसकर बोला।
3- सरल वाक्य - तुम पढ़कर सो जाना।
मिश्र वाक्य - जब तुम पढ़ लोगे तब सो जाना।
4- सरल वाक्य - अंकित की कलम छूटकर गिर गई।
मिश्र वाक्य - जो कलम अंकित से छूटी, वह गिर गई।
5- सरल वाक्य - बादल घिरते ही मोर नाचने लगा।
मिश्र वाक्य - जैसे ही बादल घिरे, मोर नाचने लगा।
6- सरल वाक्य - राम आते ही खेलने लगा।
मिश्र वाक्य - राम जैसे ही आया वह, खेलने लगा।
3.रचना के आधार पर संयुक्त वाक्य का रूपांतरण उदाहरण
संयुक्त वाक्य से सरल वाक्य -
1- संयुक्त - सभी लिख चुके हैं लेकिन सृजिता अभी तक लिख रही है।
सरल - सभी के लिख चुकने पर भी सृजिता लिख रही है।
2- संयुक्त - निधि रात भर पढ़ती है ताकि परीक्षा देने की तैयारी कर सके।
सरल - निधि रात भर पढ़कर परीक्षा देने की तैयारी करती है।
3- संयुक्त - अभिलाषा ने रोना शुरू किया और बेहोश हो गई।
सरल - अभिलाषा रोते हुए बेहोश हो गई।
4- संयुक्त - एलिन फ़ेसबुक का उपयोग करती है या ह्वाट्सएप का उपयोग करती है।
सरल - एलिन फ़ेसबुक या ह्वाट्सएप का उपयोग करती है।
5- संयुक्त - श्रेयसी बीमार थी अत: स्कूल नहीं आई।
सरल - श्रेयसी बीमार होने के कारण स्कूल नहीं आई।
6- संयुक्त - सौमिता ने खाना खाया और चली गई।
सरल - सौमिता खाना खाकर चली गई|
4.संयुक्त वाक्य से मिश्र वाक्य -
1- संयुक्त वाक्य - सभी लिख चुके हैं लेकिन सृजिता अभी तक लिख रही है।
मिश्र वाक्य - सृजिता लिख रही है जबकि सभी लिख चुके हैं।
2- संयुक्त वाक्य - निधि रात भर पढ़ती है ताकि परीक्षा देने की तैयारी कर सके।
मिश्र वाक्य - निधि इसलिए रातभर पढ़ती है क्योंकि वह परीक्षा देने की तैयारी करती है।
3- संयुक्त वाक्य - अभिलाषा ने रोना शुरू किया और बेहोश हो गई।
मिश्र वाक्य - जैसे ही अभिलाषा ने रोना शुरू किया, वह बेहोश हो गई।
4- संयुक्त वाक्य - एलिन फ़ेसबुक का उपयोग करती है या ह्वाट्सएप का उपयोग करती है।
मिश्र वाक्य - जो फ़ेसबुक या ह्वाट्सएप का उपयोग करती है, वह एलिन है।
5- संयुक्त वाक्य - श्रेयसी बीमार थी, अत: स्कूल नहीं आई।
मिश्र वाक्य - श्रेयसी स्कूल नहीं आई क्योंकि वह बीमार थी।
6- संयुक्त वाक्य - सौमिता ने खाना खाया और चली गई।
मिश्र वाक्य - ज्योंही सौमिता ने खाना खाया, वह चली गई।

5..रचना के आधार पर मिश्र वाक्य का रूपांतरण

मिश्र वाक्य से सरल वाक्य -

मिश्र वाक्य से सरल वाक्य -

1- मिश्र वाक्य - जब भी मैं विकास के घर गया, मेरा आदर सत्कार हुआ।

सरल वाक्य - विकास के घर जाने पर मेरा आदर सत्कार हुआ।

2- मिश्र वाक्य - विशाल ने जो मोबाइल खरीदा है, वह नया है।

सरल वाक्य - विशाल ने एक नया मोबाइल खरीदा है।

3- मिश्र वाक्य - शिक्षक ने कहा कि सबको अपना गृहकार्य स्वयं करना है।

सरल वाक्य - शिक्षक ने सबको अपना गृहकार्य स्वयं करने को कहा है।

4- मिश्र वाक्य - जैसे ही हम बस से उतरे, रिक्शा वाले दौड़ पड़े।

सरल वाक्य - हमारे बस से उतरते ही रिक्शा वाले दौड़ पड़े।

5- मिश्र वाक्य - ज्योंही गुरुजी आए, भक्त शान्त हो गए।

सरल वाक्य - गुरुजी के आते ही भक्त शान्त हो गए।

6- मिश्र वाक्य - जब दुर्घटना की खबर सुनी, तब मन दुखी हो गया।

सरल वाक्य - दुर्घटना की खबर सुनकर मन दुखी हो गया।

6.मिश्र वाक्य से संयुक्त वाक्य -

1- मिश्र वाक्य - जब भी मैं विकास के घर गया, मेरा आदर सत्कार हुआ।

संयुक्त वाक्य - विकास के घर मेरा आदर भी हुआ और सत्कार भी।

2- मिश्र वाक्य - विशाल ने जो मोबाइल खरीदा है, वह नया है।

संयुक्त वाक्य - विशाल ने एक मोबाइल खरीदा है और वह नया है।

3- मिश्र वाक्य - शिक्षक ने कहा कि सबको अपना गृहकार्य स्वयं करना है।

संयुक्त वाक्य - शिक्षक ने गृहकार्य करने को कहा है और स्वयं करने को कहा है।

4- मिश्र वाक्य - जैसे ही हम बस से उतरे, रिक्शा वाले दौड़ पड़े।

संयुक्त वाक्य - हम बस से उतरे और रिक्शा वाले दौड़ पड़े।

5- मिश्र वाक्य - ज्योंही गुरुजी आए, भक्त शान्त हो गए।

संयुक्त वाक्य - गुरुजी आए और भक्त शान्त हो गए।

6- मिश्र वाक्य - जब दुर्घटना की खबर सुनी, तब मन दुखी हो गया।

संयुक्त वाक्य - दुर्घटना की खबर सुनी और मन दुखी हो गया।

हिंदी कार्यशाला रचना के आधार पर वाक्य भेद (cct प्रश्न)

1.कॉलम एक को कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए

कॉलम -1	कॉलम -2
(1) जैसे ही सिपाही ने इशारा किया गाड़ी चल दी।	(i)सरल वाक्य
(2) सत्य बोलो, परंतु कटु सत्य न बोलो।	(ii) मिश्र वाक्य
(3) मधुरिमा कपड़े खरीदने बाजार गई।	(iii) संयुक्त वाक्य

सही विकल्प का चयन कीजिए |

(क) 1-iii, 2-ii, 3-i

(ख)1-ii, 2-iii, 3-i

(ग)1-i, 2-iii, 3-ii

(घ)1-ii, 2-i, 3-iii

उत्तर 1- (ख)1-ii, 2-iii, 3-i

2.कॉलम एक को कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए

कॉलम-1	कॉलम-2
(1) पीले हुए पत्ते गिरने लगे हैं।	(i)सरल वाक्य
(2) जो पत्ते पीले हो गए हैं, वह जमीन पर गिरने लगे हैं।	(ii) मिश्र वाक्य
(3) वह परिश्रमी था और सफल हुआ।	(iii) संयुक्त वाक्य

सही विकल्प का चयन कीजिए |

(क) 1-i, 2-ii, 3-iii

(ख)1-ii, 2-iii, 3-i

(ग)1-i, 2-iii, 3-ii

(घ)1-ii, 2-i, 3-iii

उत्तर- 2(क) 1-i, 2-ii, 3-iii

3.कॉलम एक को कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए

कालम -1	कालम -2
(1) मैं जैसा चाह रहा था वैसा ही सब कुछ होता जा रहा था।	(i)संयुक्त वाक्य
(2) सूर्यास्त हुआ और अंधकार छा गया।	(ii) मिश्र वाक्य
(3) हम फिल्म देखने के लिए सिनेमाघर गए।	(iii) संयुक्त वाक्य
(4) आप पानी पिएंगे अथवा जूस।	(iv)सरल वाक्य

सही विकल्प का चयन कीजिए |

(क) 1-iv 2-ii, 3-i, 4- iii

(ख)1-ii, 2-iv, 3-iii, 4- i

(ग)1-i, 2-iii, 3-ii, 4- iv

(घ)1-ii, 2-i, 3-iv, 4-iii

उत्तर- 3.(घ)1-ii, 2-i, 3-iv, 4-iii

4.कॉलम एक को कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए

कॉलम-1	कॉलम-2
(1) आप वहाँ जाइए जहां, गाड़ी रुकेगी।	(i)संयुक्त वाक्य
(2) मैं घर आया और पढ़ने बैठ गया।	(ii) मिश्र वाक्य
(3) वह धीरे धीरे चलता हुआ विद्यालय पहुँचा ।	(iii) मिश्र वाक्य
(4) मेरी इच्छा है कि मैं चिकित्सक बनूँ ।	(iv)सरल वाक्य

सही विकल्प का चयन कीजिए |

(क) 1-iv 2-ii, 3-i, 4- iii

(ख)1-ii, 2-i, 3-iv, 4- iii

(ग)1-i, 2-iii, 3-ii, 4- iv

(घ)1-iv 2-i, 3-ii, 4-iii

उत्तर 4. (ख)1-ii, 2-i, 3-iv, 4- iii

5.कॉलम एक को कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए

कॉलम-1	कॉलम-2
(1) यह परिधान बहुत सुंदर है, परंतु महँगा है।	(i)संयुक्त वाक्य
(2) जो मृदुभाषी होते हैं, उसे सभी चाहते हैं।	(ii) मिश्र वाक्य
(3) सभी लोगों ने यह सुंदर दृश्य देखा।	(iii) सरल वाक्य

सही विकल्प का चयन कीजिए विकल्प |

(क) 1-i,2-iii, 3-ii

(ख)1-ii, 2-i, 3-iii

(ग)1-i, 2-ii, 3-iii

(घ)1-ii, 2-i, 3-iii

उत्तर 5 (ग)1-i, 2-ii, 3-iii

6.. निम्नलिखित किस वाक्य में सरल वाक्य नहीं है?

(क) वह लम्बालड़का है।

(ख) इसी बच्चे को शिक्षक ने डांटा था।

(ग) वह जो लाल कपडे वाला आदमी है कहीं जा रहा है।

(घ) लाल कपडे वाला आदमी कहीं जा रहा है।

उत्तर (ग) वह जो लाल कपडे वाला आदमी है कहीं जा रहा है।

7.– 'सांझ हुई और पक्षी घोंसले में आ गए।' वाक्य का मिश्र वाक्य रूपांतरण है-

(क) जैसे ही सांझ हुई पक्षी घोंसले में आ गए।

(ख) शाम होते ही पक्षी घोंसले में आ गए।

(ग) सांझ को पक्षी घोसले में आ गए।

(घ) उपरोक्त कोई नहीं

उत्तर (क) जैसे ही सांझ हुई पक्षी घोंसले में आ गए।

8.– 'आप घर जाएँगें या पार्क जाएँगे।' वाक्य संबंधित है-

(क) संयुक्त वाक्य से

(ख) सरल वाक्य से

(ग) मिश्र वाक्य से

(घ) प्रश्न वाक्य से

उत्तर (क) संयुक्त वाक्य से

9.– 'वह कानपुर जा कर काम करने लगा है।' वाक्य का मिश्र वाक्य रूपांतरण होगा-

(क) क्योंकि वह कानपुर जा कर काम करने लगा है इसलिए सभी का चहिता हो गया है।

(ख) वह कानपुर इसीलिए गया था क्योंकि वह काम करना चाहता था।

(ग) वह कानपुर गया ताकि वह काम कर सके।

(घ) जब से वह कानपुर गया तब से काम करने लगा है।

उत्तर (घ) जब से वह कानपुर गया तब से काम करने लगा है।

10 – 'मैं चाहता था कि आज अंग्रेजी पढ़ूँ।' वाक्य का सरल रूप निम्न विकल्पों से चुनें-

(क) जैसे ही मेरा मन किया कि आज अंग्रेजी पढ़ूँ लाइट चली गई।

(ख) मैं चाहता था कि मैं अंग्रेजी पढ़ूँ।

(ग) मैं आज अंग्रेजी पढ़ना चाहता था।

(घ) मेरा मन था कि आज अंग्रेजी पढ़ूँ।

उत्तर (ग) मैं आज अंग्रेजी पढ़ना चाहता था।

11 – 'ममता आई और चली गई। वाक्य का सरल रूप निम्न विकल्पों से चुनें-

(क) जैसे ही ममता आई वह चली गई।

(ख) ममता आई और गई।

(ग) ममता आकर चली गई।

(घ) ममता आई और खड़े-खड़े चली गई।

उत्तर (ग) ममता आकर चली गई।

12.– 'उसने पिज्जा खाया और चक्कर खाकर गिर पड़ा' वाक्य का मिश्र वाक्य रूपांतरण होगा-

(क) उसने जैसे ही पिज्जा खाया, वैसे ही चक्कर खाकर गिर पड़ा।

(ख) पिज्जा खाते ही वह चक्कर खाकर गिर पड़ा।

(ग) वह पिज्जा खाकर चकराकर गिर पड़ा।
(घ) पिज्जा वह जैसे ही खाया चक्कर खाकर गिर पड़ा।
उत्तर (क) उसने जैसे ही पिज्जा खाया, वैसे ही चक्कर खाकर गिर पड़ा।
13– 'जब जादूगर ने खेल दिखाया तब पैसे माँगें।' वाक्य का संयुक्त रूप है-
(क) जादूगर ने खेल दिखाया और पैसे माँगें।
(ख) जब जादूगर ने खेल दिखाया तब पैसे माँगें।
(ग) जब जादूगर खेल दिखाता है तब वह पैसे माँगता है।
(घ) जैसे ही जादूगर ने खेल दिखाया वैसे ही सबसे पैसे माँगें।
उत्तर (क) जादूगर ने खेल दिखाया और पैसे माँगें।
14. – 'कमाने वाला खाएगा।' वाक्य का मिश्र वाक्य में रूप होगा-
(क) कमाने वाला ही खाता है।
(ख) कमाने वाला ही खाएगा।
(ग) जैसे ही वह कमाएगा तबसे खाएगा।
(घ) जो कमाएगा वह खाएगा।
उत्तर (घ) जो कमाएगा वह खाएगा।
15. 'जो झगड़ालू होते है सभी उनसे दूर रहना चाहते हैं।' वाक्य किस भेद से संबंधित है?
(क) मिश्र वाक्य
(ख) संयुक्त वाक्य
(ग) सरल वाक्य
(घ) आश्रित वाक्य
उत्तर (क) मिश्र वाक्य
16. – 'दरिद्र होने पर भी वह ईमानदार है।' वाक्य का संयुक्त रूप है-
(क) दरिद्र होने पर भी वह ईमानदार है, यह बहुत अनोखी बात है।
(ख) दरिद्र लोग ईमानदार होते है।
(ग) दरिद्र होने पर भी कई लोग ईमानदार होते है।
(घ) वह दरिद्र है, किन्तु ईमानदार है।
उत्तर (घ) वह दरिद्र है, किन्तु ईमानदार है।
17. ' टीबी के मरीज ने दवा का पूरा कोर्स किया और वह स्वस्थ हो गया।' वाक्य संबंधित है-
(क) संयुक्त वाक्य से
(ख) सरल वाक्य से
(ग) मिश्र वाक्य से
(घ) प्रश्न वाक्य से
उत्तर (क) संयुक्त वाक्य से
18. 'जैसे ही शोर हुआ चोर भाग गए।' वाक्य का संयुक्त रूप है-
(क) जैसे ही शोर मचाया गया चोर भाग गए।
(ख) शोर हुआ और चोर भाग गए।
(ग) शोर होते ही चोर भाग गए।
(घ) शोर होते ही चोरों को भागना पड़ा।
उत्तर (ख) शोर हुआ और चोर भाग गए।
19.प्रश्न 1– 'आपकी तरह कोई और नहीं पढ़ाता।' वाक्य का मिश्र वाक्य में रूप होगा-
(क) आपके पढ़ाने का अंदाज बहुत अच्छा हैं।
(ख) आप बहुत अच्छा पढ़ाते हैं।

(ग) आपकी तरह कोई और पढ़ा ही नहीं सकता ।

(घ) जैसा आप पढ़ाते हैं वैसा कोई और नहीं।

उत्तर (घ) जैसा आप पढ़ाते हैं वैसा कोई और नहीं।

20– 'मैं बिमार हो गया था, इसलिए विद्यालय नहीं जा सका।' वाक्य का भेद है-

(क) सरल वाक्य

(ख) मिश्र वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य

(घ) देशज वाक्य

उत्तर (ग) संयुक्त वाक्य

21.– 'सूरज के उगते ही अन्धकार दूर हो गया।' वाक्य का मिश्र वाक्य रूपांतरण है-

(क) जैसे ही सूरज उगा वैसे ही अन्धकार दूर हो गया।

(ख) सूरज उगा और अन्धकार दूर हो गया।

(ग) क्योंकि सूरज उग गया था अन्धकार को तो दूर होना ही था।

(घ) उपरोक्त कोई नहीं

उत्तर (क) जैसे ही सूरज उगा वैसे ही अन्धकार दूर हो गया।

22 – 'परीक्षाएँ समाप्त होते ही हम आगरा गए।' वाक्य का मिश्र वाक्य में रूप होगा-

(क) क्योंकि परीक्षाएँ समाप्त हो गई थी इसलिए हम आगरा जाएंगे।

(ख) परीक्षाएँ समाप्त हुई नहीं कि हम आगरा गए।

(ग) परीक्षाएँ समाप्त हुई और हम आगरा चले गए।

(घ) जैसे ही परीक्षाएँ समाप्त हुई वैसे ही हम आगरा गए।

उत्तर (घ) जैसे ही परीक्षाएँ समाप्त हुई वैसे ही हम आगरा गए।

23 – 'मैं अकेला था और चार गुंडों ने मुझे पीटा।' वाक्य का मिश्र वाक्य रूपांतरण होगा-

(क) मैं अकेला था जिस कारण चार गुंडों ने मुझे पीटा।

(ख) जब मैं अकेला था तब मुझे चार गुंडों ने पीटा।

(ग) मैं अकेला था और चार गुंडों ने मुझे पीटा और लूट लिया।

(घ) क्यूंकि मैं अकेला था इसलिए चार गुंडों ने मुझे पीटा और लूट लिया।

उत्तर (ख) जब मैं अकेला था तब मुझे चार गुंडों ने पीटा।

24. 'जैसे ही वर्षा शुरू हुई मोर नाचने लगे।' वाक्य का सरल रूप निम्न विकल्पों से चुनें-

(क) जैसे ही वर्षा शुरू हुई वैसे ही मोर नाचने लगे।

(ख) वर्षा के शुरू होते ही मोर नाचने लगे, यह उनको पसंद है।

(ग) वर्षा शुरू होते ही मोर नाचने लगे।

(घ) वर्षा शुरू हुई नही की मोर नाचने लगे।

उत्तर (ग) वर्षा शुरू होते ही मोर नाचने लगे।

25– 'नौकरी मिल जाने पर भी मैं पढ़ता रहता हूँ।' वाक्य का मिश्र वाक्य में रूप होगा-

(क) नौकरी मिल गई तो क्या फिर भी मैं पढ़ता रहता हूँ।

(ख) मुझे नौकरी मिल गई फिर भी मैने पढ़ना नहीं छोड़ा।

(ग) नौकरी मिल जाने पर भी पढ़ाई करते रहना चाहिए।

(घ) यद्यपि मुझे नौकरी मिल गई है तथापि मैं पढ़ता रहता हूँ।

उत्तर (घ) यद्यपि मुझे नौकरी मिल गई है तथापि मैं पढ़ता रहता हूँ।

वाच्य की परिभाषा -

क्रिया के जिस रूप से यह ज्ञात हो कि वाक्य में क्रिया द्वारा बताए गए विषय में कर्ता, कर्म, अथवा भाव में से कौन प्रमुख है, उसे वाच्य कहते हैं।

दूसरे शब्दों में - वाच्य क्रिया का वह रूप है, जिससे यह ज्ञात होता है कि वाक्य में कर्ता प्रधान है, कर्म प्रधान है अथवा भाव प्रधान है। क्रिया के लिंग एवं वचन उसी के अनुरूप होते हैं।
इस परिभाषा के अनुसार वाक्य में क्रिया के लिंग, वचन या तो कर्ता के अनुसार होंगे अथवा कर्म के अनुसार अथवा भाव के अनुसार।
वाच्य, क्रिया के उस रूपान्तरण को कहते हैं जिससे यह ज्ञात होता है कि वाक्य में क्रिया कर्ता के साथ है, कर्म के साथ अथवा इन दोनों में से किसी के भी साथ न होकर केवल क्रिया के कार्य व्यापार (भाव) की प्रधानता है।
जैसे -
राधा पत्र लिखती है।
पत्र राधा द्वारा लिखा जाता है।
तुमसे लिखा नहीं जाता।
वाक्य में लिखना क्रिया का संबंध कर्ता यानि राधा से है। दूसरे वाक्य में कर्म प्रधान है। जिसमें पत्र (कर्म) उद्देश्य के स्थान पर आया है और इसी की प्रधानता है। 'तुमसे लिखा नहीं जाता'वाक्य में क्रिया का संबंध न तो कर्ता से है और न ही कर्म से, इसका सम्बन्ध भाव से है।
वाच्य में तीन की प्रधानता होती है
1. कर्ता
2. कर्म
3. भाव
जैसे -
1. माधव क्रिकेट खेलता है।
(क्रिया कर्ता के अनुसार)
2. माधव द्वारा क्रिकेट खेला जाता है।
(क्रिया कर्म के अनुसार)
3. माधव से क्रिकेट खेला जाता है।
(क्रिया भाव के अनुसार)
वाच्य के भेद -
1. कर्तृवाच्य -
जब वाक्य की क्रिया के लिंग, वचन और पुरुष, कर्ता के लिंग, वचन और पुरुष के अनुसार हों, तो कर्तृवाच्य कहलाया जाता है।
सरल शब्दों में - क्रिया के जिस रूप में कर्ता प्रधान हो, उसे कर्तृवाच्य कहते हैं। इसमें लिंग एवं वचन प्रायः कर्ता के अनुसार होते हैं।

उदाहरण -
रमेश केला खाता है।
दिनेश पुस्तक पढ़ता है।
इन दोनों वाक्यों में कर्ता प्रधान है तथा उसी के लिए 'खाता है' तथा 'पढ़ता है' क्रियाओं का प्रयोग हुआ है, इसलिए यहाँ कर्तृवाच्य है।
2. कर्मवाच्य
जब वाक्य की क्रिया के लिंग, वचन और पुरुष, कर्म के लिंग, वचन और पुरुष के अनुसार हो, तो कर्मवाच्य कहलाता है अथवा क्रिया के उस रूपान्तर को कर्मवाच्य कहते हैं जिससे यह ज्ञात हो कि वाक्य में कर्ता की प्रमुखता न होकर कर्म की प्रमुखता है।
सरल शब्दों में - क्रिया के जिस रूप में कर्म प्रधान हो, उसे कर्मवाच्य कहते हैं या जहाँ क्रिया का संबंध सीधा कर्म से हो तथा क्रिया का लिंग तथा वचन कर्म के अनुसार हो, उसे कर्मवाच्य कहते हैं।

उदाहरण -
मीरा ने दूध पीया।
मीरा ने पत्र लिखा।
- पहले वाक्य में 'मीरा' (कर्ता) स्त्रीलिंग है परन्तु 'पीया'क्रिया का एकवचन, 'पुल्लिंग'रूप 'दूध'(कर्म) के अनुसार आया है।
- दूसरे वाक्य में भी 'मीरा' (कर्ता) स्त्रीलिंग है परन्तु 'लिखा'क्रिया का एकवचन, 'पुल्लिंग'रूप 'पत्र'(कर्म) के अनुसार आया है।
अतः स्पष्ट है कि यहाँ कर्मवाच्य है।
ध्यान रखने योग्य बात यह है कि कर्मवाच्य सदैव सकर्मक क्रिया का ही होता है।

2. भाववाच्य

जब वाक्य की क्रिया के लिंग, वचन और पुरुष कर्ता अथवा कर्म के लिंग, वचन और पुरुष के अनुसार न होकर एकवचन, पुंलिंग तथा अन्य पुरुष हो, तो भाववाच्य कहलाता है।
दूसरे शब्दों में - क्रिया के जिस रूप में न तो कर्ता की प्रधानता हो, न कर्म की, बल्कि क्रिया का भाव ही प्रधान हो, वहाँ भाववाच्य होता है। इसमें मुख्यतः अकर्मक क्रिया का ही प्रयोग होता है और साथ ही प्रायः निषेधार्थक वाक्य ही भाववाच्य में प्रयुक्त होते हैं। इसमें क्रिया सदैव पुल्लिंग, अन्य पुरुष के एक वचन की होती है।
उदाहरण -
मोहन से टहला भी नहीं जाता।
मुझसे उठा नहीं जाता।
धूप में चला नहीं जाता।
उक्त वाक्यों में कर्ता या कर्म प्रधान न होकर भाव मुख्य हैं, अतः इनकी क्रियाएँ भाववाच्य का उदाहरण हैं।
ध्यान रखने योग्य कुछ बातें हैं -
1. भाववाच्य का प्रयोग विवशता, असमर्थता व्यक्त करने के लिए होता है।
2. भाववाच्य में प्रायः अकर्मक क्रिया होता है।
3. भाववाच्य में क्रिया सदैव अन्य पुरुष, पुल्लिंग और एकवचन में होती है।

***कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य में वाच्य परिवर्तन**

कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य में वाच्य परिवर्तन के लिए निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना चाहिए-

- कर्तृवाच्य के कर्ता के साथ यदि कोई विभक्ति लगी हो, तो उसे हटाकर 'के' अथवा 'के द्वारा' परसर्ग का प्रयोग किया जाता है।
- कर्म के साथ कोई परसर्ग हो तो उसे हटा दिया जाता है।
- कर्तृवाच्य की मुख्य क्रिया को सामान्य भूतकाल में परिवर्तित किया जाता है।
- परिवर्तित क्रिया के साथ 'जाना' क्रिया का काल, पुरुष, वचन और लिंग के अनुसार जो रूप हो, उसे जोड़कर साधारण क्रिया को संयुक्त क्रिया में बदला जाता है।

कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य में परिवर्तित कुछ उदाहरण

कर्तृवाच्य	कर्मवाच्य
1. चित्रकार चित्र बनाता है।	चित्रकार द्वारा चित्र बनाया जाता है।
2.राधा नृत्य करती है।	राधा द्वारा नृत्य किया जाता है।
3. पुलिस ने अपराधी को पकड़ा।	पुलिस द्वारा अपराधी को पकड़ा गया।
4. यह दूकान पिता जी ने बनवाई थी।	यह दूकान पिता जी के द्वारा बनवाई गई थी।
5. निशा ने अच्छी कविता लिखी है।	निशा द्वारा अच्छी कविता लिखी गई।

*** कर्तृवाच्य से भाववाच्य में वाच्य परिवर्तन**

कर्तृवाच्य से भाववाच्य में वाच्य परिवर्तन के लिए निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना चाहिए-

- कर्ता के साथ 'से' विभक्ति चिह्न लगा दिया जाता है।

- क्रिया को सामान्य भूत काल में लाकर उसक साथ काल के अनुसार 'जाना' क्रिया रूप जोड़ा जाता है।
- क्रिया को एकवचन, पुल्लिंग और अन्य पुरुष में परिवर्तित कर दिया जाता है।
- आवश्यकतानुसार निबंध सूचक 'नहीं' का प्रयोग होता है।

*** कर्तृवाच्य से भाववाच्य में परिवर्तित कुछ उदाहरण**

कर्तृवाच्य	भाववाच्य
1. राधा नहीं हंसती।	राधा से हँसा नहीं जाता।
2. मैं पढ़ नहीं सकती।	मुझसे पढ़ा नहीं जाता।
3. अब घूमें।	अब घूमा जाए।
4. मजदूरों ने ईंट नहीं उठाई।	मजदूरों से ईंट उठाई नहीं जाती।
5. बूढ़ी माँ चल नहीं सकती।	बूढ़ी माँ से चला नहीं जाता।

-- निर्देशानुसार वाक्य पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

प्रश्न 1. इनमें से कौन- कौन से वाच्य के भेद हैं

(क) कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य (ख) संज्ञा, सर्वनाम

(ग) कारक, वचन (घ) कर्ता का काल , क्रिया का फल

उत्तर- क) कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य

प्रश्न 2. कर्तृवाच्य किसे कहते है

(क) जहां क्रिया का प्रयोग वाक्य में कर्ता के लिंग व वचन के अनुसार किया जाता है

(ख) जिन क्रियाओं में भाव प्रधान हो

(ग) जिन क्रियाओं में शब्द प्रधान होता है

(घ) जहां क्रिया का प्रयोग वाक्य में कर्म के लिंग वचन के अनुसार किया जाता है

उत्तर - क) जहां क्रिया का प्रयोग वाक्य में कर्ता के लिंग व वचन के अनुसार किया जाता है

प्रश्न 3. 'रोहन ने दिनेश को डंडे से मारा'। वाक्य में कौन सा वाच्य होगा ?

(क) कर्मवाच्य (ख) भाववाच्य

(ग) कर्तृवाच्य (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर ग) कर्तृवाच्य

प्रश्न 4. 'राहुल धीरे-धीरे चलता हैं' वाक्य में वाच्य भेद बताइए|

(क) कर्तृवाच्य (ख) कर्मवाच्य

(ग) भाववाच्य (घ) मिश्र वाक्य

उत्तर क) कर्तृवाच्य

प्रश्न 5. 'सोनार गहने बनाता है' प्रयोग के आधार पर वाक्य भेद बताइए |

(क) कर्मवाच्य (ख) कर्तृवाच्य

(ग) भाववाच्य (घ) उपर्युक्त सभी

उत्तर ख) कर्तृवाच्य

प्रश्न 6. 'शिकारी द्वारा शिकार किया जाता है' प्रयोग के आधार पर वाक्य भेद बताइए।

(क) कर्तृवाच्य (ख) भाववाच्य

(ग) कर्मवाच्य (घ) मिश्र वाक्य

उत्तर ग) कर्मवाच्य

प्रश्न 7. 'राकेश द्वारा पत्र लिखा जाता है' वाच्य के भेद बताइए।

(क) कर्मवाच्य (ख) भाववाच्य

(ग) कर्तृवाच्य (घ) उपर्युक्त सभी

(क) कर्मवाच्य

प्रश्न 8. 'चलो अब खाया जाय' वाच्य भेद बताइए।

(क) कर्तृवाच्य (ख) भाववाच्य
(ग) कर्मवाच्य (घ) कोई नहीं
उत्तर ख) भाववाच्य

प्रश्न 9. 'दीपक ने गाना गाया ' प्रयोग के आधार पर वाक्य के भेद बताइए।
(क) कर्तृवाच्य (ख) कर्मवाच्य
(ग) भाववाच्य (घ) उपर्युक्त सभी
उत्तर क) कर्तृवाच्य

प्रश्न 10. 'अमित से दौड़ा नहीं जाता' वाक्य मैं वाक्यभेद बताइए
(क) कर्तृवाच्य (ख) कर्मवाच्य
(ग) भाववाच्य (घ) उपर्युक्त कोई नहीं
उत्तर ग) भाववाच्य

प्रश्न 11. 'राहुल ने कपड़े बाँटे' वाक्य को कर्मवाच्य में बदलिए
(क) राहुल कपड़े बटवाता हैं (ख) राहुल द्वारा कपड़े बटवाया गया
(ग) राहुल कपड़े बाँटने गया (घ) उपर्युक्त कोई नहीं
उत्तर ख) राहुल द्वारा कपड़े बटवाया गया

प्रश्न 12. उसने भोजन कर लिया वाक्य को कर्मवाच्य में बदलिए
(क) उसने भोजन किया (ख) उसके द्वारा भोजन नहीं किया गया
(ग) उसके द्वारा भोजन कर लिया गया (घ) उपर्युक्त कोई नहीं
उत्तर ग) उसके द्वारा भोजन कर लिया गया

प्रश्न 13. 'चोट लगने के कारण वह चल नहीं पाया' वाक्य को भाववाच्य में बदलिए।
(क) चोट लगने के कारण उसने चल नहीं पाया (ख) चोट लगने के कारण उससे चला नहीं जा सका
(ग) उसे चोट लगी थी इसलिए चल नहीं पाया (घ) चोट लगने की अवस्था में वह चल नहीं पाया
उत्तर ख) चोट लगने के कारण उससे चला नहीं जा सका

प्रश्न 14. 'मैं दौड़ नहीं सकता' वाक्य को भाववाच्य में बदलिए
(क) मुझसे दौड़ा नहीं गया (ख) मुझे नहीं दौड़ना चाहिए था
(ग) मुझसे दौड़ा नहीं जा सकता (घ) मुझसे दौड़ा गया
उत्तर ग) मुझसे दौड़ा नहीं जा सकता

प्रश्न 15. 'रीता सो भी नहीं सकती' वाक्य को भाववाच्य में बदलिए।
(क) रीता द्वारा सोया गया (ख) रीता से सोया भी नहीं जाता
(ग) रीता ने सोया (घ) रीता ने नहीं सोया
उत्तर ख) रीता से सोया भी नहीं जाता

प्रश्न 16. 'प्रेमचंद द्वारा गबन लिखा गया' वाक्य को कर्तृवाच्य में बदलिए।
(क) प्रेमचंद ने गबन लिखा (ख) गबन प्रेमचंद द्वारा लिखी गई
(ग) गबन प्रेमचंद द्वारा लिखित उपन्यास है (घ) प्रेमचंद से गबन लिखा गया
उत्तर क) प्रेमचंद ने गबन लिखा

प्रश्न 17. 'राकेश से रोया नहीं जाता' वाक्य को कर्तृवाच्य में बदलिए।
(क) राकेश नहीं रोता है (ख) राकेश द्वारा रोया जाता है
(ग) राकेश रोने के लिए उत्सुक है (घ) उपर्युक्त कोई नहीं
उत्तर क) राकेश नहीं रोता है

प्रश्न 18. 'वह नृत्य देख रहा है' प्रयोग के आधार पर वाक्य भेद बताइए
(क) कर्मवाच्य (ख) भाव वाच्य
(ग) कर्तृवाच्य (घ) उपर्युक्त सभी

उत्तर ग) कर्तृवाच्य

प्रश्न 19. 'उससे खाना नहीं खाया जाता' वाच्यभेद बताइए।

(क) कर्तृवाच्य (ख) कर्मवाच्य

(ग) भाववाच्य (घ) इनमे से कोई नहीं

उत्तर ग) भाववाच्य

प्रश्न 20. वाच्य के कितने भेद होते हैं ?

(क) एक (ख) दो

(ग) तीन (घ) चार

उत्तर - ग) तीन

पद परिचय :-

पद परिचय क्या होता है ?

वाक्य में प्रयोग किये गए शब्दों को पद कहते है। उन शब्दों को व्याकरण के आधार पर उनका परिचय देना पद परिचय कहलाता है।

जैसे उनका भेद, उपभेद, लिंग, वचन, कारक क्या है और उनका अन्य शब्दों के साथ क्या संबंध है।

पद परिचय कैसे दे ?

पद परिचय देते समय आपको पदों के बारे में उनका परिचय बताना होता है। जैसे- संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, क्रिया विशेषण, विशेषण, लिंग, वचन, कारक के भेद, अव्यय आदि।

उदाहरण-

खुशी ने गृह-कार्य कर लिया। खुशी-1. संज्ञा, व्यक्तिवाचक संज्ञा 2. स्त्रीलिंग 3. एकवचन 4. कर्ता कारक 'कर लिया' क्रिया की कर्ता।

पद परिचय की भेद

पद-भेद- पद के दो भेद होते हैं- (क) विकारी। (ख) अविकारी।

(क) विकारी-लिंग, वचन, कारक आदि के कारण इनका रूप बदल जाता है।

विकारी शब्द चार प्रकार के होते हैं- 1. संज्ञा। 2. सर्वनाम 3. विशेषण। 4. क्रिया।

उदाहरण-

वाक्य-रामचरितमानस की रचना तुलसीदास के द्वारा की गई। रामचरितमानस- व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक। तुलसीदास के द्वारा- व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, करण कारक। की गई- संयुक्त क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्मवाच्य, अन्य पुरुष।

वाक्य-उस गमले में तीन फूल खिले हैं।

उस- सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, विशेष्य 'गमला'। गमले में- जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, अधिकरण कारक, पुल्लिंग। तीन- निश्चित संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, विशेष्य 'फूल'। फूल- जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग कर्ताकारक, खिलना क्रिया का कर्ता। खिले हैं- क्रिया वर्तमानकालिक, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्तृवाच्य।

(ख) अविकारी या अव्यय-ऐसे शब्द जिनके रूप लिंग, वचन, कारक, काल, पुरुष आदि की दृष्टि से नहीं बदलते उन्हें अविकारी या अव्यय कहते हैं; जैसे-हाथोंहाथ, इधर, वाह, अथवा आदि।

अव्यय के भेद-अव्यय शब्द पाँच प्रकार के होते हैं-

1. क्रियाविशेषण 2. संबंधबोधक 3. समुच्चयबोधक (योजक) 4. विस्मयादिबोधक 5. निपात।

पदों का परिचय देते समय निम्नलिखित बातें बताना आवश्यक होता है -

1.संज्ञा-तीनों भेद, लिंग, वचन, कारक क्रिया के साथ संबंध।

2.सर्वनाम-सर्वनाम के भेद,पुरुष,लिंग, वचन, कारक, क्रिया से संबंध।

3.विशेषण-विशेषण के भेद, लिंग, वचन और उसका विशेष्य।

4.क्रिया-क्रिया के भेद,लिंग,वचन,पुरुष,काल,वाच्य,धातु कर्म और कर्ता का उल्लेख।

5.क्रियाविशेषण-क्रियाविशेषण का भेद तथा जिसकी विशेषता बताई जा रही है, का उल्लेख। 6.समुच्चयबोधक-भेद, जिन शब्दों या पदों को मिला रहा है, का उल्लेख। 7.संबंधबोधक-भेद, जिसके साथ संबंध बताया जा रहा है, का उल्लेख। 8.विस्मयादिबोधक-हर्ष, भाव, शोक, घृणा, विस्मय आदि किसी एक भाव का निर्देश।
अन्य पद-
9.प्रविशेषण- पहचान और वह विशेषण जिसकी विशेषता बताता हो।
10.निपात-पहचान और वह पद जिस पर जोर देता हो।
संज्ञा-व्यक्ति वाचक ,जाति वाचक,भाव वाचक
सर्वनाम- (i)पुरूषवाचक - मैं, तू, वह, हम, मैंने
(ii)निजवाचक - आप
(iii)निश्चयवाचक - यह, वह
(iv)अनिश्चयवाचक - कोई, कुछ
(v)संबंधवाचक - जो, सो
(vi)प्रश्नवाचक - कौन, क्या
विशेषण-(i).गुणवाचक विशेषण
(ii) परिमाणवाचक विशेषण
(iii) संख्यावाचक विशेषण
(iv) सार्वनामिक विशेषण
क्रिया- कर्म के आधार पर- अकर्मक और सकर्मक। काल के आधार पर - वर्तमान काल, भूतकाल और भविष्यकाल वनावट (रचना) के आधार पर-सामान्य क्रिया, सयुंक्त क्रिया, सामान्य क्रिया , प्रेरणार्थक क्रिया, पूर्वकालिक क्रिया और नामधातु क्रिया।
क्रियाविशेषण- रीतिवाचक, कालवाचक, स्थानवाचक और परिमाणवाचक
संबंधबोधक-कालवाचक, स्थानवाचक, दिशावाचक, साधनवाचक और तुलनवाचक
समुच्चय बोधक- समानाधिकरण और व्यधिकरण।
विस्मयादिबोधक- हर्षसूचक, शोक सूचक, घृणासूचक, आश्चर्यसूचक, भयसूचक और सम्बोधन सूचक
उदाहरण-वाक्य-ओह ! कितना सुंदर चित्र बनाया है तुमने। ओह-अव्यय विस्मयादिबोधक हर्ष सूचक। वाक्य-खरगोश धीरे-धीरे झाड़ी के निकट आ गया। धीरे-धीरे-अव्यय, रीतिवाचक क्रियाविशेषण ('आ गया' क्रिया की रीति बताने वाला)।
बहुविकल्पीय प्रश्न
1.मुंशी प्रेमचंद ने गोदान के रचना की।
(क) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक
(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक
(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक
(घ) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक
2.रेखा नित्य दौड़ने जाती है।
(क)गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'दौड़ने जाता है' क्रिया की विशेषता
(ख)रीतिवाचक क्रिया विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'दौड़ने जाता है' क्रिया की विशेषता
(ग)अव्यय, स्थानवाचक क्रिया विशेषण, 'दौड़ने जाती है' क्रिया की विशेषता
(घ) अव्यय, कालवाचक क्रिया विशेषण, 'दौड़ने जाती है' क्रिया की विशेषता
3.बागो में फूल खिलते हैं।
(क) सकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य
(ख) अकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य
(ग) सकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य
(घ) अकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य

4. 'लाल गुलाब देखकर मन खुश हो गया।'-रेखांकित पद का परिचय है-
(क) संख्यावाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, 'गुलाब विशेष्य का विशेष
(ख) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, 'गुलाब विशेष्य का विशेष
(ग) परिमाणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'गुलाब विशेष्य का विशेष
(घ) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, स्त्रीलिंग, 'गुलाब विशेष्य का विशेष
5.राधिका ने आपको बुलाया है।
(क) प्रथम पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक
(ख) निजवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक
(ग) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक
(घ) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक
6.पद किसे कहते हैं ?
(I) वर्णों के समूह को
(II) शब्दों के समूह को
(III) वाक्य में प्रयुक्त शब्द को
(क) III सही है
(ख) II , III सही है
(ग) I, II , III सही है
(घ) कोई सही नहीं है।
7.फौजी अपने देश के लिए अपनी जान भी दे देते है
(क) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, संप्रदान कारक ।
(ख) वयक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ण कारक।
(ग) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग , एकवचन, कर्म कारक ।
(घ) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, संप्रदान कारक।
उत्तर-
1.उत्तर-(ग)व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक
2.उत्तर-(घ)अव्यय, कालवाचक क्रिया विशेषण, 'दौड़ने जाती है' क्रिया की विशेषता
3.उत्तर-(ख)अकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य
4.उत्तर-(ख)गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, 'गुलाब विशेष्य का विशेष
5.उत्तर-(ग)मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक
6.उत्तर-(क) III सही है
7.उत्तर-(क) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, संप्रदान कारक ।

-: अलंकार :-

परिभाषा :-

अलंकार का अर्थ होता है- अलंकृत करना अर्थात सजाना |

'अलंकार' शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है -अलम + कार | अलम का अर्थ होता है- गहना, आभूषण या सजना - सजाना | 'कार ' मतलब - करने वाला | इस तरह से जो अलंकृत करें, उसी को ही अलंकार कहा जाता है |

जिस तरह से कोई स्त्री खुद को सजाने के लिए गहनों का इस्तेमाल करती है, उसी तरह से कवि ,कविता को सजाने के लिए अलंकारों का प्रयोग करता है |

दूसरे शब्दों में, काव्य के सौंदर्य बढ़ाने वाले तत्वों को अलंकार कहा जाता है |

अलंकार के भेद

अलंकार के दो भेद हैं - (1) शब्दालंकार (2)अर्थालंकार

(1).शब्दालंकार- जहाँ शब्दों के कारण काव्य में चमत्कार उत्पन्न होता है और उसका सौंदर्य बढ़ता है, वहाँ शब्दालंकार होता है |

(2).अर्थालंकार- जहाँ अर्थ के कारण काव्य में चमत्कार होता है और उसका सौंदर्य बढ़ता है, वहाँ अर्थालंकार होता है |

शब्दालंकार के प्रकार- शब्दालंकार के मुख्य रूप से तीन भेद हैं -

(1) अनुप्रास अलंकार
(2) यमक अलंकार
(3) श्लेष अलंकार

अर्थालंकार के प्रकार- अर्थालंकार के कुछ मुख्य भेद इस प्रकार हैं -

(1) उपमा अलंकार
(2) रूपक अलंकार
(3) उत्प्रेक्षा अलंकार
(4) मानवीकरण अलंकार
(5) अतिशयोक्ति अलंकार

नोट- सीबीएसई के नवीन पाठ्यक्रम के अनुसार कक्षा दसवीं के पाठ्यक्रम में श्लेष, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति और मानवीकरण अलंकार को शामिल किया गया है।

शब्दालंकार :-

(1)श्लेष अलंकार - ‘ श्लेष ’ का अर्थ होता है - 'चिपका हुआ' | जहाँ काव्य में एक शब्द के साथ कई अर्थ चिपके हो अर्थात जहाँ एक शब्द के कई अर्थ निकलते हैं तो वहां पर श्लेष अलंकार होता है |

उदाहरण :

(I) सुबरन को ढूंढत फिरत, कवि, व्यभिचारी, चोर |

(ii)- रहिमन पानी राखिए बिन पानी सब सून,
पानी गए न ऊबरे मोती, मानुस ,चून |

(iii)- जो रहीम गति दीप की, कुल कपूत गति सोय |
बारै उजियारो करे, बढ़े अँधेरा होय |

अर्थालंकार-

(2) उत्प्रेक्षा अलंकार - उत्प्रेक्षा का अर्थ होता है- 'अनुमान' | जहाँ समानता के कारण उपमेय में उपमान की संभावना या कल्पना की जाए ,वहाँ उत्प्रेक्षा अलंकार होता है|

संभावना व्यक्त करने के लिए कुछ शब्दों का प्रयोग किया जाता है -

जैसे : ज्यों,जनु ,जैसे ,जनहु, जानो ,मनु ,मानो ,मानहु आदि|

उदाहरण :

(i)- सोहत ओढ़े पीत पट श्याम सलोने गात
मनु नीलमणि सेल पर आतप परयो प्रभात |

(ii)- नील परिधान बीच सुकुमार
खुल रहा मृदुल अधखिला अंग
खिला हो ज्यों बिजली का फूल
मेघ बन बीच गुलाबी रंग |

(iii)- सिर फट गया उसका वहीं,
मानो अरुण रंग का घड़ा |

(4) अतिशयोक्ति अलंकार - जब किसी बात को इतना बढ़ा- चढ़ाकर प्रस्तुत किया जाता है कि लोक मर्यादा का उल्लंघन हो जाए, तो वहाँ पर अतिशयोक्ति अलंकार होता है |

दूसरे शब्दों में ,जहाँ किसी बात को बढ़ा चढ़ाकर वर्णित किया जाए वहाँ पर अतिशयोक्ति अलंकार होता है |

उदाहरण : i)- हनुमान की पूंछ में लगन न पाई आग

लंका सिगरी जल गई गए निशाचर भाग |

(ii)- देख लो साकेत नगरी है यही

स्वर्ग से मिलने गगन में जा रही |

(iii)- आगे नदिया पड़ी अपार, घोड़ा कैसे उतरे पार

राणा ने सोचा इस पार, तब तक चेतक था उस पार |

(5) मानवीकरण अलंकार - जहाँ जड़ वस्तुओं अर्थात प्रकृति पर मानवीय चेष्टाओं का आरोप किया जाता है, वहाँ मानवीकरण अलंकार होता है |

दूसरे शब्दों में , जहाँ प्रकृति की वस्तुओं को मानवीय क्रियाएँ करते दिखाया जाए, वहाँ मानवीकरण अलंकार होता है |

उदाहरण : i) - दिवसावसान का समय

मेघमय आसमान से उतर रही है

वह संध्या-सुंदरी परी-सी धीरे-धीरे |

ii)- यह ठिगना हरा चना

बाँधे मुरैठा शीश पर

सजकर खड़ा है |

iii)- आंधी चली धूल भागी घागरा उठाए |

iv)- आगे-आगे नाचती गाती बयार चली |

v)- बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की |

अलंकार पर आधारित कुछ बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न 1 - 'पानी गए न ऊबरे मोती, मानुस, चून।' में कौन सा अलंकार है?

(क) श्लेष अलंकार

(ख) उत्प्रेक्षा अलंकार

(ग) अतिशयोक्ति अलंकार

(घ) मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 2 - कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर सबसे सही विकल्प का चुनाव कीजिए।

कथन (A)- 'हैं कई पत्थर किनारे पी रहे चुपचाप पानी।' में मानवीकरण अलंकार है।

कारण (R)- जहाँ जड़ वस्तुओं या प्राकृतिक वस्तुओं को मानवीय क्रियाएं करते हुए दिखाया जाय, वहाँ मानवीकरण अलंकार होता है।

(क) कथन(A) सही है, कारण(R) गलत है।

(ख) कथन(A) गलत है, कारण(R) सही है।

(ग) कथन(A), कारण(R) दोनों सही है लेकिन कारण(R) कथन(A) की सही व्याख्या नही है।

(घ) कथन(A), कारण(R) दोनों सही है और कारण(R) कथन(A) की सही व्याख्या है।

प्रश्न 3 - 'हनुमान की पूंछ में, लग न पाई आग।

सारी लंका जरि गई, गए निशाचर भाग।' में कौन सा अलंकार है?

(क) श्लेष अलंकार

(ख) अतिशयोक्ति अलंकार

(ग) उत्प्रेक्षा अलंकार

(घ) मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 4 - किस अलंकार में जनु, जानो, मनु, मानो आदि वाचक शब्दों का प्रयोग किया जाता है?

(क) श्लेष अलंकार

(ख) मानवीकरण अलंकार

(ग) उत्प्रेक्षा अलंकार

(घ) अतिशयोक्ति अलंकार

प्रश्न 5 - 'आगे नदियां पड़ी अपार घोडा कैसे उतरे पार। राणा ने सोचा इस पार तब तक चेतक था उस पार।' में कौन सा अलंकार है?

(क) श्लेष अलंकार

(ख) उत्प्रेक्षा अलंकार

(ग) अतिशयोक्ति अलंकार

(घ) मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 6 - 'फूल हँसे कलियाँ मुसकाई।' में कौन सा अलंकार है?

(क) मानवीकरण अलंकार

(ख) श्लेष अलंकार

(ग) उत्प्रेक्षा अलंकार

(घ) अतिशयोक्ति अलंकार

प्रश्न 7 - नीचे दिए गए कथनों को पढ़कर सबसे सही विकल्प का चुनाव कीजिए।

कथन-

1- श्लेष अलंकार शब्दालंकार का एक प्रकार है।

2- श्लेष अलंकार में एक ही शब्द के अनेक अर्थ होते हैं।

3- 'सुबरन के खोजत फिरै, कवि, व्यभिचारी, चोर।' में श्लेष अलंकार है।

(क) कथन 1, और कथन 2 सही है।

(ख) कथन 1, और कथन 3 सही है।

(ग) कथन 2, और कथन 3 सही है।

(घ) तीनों कथन सही है।

प्रश्न 8 - 'मेघ आये बड़े बन-ठन के संवर के।' में कौन सा अलंकार है?

(क) श्लेष अलंकार

(ख) मानवीकरण अलंकार

(ग) उत्प्रेक्षा अलंकार

(घ) अतिशयोक्ति अलंकार

प्रश्न 9 - 'बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की।' में कौन सा अलंकार है?

(क) श्लेष अलंकार

(ख) उत्प्रेक्षा अलंकार

(ग) अतिशयोक्ति अलंकार

(घ) मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 10 - 'नील परिधान बीच सुकुमार
खुल रहा मृदुल अधखिला अंग
खिला हो ज्यों बिजली का फूल
मेघ बन बीच गुलाबी रंग ।' में कौन सा अलंकार है?

(क) श्लेष अलंकार

(ख) अतिशयोक्ति अलंकार

(ग) उत्प्रेक्षा अलंकार

(घ) मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 11 - 'जो रहीम गति दीप की, कुल कपूत गति सोय। बारै उजियारो करे, बढ़े अँधेरा होय।' में कौन सा अलंकार है?

(क) उत्प्रेक्षा अलंकार

(ख) मानवीकरणअलंकार
(ग) अतिशयोक्ति अलंकार
(घ) श्लेष अलंकार
प्रश्न 12 - 'धनुष उठाया ज्यों ही उसने और चढ़ाया उस पर बाण। धरा-सिन्धु नभ काँपे सहसा, विकल हुए जीवों के प्राण।' में कौन सा अलंकार है?
(क) अतिशयोक्ति अलंकार
(ख) श्लेष अलंकार
(ग) उत्प्रेक्षा अलंकार
(घ) मानवीकरण अलंकार
प्रश्न 13 - 'मेघमय आसमान से उतर रही है संध्या सुन्दरी परी सी धीरे धीरे धीरे।' में कौन सा अलंकार है?
(क) श्लेष अलंकार
(ख) उत्प्रेक्षा अलंकार
(ग) मानवीकरण अलंकार
(घ) अतिशयोक्ति अलंकार
प्रश्न 14 - किस अलंकार में बातों को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत किया जाता है?
(क) अतिशयोक्ति अलंकार
(ख) श्लेष अलंकार
(ग) मानवीकरणअलंकार
(घ) उत्प्रेक्षा अलंकार
प्रश्न 15 - कॉलम अ को कॉलम ब से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चुनाव कीजिए।

कॉलम अ।	कॉलम ब
1- एक ही शब्द के कई अर्थ।।	i- उत्प्रेक्षा अलंकार
2- किसी बात को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत करना।	ii- अतिशयोक्ति अलंकार
3- उपमेय में उपमान की सम्भावना।।	iii- श्लेष अलंकार

(क) 1-i, 2-ii, 3-iii
(ख) 1-ii, 2-i, 3-iii
(ग) 1-iii, 2-ii, 3-i
(घ) 1-i, 2-iii, 3-ii
प्रश्न 16 - किस अलंकार में एक ही शब्द के अनेक अर्थ होते हैं?
(क) अतिशयोक्ति अलंकार
(ख) श्लेष अलंकार
(ग) मानवीकरण अलंकार
(घ) उत्प्रेक्षा अलंकार
प्रश्न 17 - 'सिर फट गया उसका वहीं , मानो अरुण रंग का घड़ा हो ।' में कौन सा अलंकार है?
(क) मानवीकरण अलंकार
(ख) श्लेष अलंकार
(ग) अतिशयोक्ति अलंकार
(घ) उत्प्रेक्षा अलंकार
प्रश्न 18 -कथन(A) और कारण(R) को पढ़कर सबसे सही विकल्प का चुनाव कीजिए।
कथन(A)- 'पानी परात को हाथ छुयो नहि, नैनन के जल सो पग धोए।' में अतिशयोक्ति अलंकार है।
कारण(R)- जहाँ किसी बात को बहुत बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जाय, वहाँ उत्प्रेक्षा अलंकार होता है।
(क) कथन(A) सही है, कारण(R) गलत है।

(ख) कथन(A) गलत है, कारण(R) सही है।

(ग) कथन(A), कारण(R) दोनों सही है।

(घ) कथन(A), कारण(R) दोनों गलत है।

प्रश्न 19 'उषा सुनहरे तीर बरसाती, जय लक्ष्मी-सी उदित हुई।' में कौन सा अलंकार है?

(क) अतिशयोक्ति अलंकार

(ख) मानवीकरण अलंकार

(ग) उत्प्रेक्षा अलंकार

(घ) श्लेष अलंकार

प्रश्न 20 - 'पाहून ज्यों आए हों गाँव में शहर के ।' में कौन सा अलंकार है?

(क) उत्प्रेक्षा अलंकार

(ख) श्लेष अलंकार

(ग) अतिशयोक्ति अलंकार

(घ) मानवीकरण अलंकार

उत्तरमाला(बहुविकल्पीय प्रश्न)

1-(क),2-(घ),3-(ख),4-(ग),5-(ग),6-(क),7-(घ),8-(ख),9-(घ),10-(ग),11-(घ),12-(क),13-(ग),14-(क)

15-(ग),16-(ख),17-(घ),18-(क),19-(ख),20-(क)

गद्य खंड

1- नेताजी का चश्मा (स्वंयप्रकाश)

पाठ का सारांश

हालदार साहब को हर पन्द्रहवें दिन कंपनी के काम से एक छोटे कस्बे से गुजरना पड़ता था । उस कस्बे में एक लड़कों का स्कूल था, लड़कियों का स्कूल था, एक सीमेंट का कारखाना दो ओपन एयर सिनेमाघर और एक दो नगर पालिका भी थी । नगरपालिका तो कुछ न कुछ करती रहती थी । कभी सड़कें पक्की करवाने का काम तो कभी शौचालय तो कभी कवि सम्मेलन करवा दिया । एक बार नगरपालिका के एक उत्साही अधिकारी ने मुख्य बाजार के चौराहे पर सुभाष चंद्र बोस की संगमरमर की प्रतिमा लगवा दी, क्योंकि बजट ज्यादा नहीं था इसलिए मूर्ति बनाने का काम कस्बे के इकलौते हाई स्कूल के शिक्षक को सौंपा गया । मूर्ति सुंदर बनी थी, बस एक चीज की कमी थी नेताजी की आंख पर चश्मा नहीं था । एक सचमुच के चश्मे का चौड़ा काला फ्रेम मूर्ति को पहना दिया गया, जब हालदार साहब आए तो उन्होंने सोचा वाह! भई क्या आइडिया है । ठीक है, मूर्ति पत्थर की पर चश्मा रियल । दूसरी बार जब हालदार साहब आए तो उन्हें मूर्ति पर तार का फ्रेम वाला गोल चश्मा लगा था । तीसरी बार फिर उन्होंने नया चश्मा पाया इस बात में पान वाले से पूछ बैठे कि नेताजी का चश्मा हरदम बदल कैसे जाता है । पानवाले ने बताया कि यह काम कैप्टन चश्मे वाला करता है । हालदार साहब को समझते देर न लगी कि बिना चश्मे वाली मूर्ति कैप्टन को खराब लगती होगी इसलिए अपने उपलब्ध प्रेम में से एक को वह नेता जी की मूर्ति पर फिट कर देता होगा जब कोई ग्राहक वैसे ही प्रेम की मांग करता वह जैसा मूर्ति पर लगा है तो वह उसे मूर्ति से उतार कर ग्राहक को दे देता था । और मूर्ति पर नया प्रेम लगा देता क्योंकि मूर्ति बनाने वाला मास्टर चश्मा लगाना भूल गया था । हालदार साहब ने पानवाले से जानना चाहा कि कैप्टन चश्मे वाला नेताजी का साथी है या आजाद हिंद फौज का कोई भूतपूर्व सिपाही? पानवाला बोला कि वह लंगड़ा क्या फौज में जाएगा वह पागल है इसलिए ऐसा करता है । हालदार साहब को एक देशभक्त का मजाक बनते देख अच्छा नहीं लगा कैप्टन को देखकर उन्हें आश्चर्य हुआ क्योंकि वह एक बूढ़ा मरियल लंगड़ा सा आदमी था, जिसके सिर पर गांधी टोपी तथा चश्मा था । उसके एक हाथ में एक छोटी सी संदूकची और दूसरे में एक बांस में टंगे ढेरों चश्मे थे | वह उसका वास्तविक नाम जानना चाहते थे, परंतु पान वाले ने इससे ज्यादा बताने से मना कर दिया । 2 साल के भीतर हालदार साहब ने नेताजी की मूर्ति पर कई चश्मे लगते हुए देखे । एक बार जब हालदार साहब कस्बे से गुजरे तो मूर्ति पर कोई चश्मा नहीं था । पूछने पर पता चला की कैप्टन मर गया, उन्हें बहुत दुःख हुआ। पंद्रह दिन बाद कस्बे से गुजरते सोचा की वहाँ नही रुकेंगे, पान भी नहीं खायेंगे, मूर्ति की ओर देखेंगे भी नहीं । परन्तु आदत से मजबूर हालदार साहब की नजर चौराहे पर आते ही आँखे मूर्ति की ओर उठ गयीं । वे जीप से उतरे और मूर्ति के सामने जाकर खड़े हो गए। मूर्ति की आँखों पर सरकंडे से बना हुआ छोटा सा चश्मा रखा था, जैसा बच्चे बना लेते है। यह देखकर हालदार साहब की आँखे नम हो गयीं ।

पाठ के प्रश्नोत्तर

प्रश्न : 1 सेनानी न होते हुए भी चश्में वाले को लोग कैप्टन के नाम से क्यों संबोधित करते थे ?

उत्तर- चश्मे वाला स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने वाले सैनिकों व नेताओं का अपने हृदय से सम्मान करता था और उसे नेता जी को बिना चश्मे के देखना पसंद नहीं था। वह खुद ही देश प्रेम की भावना से ओतप्रोत था। उसके अंदर देशभक्ति की भावना को देखकर लोग उसे कैप्टन नाम से संबोधित करते थे।

प्रश्न 2. हालदार साहब पहले मायूस क्यों हो गए थे ?

उत्तर- हालदार साहब सोच रहे थे कि कस्बे की हृदय स्थली में नेताजी की मूर्ति तो अवश्य होगी मगर उनकी आंखों पर चश्मा नहीं होगा। क्योंकि नेताजी की मूर्ति पर चश्मा लगाने वाला कैप्टन तो मर चुका है। और किसी को कहां भला इतनी फुर्सत है कि वह नेताजी की मूर्ति पर चश्मा लगाए। बस यही सोचकर हालदार साहब मायूस हो गए थे । मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा यह उम्मीद जगाता है कि हमारे देश के लोगों खासकर युवा और बच्चों के अंदर देशभक्ति की भावना अभी भी बरकरार है, क्योंकि यही युवा और बच्चे किसी भी देश का भविष्य होते हैं। अगर इनके अंदर अपने देश के लिए प्रेम व सम्मान है तो हमारे देश का भविष्य सुरक्षित है।

प्रश्न 3. मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा क्या उम्मीद जगाता है ?

उत्तर- मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा यह उम्मीद जगाता है कि हमारे देश के लोगों खासकर युवा और बच्चों के अंदर देशभक्ति की भावना अभी भी बरकरार है क्योंकि यही युवा और बच्चे किसी भी देश का भविष्य होते हैं। अगर इनके अंदर अपने देश के लिए प्रेम व सम्मान है तो हमारे देश का भविष्य सुरक्षित है।

प्रश्न4. हालदार साहब किस बात पर भावुक हो गये ?

उत्तर- हालदार हालदार साहब को बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी कि कैप्टन के मर जाने के बाद नेताजी की मौत पर कोई चश्मा लगा सकता है। वह इस बात से काफी दुखी थे | लेकिन जैसे ही उन्होंने नेताजी की मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा लगा देखा तो उनकी आंखों में खुशी के आंसू छलक पड़े और उन्हें यह सोचकर काफी संतोष हुआ कि अभी भी हमारे देश का भविष्य उज्जवल है और लोगों में देशभक्ति की भावना आज भी जीवित है।

प्रश्न 5. पानवाले का एक रेखाचित्र प्रस्तुत कीजिए ।

उत्तर- पानवाला मोटा खुशमिजाज व्यक्ति था | उसकी तोंद निकली हुई थी और वह हर वक्त पान खाता रहता था जिससे उसके दांत लाल काले हो गए थे | वह अपनी दुकान में आने वाले ग्राहकों से खूब बातें किया करता था |

प्रश्न 6. "वह लंगडा क्या जाएगा फ़ौज में । पागल है पागल !" कैप्टन के प्रति पानवाले की इस टिपण्णी पर अपनी प्रतिक्रिया लिखिए ।

उत्तर- "वह लंगडा क्या जाएगा फ़ौज में । पागल है पागल !" यह बात हालदार साहब द्वारा चश्मे वाले यानी कैप्टन के बारे में पूछने पर पान वाले ने कही जो सर्वथा अनुचित है | भले ही कैप्टन शारीरिक रूप से विकलांग था | जिस कारण वह सेना में भर्ती होने के योग्य नहीं था, पर उसका नेता जी की मूर्ति पर चश्मा लगाना देशभक्ति व स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के प्रति सम्मान की भावना को प्रकट करता है | लेकिन पानवाला उसे पागल समझता है। जो उसकी मूर्खता को दर्शाता है | जो लोग अपने देश के प्रति पागलपन की हद तक प्रेम व सम्मान की भावना रखते हैं, वह सम्मानीय हैं। उन्हें पागल कहना सर्वथा अनुचित है।

प्रश्न 7. जब तक हालदार साहब ने कैप्टन को नहीं देखा था, तब उनके मानस पटल पर उसका कौन -सा चित्र रहा होगा ? आप अपनी कल्पना से लिखिए ।

उत्तर- जब तक हालदार साहब ने कैप्टन को साक्षात रुप से नहीं देखा था, तब तक उनके मानस पटल पर कैप्टन की छवि बिल्कुल फौज के एक कैप्टन जैसी रही होगी। लंबी व मजबूत कद काठी, रौबदार चेहरा, हट्टा-कट्टा सा दिखने वाला किसी फौज का कैप्टन। वैसे भी हालदार साहब उन्हें फौजी ही समझते थे।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1- नेताजी का चश्मा पाठ के लेखक कौन हैं ?

(क) रामबृक्ष बेनीपुरी (ख) स्वयं प्रकाश (ग) यशपाल (घ) सक्सेना

उत्तर- (ख) स्वयं प्रकाश

2- नेताजी का चश्मा पाठ की साहित्यिक विधा क्या है?

(क) कहानी (ख) नाटक (ग) संस्मरण (घ) रेखाचित्र

उत्तर- (क) कहानी

3- 'नेताजी का चश्मा' पाठ से कौन सा कथन सत्य है ?

(i) नेता जी की मूर्ति फौजी वर्दी में थी |

(ii) नेताजी कमसिन और सुंदर दिख रहे थे |

(iii) नेताजी की मूर्ति पर चश्मा जान बूझकर नहीं लगाया |

(iv) मूर्ति बनाने के लिए नगरपालिका से 5000 रुपये मिले थे।

विकल्प

(क) कथन i सही है |

(ख) कथन ii सही है

(ग) कथन i व ii सही है |

(घ) कथन i, ii, iii व iv सही है |

उत्तर - (ग) कथन i व ii सही है |

4- हालदार साहब क्या देखकर दुखी हुए थे ?
(क) देश को (ख) देश भक्तों को (ग) देश भक्तों के प्रति अनादर भाव रखने वालों को (घ) देशद्रोही को
उत्तर- (ग) देश भक्तों के प्रति अनादर भाव रखने वालों को

5. नेताजी का चश्मा नामक कहानी में देशभक्तों का अनादर करने वाले पात्र कौन हैं ?
(क) हालदार (ख) हालदार का ड्राइवर (ग) कैप्टन (घ) पानवाला
उत्तर- (घ) पानवाला

6. नेताजी का चश्मा शीर्षक पाठ का मूल भाव क्या है?
(क) देश भक्ति (ख) सामाजिक भाव (ग) राजनीतिक जागृति (घ) मूर्ति कला की प्रशंसा
उत्तर- (क) देश भक्ति

7. कथन (A) - नेताजी की मूर्ति पर सरकंडे के चश्मे को देखकर लोगों में क्या उम्मीद जगती है ?
कारण (R) -नए लोगों के मन में कहीं न कहीं देश भक्ति की भावना व वीरों के प्रति सम्मान है |
विकल्प (क) कथन (A) गलत है, किन्तु कारण (R) सही है |
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत है |
(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है |
(घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है |
उत्तर- (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है |

8. इस पाठ में पान वाले के चरित्र की प्रमुख विशेषता क्या दिखाई गई है?
(क) धोखेबाज़ है (ख) चालाक है (ग) बातों का धनी है (घ) गरीब और ईमानदार है
उत्तर-(ग) बातों का धनी है

9. वो लँगड़ा क्या जाएगा फ़ौज में। पागल है, पागल ! ये शब्द किसने कहे हैं ?
(क) पानवाले ने (ख) हालदार ने (ग) ड्राइवर ने (घ) नगरपालिका के अध्यक्ष ने
उत्तर- (क) पानवाले ने

10. हालदार साहब कस्बे में क्यों रुकते थे?
(क) आराम करने के लिए (ख) पान खाने के लिए (ग) किसी से मिलने के लिए(घ) कंपनी के काम के लिए
उत्तर-(ख) पान खाने के लिए

11. नेताजी सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा किसने बनाई थी ?
(क) कस्बे के नेता ने (ख) कस्बे के मूर्तिकार ने (ग) स्कूल के ड्राइंग मास्टर ने(घ) स्कूल के हैडमास्टर ने
उत्तर- (ग) स्कूल के ड्राइंग मास्टर ने

12. ड्राइंग मास्टर का क्या नाम था?
(क) मोतीलाल (ख) किशनलाल (ग) प्रेमपाल (घ) सोहनलाल
उत्तर- (क) मोतीलाल

13.कथन(A)-हालदार साहब को पानवाले के द्वारा कैप्टन जैसे देशभक्त का मजाक उडाना अच्छा नहीं लगा ?
कारण (R)क्योंकि पानवाला कैप्टन को जब भी देखता उसके मन कैप्टन प्रति सम्मान से सर झुक जाता|
विकल्प (क) कथन (A) गलत है, किन्तु कारण (R) सही है |
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत है |
(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है |
(घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है |
उत्तर - (घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है |

14. सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा किस वस्तु की बनी थी?
(क) लोहे की (ख) संगमरमर की (ग) मिट्टी की (घ) काँसे की
उत्तर - (ख) संगमरमर की

15. मूर्ति-निर्माण में नगरपालिका को देर क्यों लगी होगी?

(क) धन के अभाव के कारण (ख) मूर्तिकार न मिलने के कारण

(ग) मूर्ति स्थापना के स्थान का निर्णय न कर पाने के कारण (घ) संगमरमर न मिलने के कारण

उत्तर- (क) धन के अभाव के कारण

16 'मूर्ति "बनाकर पटक देने का क्या भाव है?

मूर्ति बनाकर तोड़ देना (ख) मूर्ति बनाना (ग) मूर्ति समय पर बनाना (घ) मूर्ति को फेंक देना

उत्तर- (ग) मूर्ति समय पर बनाना

17. मूर्ति की ऊँचाई कितनी थी?

(क) दो फुट (ख) चार फुट (ग) छः फुट (घ) आठ फुट

उत्तर-(क) दो फुट

18. "तुम मुझे खून दो " नेताजी का यह नारा हमें क्या प्रेरणा देता है?

(i) मन में देश भक्ति की भावना जगाने के लिए | (ii) खूनदान देने की |

(iii) देश के लिए बलिदान होने की | (iv) तरक्की करने की |

विकल्प (क) कथन i सही है |

(ख) कथन ii सही है |

(ग) कथन i व iii सही है |

(घ) कथन i, ii, iii व iv सही है |

उत्तर - (ग) कथन i व iii सही है |

19. सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा में क्या कमी रह गई थी ?

(क) टोपी नहीं थी (ख) चश्मा नहीं था (ग) प्रतिमा की ऊँचाई कम थी (घ) रंग उचित नहीं था

उत्तर-(ख) चश्मा नहीं था

20. सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा पर चश्मा किसने लगाया था?

(क) मोतीलाल ने (ख) हालदार साहब ने (ग) कैप्टन चश्मे वाले ने (घ) पानवाले ने

उत्तर-(ग) कैप्टन चश्मे वाले ने

पठित गद्यांश (नेताजी का चश्मा)

लगता है कि देश के अच्छे मूर्तिकारों की जानकारी नहीं होने और मूर्ति की अच्छी लागत अनुमान और उपलब्ध बजट से कहीं बहुत ज्यादा होने के कारण काफी समय उहापोह और चिठ्ठी पत्री में बर्बाद हुआ होगा और बोर्ड शासन अवधि समाप्त होने की घड़ियों में यह स्थानीय कलाकार को ही अवसर देने का निर्णय किया गया होगा और अंत में कस्बे के इकलौते हाईस्कूल के ड्राइंग मास्टर मान लीजिए मोतीलाल जी को एक काम सौंप दिया गया होगा | जो महीने भर में मूर्ति बनाकर पटक देने का विश्वास दिला रहे थे ।

(1) नगरपालिका का बोर्ड किसकी मूर्ति बनवाना चाहता था ?

(i) महात्मा गांधी (ii) सरदार बल्लभभाई पटेल (iii) डॉक्टर भीमराव अंबेडकर(iv) नेताजी सुभाष चन्द्र बोस

विकल्प (क) कथन i सही है |

(ख) कथन i व iii सही है |

(ग) कथन iv सही है |

(घ) कथन i, ii, iii व iv सही है |

उत्तर - (ग) कथन iv सही है |

कथन (A) - मूर्ति अच्छे से एवं सही सही तरीके से क्यों नहीं बन पाई ?

कारण (R) - क्योंकि अच्छे मूर्तिकारों की जानकारी, मूर्ति की अच्छी लागत, उपलब्ध बजट की सही जानकारी नहीं होने के कारण |

विकल्प (क) कथन (A) गलत है, किन्तु कारण (R) सही है |

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत है |

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है |

(घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है |

उत्तर - (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है |

(iii) बोर्ड के सामने क्या-क्या समस्याएं आई ?

(क) बोर्ड के सदस्य बहुत कम थे | (ख) बोर्ड के पास धन नहीं था |

(ग) बोर्ड पैसा खर्च नहीं करना चाहता था | (घ) बोर्ड के पास बजट कम था तथा अच्छा मूर्ति कार की जानकारी नहीं थी |

उत्तर- (घ) बोर्ड के पास बजट कम था तथा अच्छा मूर्ति कार की जानकारी नहीं थी |

(iv) नेताजी की मूर्ति बनाने का कार्य किसे सौंपा गया ?

मास्टर दीनानाथ (ख) मोतीलाल (ग) हीरालाल (घ) सभी को

उत्तर- (ख) मोतीलाल

(v) मास्टर ने नगरपालिका के बोर्ड को क्या विश्वास दिलाया |

(क) कि बहुत सुंदर मूर्ति बनाएंगे | (ख) बहुत जल्द कार्य पूरा |

(ग) 1 महीने में निर्माण पूर्ण करेंगे | (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर-(ग) 1 महीने में निर्माण पूर्ण करेंगे |

2 - बालगोबिन भगत

पाठ का सारांश

इस पाठ में लेखक ने बालगोबिन भगत नाम के एक ऐसे व्यक्ति के चरित्र के बारे में बताया है जो गृहस्थ होते हुए भी संन्यासी थे | क्योंकि वे संन्यासी की सभी परिभाषाओं पर खरे उतरने वाले थे। वे कबीर दास जी को साहब अर्थात अपना इष्ट मानते थे | उन्हीं के आदर्शों पर चलते थे | कभी झूठ नहीं बोलते थे | अकारण किसी से झगड़ा नहीं करते थे | दूसरे की वस्तु को बिना पूछे छूते नहीं थे और ना ही इस्तेमाल में लाते थे। इस नियम का वे इतना अधिक ईमानदारी से पालन करते थे कि लोगों को आश्चर्य होता था। उनके खेत में जो भी होता उसे पास ही स्थित के कबीरपंथी मठ में ले जाकर भेंट स्वरूप अर्पित कर देते थे और प्रसाद रूप में उन्हें जो वापस मिलता है उन्हीं से अपना जीवन चलाते थे। बालगोबिन भगत कबीर के पदों को कितनी मधुरता से गाते थे कि सुनने वाले झूमने लगते थे, गुनगुनाने और नाचने लगते थे। बालगोबिन भगत का एक बेटा था जो बोदा और सुस्त था | वे उससे बहुत प्यार करते थे। जब उसकी असमय मृत्यु हो जाती है तो वे साधारण लोगों की तरह दुखी नहीं होते बल्कि मृत्यु को वह एक अलग दृष्टिकोण से देखते हैं और मानते हैं कि यह आत्मा से परमात्मा का मिलन है | इसमें दुख की कोई बात नहीं है | ये तो उत्सव की बात है।

पठित बोध

1. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

बालगोबिन भगत की संगीत साधना का चरम उत्कर्ष उस दिन देखा गया जिस दिन उनका बेटा मरा। इकलौता बेटा था वह! कुछ सुस्त और बोदा-सा था, किंतु इसी कारण बालगोबिन भगत उसे और भी मानते। उनकी समझ में ऐसे आदमियों पर ही ज्यादा नजर रखनी चाहिए या प्यार करना चाहिए क्योंकि ये निगरानी और मुहब्बत के ज्यादा हकदार होते हैं। हमने सुना, बालगोबिन भगत का बेटा मर गया। कुतूहलवश उनके घर गया। देखकर दंग रह गया। बेटे को आंगन में एक चटाई पर लिटा कर एक सफेद कपड़े से ढँक रखा है। वह कुछ फूल तो हमेशा ही रोपते रहते, उन फूलों में से कुछ तोड़कर उस पर बिखरा दिए हैं, फूल और तुलसीदल भी। सिरहाने एक चिराग जला रखा है। और उसके सामने जमीन पर ही आसन जमाए गीत गाए चले जा रहे हैं। वही पुराना स्वर वही पुरानी तल्लीनता। घर में पतोहू रो रही है किंतु बालगोबिन भगत गाए जा रहे हैं। गाते-गाते, कभी-कभी पतोहू के पास जाते और उसे रोने के बदले उत्सव मनाने को कहते। आत्मा परमात्मा के पास चली गई, विरहिनी अपने प्रेमी से जा मिली, भला इससे बढ़कर आनंद की कौन बात। मैं कभी-कभी सोचता, यह पागल तो नहीं हो गए। किंतु नहीं, वह जो कुछ कह रहे थे उसमें उनका विश्वास बोल रहा था - वह चरम विश्वास जो हमेशा ही मृत्यु पर विजयी होता आया है।

प्रश्न 1. कथन (A) - बालगोबिन भगत की संगीत साधना का चरम उत्कर्ष कब देखा गया ?

कारण (R) - जिस दिन बालगोबिन भगत को साक्षा ईश्वर के दर्शन हुए थे |

विकल्प (क) कथन (A) गलत है, किन्तु कारण (R) सही है |

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत है |

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है |

(घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है |

उत्तर- (घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है |

प्रश्न 2. बाल गोविंद भगत का बेटा कैसा था?

कुछ कमजोर और सुस्त (ख) कुछ कमजोर और बोदा (ग) कुछ सुस्त और बोदा (घ) चालाक और होशियार

उत्तर-(ग) कुछ सुस्त और बोदा

प्रश्न 3. बाल गोबिन भगत बेटे की मृत्यु पर क्यों गीत गा रहे थे?

(i) बेटे की मौत के दुख से पागल हो गए थे (ii) विरहिनी (भक्त) अपने प्रेमी (भगवान) से मिल जाने के कारण

(iii) मैं अपने बेटे से प्यार नहीं करते थे (iv) उनका मानना था कि आत्मा का परमात्मा से मिलन हो गया

विकल्प

(क) कथन i सही है |

(ख) कथन ii सही है

(ग) कथन i, ii व iii सही है |

(घ) कथन ii व iv सही है |

उत्तर - (घ) कथन ii व iv सही है |

प्रश्न 4. बालगोबिन भगत को दुनियादारी से किसने निवृत्त किया?

(क) उसकी बहू ने (ख) उसके पुत्र ने (ग) उसके कर्मों ने (घ) गांव के लोगों ने

उत्तर- (क) उसकी बहू ने

प्रश्न 5. पतोहू का क्या अर्थ है?

(i) पोते की पत्नी (ii) पुत्र की पत्नी (iii) पुत्र वधू (iv) पोती का पति

विकल्प

(क) कथन i सही है |

(ख) कथन ii सही है

(ग) कथन ii व iii सही है |

(घ) कथन i, ii, iii व iv सही है |

उत्तर-(ग) कथन ii व iii सही है |

2. निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर चुनिए-

कातिक आया नहीं कि बालगोबिन भगत की प्रभातियाँ शुरू हुईं, जो फागुन तक चला करतीं। इन दिनों वह सबेरे ही उठते। न जाने किस वक्त जगकर वह नदी-स्नान को जाते, गाँव से दो मील दूर! वहाँ से नहा-धोकर लौटते और गाँव के बाहर ही, पोखरे के ऊँचे भिंडे पर अपनी खँजड़ी लेकर जा बैठते और अपने गाने टेरने लगते। खेत, बगीचा, घर-सब पर कुहासा छा रहा था। सारा वातावरण अजीब रहस्य से आवृत्त मालूम पड़ता था। उस रहस्यमय वातावरण में एक कुश की चटाई पर पूरब मुँह, काली कमली ओढ़े, बालगोबिन भगत अपनी खँजड़ी लिए बैठे थे। उनके मुँह से शब्दों का ताँता लगा था, उनकी अँगुलियाँ खँजड़ी पर लगातार चल रही थीं। मैं जाड़े से कँपकँपा रहा था, किंतु तारों की छाँव में भी उनके मस्तक के श्रमबिंदु, जब-तब चमक ही पड़ते।

प्रश्न 1. प्रभातियाँ किसे कहते हैं?

तड़के नहाना (ii) भोर का गीत (iii) सुबह टहलना (iv) बातचीत करना

विकल्प

(क) कथन i सही है |

(ख) कथन ii सही है

(ग) कथन ii व iii सही है |

(घ) कथन i, ii, iii व iv सही है |

उत्तर-(क) कथन i सही है |

2. बालगोबिन भगत की कार्तिक महीने में शुरू होने वाली गतिविधियों में शामिल है-

(क) जल्दी उठना (ख) नदी स्नान (ग) खंजड़ी बजाना (घ) उपरोक्त सभी

उत्तर - (घ) उपरोक्त सभी

3. वातावरण को रहस्यमयी क्यों कहा गया है?

(क) ठंड के कारण (ख) सुहाने मौसम के कारण (ग) कुहासे के कारण (घ) निर्जन स्थान होने के कारण

उत्तर - (ग) कुहासे के कारण

4. लेखक बालगोबिन भगत को देखकर आश्चर्य चकित क्यों हो जाता है?

(क) दिनचर्या और करनामे को देखकर (ख) उनके पागलपन को देखकर

(ग) उनका गाना सुनकर (घ) ठंड और कुहासे को देखकर

उत्तर - (क) दिनचर्या और करनामे को देखकर

5. कथन (A) - तारों की छाँव में भी उनके मस्तक के श्रमबिंदु, जब-तब चमक ही पड़ते।

कारण (R)- कबीर के गानों को पूरी तन्मयता, और नाच-नाच के गाने के ठंड में भी श्रमबिंदु झलकते हैं।

विकल्प (क) कथन (A) गलत है, किन्तु कारण (R) सही है |

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत है |

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है |

(घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है |

उत्तर- (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है |

निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. बालगोबिन भगत कैसे कद के आदमी थे?

(क) मझोले कद के सांवले (ख) ऊँचे कद के गोरे चिट्टे (ग) मँझोले कद के गोरे चिट्टे (घ) ऊँचे कद के सांवले

उत्तर- (ग) मँझोले कद के गोरे चिट्टे

2. बालगोबिन भगत कैसे व्यक्ति थे?

(क) गृहस्थ व्यक्ति (ख) सन्यासी (ग) गृहस्थ होते हुए भी संन्यासी (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (ग) गृहस्थ होते हुए भी संन्यासी

3. बालगोबिन भगत हमेशा किसके गीत खाते थे?

(i) मीराबाई के (ii) रहीम के (iii) सूरदास के (iv) कबीर दास के

विकल्प

(क) कथन i सही है |

(ख) कथन ii व iii सही है

(ग) कथन iv सही है |

(घ) कथन i, ii, iii व iv सही है |

उत्तर-(ग) कथन iv सही है |

4. बालगोबिन भगत किसे साहब मानते थे?

(क) गुरु नानक को (ख) कबीर को (ग) तुलसीदास को (घ) सूरदास को

उत्तर -(ख) कबीर को

5. बाल गोविंद भगत के खेत में जो कुछ पैदा होता उसे वे क्या करते थे?

(क) गरीबों में बांट देते थे | (ख) व्यापारियों को बेच देते थे |

(ग) कबीरपंथी मठ में भेंट स्वरूप दे देते थे| घ) उपरोक्त में से कोई नहीं |

उत्तर - (ग) कबीरपंथी मठ में भेंट स्वरूप दे देते थे |

6. बालगोबिन भगत की प्रभातियाँ किस महीने शुरू होती थी?

(क) फाल्गुन (ख) कार्तिक (ग) सावन (घ) भादो

उत्तर - (ख) कार्तिक

7. 'बालगोबिन भगत' शीर्षक पाठ के लेखक का क्या नाम है?

(क) यशपाल (ख) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना (ग) रामवृक्ष बेनीपुरी (घ) स्वयं प्रकाश

उत्तर - (ग) रामवृक्ष बेनीपुरी

8. बालगोबिन भगत की टोपी कैसी थी?

(क) सूरदास जैसी (ख) जैन मुनियों जैसी (ग) कबीरपंथियों जैसी (घ) गांधी की टोपी जैसी

उत्तर - (ग) कबीरपंथियों जैसी

9. लेखक बालगोबिन भगत की किस विशेषता पर अत्यधिक मुग्ध था?

(क) पहनावे पर (ख) भोजन पर (ग) मधुर गान पर (घ) व्यवहार पर

उत्तर -(ग) मधुर गान पर

10. लेखक ने 'रोपनी' किसे कहा है?

(i) रोपण को (ii) धान की रोपाई को (iii) धान की कटाई को (iv) धान की खेती को

विकल्प

(क) कथन i सही है |

(ख) कथन ii व iii सही है

(ग) कथन ii सही है |

(घ) कथन i, ii, iii व iv सही है |

उत्तर-(ग) कथन ii सही है |

11. बालगोबिन भगत खेत में क्या करते हैं?

(क) केवल गीत गाते हैं | (ख) खेत की मेंड़ पर बैठते हैं| (ग) धान के पौधे लगाते हैं | (घ) उपदेश देते हैं|

उत्तर - (ग) धान के पौधे लगाते हैं |

12. बालगोबिन भगत किसे 'निगरानी और मुहब्बत के ज़्यादा हकदार' मानते थे?

(क) बालकों को (ख) नारियों को (ग) कमजोर व्यक्तियों को (घ) शक्तिशाली व्यक्तियों को

उत्तर - (ग) कमजोर व्यक्तियों को

13. भगत जी की बहू उन्हें छोड़कर क्यों नहीं जाना चाहती थी?

(क) सामाजिक मर्यादा के कारण (ख) संपत्ति के लोभ में(ग) पति से प्यार होने के कारण (घ) ससुर की चिंता के कारण

उत्तर - (घ) ससुर की चिंता के कारण

14. भगत जी भजन गाते समय क्या बजाया करते थे?

(क) ढोल (ख) ढपली (ग) गिटार (घ) खंजड़ी

उत्तर - (घ) खंजड़ी

15. कथन (A) - बालगोबिन भगत जी अपने बेटे का खास ख्याल रखा करते थे |

कारण (R) - उनका बेटा बुद्धिमान, समझदार और बहुत मेहनती था |

विकल्प (क) कथन (A) गलत है, किन्तु कारण (R) सही है |

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत है |

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है |

(घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है |

उत्तर- (घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है |

16. भगत जी बेटे के मरने के बाद अपनी बहू की दूसरी शादी क्यों करवाना चाहते थे?

(क) उसके सुखद भविष्य के लिए (ख) छुटकारा पाने के लिए

(ग) सबकी नजर में अच्छा बनने के लिए (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर -(क) उसके सुखद भविष्य के लिए

17. भगत जी प्रतिवर्ष गंगा स्नान के लिए क्यों जाते थे?

(क) संत समागम के लिए (ख) उन्हें पद यात्रा का शौक था|

(ग) गंगा के प्रति उनके हृदय में अगाध श्रद्धा थी| (घ) उनकी मान्यता थी कि गंगा स्नान से पुण्य लाभ मिलता है|

उत्तर -(क) संत समागम के लिए

18. बालगोबिन भगत किस कारण से साधु कहलाते थे ?

(i) आचरणगत शुद्धता के कारण (ii) सच्चा साधक होने के कारण

(iii) निर्मोही एवं संयमी होने के कारण (iv) संतो जैसे गुण होने के कारण |

विकल्प

(क) कथन i सही है |

(ख) कथन ii व iii सही है

(ग) कथन ii सही है |

(घ) कथन i, ii, iii व iv सही है |

उत्तर - (घ) कथन i, ii, iii व iv सही है |

19. औरतें कलेवा लेकर मेंड़ पर बैठी हैं। यहाँ आप "कलेवा" से क्या समझते है ?

(क) कंबल (ख) धान (ग) सवेरे का जलपान (घ) इनमे से कोई नहीं

उत्तर - (ग) सवेरे का जलपान

20. बालगोबिन भगत सब चीज़ों को किसकी सम्पत्ति मानते थे?

(क) साहब की (ख) अपनी (ग) ईश्वर की (घ) जमींदार की

उत्तर - (क) साहब की

प्रश्न उत्तर

प्रश्न 1. बालगोबिन भगत की बाहरी वेशभूषा का वर्णन कीजिए |

उत्तर - बालगोबिन भगत मझोले कद के गोरे-चिट्टे आदमी थे। उनकी उम्र 60 साल से ऊपर थी। बाल पक गए थे, लंबी दाढ़ी या जटा जूट तो नहीं रखते थे किंतु हमेशा उनका चेहरा सफेद बालों से ही जगमग किए रहता। कपड़े बिल्कुल कम पहनते। कमर में एक लंगोटी मात्र और सिर में कबीरपंथियों की सी कनपटी टोपी। जब जाड़ा आता, एक काली कमली ऊपर से ओढ़े रहते। मस्तक पर हमेशा चमकता हुआ रामानंदी चंदन, जो नाक के एक छोर से ही, औरतों के टीके की तरह शुरू होता। गले में तुलसी की जड़ों की एक बेडौल माला बांधे रहते। ऊपर की तस्वीर से यह नहीं माना जाएगा कि बालगोबिन भगत साधु थे। नहीं बिल्कुल गृहस्थ, उनके गृहिणी की तो मुझे याद नहीं, उनके बेटे और पतोहू को मैंने देखा था। थोड़ी खेती-बाड़ी भी थी, एक अच्छा साफ सुथरा मकान भी था।

प्रश्न 2. लेखक बालगोबिन भगत को साधु क्यों मानते थे?

उत्तर - 1. बालगोबिन भगत कबीर की विचारधारा को मानते थे और कबीर को "साहब " कहते थे।

2. सदैव कबीर के पदों को मधुर स्वर में गाते और उन्हीं के आदर्शों पर चलते थे। कभी झूठ नहीं बोलते, सबसे खरा व्यवहार रखते थे।

3. किसी से भी दो टूक बात कहने में संकोच नहीं करते, ना ही किसी से खामखाह झगड़ा मोल लेते थे।

4. दूसरे की किसी भी चीज को कभी छूते नहीं थे और ना ही बिना पूछे उसे व्यवहार में लाते थे।

5. जो कुछ उनके खेत में पैदा होता। वो पहले उसे साहब के दरबार (कबीरपंथी मठ) में ले जाते और वहां से जो उन्हें प्रसाद स्वरूप वापस मिलता, उसी से अपनी गुजार बसर करते थे ।

प्रश्न 3. बालगोबिन भगत के मधुर गायन की विशेषताएं लिखिए।

उत्तर - कबीर के सीधे-सादे पद बालगोबिन भगत के कंठ से निकलकर सजीव हो उठते। उनका कंठ एक-एक शब्द को संगीत के जीने पर चढ़ा कर कुछ को ऊपर, स्वर्ग की ओर भेजता है और कुछ को इस पृथ्वी की मिट्टी पर खड़े लोगों के कानों की ओर। उनके मधुर गीत को सुनकर बच्चे खेलते हुए झूम उठते हैं। मेड़ पर खड़ी औरतों के होंठ कांप उठते हैं वे गुनगुनाने लगती हैं। हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं रोपनी करनेवालों की उंगलियां एक अजीब क्रम से चलने लगते हैं। ऐसा था बालगोबिन भगत के संगीत का जादू।

प्रश्न 4. बालगोबिन भगत की कबीर पर श्रद्धा किन-किन रूपों में प्रकट हुई है?

उत्तर- बालगोबिन भगत के खेतों में जो कुछ भी उपजता था उसे लेकर वे कबीर के दरबार में ले जाते थे। वहाँ से उन्हें प्रसाद के रूप में जो कुछ मिलता उसी से गुजारा कर लेते थे। वे किसी की मौत को शोक का कारण नहीं बल्कि उत्सव के रूप में लेते थे। इन सब प्रसंगों में उनकी कबीर पर श्रद्धा प्रकट हुई है।

प्रश्न 5. भगत की पुत्रवधू उन्हें अकेले क्यों नहीं छोड़ना चाहती थी?

उत्तर- भगत के बेटे की मृत्यु के बाद पुत्रवधू ही उनके बुढ़ापे का एकमात्र सहारा थी। वह उनकी सेवा करना चाहती थी। वह यह बात अच्छी तरह से जानती थी कि अगर वह चली जाएगी तो भगत की देखभाल करने वाला कोई नहीं हैं। इसीलिए वह उन्हें अकेले छोड़ना नहीं चाहती थी।

प्रश्न 6. भगत ने अपने बेटे की मृत्यु पर अपनी भावनाएँ किस तरह व्यक्त कीं?

उत्तर- अपने बेटे की मृत्यु पर भगत ने गाना गाकर अपनी भावनाएँ व्यक्त कीं। वह अपनी बहू से भी बेटे की मौत का उत्सव मनाने को कहते थे। उनका मानना था कि मृत्यु से तो आत्मा का परमात्मा में मिलन हो जाता है इसलिए इस अवसर पर खुशी मनानी चाहिए।

बालगोबिन भगत

पाठ का सारांश

इस पाठ में लेखक ने बालगोबिन भगत नाम के एक ऐसे व्यक्ति के चरित्र के बारे में बताया है जो गृहस्थ होते हुए भी संन्यासी थे | क्योंकि वे संन्यासी की सभी परिभाषाओं पर खरे उतरने वाले थे। वे कबीर दास जी को साहब अर्थात अपना इष्ट मानते थे | उन्हीं के आदर्शों पर चलते थे | कभी झूठ नहीं बोलते थे | अकारण किसी से झगड़ा नहीं करते थे | दूसरे की वस्तु को बिना पूछे छूते नहीं थे और ना ही इस्तेमाल में लाते थे। इस नियम का वे इतना अधिक ईमानदारी से पालन करते थे कि लोगों को आश्चर्य होता था। उनके खेत में जो भी होता उसे पास ही स्थित के कबीरपंथी मठ में ले जाकर भेंट स्वरूप अर्पित कर देते थे और प्रसाद रूप में उन्हें जो वापस मिलता है उन्हीं से अपना जीवन चलाते थे। बालगोबिन भगत कबीर के पदों को कितनी मधुरता से गाते थे कि सुनने वाले झूमने लगते थे, गुनगुनाने और नाचने लगते थे। बालगोबिन भगत का एक बेटा था जो बोदा और सुस्त था | वे उससे बहुत प्यार करते थे। जब उसकी असमय मृत्यु हो जाती है तो वे साधारण लोगों की तरह दुखी नहीं होते बल्कि मृत्यु को वह एक अलग दृष्टिकोण से देखते हैं और मानते हैं कि यह आत्मा से परमात्मा का मिलन है | इसमें दुख की कोई बात नहीं है | ये तो उत्सव की बात है।

पठित बोध

1. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

बालगोबिन भगत की संगीत साधना का चरम उत्कर्ष उस दिन देखा गया जिस दिन उनका बेटा मरा। इकलौता बेटा था वह! कुछ सुस्त और बोदा-सा था, किंतु इसी कारण बालगोबिन भगत उसे और भी मानते। उनकी समझ में ऐसे आदमियों पर ही ज्यादा नजर रखनी चाहिए या प्यार करना चाहिए क्योंकि ये निगरानी और मुहब्बत के ज्यादा हकदार होते हैं। हमने सुना, बालगोबिन भगत का बेटा मर गया। कुतूहलवश उनके घर गया। देखकर दंग रह गया। बेटे को आंगन में एक चटाई पर लिटा कर एक सफेद कपड़े से ढँक रखा है। वह कुछ फूल तो हमेशा ही रोपते रहते, उन फूलों में से कुछ तोड़कर उस पर बिखरा दिए हैं, फूल और तुलसीदल भी। सिरहाने एक चिराग जला रखा है। और उसके सामने जमीन पर ही आसन जमाए गीत गाए चले जा रहे हैं। वही पुराना स्वर वही पुरानी तल्लीनता। घर में पतोहू रो रही है किंतु बालगोबिन भगत गाए जा रहे हैं। गाते-गाते, कभी-कभी पतोहू के पास जाते और उसे रोने के बदले उत्सव मनाने को कहते। आत्मा परमात्मा के पास चली गई, विरहिनी अपने प्रेमी से जा मिली, भला इससे

बढ़कर आनंद की कौन बात। मैं कभी-कभी सोचता, यह पागल तो नहीं हो गए। किंतु नहीं, वह जो कुछ कह रहे थे उसमें उनका विश्वास बोल रहा था - वह चरम विश्वास जो हमेशा ही मृत्यु पर विजयी होता आया है।

प्रश्न 1. कथन (A) - बालगोबिन भगत की संगीत साधना का चरम उत्कर्ष कब देखा गया ?

कारण (R) - जिस दिन बालगोबिन भगत को साक्षात ईश्वर के दर्शन हुए थे |

विकल्प (क) कथन (A) गलत है, किन्तु कारण (R) सही है |

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत है |

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है |

(घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है |

उत्तर- (घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है |

प्रश्न 2. बाल गोविंद भगत का बेटा कैसा था?

कुछ कमजोर और सुस्त (ख) कुछ कमजोर और बोदा (ग) कुछ सुस्त और बोदा (घ) चालाक और होशियार

उत्तर-(ग) कुछ सुस्त और बोदा

प्रश्न 3. बाल गोबिन भगत बेटे की मृत्यु पर क्यों गीत गा रहे थे?

(i) बेटे की मौत के दुख से पागल हो गए थे (ii) विरहिनी (भक्त) अपने प्रेमी (भगवान) से मिल जाने के कारण

(iii) मैं अपने बेटे से प्यार नहीं करते थे (iv) उनका मानना था कि आत्मा का परमात्मा से मिलन हो गया

विकल्प

(क) कथन i सही है |

(ख) कथन ii सही है

(ग) कथन i, ii व iii सही है |

(घ) कथन ii व iv सही है |

उत्तर - (घ) कथन ii व iv सही है |

प्रश्न 4. बालगोबिन भगत को दुनियादारी से किसने निवृत्त किया?

(क) उसकी बहू ने (ख) उसके पुत्र ने (ग) उसके कर्मों ने (घ) गांव के लोगों ने

उत्तर- (क) उसकी बहू ने

प्रश्न 5. पतोहू का क्या अर्थ है?

(i) पोते की पत्नी (ii) पुत्र की पत्नी (iii) पुत्र वधू (iv) पोती का पति

विकल्प

(क) कथन i सही है |

(ख) कथन ii सही है

(ग) कथन ii व iii सही है |

(घ) कथन i, ii, iii व iv सही है |

उत्तर-(ग) कथन ii व iii सही है |

2. निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर चुनिए-

कातिक आया नहीं कि बालगोबिन भगत की प्रभातियाँ शुरू हुईं, जो फागुन तक चला करतीं। इन दिनों वह सबेरे ही उठते। न जाने किस वक्त जगकर वह नदी-स्नान को जाते, गाँव से दो मील दूर! वहाँ से नहा-धोकर लौटते और गाँव के बाहर ही, पोखरे के ऊँचे भिंडे पर अपनी खँजड़ी लेकर जा बैठते और अपने गाने टेरने लगते। खेत, बगीचा, घर-सब पर कुहासा छा रहा था। सारा वातावरण अजीब रहस्य से आवृत्त मालूम पड़ता था। उस रहस्यमय वातावरण में एक कुश की चटाई पर पूरब मुँह, काली कमली ओढ़े, बालगोबिन भगत अपनी खँजड़ी लिए बैठे थे। उनके मुँह से शब्दों का ताँता लगा था, उनकी अँगुलियाँ खँजड़ी पर लगातार चल रही थीं। मैं जाड़े से कँपकँपा रहा था, किंतु तारों की छाँव में भी उनके मस्तक के श्रमबिंदु, जब-तब चमक ही पड़ते।

प्रश्न 1. प्रभातियाँ किसे कहते हैं?

तड़के नहाना (ii) भोर का गीत (iii) सुबह टहलना (iv) बातचीत करना

विकल्प

(क) कथन i सही है |

(ख) कथन ii सही है

(ग) कथन ii व iii सही है |

(घ) कथन i, ii, iii व iv सही है |

उत्तर-(क) कथन i सही है |

2. बालगोबिन भगत की कातिक महीने में शुरू होने वाली गतिविधियों में शामिल है-

(क) जल्दी उठना (ख) नदी स्नान (ग) खंजड़ी बजाना (घ) उपरोक्त सभी

उत्तर - (घ) उपरोक्त सभी

3. वातावरण को रहस्यमयी क्यों कहा गया है?

(क) ठंड के कारण (ख) सुहाने मौसम के कारण (ग) कुहासे के कारण (घ) निर्जन स्थान होने के कारण

उत्तर - (ग) कुहासे के कारण

4. लेखक बालगोबिन भगत को देखकर आश्चर्य चकित क्यों हो जाता है?

(क) दिनचर्या और करनामे को देखकर (ख) उनके पागलपन को देखकर

(ग) उनका गाना सुनकर (घ) ठंड और कुहासे को देखकर

उत्तर - (क) दिनचर्या और करनामे को देखकर

5. कथन (A) - तारों की छाँव में भी उनके मस्तक के श्रमबिंदु, जब-तब चमक ही पड़ते।

कारण (R)- कबीर के गानों को पूरी तन्मयता, और नाच-नाच के गाने के ठंड में भी श्रमबिंदु झलकते हैं|

विकल्प (क) कथन (A) गलत है, किन्तु कारण (R) सही है |

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत है |

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है |

(घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है |

उत्तर- (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है |

निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. बालगोबिन भगत कैसे कद के आदमी थे?

(क) मझोले कद के सांवले (ख) ऊँचे कद के गोरे चिट्टे (ग) मँझोले कद के गोरे चिट्टे (घ) ऊँचे कद के सांवले

उत्तर- (ग) मँझोले कद के गोरे चिट्टे

2. बालगोबिन भगत कैसे व्यक्ति थे?

(क) गृहस्थ व्यक्ति (ख) सन्यासी (ग) गृहस्थ होते हुए भी संन्यासी (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (ग) गृहस्थ होते हुए भी संन्यासी

3. बालगोबिन भगत हमेशा किसके गीत खाते थे?

(i) मीराबाई के (ii) रहीम के (iii) सूरदास के (iv) कबीर दास के

विकल्प

(क) कथन i सही है |

(ख) कथन ii व iii सही है

(ग) कथन iv सही है |

(घ) कथन i, ii, iii व iv सही है |

उत्तर-(ग) कथन iv सही है |

4. बालगोबिन भगत किसे साहब मानते थे?

(क) गुरु नानक को (ख) कबीर को (ग) तुलसीदास को (घ) सूरदास को

उत्तर -(ख) कबीर को

5. बाल गोविंद भगत के खेत में जो कुछ पैदा होता उसे वे क्या करते थे?

(क) गरीबों में बांट देते थे | (ख) व्यापारियों को बेच देते थे |

(ग) कबीरपंथी मठ में भेंट स्वरूप दे देते थे| घ) उपरोक्त में से कोई नहीं |

उत्तर - (ग) कबीरपंथी मठ में भेंट स्वरूप दे देते थे |

6. बालगोबिन भगत की प्रभातियाँ किस महीने शुरू होती थी?

(क) फाल्गुन (ख) कार्तिक (ग) सावन (घ) भादो

उत्तर - (ख) कार्तिक

7. 'बालगोबिन भगत' शीर्षक पाठ के लेखक का क्या नाम है?

(क) यशपाल (ख) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना (ग) रामवृक्ष बेनीपुरी (घ) स्वयं प्रकाश

उत्तर - (ग) रामवृक्ष बेनीपुरी

8. बालगोबिन भगत की टोपी कैसी थी?

(क) सूरदास जैसी (ख) जैन मुनियों जैसी (ग) कबीरपंथियों जैसी (घ) गांधी की टोपी जैसी

उत्तर - (ग) कबीरपंथियों जैसी

9. लेखक बालगोबिन भगत की किस विशेषता पर अत्यधिक मुग्ध था?

(क) पहनावे पर (ख) भोजन पर (ग) मधुर गान पर (घ) व्यवहार पर

उत्तर -(ग) मधुर गान पर

10. लेखक ने 'रोपनी' किसे कहा है?

(i) रोपण को (ii) धान की रोपाई को (iii) धान की कटाई को (iv) धान की खेती को

विकल्प

(क) कथन i सही है |

(ख) कथन ii व iii सही है

(ग) कथन ii सही है |

(घ) कथन i, ii, iii व iv सही है |

उत्तर-(ग) कथन ii सही है |

11. बालगोबिन भगत खेत में क्या करते हैं?

(क) केवल गीत गाते हैं | (ख) खेत की मेंड़ पर बैठते हैं| (ग) धान के पौधे लगाते हैं | (घ) उपदेश देते हैं|

उत्तर - (ग) धान के पौधे लगाते हैं |

12. बालगोबिन भगत किसे 'निगरानी और मुहब्बत के ज़्यादा हकदार' मानते थे?

(क) बालकों को (ख) नारियों को (ग) कमजोर व्यक्तियों को (घ) शक्तिशाली व्यक्तियों को

उत्तर - (ग) कमजोर व्यक्तियों को

13. भगत जी की बहू उन्हें छोड़कर क्यों नहीं जाना चाहती थी?

(क) सामाजिक मर्यादा के कारण (ख) संपत्ति के लोभ में(ग) पति से प्यार होने के कारण (घ) ससुर की चिंता के कारण

उत्तर - (घ) ससुर की चिंता के कारण

14. भगत जी भजन गाते समय क्या बजाया करते थे?

(क) ढोल (ख) ढपली (ग) गिटार (घ) खंजड़ी

उत्तर - (घ) खंजड़ी

15. कथन (A) - बालगोबिन भगत जी अपने बेटे का खास ख्याल रखा करते थे |

कारण (R) - उनका बेटा बुद्धिमान, समझदार और बहुत मेहनती था |

विकल्प (क) कथन (A) गलत है, किन्तु कारण (R) सही है |

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत है |

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है |

(घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है |

उत्तर- (घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है |

16. भगत जी बेटे के मरने के बाद अपनी बहू की दूसरी शादी क्यों करवाना चाहते थे?

(क) उसके सुखद भविष्य के लिए (ख) छुटकारा पाने के लिए

(ग) सबकी नजर में अच्छा बनने के लिए (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर -(क) उसके सुखद भविष्य के लिए

17. भगत जी प्रतिवर्ष गंगा स्नान के लिए क्यों जाते थे?

(क) संत समागम के लिए (ख) उन्हें पद यात्रा का शौक था|

(ग) गंगा के प्रति उनके हृदय में अगाध श्रद्धा थी| (घ) उनकी मान्यता थी कि गंगा स्नान से पुण्य लाभ मिलता है|

उत्तर -(क) संत समागम के लिए

18. बालगोबिन भगत किस कारण से साधु कहलाते थे ?

(i) आचरणगत शुद्धता के कारण (ii) सच्चा साधक होने के कारण

(iii) निर्मोही एवं संयमी होने के कारण (iv) संतो जैसे गुण होने के कारण |

विकल्प

(क) कथन i सही है |

(ख) कथन ii व iii सही है

(ग) कथन ii सही है |

(घ) कथन i, ii, iii व iv सही है |

उत्तर - (घ) कथन i, ii, iii व iv सही है |

19. औरतें कलेवा लेकर मेंड़ पर बैठी हैं। यहाँ आप "कलेवा" से क्या समझते है ?

(क) कंबल (ख) धान (ग) सवेरे का जलपान (घ) इनमे से कोई नहीं

उत्तर - (ग) सवेरे का जलपान

20. बालगोबिन भगत सब चीज़ों को किसकी सम्पत्ति मानते थे?

(क) साहब की (ख) अपनी (ग) ईश्वर की (घ) जमींदार की

उत्तर - (क) साहब की

प्रश्न उत्तर

प्रश्न 1. बालगोबिन भगत की बाहरी वेशभूषा का वर्णन कीजिए |

उत्तर - बालगोबिन भगत मझोले कद के गोरे-चिट्टे आदमी थे। उनकी उम्र 60 साल से ऊपर थी। बाल पक गए थे, लंबी दाढ़ी या जटा जूट तो नहीं रखते थे किंतु हमेशा उनका चेहरा सफेद बालों से ही जगमग किए रहता। कपड़े बिल्कुल कम पहनते। कमर में एक लंगोटी मात्र और सिर में कबीरपंथियों की सी कनपटी टोपी। जब जाड़ा आता, एक काली कमली ऊपर से ओढ़े रहते। मस्तक पर हमेशा चमकता हुआ रामानंदी चंदन, जो नाक के एक छोर से ही, औरतों के टीके की तरह शुरू होता। गले में तुलसी की जड़ों की एक बेडौल माला बांधे रहते। ऊपर की तस्वीर से यह नहीं माना जाएगा कि बालगोबिन भगत साधु थे। नहीं बिल्कुल गृहस्थ, उनके गृहिणी की तो मुझे याद नहीं, उनके बेटे और पतोहू को मैंने देखा था। थोड़ी खेती-बाड़ी भी थी, एक अच्छा साफ सुथरा मकान भी था।

प्रश्न 2. लेखक बालगोबिन भगत को साधु क्यों मानते थे?

उत्तर - 1. बालगोबिन भगत कबीर की विचारधारा को मानते थे और कबीर को "साहब " कहते थे।

2. सदैव कबीर के पदों को मधुर स्वर में गाते और उन्हीं के आदर्शों पर चलते थे। कभी झूठ नहीं बोलते, सबसे खरा व्यवहार रखते थे।

3. किसी से भी दो टूक बात कहने में संकोच नहीं करते, ना ही किसी से खामखाह झगड़ा मोल लेते थे।

4. दूसरे की किसी भी चीज को कभी छूते नहीं थे और ना ही बिना पूछे उसे व्यवहार में लाते थे।

5. जो कुछ उनके खेत में पैदा होता। वो पहले उसे साहब के दरबार (कबीरपंथी मठ) में ले जाते और वहां से जो उन्हें प्रसाद स्वरूप वापस मिलता, उसी से अपनी गुजार बसर करते थे ।

प्रश्न 3. बालगोबिन भगत के मधुर गायन की विशेषताएं लिखिए।

उत्तर - कबीर के सीधे-सादे पद बालगोबिन भगत के कंठ से निकलकर सजीव हो उठते। उनका कंठ एक-एक शब्द को संगीत के जीने पर चढ़ा कर कुछ को ऊपर, स्वर्ग की ओर भेजता है और कुछ को इस पृथ्वी की मिट्टी पर खड़े लोगों के कानों की ओर। उनके मधुर गीत को सुनकर बच्चे खेलते हुए झूम उठते हैं। मेड़ पर खड़ी औरतों के होंठ कांप उठते हैं वे गुनगुनाने लगती हैं। हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं रोपनी करनेवालों की उंगलियां एक अजीब क्रम से चलने लगते हैं। ऐसा था बालगोबिन भगत के संगीत का जादू।

प्रश्न 4. बालगोबिन भगत की कबीर पर श्रद्धा किन-किन रूपों में प्रकट हुई है?

उत्तर- बालगोबिन भगत के खेतों में जो कुछ भी उपजता था उसे लेकर वे कबीर के दरबार में ले जाते थे। वहाँ से उन्हें प्रसाद के रूप में जो कुछ मिलता उसी से गुजारा कर लेते थे। वे किसी की मौत को शोक का कारण नहीं बल्कि उत्सव के रूप में लेते थे। इन सब प्रसंगों में उनकी कबीर पर श्रद्धा प्रकट हुई है।

प्रश्न 5. भगत की पुत्रवधू उन्हें अकेले क्यों नहीं छोड़ना चाहती थी?

उत्तर- भगत के बेटे की मृत्यु के बाद पुत्रवधू ही उनके बुढ़ापे का एकमात्र सहारा थी। वह उनकी सेवा करना चाहती थी। वह यह बात अच्छी तरह से जानती थी कि अगर वह चली जाएगी तो भगत की देखभाल करने वाला कोई नहीं हैं। इसीलिए वह उन्हें अकेले छोड़ना नहीं चाहती थी।

प्रश्न 6. भगत ने अपने बेटे की मृत्यु पर अपनी भावनाएँ किस तरह व्यक्त कीं?

उत्तर- अपने बेटे की मृत्यु पर भगत ने गाना गाकर अपनी भावनाएँ व्यक्त कीं। वह अपनी बहू से भी बेटे की मौत का उत्सव मनाने को कहते थे। उनका मानना था कि मृत्यु से तो आत्मा का परमात्मा में मिलन हो जाता है इसलिए इस अवसर पर खुशी मनानी चाहिए।

3- **लखनवी अंदाज़**

पाठ का सारांश

लेखक को पास में ही कहीं जाना था|लेखक ने यह सोच कर सेकंड क्लास का टिकट लिया कि उसमे भीड़ कम होती है,वे आराम से खिड़की से प्राकृतिक दृश्य देखते हुए किसी नए कहानी के बारे में सोच सकेंगे| पैसेंजर ट्रेन खुलने को थी| लेखक दौड़कर एक डिब्बे में चढ़े परन्तु अनुमान के विपरीत उन्हें डिब्बा खाली नहीं मिला|डिब्बे में पहले से ही लखनऊ की नवाबी नस्ल के एक सज्जन पालथी मारे बैठे थे,उनके सामने दो ताजे चिकने खीरे तौलिये पर रखे थे| लेखक का अचानक चढ़ जाना उस सज्जन को अच्छा नहीं लगा| उन्होंने लेखक से मिलने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई| लेखक को लगा शायद नवाब ने सेकंड क्लास का टिकट इसलिए लिया है ताकि वे अकेले यात्रा कर सकें परन्तु अब उन्हें ये बिलकुल अच्छा नहीं लग रहा था कि कोई सफेदपोश उन्हें मँझले दर्जे में सफ़र करता देखे|उन्होंने शायद खीरा भी अकेले सफ़र में वक्त काटने के लिए ख़रीदा होगा परन्तु अब किसी सफेदपोश के सामने खीरा कैसे खायें| नवाब साहब खिड़की से बाहर देख रहे थे परन्तु लगातार कनखियों से लेखक की ओर देख रहे थे|

अचानक ही नवाब साहब ने लेखक को संबोधित करते हुए खीरे का लुत्फ़ उठाने को कहा परन्तु लेखक ने शुक्रिया करते हुए मना कर दिया|नवाब ने बहुत ढंग से खीरे को धोकर छिले, काटे और उसमे जीरा, नमक-मिर्च बुरककर तौलिये पर सजाते हुए पुनः लेखक से खाने को कहा किन्तु वे एक बार मना कर चुके थे इसलिए आत्मसम्मान बनाए रखने के लिए दूसरी बार पेट ख़राब होने का बहाना बनाया|लेखक ने मन ही मन सोचा कि मियाँ रईस बनते हैं लेकिन लोगों की नज़र से बच सकने के ख्याल में अपनी असलियत पर उतर आएं हैं|नवाब साहब खीरे की एक फाँक को उठाकर होंठों तक ले गए, उसको सूंघा|खीरे की स्वाद का आनंद में उनकी पलकें मूंद गईं| मुंह में आएं पानी का घूंट गले से उतर गया, तब नवाब साहब ने फाँक को खिड़की से बाहर छोड़ दिया|इसी प्रकार एक-एक करके फाँक को उठाकर सूँघते और फेंकते गए|सारे फाँकों को फेकने के बाद उन्होंने तौलिये से हाथ और होंठों को पोंछा|.फिर गर्व से लेखक की ओर देखा और इस नायब इस्तेमाल से थककर लेट गए| लेखक ने सोचा कि खीरा इस्तेमाल करने से क्या पेट भर सकता है तभी नवाब साहब ने डकार ले ली और बोले खीरा होता है लज़ीज़ पर पेट पर बोझ डाल देता है|

यह सुनकर लेखक ने सोचा कि जब खीरे के गंध से पेट भर जाने की डकार आ जाती है तो बिना विचार, घटना और पात्रों के इच्छा मात्र से नई कहानी बन सकती है |

पठित गद्यांश

प्रश्न- नीचे दिए गए पाठी गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

गाडी छुट रही थी | सेकंड क्लास के एक छोटे से डिब्बे को खाली समझकर, जरा दौड़कर उसमें चढ़ गए | अनुमान के प्रतिकुल डिब्बा निर्जन नहीं था | एक बर्थ पर लखनऊ की नवाबी नस्ल के एक सफ़ेदपोश सज्जन बहुत सुविधा से पालथी मारे बैठे थे | सामने दो ताजें-चिकने खीरे तौलिए पर रखे थे | डिब्बे में हमारे सहसा कूद जाने से सज्जन की आँखों में एकांत चिंतन में विघ्न का असंतोष दिखाई दिया | सोचा, हो सकता है, यह भी कहानी के लिए सूझ की चिंता में हो या खीरे जैसी अपदार्थ (सामान्य/मामूली) वस्तु का शौक करते देखे जाने के संकोच में हो |

नवाब साहब की आँखों में एकांत चिंतन में विघ्न क्यों दिखाई दिया ?

डिब्बे में लेखक के सहसा आ जाने के कारण

नवाब साहब नहीं चाहते थे कि उसके डिब्बे में कोई आए |

अत्यधिक शोर होने के कारण

स्टेशन पर खीरे वाले को देखकर

विकल्प - (क) कथन i सही है |

(ख) कथन ii सही है |

(ग) कथन i व ii सही है |

(घ) कथन i, ii, ii व iv सही है |

उत्तर - (ग) कथन i व ii सही है |

कथन (A) - डिब्बे में हमारे सहसा कूद जाने से सज्जन की आँखों में एकांत चिंतन में विघ्न का असंतोष दिखाई दिया |

कारण (R) - हर इंसान अपने जीवन में कभी न कभी एकांत चाहता है, जब उस पर कोई खलल डालता हैं तो सचमुच में बुरा लगता है |

कथन(A) सही है और कारण(R) गलत है|

कथन (A) गलत है,किन्तु कारण(R) सही है|

कथन(A) सही है,और कारण(R) कथन(A) की सही व्याख्या नहीं करता है|

कथन (A)सही है,और कारण(R) कथन(A) की सही व्याख्या करता है|

उत्तर - (घ)कथन (A)सही है, और कारण (R) कथन(A) की सही व्याख्या करता है |

लेखक ट्रेन के किस डिब्बे में सफ़र कर रहा था ?

फर्स्ट क्लास (ख) अपर क्लास (ग) थर्ड क्लास (घ) सेकंड क्लास

उत्तर - सेकंड क्लास

डिब्बे में चढ़ते ही लेखक ने क्या देखा ?

दो ताजे खीरे (ख) इलाहाबादी नवाब (ग) अपदार्थ वस्तु (घ) सफ़ेदपोश सज्जन

उत्तर -(घ) सफ़ेदपोश सज्जन

लेखक के अचानक डिब्बे में आ जाने से सज्जन की आँखों में क्या दिखाई दिया |

प्रसन्नता (ख) भावुकता (ग) असंतोष (घ) क्रोध

उत्तर - असंतोष

बहुविकल्पीय प्रश्न

(1) डिब्बे में लेखक के प्रवेश करते ही नवाब साहब के आँखों में कैसे भाव दिखा?

(i) ख़ुशी के (ii) असंतोष के (iii) दुःख के

(iv) संतोष के

विकल्प

(क) केवल (i)

(ख) केवल (ii)

(ग) केवल (i), (iii) व (iv)

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (ख) केवल (ii)

(2) नवाब साहब ने खीरों की फाँक का क्या किया?

(क) खिड़की से बाहर फेंक दिया (ख) खा गए (ग) लेखक को दे दिया (घ) बच्चे को दे दिया

उत्तर- (क) खिड़की से बाहर फेंक दिया

(3) नवाब साहब को कनखियों से कौन देख रहा था?

(क) बच्चा (ख) लड़की (ग) लेखक (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (ग) लेखक

(4) नवाब साहब ने खीरा को खिड़की के बाहर क्यों फेंक दिया?

(i) अमीरी दिखाने के लिए (ii) पेट भरने के कारण

(iii) तबीयत ख़राब होने के कारण (iv)लेखक पर नवाबी प्रभाव डालने के लिए

विकल्प

(क) केवल (i)

(ख) केवल (i) व (ii)

(ग) केवल (i),(ii) व (iii)

(घ) केवल (i) और (iv)

उत्तर- (घ) केवल (i) और (iv)

(5) लेखक ने ट्रेन में सेकंड क्लास का टिकट क्यों लिया था?

(क) आराम से यात्रा करने के लिए (ख) अमीरी दिखाने के लिए

(ग) नई कहानी के बारे में सोचने के लिए (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर-(ग) नई कहानी के बारे में सोचने के लिए

(6) लेखक ने नवाब साहब से खीर न खाने का कारण क्या बताया?

(क) उन्हें खीर पसंद नहीं है | (ख) पेट भरा हुआ है |

(ग) इच्छा नहीं है | (घ) इनमें से कोई नहीं|

उत्तर - (ग) इच्छा नहीं है |

(7) नवाब साहब ने लेखक को क्या खाने का निमंत्रण दिया |

(क) बादाम (ख) खीरा (ग) बिस्कट (घ) अखरोट

उत्तर - (ख) खीरा

(8) अकेले सफ़र का वक्त काटने के लिए नवाब साहब ने क्या ख़रीदा था?

(i) अखबार (ii) पुस्तक (iii) मैगजीन (iv) पत्रिका

विकल्प

(क) केवल (i)

(ख) केवल (i) व (ii)

(ग) केवल (i),(ii) व (iii)

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (घ) इनमें से कोई नहीं

(9) नवाब साहब को क्या गंवारा न था?

(क) मँझले दर्जे में यात्रा करते दिखना (ख) लेखक से बात करना

(ग) खीरा खाना (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर -(क) मँझले दर्जे में यात्रा करते दिखना

(10) खाली बैठे, कल्पना करते रहने की पुरानी आदत किसकी थी?

(क) लेखक (ख) यात्री की (ग)लेखक की (घ) कवि की

उत्तर- (3) लेखक की

(11) वार्तालाप की शुरुआत किसने की?

(1) लेखक ने (2) नवाब साहब ने (3) टिकट माँगने वाले ने (4) दुकानदार ने

उत्तर- (2) नवाब साहब ने

(12) कथन (A) - लेखक कनखियों से नवाब साहब ओर देख रहे थे|

कारण (R) - लेखक नवाब साहब से वार्तालाप शुरू करना चाह रहे थे|

कथन(A) सही है परन्तु कारण(R) गलत है |

कथन (A) और कारण(R) दोनों गलत है|

कथन(A) सही है, और कारण(R) कथन(A) की सही व्याख्या नहीं करता है|

कथन (A)सही है,और कारण(R) कथन(A) की सही व्याख्या है|

उत्तर- (ग) कथन (A) सही है,और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है|

(13) लखनऊ स्टेशन पर कौन खीरे का इस्तेमाल करने का तरीका जानते है?

(क) नवाब साहब (ख) लेखक (ग) खीरा बेचने वाले (घ) सफ़र करने वाले

उत्तर- (ग) खीरा बेचने वाले

(14) कथन (A) - नवाब साहब ने खीरा काटने के बाद होंठों से लगाकर बाहर फेंक दिया|

कारण (R)- क्योंकि खीरा कड़वा था |

कथन(A) सही है और कारण(R) गलत है|

कथन (A) गलत है, किन्तु कारण(R) सही है|

कथन(A) सही है, और कारण(R) कथन(A) की सही व्याख्या नहीं करता है|

कथन (A) सही है, और कारण(R) कथन(A) की सही व्याख्या करता है|

उत्तर - (क) कथन (A) सही है और कारण (R) गलत है|

(15) नवाब साहब का सहसा क्या करना लेखक को अच्छा नहीं लगा ?

(क) बात करना (ख) खीर खाना (ग) भाव-परिवर्तन करना (घ) जेब से चाकू निकालना

उत्तर- (ग) भाव-परिवर्तन करना

लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

(1) 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक यशपाल ने यात्रा करने के लिए सेकंड क्लास का टिकट क्यों खरीदा?

उत्तर - लेखक यशपाल ने यात्रा के लिए सेकंड क्लास का टिकट इसलिए ख़रीदा, क्योंकि

- उन्हें अधिक दूरी की यात्रा नहीं करनी थी|
- वे भीड़ से बचकर एकांत में यात्रा करते हुए नई कहानी के बारे में सोचना चाहते थे|
- वे खिड़की के पास बैठकर प्राकृतिक दृश्य का आनंद उठाना चाहते थे|
- सेकंड क्लास का कम दूरी का टिकट बहुत महँगा न था|

(2) लेखक के डिब्बे में आने पर नवाब ने कैसा व्यवहार किया?

उत्तर- लेखक जब डिब्बे में आया तो उसका आना नवाब साहब को अच्छा नहीं लगा|उन्होंने लेखक से मिलने और बात करने का उत्साह नहीं दिखाया|पहले तो नवाब साहब खिड़की से बाहर कुछ देर तक देखते रहे और फिर डिब्बे की स्थिति पर निगाहें दौड़ने लगे| उनका यह उपेक्षित व्यवहार लेखक को अच्छा नहीं लगा |

(3) खीरे को खाने योग्य बनाने के लिए नवाब साहब ने क्या-क्या किया और उन्हें किस तरह सजाकर रखा? पठित पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए |

उत्तर- नवाब साहब ने खीरे को खाने योग्य बनाने के लिए पहले उसे अच्छी तरह धोया फिर तौलिये से पोछा| अब उन्होंने चाकू निकालकर खीरों के सिरे काटे और गोदकर झाग निकाला | फिर उन्होंने खीरों को छीला और फाँकों में काटकर करीने से सजाया |

(4) नवाब साहब द्वारा लेखक से बातचीत की उत्सुकता न दिखाने पर लेखक ने क्या किया?

उत्तर- नवाब साहब ने लेखक से बातचीत की उत्सुकता उस समय नहीं दिखाई जब वह डिब्बे में आया| लेखक ने इस उपेक्षा का बदला उपेक्षा से दिया| उसने भी नवाब साहब से बातचीत की उत्सुकता नहीं दिखाई और नवाब साहब की ओर से आँखें फेर लिया| यह लेखक के स्वाभिमान का प्रश्न था, जिसे वह बनाए रखना चाहता था|

(5) नवाब साहब ने खीरे की फाँकों पर नमक-मिर्च छिड़का जिसे देखकर लेखक ललचाया पर उसने खीरे खाने का प्रस्ताव अस्वीकृत क्यों कर दिया?

उत्तर- नवाब साहब ने करीने से सजी खीरे की फाँकों पर नमक-मिर्च छिडककर लेखक से खाने के लिए आग्रह किया तो लेखक का मन खीरा खाने को होते हुए भी साफ मना कर दिया| इसका कारण यह था कि लेखक पहली बार में ही नवाब साहब को खीरा खाने के लिए मना कर चुका था और अब खीरा खाकर स्वयं को नवाब साहब की नज़रों में नहीं गिराना चाहता |

(6) बिना खीरा खाए नवाब साहब को डकार लेते देखकर लेखक क्या सोचने पर विवश हो गया?

उत्तर- लेखक ने देखा कि नवाब साहब ने खीरों को फाँकों का रसास्वादन किया उन्हें मुँह के करीब ले जाकर सूंघा और बाहर फेंक दिया| इसके बाद नवाब साहब को डकार लेता देखकर लेखक यह सोचने पर विवश हो गया कि क्या इस तरह सूंघने मात्र से पेट भर सकता है|

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर

सेकंड क्लास के डिब्बे में लेखक के अचानक आ जाने से नवाब साहब के एकांत चिंतन में विघ्न पड़ गया ? उनके चिंतन के बारे में लेखक ने क्या अनुमान लगाया?

उत्तर- सेकंड क्लास के जिस डिब्बे में नवाब साहब अब तक अकेले बैठे थे वहां अचानक लेखक के आ जाने से उनके एकांत चिंतन में विघ्न पड़ गया| उसके बारे में लेखक ने अनुमान लगाया कि शायद ये भी किसी कहानी के लिए नई सूझ में होंगे या खीरे जैसी साधारण वास्तु खाने के संकोच में पड़ गए होंगे|

(2) सेकंड क्लास के डिब्बे की उन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए जिनके कारण लेखक और नवाब साहब दोनों ने उसे यात्रा के लिए चुना |

उत्तर- लेखक और नवाब साहब दोनों ने ही अपनी यात्रा के लिए सेकंड क्लास के डिब्बे को चुना|उस डिब्बे की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

- सेकंड क्लास का डिब्बा अधिक सुविधाओं से युक्त होता है|
- इसका किराया अधिक होता है, इसलिए इसमें कम यात्री सफ़र करते हैं|
- इसमें भीड़-भाड़ नहीं होती है|
- ये डिब्बे अधिकांशत: खाली ही रहते हैं|

(3) नवाब साहब के व्यवहार में अचानक कौन-सा बदलाव आया और क्यों?

उत्तर- सेकंड क्लास के डिब्बे में जैसे ही लेखक चढ़ा, सामने एक सफ़ेदपोश सज्जन को बैठा पाया| लेखक का यूँ आना उन्हें अच्छा नहीं लगा और वे खिड़की से बाहर देखने लगे पर अचानक ही उनके व्यवहार में बदलाव आ गया और उन्होंने लेखक को खीरा खाने के लिए कहा |ऐसा करके वे अपनी शराफ़त का नमूना प्रस्तुत करना चाहते थे|

(4) लेखक ने ऐसा क्या देखा कि उसके ज्ञान चक्षु खुल गए?

उत्तर- लेखक ने देखा कि नवाब साहब खीरे को नमक-मिर्च लगी फाँकों को खाने के स्थान पर सूंघकर तथा होटों से लगाकर खिड़की के बाहर फेंकते गए| फेंकने के बाद में उन्होंने डकार लेकर अपनी तृप्ति और संतुष्टि दर्शाने का प्रयास किया| यही देखकर लेखक के ज्ञान चक्षु खुल गए कि इसी तरह बिना घटनाक्रम, पात्र और विचारों के कहानी भी लिखी जा सकती है |

(5) 'लखनवी अंदाज़" पाठ में निहित सन्देश स्पष्ट कीजिए|

उत्तर- 'लखनवी अंदाज़' नामक पाठ के माध्यम से लेखक यह सन्देश देना चाहता है कि हमें अपना व्यवहारिक दृष्टिकोण विस्तृत करते हुए दिखावेपन से दूर रहना चाहिए| हमें वर्तमान के कठोर यथार्थ का सामना करना चाहिए तथा काल्पनिकता को छोड़कर वास्तविकता को अपनाना चाहिए जो हमारे व्यवहार और आचरण में भी दिखना चाहिए|

4 - एक कहानी यह भी

पाठ का सारांश

लेखिका ने अपने जीवन के महत्वपूर्ण तथ्यों को उभारा है | लेखिका जन्म भानपुरा गाँव (म.प.) में हुआ लेकिन उनकी यादें अजमेर के भ्रम्हापुरी मोहल्ले के दो मंजिला मकान में पिता के बिगड़ी हुई मनः स्तिथि से शुरू हुई | शुरुआत के दिनों में लेखिका इंदौर में रहते थे | उनके पिता समाज सेवा से जुड़े हुए थे लेकिन किसी के धोखा दिए जाने पर आर्थिक मुसीबत में फस गए और अजमेर आ गए | उनके पिताजी अंग्रेजी-हिंदी शब्दकोष को पूरा करने के बाद भी उन्हें धन नहीं मिला तो वे बेहद क्रोधी, जिद्दी और शक्की हो गए और लेखिका के बिन पढ़ी माँ पर एवं अपने बच्चो पर भी गुस्सा उतारने लगे |

पाँच भाई बहनों में लेखिका सबसे छोटी थी | लेखिका काली थी और उनकी बड़ी बहिन शुशीला गोरी थी उनके पिता लेखिका को नीचा दिखाने के लिए उनसे तुलना किया करते थे इसलिए लेखिका में हीन भावना जागृत हो गई | हीन भावना के कारण लेखकीय उपलब्धियां मिलने पर भी वह इससे उबर नहीं पाई | पिता का ध्यान लेखिका पर केन्द्रित हुआ तो उन्होंने रसोई में समय न बिताकर देश दुनियां का हाल जाने के लिए प्रेरित किया | उनके घर में राजनितिक पार्टियों पर बहस होती थी तो लेखिका के पिता उन्हें बहस में बैठाते जिससे उनके अन्दर देश भक्ति की भावना जगी |

सन 1945 सावित्री गर्ल्स कॉलेज के प्रथम वर्ष में हिंदी प्राध्यापिका शिला अग्रवाल ने लेखिका के मन में हिंदी साहित्य के प्रति रूचि जगाई और प्रेरित भी किया | सन 1946-47 लेखिका घर से निकल कर देश सेवा में सक्रीय भूमिका निभाई | उनके हड़तालों, जुलुसों और भाषणों से अन्य छात्राएं भी प्रभावित हो कर कॉलेजों का बहिस्कार करने लगी | प्रिंसिपल ने लेखिका को कॉलेज से निकाल देने पर पिता क्रोध होने के बजाए गद-गद हो गए | जब पिता ने अजमेर के चौराहे पर बेटी के भाषण की बात मित्रों द्वारा उन्हें मर्यादा का लिहाज करने को कहा तो उनके पिता उन पर गुस्सा हो गए |

सन 1947 के मई महीने में कॉलेज ने लेखिका समेत दो-तीन छात्राओं का प्रवेश थर्ड इयर में हुडदंग करने के कारण निषिद्ध कर दिया लेकिन साथियों ने इतना हुडदंग मचाया की आखिर कार कॉलेज ने उन्हें प्रवेश लेना हे पड़ा | यह ख़ुशी लेखिका को उतना नहीं भाया जितना आज़ादी की ख़ुशी ने दी | यहाँ देश की आजादी लेखिका के लिए शतब्दी की सबसे बड़ी उपलब्धि थी |

1. पठित पद्यांश को पढ़ कर सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए :-

जन्मी तो मध्य प्रदेश के भानपुरा गाँव में थी, लेकिन मेरी यादों का सिलसिला शुरू होता है अजमेर के ब्रह्मपुरी मोहल्ले के उस दो-मंजिला मकान से, उसकी उपरी मंज़िल में पिता जी का साम्राज्य था, जहाँ वे निहायत अव्यवस्थित ढंग से फैली-बिखरी पुस्तकों-पत्रिकाओं और अख़बारों के बीच था तो कुछ पढ़ते रहते थे या फिर 'डिक्टेशन' देते रहते थे | नीचे हम सब भाई-बहनों के साथ रहती थीं हमारी बेपढ़ी-लिखी व्यक्तित्व विहीन माँ...सवेरे से शाम तक हम सबकी इच्छाओं और पिता जी की आज्ञाओं का पालन करने के लिए सदैव तत्पर | अजमेर से पहले पिताजी इन्दौर में थे जहाँ उनकी बड़ी प्रतिष्टा थी, सम्मान था, नाम था | कांग्रेस के साथ-साथ वे समाज-सुधार के कामों से भी जुड़े हुए थे | शिक्षा के वे केवल उपदेश ही नहीं देते थे, बल्कि उन दिनों आठ-आठ, दस-दस विद्यार्थियों को अपने घर रखकर पढाया है, जिनमें से कई तो बाद में ऊँचे-ऊँचे ओहदों पर पहुचें |

1. मन्नू भंडारी का जन्म कहाँ हुआ था ?

(क) म. प्र. के भानपुर गाँव में .

(ख) राजस्थान के अजमेर नगर में

(ग) राजस्थान के जयपुर नगर में

(घ) म. प्र. के इंदौर शहर में

उत्तर - (क) म. प्र. के भानपुर गाँव में

2. लेखिका ने अपनी माँ को कैसी सोच रखती है ?

(i) साधारण

(ii) पराश्रित

(iii) नासमझ

(iv) व्यन्तित्वविहीन

विकल्प

(क) कथन i सही है |

(ख) कथन iv सही है

(ग) कथन i व ii सही है |

(घ) कथन i, ii, iii व iv सही है |

उत्तर -(ख) कथन iv सही है

3. लेखिका के पिता किस राजनीतिक पार्टी के साथ जुड़े हुए थे?

(क) कम्युनिस्ट पार्टी

(ख) फारवर्ड ब्लाक

(ग) कांग्रेस

(घ) भारतीय जनता पार्टी

उत्तर - कांग्रेस

4. कथन (A)-अजमेर से पहले पिताजी इन्दौर में थे जहाँ उनकी बड़ी प्रतिष्टा थी, सम्मान था,नाम था |

कारण (R) - गलत आदतों व आचरणों के कारण उसके पिताजी की प्रतिष्ठा धूमिल हो गई थी |

विकल्प (क) कथन (A) गलत है, किन्तु कारण (R) सही है |

(ख) कथन (A) सही कारण (R) गलत है |

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है |

(घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है |

उत्तर - (ख) कथन (A) सही कारण (R) गलत है |

1. ‘ निहायत ’ का अर्थ है ....?

(क) बिलकुल

(ख) कुछ-कुछ

(ग) बहुत कुछ .

(घ) मुर्ख

उत्तर - (ग) बहुत कुछ

2. पर यह सब तो मैंने केवल सुना | देखा, तब तो इन गुणों के भग्नावशेषों को ढोते पता थे | एक बहुत बड़े आर्थिक झटके के कारण वे इंदौर से अजमेर आ गए थे, जहाँ उन्होंने अपने अकेले के बलबूते और हौसले से अंग्रेजी-हिंदी शब्दकोश (विषयवार) के अधूरे काम को आगे बढ़ाना शुरू किया जो अपनी तरह का पहला और अकेला शब्दकोश था | इसने उन्हें यश और प्रतिष्ठा तो बहुत दी, पर अर्थ नहीं दिया और शायद गिरती आर्थिक स्थिति ने हे उनके व्यक्तित्व के सारे सकारात्मक पहलुओं को निचोड़ना शुरू कर दिया | सिकुड़ती आर्थिक स्थिति के कारण और अधिक विस्फारित उनका अहं उन्हें इस बात तक की अनुमति नहीं देता था कि वे कम-से-कम अपने बच्चों को तो अपनी आर्थिक विवशताओं का भागीदार बनाएँ | नवाबी आदतों, अधूरी महत्वाकांक्षाएँ , हमेशा शीर्ष पर रहने के बाद हाँशिए पर सरकते चले जाने की यातना क्रोध बनकर हमेशा माँ को काँपती-थरथराती रहती थीं |

1. यहाँ भग्नावशेषों को ढोते का क्या अर्थ है ?

(क) पुरानी बातों को वर्तमान में लागु करना .

(ख) टूटे-फूटे भवन

(ग) रुढ़िवादी विचार

(घ) महलों के खँडहर

उत्तर - (क) पुरानी बातों को वर्त्तमान में लागु करना

2. कथन (A)- लेखिका के पिताजी कम-से-कम अपने बच्चों को तो अपनी आर्थिक विवशताओं का भागीदार नहीं बनाना चाहते थे |

कारण (R) - माता-पिता चाहे जितनी भी तकलीफ झेल ले अपने बच्चों को तकलीफ नहीं देना चाहते |

विकल्प (क) कथन (A) गलत है, किन्तु कारण (R) सही है |

(ख) कथन (A) सही कारण (R) गलत है |

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है |

(घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है |

उत्तर (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है |

3. लेखिका के पिता ने किस शब्द कोश की रचना की |

(क) अंग्रेजी-उर्दू शब्दकोश

(ख) संस्कृत-हिंदी शब्दकोश

(ग) अंग्रेजी-हिंदी शब्दकोश .

(घ) जर्मन-हिंदी शब्दकोश

उत्तर - (ग) अंग्रेजी-हिंदी शब्दकोश

4. विस्फारित का क्या अर्थ है ?

(क) संकुचित

(ख) विकसित

(ग) फैला हुआ .

(घ) फुला हुआ

उत्तर - (ग) फैला हुआ

5. लेखिका के पिता के क्रोध का क्या कारण था ?

(क) शीर्ष पर रहने के बाद हांशिए पर चला जाना

(ख) नवाबी आदतें

(ग) अधूरी महत्वाकांक्षाएं

(घ) गिरती आर्थिक स्थिति

विकल्प

(क) कथन i सही है |

(ख) कथन ii सही है

(ग) कथन i व ii सही है |

(घ) कथन i, ii, iii व iv सही है |

उत्तर (घ) कथन i, ii, iii व iv सही है |

वस्तुनिष्ठ प्रश्न :-

(अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए :-

1. “एक कहानी यह भी” आत्माकथा की लेखिका हैं -

(क) कृष्णा सोबती (ख) मन्नू भंडारी .

(ग) ममता कालिया (घ) महादेवी वर्मा

उत्तर - (ख) मन्नू भंडारी

2. “वे बहुत ही कोमल व संवेदनशील किन्तु क्रोधी और अहंकारी व्यक्ति थे ” | उक्त पंक्तियाँ मन्नू जी ने किसके लिए कहा ?

(क) अपने दादाजी के लिए (ख) अपने पति के लिए

(ग) अपने पिताजी के लिए . (घ) नानाजी के लिए

उत्तर - (ग) अपने पिताजी के लिए

3. मन्नू भंडारी के पिता शक्की हो गए थे क्योंकि -

(क) धोखा खा जाने से (ख) वृद्धावस्था हो जाने से

(ग) क़र्ज़ बढ़ जाने से (घ) अपनों के द्वारा विश्वासघात कर देने से .

उत्तर - (घ) अपनों के द्वारा विश्वासघात कर देने से

4."एक कहानी यह भी" के लिए मन्नू भंडारी को कौन सा सम्मान मिला ?

(क) साहित्य अकादमी पुरस्कार (ख) शिखर सम्मान

(ग) व्यास सम्मान . (घ) साहित्य सम्मान

उत्तर -(ग) व्यास सम्मान .

5. हिंदी साहित्य की पुस्तकों को पढ़ने और समझने की प्रेरणा लेखिका को किसने दी ?

(क) माताजी ने (ख) पिताजी ने

(ग) शिला अग्रवाल ने . (घ) डॉक्टर ने

उत्तर - (ग) शिला अग्रवाल ने .

6. लेखिका को मोहल्ले के किसी भी घर में जाने में कोई पाबंदी क्यों नहीं थीं ?

(क) अच्छे व्यवहार के कारण (ख) स्नेह के कारण

(ग) पिता के रौबदाब के कारण (घ) मोहल्ले के आपसी सदभाव के कारण .

उत्तर -(घ) मोहल्ले के आपसी सदभाव के कारण

7. लेखिका की आरंभिक कहानियों के पात्र कहाँ के है ?

(क) उनके ऑफिस के (ख) बचपन के साथियों के

(ग) उनके मोहल्ले के . (घ) महानगरों के

उत्तर -(ग) उनके मोहल्ले के

8. लेखिका के खेलकूद की सीमा घर थी | यहाँ घर से क्या आशय है ?

(क) अपना फ्लैट (ख) पडोसी का घर

(ग) परिवार (घ) आस पड़ोस .

उत्तर - (घ) आस पड़ोस

9. पिता के सकारात्मक गुण समाप्त क्यों होने लगे ?

(क) विश्वासघात के कारण (ख) गिरती आर्थिक दशा के कारण .

(ग) क्रोध के कारण (घ) अहंकार के कारण

उत्तर - (ख) गिरती आर्थिक दशा के कारण

10. 1947 ई. में कॉलेज प्रशासन ने लड़कियों का भड़काने और अनुशासन बिगाड़ने के आरोप में किसे नोटिस दिया ?

(क) मन्नू भंडारी (ख) शिला अग्रवाल .

(ग) शुशीला त्यागी (घ) सोभना अग्रवाल

उत्तर - (ख) शिला अग्रवाल .

11. लेखिका के पिता रसोई को भटियारखाना क्यों कहते थे ?

(क) क्षमता को खोना (ख) विकास का अवरुद्ध करना था

(ग) पाक शास्त्री बनना था (घ) क्षमता और प्रतिभा दोनों को खोना था .

उत्तर - (घ) क्षमता और प्रतिभा दोनों को खोना था .

12. लेखिका ने उनके परिवार के अनुसार विवाह का उम्र की तय की ?

(क) उम्र में सोलह और मेट्रिक पास . (ख) उम्र में सत्रह और मेट्रिक पास

(ग) उम्र में उन्नीस और मेट्रिक पास (घ) उम्र में बीस और मेट्रिक पास

उत्तर - (क) उम्र में सोलह और मेट्रिक पास

13. लेखिका किस हीन भावना से ग्रस्त थी ?

(क) कमज़ोर और काली होने से (ख) पढने में कमज़ोर होने से .

(ग) बेहद डरपोक होने से (घ) अत्यंत हीन होने से

उत्तर - (क) कमज़ोर और काली होने से

14. लेखिका के पिता किन गुणों के भग्नावशेषों को ढो रहे थे |

(क) ह्रदयगत कोमलता (ख) संवेदन शीलता

(ग) दरयादिली (घ) उपर्युक्त सभी .

उत्तर - (घ) उपर्युक्त सभी

15. मन्नू भंडारी मूलतः एक ___________ है ?

(क) कवयित्री (ख) निबंधकार

(ग) कहानीकार . (घ) अभिनेत्री

उत्तर -(ग) कहानीकार

16. लेखिका का कौन-सा व्यक्तित्व सामने आया है ?

(क) गुस्सैल (ख) उद्दंड

(ग) शर्मीला (घ) स्वतंत्रता सेनानी .

उत्तर - (घ) स्वतंत्रता सेनानी .

खंड - ग

5.निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभर 60 - 70 शब्दों में लिखिए -

1.लेखिका की अपने पिता से वैचारिक टकराहट को अपने शब्दों में लिखे |

उत्तर - लेखिका के पिता यद्यपि स्त्रियों की शिक्षा के विरोधी नहीं थे परन्तु वे स्त्रियों का दायरा चार दीवारी के अंदर ही सीमित रखना चाहते थे। परन्तु लेखिका खुले विचारों की महिला थी। लेखिका के पिता लड़की की शादी जल्दी करने के पक्ष में थे। लेकिन लेखिका जीवन की आकाँक्षाओं को पूर्ण करना चाहती थी |

2..मनुष्य के जीवन में आस पड़ोस का बहुत अधिक महत्व होता है | परन्तु महानगरों में रहने वाले लोग प्रायः पड़ोस कल्चर से वंचित रह जाते है | इस बारे में अपने विचार लिखिए -

उत्तर - आज मनुष्य के सम्बन्धों का क्षेत्र सीमित होता जा रहा है | मनुष्य आत्मकेन्द्रित होता जा रहा है। उसे अपने सगे सम्बन्धियों तक के बारे में अधिक जानकारी नहीं होती है। यही कारण है कि आज के समाज में पड़ोस कल्चर लगभग लुप्त होता जा रहा है। लोगों के पास समय का अभाव होता जा रहा है।

3.लेखिका के व्यक्तित्व पर किन-किन व्यक्तियों का किस रूप में प्रभाव था?

उत्तर - लेखिका के व्यक्तित्व पर उनके माता पिता का प्रभाव पड़ा। माँ से उन्होंने सहनशीलता सीखी और अपने पिता से जिद्द। अपने पिता से ही उन्हें इस बात के लिए प्रोत्साहन मिला था कि रसोई की चारदीवारी से निकल कर बाहर की दुनिया के बारे में पता किया जाए।

4 .वह कौन सी घटना थी जिसके बारे में सुनने पर लेखिका को न अपनी आँखों पर विश्वास हो पाया और न अपने कानों पर ?

उत्तर - जब पहली बार लेखिका के कॉलेज से उनके पिता के पास शिकायत आई तो लेखिका बहुत डरी हुई थी। उनका अनुमान था कि उनके पिता गुस्से में उनका बुरा हाल करेंगे। लेकिन ठीक इसके उलट उनके पिता ने उन्हें शाबाशी दी। यह सुनकर लेखिका को न अपनी आँखों पर विश्वास हुआ और न अपने कानों पर।

5 .इस आत्म कथ्य के आधार पर स्वाधीनता आन्दोलन के परिदृश्य का चित्रण करते हुए उसमें मन्नू जी की भूमिका को रेखांकित कीजिए -

उत्तर - लेखिका मन्नू भंडारी भी स्वतंत्रता संग्राम में भागीदारी, आंदोलन में सहयोग प्रदान करना । 1946-47 तक अपनी भाषण प्रतिभा के माध्यम से अपने विचारों को जनता के समक्ष रख कर अपना सहयोग दिया |

6 .लेखिका के पिताजी के खुशहाली के दिनों को व्यक्त कीजिए |

उत्तर - लेखिका के पिताजी कोमल और संवेदनशील व्यक्ति होने के साथ.साथ अहंवादी एवं क्रोधी भी थे | इंदौर में आर्थिक घाटा होने के बाद वे अजमेर आ गए अंग्रेजी-हिन्दी शब्दकोश लिखा | (पाठ के अनुसार पिताजी के खुशियों के पल और लिखे जा सकते है)

5 - नौबत खाने में इबादत

पाठ का सारांश

नौबत खाने में इबादत' में लेखक यतीन्द्र मिश्र ने प्रसिद्ध शहनाई वादक उस्ताद बिस्मिल्लाह खां का व्यक्तिगत परिचय देने के साथ ही उनकी रुचियां, उनके अंतर्मन की बनावट, संगीत साधना एवं लगन का मार्मिक एवं सजीव चित्रण किया है । उन्होंने स्पष्ट किया है कि संगीत एक साधना है । इसका अपना विधि-विधान और शास्त्र है । इस शास्त्र परिचय के साथ ही अभ्यास भी आवश्यक है । यहां बिस्मिल्लाह खां की लगन एवं धैर्य के माध्यम से बताया गया है कि संगीत के अभ्यास के लिए पूर्ण तन्यमता, धैर्य एवं मंथन के अलावा गुरु-शिष्य परंपरा का निर्वाह भी जरूरी है । यहां दो संप्रदायों के एक होने की भी प्रेरणा दी गई है। अमीरुद्दीन उर्फ बिस्मिल्लाह खां का जन्म डुमरांव, बिहार में एक संगीत प्रेमी परिवार के यहाँ हुआ था । छः साल बाद उन्होंने अपना घर छोड़ दिया और काशी में अपने नाना के यहाँ आकर बस गए ।

ननिहाल में 14 साल की उम्र से ही बिस्मिल्लाह खाँ ने बालाजी के मंदिर में रियाज़ करना शुरू कर दिया । उन्होंने वहां जाने के लिए ऐसा रास्ता चुना, जहाँ उन्हें रसूलनबाई और बतूलनबाई की गीत सुनाई देती जिससे उन्हें खुशी मिलती । अपने साक्षात्कारों में भी इन्होनें स्वीकार किया कि बचपन में इन लोगों ने इनका संगीत के प्रति प्रेम पैदा करने में भूमिका निभायी । बिस्मिल्लाह खाँ ने अस्सी वर्ष के हो जाने के वाबजूद हमेशा पाँचो वक्त वाली नमाज में शहनाई के सच्चे सुर को पाने की प्रार्थना में बिताया । मुहर्रम के दिनों में बिस्मिल्लाह खाँ अपने पूरे खानदान के साथ न तो शहनाई बजाते थे और न ही किसी कार्यक्रम में भाग लेते । आठवीं तारीख को वे शहनाई बजाते और दालमंडी से फातमान की आठ किलोमीटर की दूरी तक भींगी आँखों से नौहा बनाकर निकलते हुए सबकी आँखों को भिंगो देते । बचपन के समय वे फिल्मों के बड़े शौकीन थे, उस समय थर्ड क्लास का टिकट छः पैसे का मिलता था, जिसे पूरा करने के लिए वो दो पैसे मामा से, दो पैसे मौसी से और दो पैसे नाना से लेते थे | फिर बाद में घंटों लाइन में लगकर टिकट खरीदते थे । बाद में तो अपनी पसंदीदा अभिनेत्री सुलोचना की फिल्मों को देखने के लिए वह बालाजी मंदिर में शहनाई बजाकर कमाई करते । वे सुलोचना की कोई फिल्म ना छोड़ते थे तथा कुलसूम की दुकान पर देशी घी वाली कचौड़ी खाना ना भूलते ।

काशी के संगीत आयोजन में वे अवश्य भाग लेते । हनुमान जयंती के अवसर पर संकट मोचन मंदिर में यह समारोह कई वर्षों से आयोजित किया जाता है, जिसमें शास्त्रीय और उपशास्त्रीय गायन-वादन की सभा होती है । बिस्मिल्लाह खाँ जब काशी के बाहर भी रहते तब भी वो विश्वनाथ और बालाजी मंदिर की तरफ मुँह करके बैठते और अपनी शहनाई भी उस तरफ घुमा दिया करते । गंगा, काशी और शहनाई उनका जीवन था । काशी का स्थान सदा से ही विशिष्ट रहा है, यह संस्कृति की पाठशाला है । बिस्मिल्लाह खां हमेशा दो समुदायों के बीच एकता और भाई चारे को बढ़ावा देते थे । नब्बे वर्ष की उम्र में 2 अगस्त 2006 को उन्होंने दुनिया से विदा ली | वे भारतरत्न, अनेकों विश्वविद्यालय की मानद उपाधियाँ व संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार तथा पद्मविभूषण जैसे पुरस्कारों से जाने नहीं जाएँगे बल्कि अपने अजेय संगीत यात्रा के नायक के रुप में पहचाने जाएँगे ।

पठित गद्यांश 1

शहनाई और डुमराँव एक-दूसरे के लिए उपयोगी हैं। शहनाई बजाने के लिए रीड का प्रयोग होता है। रीड अंदर से पोली होती है जिसके सहारे शहनाई को फूँका जाता है। रीड, नरकट (एक प्रकार की घास) से बनाई जाती है जो डुमराँव में मुख्यतः सोन नदी के किनारों पर पाई जाती है। इतनी ही महता है इस समय डुमराँव की, जिसके कारण शहनाई जैसा वाद्य बजता है। फिर अमीरुद्दीन जो हम सबके प्रिय हैं, अपने उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ साहब हैं। उनका जन्म-स्थान भी डुमराँव ही है। इनके परदादा उस्ताद सलार हुसैन खाँ डुमराँव निवासी थे। बिस्मिल्ला खाँ उस्ताद पैगंबरबख्श खाँ और मिट्ठन के छोटे साहबजादे हैं।

1. शहनाई को बजाने के लिए किसका प्रयोग किया जाता है?

क. रीड　　　ख. पाईप　　　ग. जल　　　घ. सरकंडा

उत्तर - क. रीड

2.'नौबत खाने में इबादत' पाठ के लेखक कौन हैं?

क. यतींद्र मिश्र　　ख. महावीर प्रसाद द्विवेदी　　ग. मंगलेश डबराल　　घ. मन्नू भंडारी

उत्तर - क. यतींद्र मिश्र

3. कथन - शहनाई और डुमराँव एक-दूसरे के लिए उपयोगी हैं।

निष्कर्ष - (i) बिस्मिल्ला खाँ का जन्म डुमराँव गाँव में हुआ था |

(ii) बिस्मिल्ला खाँ शहनाई बजाते हैं

(iii) शहनाई बजाने के लिए जिस रीड का प्रयोग होता है, वह डुमराँव में मिलती है |

क.　निष्कर्ष i सही है

ख.　निष्कर्ष i और ii सही है

ग.　निष्कर्ष ii और iii सही है

घ.　सभी निष्कर्ष सही है

उत्तर - सभी निष्कर्ष सही है

4. 'नौबतखाना' किसे कहते हैं ?

क. प्रवेश द्वार के ऊपर मंगल ध्वनि बजाने का स्थान　　ख. प्रवेश द्वार में बैठने का स्थान

ग. मंदिर का मुख्य द्वार　　घ. नौबत बजाने की जंग

उत्तर - क. प्रवेश द्वार के ऊपर मंगल ध्वनि बजाने का स्थान

5. बिस्मिल्लाखाँ का बचपन का क्या नाम था?

क. अजरुद्दीन　　ख. अमीरुद्दीन　　ग. शम्सुद्दीन　　घ. सादिक हुसैन

उत्तर - ख. अमीरुद्दीन

पठित गद्यांश 2

वही पुराना बालाजी का मंदिर जहाँ बिस्मिल्ला खाँ को नौबत खाने रियाज़ के लिए जाना पड़ता है। मगर एक रास्ता है बालाजी मंदिर तक जाने का। यह रास्ता रसूलनबाई और बतूलनबाई के यहाँ से होकर जाता है। इस रास्ते से अमीरुद्दीन को जाना अच्छा लगता है। इस रास्ते न जाने कितने तरह के बोल-बनाव कभी ठुमरी, कभी ठप्पे, कभी दादरा के मार्फत ड्योढ़ी तक पहुँचते रहते हैं। रसूलन और बतूलन जब गाती हैं तब अमीरुद्दीन को खुशी मिलती है। अपने ढेरों साक्षात्कारों में बिस्मिल्ला खाँ साहब ने स्वीकार किया है कि उन्हें अपने जीवन के आरंभिक दिनों में संगीत के प्रति आसक्ति इन्हीं गायिका बहिनों को सुनकर मिली है|

1.किनके गीतों को सुनकर अमीरुद्दीन की गायिकी में रुचि बढ़ी ?

क. के एल सहगल के　　ख. लक्ष्मीकांत प्यारेलाल के

ग. मजरूह सुल्तानपुरी के　　घ. रसुलनबाई और बतुलनबाई

उत्तर - घ. रसुलनबाई और बतुलनबाई

2. बिस्मिल्ला खाँ कहाँ रियाज करते थे ?

क. विश्वनाथ मंदिर में　　ख. देवी के मंदिर में　ग. बालाजी के मंदिर में　　घ. धर्म शाला में

उत्तर - ग. बालाजी के मंदिर में

3. कथन - बिस्मिल्लाह खाँ का संगीत के प्रति आसक्ति थी ?

निष्कर्ष - (i) रसूलनबाई और बतूलनबाई अपने संगीत से लोगों को प्रभावित करती थी |

(ii) बिस्मिल्ला खाँ, रसूलन बाई और बतूलन बाई से प्रेरित थे |

क.　निष्कर्ष i सही है |

ख.　निष्कर्ष ii सही है |

ग.　निष्कर्ष i और ii सही है |

घ.　कोई निष्कर्ष सही नहीं है |

उत्तर - ग. निष्कर्ष i और ii सही है |

4. रसूलनबाई और बतूलनबाई के द्वारा गाया जाने वाले लोकगीत है |

क. ठुमरी, ख. ठप्पे ग. दादरा घ. उपर्युक्त सभी

उत्तर - घ. उपर्युक्त सभी

5. बिस्मिल्ला खाँ साहब ने अपने साक्षात्कार में स्वीकार किया है |

क. उनके संगीत पर रसूलनबाई और बतूलनबाई का प्रभाव है

ख. रसूलन और बतूलन जब गाती हैं तब अमीरुद्दीन को खुशी मिलती है

ग. उपर्युक्त दोनों

घ. उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर - ग. उपर्युक्त दोनों

पठित गद्यांश - 3 काशी में संगीत आयोजन एक प्राचीन एवं अद्भुत परंपरा है | यह आयोजन पिछले कई बरसों से संकटमोचन मंदिर में होता आया है | यह मंदिर शहर के दक्षिण में लंका पर स्थित है व हनुमान जयंती के अवसर पर यहाँ पांच दिनों तक शास्त्रीय एवं उपशास्त्रीय गायन-वादन की उत्कृष्ट सभा होती है | इसमें बिस्मिल्लाह खाँ अवश्य रहते हैं | अपने मजहब के प्रति अत्यधिक समर्पित उस्ताद बिस्मिल्लाह खाँ की श्रद्धा काशी विश्वनाथ जी के प्रति भी अपार है | वे जब भी काशी से बाहर रहते हैं तब विश्वनाथ व बालाजी मंदिर की दिशा की ओर मुंह करके बैठते हैं, थोड़ी देर ही सही, मगर उसी और शहनाई का प्याला घुमा दिया जाता है और भीतर की आस्था रीड के माध्यम से बजती है | खाँ साहब की एक रीड 15 से 20 मिनट के अंदर गीली हो जाती है तब वे दूसरी रीड का इस्तेमाल कर लिया करते हैं

1. लेखक ने यहां किस परंपरा की बात की है ?

(क) संगीत आयोजन (ख) नृत्य समारोह (ग) साहित्य सम्मेलन (घ) कवि सम्मेलन

उत्तर - संगीत आयोजन

2. संकट मोचन मंदिर में संगीत का आयोजन कब होता है ?

क. होली के अवसर पर (ख) हनुमान जयंती के अवसर पर

(ग) दीपावली के अवसर पर (घ) मुहर्रम के अवसर पर

उत्तर - (ख) हनुमान जयंती के अवसर पर

3. काशी विश्वनाथ के प्रति बिस्मिल्लाह खां अपनी श्रद्धा किस प्रकार दर्शाते हैं ?

(क).वह काशी की ओर मुंह करके बैठते हैं | (ख)वे अपने शहनाई का प्याला काशी की ओर घुमा देते हैं |

(ग)उपर्युक्त दोनों कथन सत्य हैं (घ) केवल क कथन सत्य है

उत्तर - (ग) उपर्युक्त दोनों कथन सत्य हैं |

4. यहाँ रीड का क्या आशय है ?

क. कमर की हड्डी का नाम है |

ख. रीड नरकट के घास से बनती है | शहनाई के अंदर रीड से ही ध्वनि उत्पन्न होती है |

ग. रीड चाय के प्याले को कहते हैं |

घ. रीड एक संगीत परंपरा का नाम है|

उत्तर - रीड नरकट के घास से बनती है | शहनाई के अंदर रीड से ही ध्वनि उत्पन्न होती है |

5. अत्यधिक शब्द का संधि विच्छेद कीजिए |

क. अत्य+अधिक (ख) अत्य+धिक (ग) अति+अधिक (घ) अत्या+धिक

उत्तर - (ग) अति + अधिक

"नौबत खाने में इबादत " पाठ पर आधारित कुछ बहु विकल्पीय प्रश्न "

1. अलीबख्श के खानदान का क्या पेशा था?

क. तबला वादन ख. बीन वादन

ग. बाँसुरी वादन घ. शहनाई वादन

उत्तर - घ. शहनाई वादन

2. अमीरुद्दीन का जन्म किस राज्य में हुआ था ?

क. पंजाब ख. बिहार

ग. राजस्थान घ. महाराष्ट्र

उत्तर - ख. बिहार

3. अमीरुद्दीन के पैत्रिक गाँव का क्या नाम है?

क. रामपुर ख. डुमरखाँ

ग. डुमराँव घ. बीजागढ़

उत्तर - ग. डुमराँव

4. अमरुद्दीन कितने वर्ष की आयु में ननिहाल काशी में आ गया था ?

क. दो वर्ष ख. चार वर्ष

ग. दस वर्ष घ. छः वर्ष

उत्तर - घ. छः वर्ष

5. अमीरुद्दीन के परदादा का क्या नाम था ?

क. सलार हुसैन खाँ ख. सादिक हुसैन

ग. मुहम्मद हुसैन घ. अली बख्श साहब

उत्तर - क. सलार हुसैन खाँ

6. अमीरुद्दीन के पिता का क्या नाम था ?

क. सादिक हुसैन ख. मुहम्मद अली

ग. पैगंबर बख्श घ. नूर मुहम्मद

उत्तर - ग. पैगंबर बख्श

7. वास्तव में अमीरुद्दीन को संगीत की प्रेरणा किस से मिली ?

क. मामूजान से ख. अब्बाजान से ग. अम्मीजान से घ. रसूलन बाई तथा बतूलन बाई से

उत्तर - घ. रसूलन बाई तथा बतूलन बाई से

8. बालक अमीरुद्दीन बालाजी के मंदिर में क्यों जाता था |

क. मंदिर का प्रसाद लेने के लिए ख. भजन कीर्तन करने के लिए

ग. शहनाई वादन का अभ्यास करने के लिए घ. नौकरी करने के लिए

उत्तर - ग. शहनाई वादन का अभ्यास करने के लिए

9. शहनाई की ध्वनि को क्या कहा जाता है ?

क. सुर ख. मंगलध्वनि ग. मधुर ध्वनि घ. राग

उत्तर - ख. मंगलध्वनि

10. नमाज़ के बाद बिस्मिल्ला खाँ सजदे में किसके लिए गिड़गिड़ाते थे?

क. मोक्ष प्राप्ति के लिए ख. धन प्राप्ति के लिए

ग. प्रसिद्धि के लिए घ. एक सच्चे सुर के लिए

उत्तर - घ. एक सच्चे सुर के लिए

11. बिस्मिल्लाखाँ को खुदा की किस चीज़ पर विश्वास है ।

क. वरदान शक्ति पर ख. सर्वव्यापकता पर ग. दयालुता पर घ. मोक्ष की शक्ति पर

उत्तर - क. वरदान शक्ति पर

12. बालक अमीरुद्दीन शहनाई वादन पर कैसे दाद देता था?

क. किलकारी मारकर ख. हँसकर ग. पत्थर पटक कर घ. सिर हिलाकर

उत्तर - ग. पत्थर पटक कर

13. दाद देने का सही ढंग क्या है?

क. पत्थर मारना ख. पैरपटकना ग. हाथ ऊपर उठाना घ. 'वाह' शब्द कहकर

उत्तर - घ. 'वाह' शब्द कहकर

14. बालाजी के मंदिर में किसकी जयंती का समायोजन होता है |

क. हनुमान जयंती का ख. श्रीरामजयंतीका ग. गांधी जयंती का घ. भगत सिंह जयंती

उत्तर - क. हनुमान जयंती का

15. 'इबादत' का अर्थ है |

क. सलाम ख. पूजा

ग. बातचीत घ. संवाद

उत्तर - ख. पूजा

लघुत्तरीयप्रश्न

प्रश्न 1 - बिस्मिल्लाखाँ को शहनाई की मंगल ध्वनि का नायक क्यों कहा गया है ?

उत्तर - बिस्मिल्ला ख़ाँ को शहनाई की मंगलध्वनि का नायक इसलिए कहा जाता है, क्योंकि वे अपनी 80 वर्ष के अंतिम पड़ाव में भी सच्चे सूर के लिए खुदा से प्रार्थना करते हैं तथा प्रतिदिन की अपनी प्रत्येक नमाज में इसी सुर को प्राप्त करने की प्रार्थना करते। उनकी यही हार्दिक इच्छा रहती थी कि लोगों के मांगलिक कार्यक्रमों में उनकी शहनाई की धुन बजती रहे। वे चाहते थे कि चाहे किसी भी कार्यक्रम का आयोजन हो उसमें उनकी ही शहनाई की धुन प्रसिद्ध हो।

प्रश्न 2 - शहनाई की दुनिया में डुमरांव को क्यों याद किया जाता है ?

उत्तर- शहनाई की दुनिया में डुमरांव को इसलिए याद किया जाता है, क्योंकि शहनाई और डुमरांव एक-दूसरे का बहुत ही गहरा संबंध है। शहनाई बजाने के लिए रीड या नरकट नामक घास से बनाई जाती है। यह रीड अंदर से गीली होती है जिसके सहारे शहनाई को फूँका जाता है। यह रीड या नरकट घास डुमरांव में विशेष रूप से सोन नदी के किनारों पर पाई जाती है। विश्व प्रसिद्ध शहनाई वादक उस्ताद बिस्मिल्ला खा का जन्म स्थान डुमरांव ही है। इनके परदादा उस्ताद सलार हुसैन खां भी डुमरांव के ही रहने वाले थे।

प्रश्न 3 - सुषिर-वाद्यों से क्या अभिप्राय है? शहनाई को 'सुषिर-वाद्यों में शाह' की उपाधि क्यों दी गई होगी ?

उत्तर - ' सुषिर - वाद्य ' उन्हें कहा जाता है जिनको फूंक कर बजाया जाता है। वैदिक इतिहास में शहनाई का उल्लेख नहीं मिलता। अरब देश में फूँककर बजाए जाने वाले वाद्य जिसमें नाड़ी होती है, उसे 'नय' कहते हैं। सुषिर - वाद्य में शहनाई, मुरली, वंशी, श्रृंगी, मूर्छित आदि आते हैं। इनमें शहनाई को मंगल का परिवेश प्रतिष्ठित करने वाला वाद्य माना गया है। इसी आधार पर शहनाई को 'सुषिर-वाद्यों में शाह ' की उपाधि दी गई है।

प्रश्न 4 - काशी में हो रहे कौन से परिवर्तन बिस्मिल्लाखाँ को व्यथित करते थे ?

उत्तर:- काशी जो संगीत, साहित्य और आदर सम्मान की परंपराओं के लिए प्रसिद्ध थी। आज वहां की परंपराओं में परिवर्तन आ गया है। गायकों के मन में अपने संगीतकारों की कोई चिंता नहीं रही और न आदर रहा, घंटो किए जाने वाले रियाज को कोई नहीं पूछता। संगीत, साहित्य आदर की अधिकतम परंपराएं प्राय: लुप्त हो गई थी। वहां से मलाई-बर्फ बेचने वाले भी जा चुके हैं। देसी घी की बनी कचौड़ी अब वहां नहीं मिलती। इन सब को देख कर बिस्मिल्ला ख़ाँ व्यथित हो उठे थे।

प्रश्न 5 - बिस्मिल्लाखां के जीवन से जुड़ी उन घटनाओं और व्यक्तियों का उल्लेख करें जिन्होंने उनकी संगीत साधना को समृद्ध किया ?

उत्तर:- बिस्मिल्ला खां की संगीत साधना को जिन व्यक्तियों ने समृद्ध किया, वे है- बालाजी के मंदिर के रास्ते में रसूलन बाई और बतूलनबाई नामक दो बहने- जिन्होंने बिस्मिल्ला खां के जीवन के आरंभिक दिनों में संगीत के प्रति आसक्ति भर दी थी। अमीरुद्दीन के नाना भी एक प्रसिद्ध शहनाई वादक थे, वे छिपकर सुनते थे और बाद में शहनाई के ढेर में से उस शहनाई को ढूंढते जो नाना के बजाने पर मीठी धुन छेड़ती थी। उस्ताद के मामा अली बख्श खां जब शहनाई बजाते थे तो बिस्मिल्ला ख़ां खुश होकर जमीन पर पत्थर मारते थे। उनका जमीन पर पत्थर मारना खुशी का कारण था।

6 - संस्कृति

पाठ का सारांश

लेखक का कहना है, कि सभ्यता और संस्कृति दो ऐसे शब्द हैं, जिनका प्रयोग अधिक होता है, लेकिन समझ में कम आता है। विशेषण जोड़ने से उन्हें समझना मुश्किल हो जाता है। कभी दोनों को एक ही माना जाता है तो कभी अलग। आखिरकार वे वही हैं या अलग हैं। आग की, सुई और धागे के आविष्कार को लेखक ने समझाने की कोशिश की है। वह उनके अविष्कारकर्ता की बात कहकर व्यक्ति विशेष की योग्यता, प्रवृत्ति और प्रेरणा को व्यक्ति विशेष की संस्कृति कहता है, जिसके बल पर आविष्कार किया गया। लेखक संस्कृति और सभ्यता के बीच अंतर स्थापित करने के लिए आग और सुई के धागे की खोज से जुड़े शुरुआती प्रयासों और बाद की प्रगति के उदाहरण देते हैं। संस्कृति एक पीढी में लोहे के टुकड़े से एक छेद बनाने और दो अलग-अलग टुकड़ों को एक तार से जोड़ने के विचार को बुलाती है। इन खोजों के आधार पर इस क्षेत्र में आगे के विकास को संस्कृति कहा जाता है। एक व्यक्ति जो एक नए और परिभाषित सत्य की तलाश करता है जो उसके कारण के आधार पर अगली पीढ़ी को दिया जाता है और वह है जो इस सत्य के आधार पर संस्कृति विकसित करता है। भौतिकी का अध्ययन करने वाला कोई भी छात्र जानता है कि गुरुत्वाकर्षण के नियम की खोज न्यूटन ने की थी। इसलिए उनका नाम संस्कृत होने के बावजूद वे और भी बहुत कुछ नहीं सीख सके। आज के छात्र भी इसे जानते हैं लेकिन आप इसे अधिक सभ्य कह सकते हैं लेकिन संस्कृत नहीं । लेखक के अनुसार भौतिक जरूरतों को पूरा करने के लिए सुई के धागे और आग का आविष्कार संस्कृत के अस्तित्व या रूपांतरण का आधार नहीं था बल्कि मानव उत्पत्ति या गठन के कारण एक हमेशा मौजूद सहज भावना बन गई। इस अंतर्दृष्टि का प्रेरक अंश भी हमें ऋषि से प्राप्त हुआ। एक बीमार बच्चे को रात भर गोद में लिए जो माँ लेटी रही एक मां इस सनसनी से स्तब्ध रह गई। 2500 साल पहले बुद्ध की तपस्या ने मानव इच्छाओं को संतुष्ट करने के तरीके की तलाश में घर छोड़ दिया और कार्ल मार्क्स ने एक सुखी कामकाजी जीवन का सपना देखते हुए एक दयनीय जीवन व्यतीत किया। लेनिन अपनी डैस्क में रखे हुए डबल रोटी के सूखे टुकड़े स्वयं न खाकर दूसरों को खिला दिया करता था। दूसरों के लिए कठिन पोषण इन भावनाओं से संस्कृत में संक्रमण का एक उदाहरण है। लेखकों का कहना है कि परिवहन से लेकर इंटरब्रीडिंग पैटर्न तक की संस्कृतियों के परिणामस्वरूप खाने और पीने सभ्यता के उदाहरण हैं।लोगों के लाभ के लिए काम नहीं करने वाली संस्कृति का नाम स्पष्ट नहीं है। इसे संस्कृति नहीं कहा जा सकता। अर्थात अज्ञान उत्पन्न होता है। संस्कृति मानव मामलों में परिवर्तन की निरंतरता का नाम है। यह पहचान और अंतर की उपलब्धि है। सबसे लाभदायक हिस्सा हमेशा उच्च और अप्रत्याशित हिस्सा होता है।

लघुउत्तरीय प्रश्न

प्रश्न- 1 (क) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों का उत्तर दीजिये -

कल्पना कीजिए उस समय की जब मानव समाज का अग्नि देवता से साक्षात नहीं हुआ था। आज तो घर-घर चूल्हा जलता है। जिस आदमी ने पहले पहल आग का आविष्कार किया होगा, वह कितना बड़ा अविष्कारकर्ता होगा ! अथवा कल्पना कीजिए उस समय की जब मानव को सुई-धागे का परिचय न था, जिस मनुष्य के दिमाग में पहले-पहल बात आई होगी कि लोहे के एक टुकड़े को घिसकर उसके एक सिरे को छेदकर और छेद में धागा पिरोकर कपड़े के दो टुकड़े एक साथ जोड़े जा सकते हैं | वह भी कितना बड़ा अविष्कारकर्ता रहा होगा ! इन्हीं दो उदाहरणों पर विचार कीजिए; पहले उदाहरण में एक चीज़ है, किसी व्यक्ति विशेष की आग का आविष्कार कर सकने की शक्ति और दूसरी चीज़ है आग का आविष्कार। इसी प्रकार दूसरे सुई-धागे के उदाहरण में एक चीज़ है सुई-धागे का आविष्कार कर सकने की शक्ति और दूसरी चीज़ है सुई-धागे का आविष्कार।

(1) घर-घर में चूल्हा किस कारण जल रहा है?

(क) खेती के ज्ञान के कारण (ख) आग के आविष्कार के कारण

(ग) अन्न की पैदावार के कारण (घ) मानव विकास के कारण

उत्तर - (ख) आग के आविष्कार के कारण

(2) निम्न कथनों के अनुसार सही विकल्प का चयन कीजिए-

कथन- 1 विचार कार्य में परिवर्तित होता है।

कथन- 2 विचार आविष्कार की जननी है।

(क) कथन 1 सही है |

(ख) कथन 2 सही है |

(ग) कथन 1, 2 की सही व्याख्या है |

(घ) कथन 2, 1 की व्याख्या नहीं है |

उत्तर - (ग) कथन 1, 2 की सही व्याख्या है |

(3) आविष्कारकर्ता होता है?

(क) नई खोज करने वाला (ख) बनाने वाला (ग) उद्योग करने वाला (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (क) नई खोज करने वाला

(4) आविष्कार के लिए क्या आवश्यक है?

(क) वैचारिक शक्ति (ख) धार्मिक शक्ति (ग) आर्थिक शक्ति (घ) सभी विकल्प सही है

उत्तर - (क) वैचारिक शक्ति

(5) i - आविष्कार मानव निर्मित होता है।

Ii - आविष्कार के लिए विचार आवश्यक है।

Iii - मानव के विचार पर आविष्कार निर्भर है।

विकल्प (क) केवल i कथन सही है |

(ख) कथन i व ii सही है |

(ग) कथन i व iii सही है |

(घ) कथन i व ii तथा iii सही है |

उत्तर - (घ) कथन i व ii तथा iii सही है

प्रश्न- 1 (ख) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों का उत्तर दीजिये -

जिस व्यक्ति में पहली चीज़, जितनी अधिक व जैसी परिष्कृत मात्रा में होगी, वह व्यक्ति उतना ही अधिक व वैसा ही परिष्कृत आविष्कर्ता होगा । एक संस्कृत व्यक्ति किसी नयी चीज़ की खोज करता है; किंतु उसकी संतान को वह अपने पूर्वज से अनायास ही प्राप्त हो जाती है। जिस व्यक्ति की बुद्धि ने अथवा उसके विवेक ने किसी भी नए तथ्य का दर्शन किया, वह व्यक्ति ही वास्तविक संस्कृत व्यक्ति है और उसकी संतान जिसे अपने पूर्वज से वह वस्तु अनायास ही प्राप्त हो गई है, वह अपने पूर्वज की भाँति सभ्य भले ही बन जाए, संस्कृत नहीं कहला सकता। एक आधुनिक उदाहरण लें। न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत का आविष्कार किया। वह संस्कृत मानव था। आज के युग का भौतिक विज्ञान का विद्यार्थी न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण से तो परिचित है | लेकिन उसके साथ उसे और भी अनेक बातों का ज्ञान प्राप्त है जिनसे शायद न्यूटन अपरिचित ही रहा। ऐसा होने पर भी हम आज के भौतिक विज्ञान के विद्यार्थी को न्यूटन की अपेक्षा अधिक सभ्य भले ही कह सके; पर न्यूटन जितना संस्कृत नहीं कह सकते।

(1) संस्कृत व्यक्ति की संतान को अपने पूर्वजों से अनायास प्राप्त होता है?

(क) धार्मिक संस्कार (ख) खोजी गयी नई चीज़ (ग) रीति रिवाज (घ) बनाई गई चीज़

उत्तर -(ख) खोजी गयी नई चीज़

(2) निम्न कथनों के अनुसार सही विकल्प का चयन कीजिए-

कथन (A) - संस्कृत व्यक्ति नई चीज़ की खोज करता है।

कथन (R) - बुद्धि व विवेक से नए तथ्य का दर्शन करने वाला संस्कृत व्यक्ति है।

(क) कथन A सही है

(ख) कारण (R) सही है |

(ग) कथन (A) कारण (R) सही व्याख्या है |

(घ) कथन (A) कारण (R) सही व्याख्या नहीं है |

उत्तर - (ग) कथन (A) कारण (R) सही व्याख्या है |

(3) संस्कृत मानव कौन होता है?

(क) नई खोज करने वाला (ख) बनाने वाला

(ग) उद्योग करने वाला (घ) नई चीज़ को प्राप्त करने वाला

उत्तर - (क) नई खोज करने वाला |

(4) गुरुत्वाकर्षण की खोज करने वाला न्यूटन था

(क) सभ्य मानव (ख) धार्मिक मानव (ग) संस्कृत मानव (घ) सभी विकल्प सही है |

उत्तर - (ग) संस्कृत मानव

(5) i - नई खोज करने वाला व्यक्ति संस्कृत कहलाता है।

ii - न्यूटन से अधिक जानने वाला विद्यार्थी सभ्य है।

iii - सभ्य मानव संस्कृत मानवनहीं होता है।

(क) कथन ii कथन i पर निर्भर है |

(ख) कथन iii कथन i व ii निर्भर है |

(ग) कथन i व iii कथन ii पर निर्भर है |

(घ) कथन i व ii तथा iii सही नहीं है |

उत्तर - (ख) कथन iii कथन i व ii निर्भर है |

लघुत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

प्रश्न- 3 निम्नलिखित में से किन्ही चार प्रश्नों का उत्तर 40 शब्दों में दीजिये -

1-लेखक की दृष्टि में सभ्यता और संस्कृति शब्दों की सही समझ अब तक क्यों नहीं बन पाई '

उत्तर- लेखक की दृष्टि में सभ्यता और संस्कृति शब्दों की सही समझ अब तक इसलिए नहीं बन पाई। क्योंकि लोग सभ्यता और संस्कृति शब्दों का प्रयोग तो खूब करते हैं पर वे इनके अर्थ के बारे में भ्रमित रहते हैं। वे इनके अर्थ को जाने-समझे बिना मनमाने ढंग से इनका प्रयोग करते हैं। इन शब्दों के साथ भौतिक और आध्यात्मिक विशेषण लगाकर इन्हें और भी भ्रामक बना देते हैं। ऐसी स्थिति में लोग इनका अर्थ अपने-अपने विवेक से लगा लेते हैं। इससे स्पष्ट है कि इन शब्दों के सही अर्थ की समझ अब तक नहीं बन पाई है।

2-आग की खोज एक बहुत बड़ी खोज क्यों मानी जाती है? इस खोज के पीछे रही प्रेरणा के मुख्य स्रोत क्या रहे होंगे?

उत्तर-आग की खोज एक बहुत बड़ी खोज इसलिए मानी जाती है क्योंकि इससे मनुष्य की जीवन शैली और खानपाने में बहुत बदलाव आया। दूसरे मनुष्य के पेट की ज्वाला अधिक सुविधाजनक ढंग से शांत होने लगी। इससे उसका भोजन स्वादिष्ट बन गया तथा उसे सरदी भगाने का साधन मिल गया। इसके अलावा प्रकाश और आग का भय दिखाने से जंगली जानवरों के खतरे में कमी आई। आग ने मनुष्य के सभ्य बनने का मार्ग भी प्रशस्त किया। इसकी खोज के पीछे रही प्रेरणा के मुख्य स्रोत पेट की ज्वाला, सरदी से मुक्ति, प्रकाश की चाहत तथा जंगली जानवरों के खतरे में कमी लाने की चाहत रही होगी।परदादी का बहू की पहली संतान लड़की के रूप में मन्नत माँगना गैर रवायती किस प्रकार था ?

3-वास्तविक अर्थों में संस्कृत व्यक्ति किसे कहा जाता है?

उत्तर-वास्तविक अर्थों में संस्कृत व्यक्ति उसे कहा जा सकता है जो अपना पेट भरा होने तथा तन ढंका होने पर भी निठल्ला नहीं बैठता है। वह अपने विवेक और बुद्धि से किसी नए तथ्य का दर्शन करता है और समाज को अत्यंत उपयोगी आविष्कार देकर उसकी सभ्यता का मार्ग प्रशस्त करता है। उदाहरणार्थ न्यूटन संस्कृत व्यक्ति था जिसने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत की खोज की। इसी तरह सिद्धार्थ ने मानवता को सुखी देखने के लिए अपनी सुखसुविधा छोड़कर जंगल की ओर चले गए

4-न्यूटन को संस्कृत मानव कहने के पीछे कौन से तर्क दिए गए हैं? न्यूटन द्वारा प्रतिपादित सिद्धांतों एवं ज्ञान की कई दूसरी बारीकियों को जानने वाले लोग भी न्यूटन की तरह संस्कृत नहीं कहला सकते, क्यों?

उत्तर-न्यूटन को संस्कृत मानव कहने के पीछे यह तर्क दिया गया है कि न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत संबंधी नए तथ्य का दर्शन किया और इस सिद्धांत की खोज किया। नई चीज़ की खोज करने के कारण न्यूटन संस्कृत मानव था।कुछ लोग जो न्यूटन के पीढ़ी के हैं वे न्यूटन के सिद्धांत को जानने के अलावा अन्य बहुत-सी उन बातों का ज्ञान रखते हैं जिनसे न्यूटन सर्वथा अनभिज्ञ था, परंतु उन्हें संस्कृत मानव इसलिए नहीं कहा जा सकता है

क्योंकि उन्होंने न्यूटन की भाँति किसी नए तथ्य का आविष्कार नहीं किया। ऐसे लोगों को संस्कृत मानव नहीं बल्कि सभ्य मानव कहा जा सकता है।

5-किन महत्त्वपूर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सुई-धागे का आविष्कार हुआ होगा ?

उत्तर-सुई-धागे का आविष्कार जिन दो महत्त्वपूर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किया गया वे हैं

- अपने शरीर को शीत और उष्ण मौसम से सुरक्षित रखने के लिए कपड़े सिलने हेतु।
- मनुष्य द्वारा सुंदर दिखने की चाह में अपने शरीर को सजाने के लिए क्योंकि इससे पूर्व वह छाल एवं पेड़ के पत्तों से यह कार्य किया करता था।

प्रश्न- 5 निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों का उत्तर 50 शब्दों में दीजिए -

1- मानव संस्कृति एक अविभाज्य वस्तु है।" निम्न दो प्रसंगों का उल्लेख कीजिए जब

(क) मानव संस्कृति को विभाजित करने की चेष्टाएँ की गईं।

(ख) जब मानव संस्कृति ने अपने एक होने का प्रमाण दिया।

उत्तर-

(क) समय-समय ऐसी कुचेष्टाएँ की गईं जब मानव-संस्कृति को धर्म और संप्रदाय में बाँटने का प्रयास किया गया। कुछ असामाजिक तत्व तथा धर्म के तथा कथित ठेकेदारों ने हिंदू-मुस्लिम सांप्रदायिकता का जहर फैलाने का प्रयास कर मानव संस्कृति को बाँटने की कुचेष्टा की। इन लोगों ने अपने भाषणों द्वारा दोनों वर्गों को भड़काने का प्रयास किया। इनके त्योहारों पर भी एक-दूसरे को उकसाकर धार्मिक भावनाएँ भड़काने का प्रयास किया। वे मस्जिद के सामने बाजा बजाने और ताजिए के निकलते समय पीपल की डाल कटने पर संस्कृति खतरे में पड़ने की बात कहकर मानव संस्कृति विभाजित करने का प्रयास करते रहे।

(ख) मानव-संस्कृति के मूल में कल्याण की भावना निहित है। इस संस्कृति में अकल्याणकारी तत्वों के लिए स्थान नहीं है। समय-समय पर लोगों ने अपने कार्यों से इसका प्रमाण भी दिया; जैसे

1. भूखे व्यक्ति को लोग अपने हिस्से को भोजन खिला देते हैं।
2. बीमार बच्चे को अपनी गोद में लिए माँ सारी रात गुजार देती है।
3. कार्ल मार्क्स ने आजीवन मजदूरों के हित के लिए संघर्ष किया।
4. लेनिन ने अपनी डेस्क की ब्रेड भूखों को खिला दिया।
5. सिद्धार्थ मानव को सुखी देखने के लिए राजा के सारे सुख छोड़कर ज्ञान प्राप्ति हेतु जंगल की ओर चले गए।

2- आशय स्पष्ट कीजिए

(क) मानव की जो योग्यता उससे आत्मविनाश के साधनों का आविष्कार कराती है, हम उसे उसकी संस्कृति कहें या असंस्कृति?

उत्तर-संस्कृति का कल्याण की भावना से गहरा नाता है। इसे कल्याण से अलग कर नहीं देखा जा सकता है। यह भावना मनुष्य को मानवता हेतु उपयोगी तथ्यों का आविष्कार करने के लिए प्रेरित करती है। ऐसे में कोई व्यक्ति जब आत्मविनाश के साधनों की खोज करता है और उससे आत्मविनाश करता है तब यह असंस्कृति बन जाती है। ऐसी संस्कृति में जब कल्याण की भावना नहीं होती है तब वह असंस्कृति का रूप ले लेती है।

3- लेखक ने अपने दृष्टिकोण से सभ्यता और संस्कृति की एक परिभाषा दी है। आप सभ्यता और संस्कृति के बारे में। क्या सोचते हैं, लिखिए।

उत्तर-लेखक द्वारा अपने दृष्टिकोण से सभ्यता और संस्कृति की निम्नलिखित परिभाषा दी गई है।

संस्कृति -संस्कृत मानव द्वारा किया गया ऐसा कोई आविष्कार या नए तथ्य का ज्ञान, जो मनुष्य के लिए कल्याणकारी होता है, उसे संस्कृति कहते हैं। संस्कृति त्याग की भावना से मजबूत एवं समृद्ध होती है। संस्कृति का संबंध मनुष्य के भीतर (मन) से है।

सभ्यता - संस्कृति का परिणाम सभ्यता कहलाता है। हमारे खान-पान का ढंग, जीने-मरने का तरीका, लड़ने-झगड़ने का ढंग, पहनने-ओढ़ने की कला आवागमन के साधन और ढंग सब हमारी सभ्यता है। यह मनुष्य की बाहरी वस्तु है।

पद्य खंड

पद्य खंड

१ - पद (सूरदास)

1. पाठ का सारांश :-

कृष्ण ने मथुरा जाने के बाद स्वयं न लौटकर उद्धव के जरिए गोपियों के पास संदेश भेजा था, उन्होंने निर्गुण ब्रहम एवं योग का उपदेश देकर गोपियों की विरह वेदना को शांत करने का प्रयास किया| गोपियाँ ज्ञान मार्ग की बजाय प्रेम मार्ग को पसंद करती थीं | इस कारण उन्हें उद्धव का शुष्क प्रेम संदेश पसंद नहीं आया, तभी वहाँ एक भौंरा आ पहुँचा | यहीं से भ्रमरगीत का प्रारंभ होता है | गोपियों ने भ्रमर के बहाने उद्धव पर व्यंग्य बाण छोड़े | पहले पद में गोपियों की यह शिकायत वाजिब लगती है कि यदि उद्धव कभी स्नेह के धागे से बँधे होते तो वे विरह की वेदना को अनुभूत अवश्य कर पाते | दूसरे पद में गोपियों की यह स्वीकारोक्ति कि उनके मन की अभिलाषा, मन में ही रह गई | कृष्ण के प्रति उनके प्रेम की गहराई को अभिव्यक्त करती हैं | तीसरे पद में उद्धव की योग साधना को कड़वी ककड़ी जैसा बताकर अपनी प्रेम-भावना में विश्वास प्रकट करती हैं | चौथे पद में उद्धव को ताना मारती हैं कि कृष्ण ने अब राजनीति पढ़ ली है | अंत में गोपियों द्वारा उद्धव को राजधर्म (प्रजा का हित) याद दिलाया जाना सूरदास की लोकधर्मिता को दर्शाता है |

2. पठित पद्यांश:-

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए ---

5x1=5

हमारे हरि हारिल की लकरी ॥
मन क्रम बचन नंद-नंदन उर , यह दृढ़ करि पकरी ।
जगत सोवत स्वप्न दिवस निसि, कान्ह-कान्ह जकरी
सुनत जोग लागत है ऐसो, ज्यों करुई ककरी ।
सु तौ व्याधि हमकौ लै आए , देखी सुनी न करी ।
यह तौ 'सूर' तिनहि लै सौंपौ , जिनके मन चकरी ।

क) पद में श्रीकृष्ण की तुलना किससे की गई है ?

1) कबूतर 2) हारिल 3) कोयल 4 (हंस

उत्तर- 2) हारिल

ख) गोपियाँ किसके प्रेम में बंध गई हैं ?

1) कृष्ण के 2) उद्धव के 3) संगीत प्रेम में 4) राधा के

उत्तर- 1) कृष्ण के

ग) गोपियों को योग संदेश कैसा लग रहा है ?

अ) लकड़ी के समान ब) कड़वी ककड़ी के समान स) मीठा गन्ना के समान

द) बीमारी के समान

1)अ और ब सही हैं 2) अ और स सही हैं 3) ब और द सही हैं 4) चारों विकल्प सही हैं

उत्तर- 3) ब और द सही हैं

घ) गोपियों ने योग संदेश को किनके लिए उपयुक्त बताया है ?

अ) जिनका मन स्थिर है ब) जिनका मन चंचल है स) श्रीकृष्ण के लिए
द) उद्धव के लिए

1)अ और ब सही हैं 2) ब और स सही हैं 3) ब और द सही हैं 4) चारों विकल्प सही हैं

उत्तर-2) ब और स सही हैं

ड.) उक्त पद के कवि कौन हैं ?

1) तुलसीदास 2) सूरदास 3) देवदास
4) कबीरदास

उत्तर- 2) सूरदास

3.बहुविकल्पीय प्रश्न:-

प्रश्न (1) उद्धव कृष्ण का कौन-सा संदेश लेकर आए थे?
(क) प्रेम-संदेश (ख) अनुराग-संदेश (ग) योग-संदेश (घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न (2) कृष्ण की संगति में रहकर भी कौन उनके प्रेम से अछूते रहे हैं?
(क) उद्धव (ख) गोपियाँ (ग) राधा (घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न (3) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपर्युक्त विकल्प चुनिये -
कथन (A) गोपियाँ कहती हैं कि उद्धव, तुम तो कमल के उस पत्ते के समान हो जो जल में रहता है परंतु फिर भी जल के दाग उस पर नहीं लगते हैं।
कारण (R) उद्धव ने श्रीकृष्ण रूपी प्रेम की नदी के साथ रहते हुए भी उसमें अपना पैर तक नहीं डुबाया है।
(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत है।
(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
(घ) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

प्रश्न (4) गोपियों को अकेला छोड़कर कृष्ण कहाँ चले गए थे?
(क) ब्रज (ख) द्वारका (ग) मथुरा (घ) वृन्दावन

प्रश्न (5) गोपियों को कृष्ण का व्यवहार कैसा प्रतीत होता है?
(क) उदार (ख) छलपूर्ण (ग) निष्ठुर (घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न (6) गोपियाँ स्वयं को क्या समझती हैं?
(क) डरपोक (ख) निर्बल (ग) अबला (घ) साहसी

प्रश्न (7) गोपियाँ किसके प्रेम में आसक्त हो गई हैं?
(क) उद्धव-प्रेम (ख) कृष्ण-प्रेम (ग) संगीत-प्रेम (घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न (8) इनमें से किस पक्षी की तुलना गोपियों से की गई है?
(क) कोयल (ख) मोर (ग) हारिल (घ) चकोर

प्रश्न (9) किसने प्रेम की मर्यादा का उल्लंघन किया है?
(क) गोपियों ने (ख) उद्धव ने (ग) राजा ने (घ) कृष्ण ने

प्रश्न (10) कृष्ण का योग-संदेश लेकर कौन आए थे?
(क) उद्धव (ख) बलराम (ग) सेवक (घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न (11) श्रीकृष्ण के कहाँ चले जाने पर गोपियाँ विरह संतप्त हो गई ?
(क) आगरा (ख) ब्रज (ग) मथुरा (घ) उपर्युक्त सभी
प्रश्न (12) गोपिकाएँ श्रीकृष्ण पर दोष लगाते हुए क्या कहती हैं?
(क) श्रीकृष्ण ने प्रेम के बदले प्रेम का प्रतिदान नहीं किया
(ख) श्रीकृष्ण ने प्रेम के बदले प्रेम का प्रतिदान किया
(ग) श्रीकृष्ण ने लोकमर्यादा का निर्वहन किया है
(घ) श्रीकृष्ण हमेशा हम लोगों का ध्यान रखते हैं
प्रश्न (13) योग संदेश को सुनकर गोपियों की क्या दशा हुई ?
(क) वे खुश हो गई (ख) विरहाग्नि कम हो गई (ग) वे संतुष्ट हो गई (घ) विरहाग्नि बढ़ गई
प्रश्न (14) 'हारिल की लकड़ी' के माध्यम से गोपिकाएँ अपने किस प्रेम को प्रकट करती हैं?
(क) बहुनिष्ठ प्रेम को (ख) निर्गुण प्रेम को (ग) एकनिष्ठ प्रेम (घ) उपर्युक्त कोई नहीं
प्रश्न (15) गोपिकाओं को योग संदेश कैसा लगता है ?
(i) कड़वी ककरी के सामान (ii) कड़वी नीम के सामान
(iii) तीखी मिर्च के सामान (iv) खट्टा दही के सामान
(क) केवल i सही (ख) केवल i व iii सही (ग) केवल i व ii सही (घ) केवल iii व iv सही |
प्रश्न (16) गोपियाँ योग का संदेश किनके लिए उपयुक्त मानती हैं?
(क) जिनका मन स्थिर है (ख) जो एकाग्रचित हैं
(ग) जिनका मन चक्र के समान घूमता रहता है (घ) जिनका भौरे के समान है
प्रश्न (17) गोपिकाएँ किसे राजनीति में पारंगत बताती हैं ?
(क) श्रीकृष्ण (ख) उद्धव (ग) बलराम (घ) सुदामा
प्रश्न (18) हारिल पक्षी का रंग कैसा होता है ?
(क) पीला (ख) लाल (ग) बैगनी (घ) हरा
प्रश्न (19) हारिल किस जाति का पक्षी है?
(क) कबूतर की जाति का (ख) गिद्ध की जाति का
(ग) बाज की जाति का (घ) उपर्युक्त कोई नहीं
प्रश्न (20) क्षितिज पुस्तक में दिए गए सूरदास के पद पाठ के चारो दोहे कहाँ से लिए गए हैं?
(क) सूरसारावली के भ्रमरगीत से (ख) सूरसारावली के भंवरगीत से
(ग) सूरसागर के भ्रमरगीत से (घ) सूरसागर के भंवरगीत से
प्रश्न (21) गोपिकाएँ बड़भागी कहकर किसे संबोधित की है?
(क) श्री कृष्ण को (ख) उद्धव को (ग) ब्रजवासियों को (घ) इंद्र को
प्रश्न (22) गोपिकाएँ योग मार्ग के स्थान पर किस मार्ग को स्वीकार करती हैं?
(क) प्रेम मार्ग को (ख) योग मार्ग (ग) हठ मार्ग को (घ) उपर्युक्त सभी
प्रश्न (23) गोपिकाओं ने उद्धव को क्या नहीं कहा है?
(क) बड़भागी (ख) कमल का पत्ता (ग) तेल लगी गगरी (घ) बहुत क्रोधी
प्रश्न (24) सूरदास के पद की भाषा क्या है?

(क) अवधी (ख) खड़ी बोली (ग) ब्रजभाषा (घ) मैथिली

प्रश्न (25) उद्धव गोपियों की विरह वेदना को शांत करने का प्रयास कैसे करते हैं?

(क) तरह-तरह की बातें बताकर (ख) ब्रह्म एवं योग का उपदेश देकर

(ग) सगुण ब्रह्म का उपदेश देकर (घ) उपर्युक्त सभी

प्रश्न (26) भ्रमरगीत किस जीव से संबंधित है?

(क) कौआ (ख) तोता (ग) भेड़ (घ) भौरा

प्रश्न (27) श्रीकृष्ण ने अपना संदेश किससे भिजवाया है?

(क) इन्द्र (ख) गणेश (ग) उद्धव (घ) उपर्युक्त सभी

प्रश्न (28) 'प्रीति-नदी मैं पाऊँ न बोरयो' पंक्ति में कौन अलंकार है?

(क) उपमा (ख) रूपक (ग) अनुप्रास (घ) श्लेष

प्रश्न (29) गोपिकाएँ श्रीकृष्ण के प्रेम में किस प्रकार अनुरक्त हैं?

(क) चींटियों की भाँति (ख) मछलियों की भाँति (ग) खरगोश की भाँति (घ) उपर्युक्त सभी

प्रश्न (30) गोपियाँ किसके सहारे तन-मन का कष्ट सह रही हैं?

(क)उद्धव के (ख)दूध-दही के (ग)श्रीकृष्ण द्वारा लौटने के लिए दिए गए समय के (घ)यादों के

उत्तर संकेत :- (1)(ग), (2)(क), (3)(ग), (4)(ग), (5) (ग), (6)(ग), (7)(ख), (8)(ग), (9)(घ), (10)(क), (11)(ग), (12)(क), (13)(घ), (14)(ग), (15)(क), (16)(ग), (17)(क), (18)(घ), (19)(क), (20) (ग), (21)(ख), (22)(क), (23)(घ), (24)(ग), (25)(ख), (26)(घ), (27)(ग), (28)(ख), (29)(क), (30)(ग) |

4. लघु प्रश्न :-

प्रश्न 1-गोपियों द्वारा उद्धव को भाग्यवान कहने में क्या व्यंग्य निहित है?

उत्तर- गोपियाँ उद्धव को भाग्यवान कहते हुए व्यंग्य कसती हैं कि श्री कृष्ण के सानिध्य में रहते हुए भी वे श्री कृष्ण के प्रेम से सर्वथा मुक्त रहे। वे कैसे श्री कृष्ण के स्नेह व प्रेम के बंधन में अभी तक नहीं बंधे?, श्री कृष्ण के प्रति कैसे उनके हृदय में अनुराग उत्पन्न नहीं हुआ? अर्थात् श्री कृष्ण के साथ कोई व्यक्ति एक क्षण भी व्यतीत कर ले तो वह कृष्णमय हो जाता है। परन्तु ये उद्धव तो उनसे तनिक भी प्रभावित नहीं है प्रेम में डूबना तो अलग बात है।

प्रश्न 2- उद्धव के व्यवहार की तुलना किस-किस से की गई है?

उत्तर- गोपियों ने उद्धव के व्यवहार की तुलना निम्नलिखित उदाहरणों से की है -

(1) गोपियों ने उद्धव के व्यवहार की तुलना कमल के पत्ते से की है जो नदी के जल में रहते हुए भी जल की ऊपरी सतह पर ही रहता है। अर्थात् जल का प्रभाव उस पर नहीं पड़ता। श्री कृष्ण का सानिध्य पाकर भी वह श्री कृष्ण के प्रभाव से मुक्त हैं।

(2) वह जल के मध्य रखे तेल के गागर (मटके) की भाँति हैं, जिस पर जल की एक बूँद भी टिक नहीं पाती। उद्धव पर श्री कृष्ण का प्रेम अपना प्रभाव नहीं छोड़ पाया है, जो ज्ञानियों की तरह व्यवहार कर रहे हैं।

प्रश्न 3- गोपियों ने किन-किन उदाहरणों के माध्यम से उद्धव को उलाहने दिए हैं ?

उत्तर- गोपियों ने निम्नलिखित उदाहरणों के माध्यम से उद्धव को उलाहने दिए हैं -

(1) कमल के पत्ते जो नदी के जल में रहते हुए भी जल के प्रभाव से मुक्त रहता है।

(2) जल के मध्य रखी तेल की मटकी, जिस पर पानी की एक बूँद भी टिक पाती।
(3) कड़वी ककड़ी जो खा ली जाए तो गले से नीचे नहीं उतरती।
(4) प्रेम रुपी नदी में पाँव डुबाकर भी उद्धव प्रभाव रहित हैं।

प्रश्न 4- गोपियों ने उद्धव से योग की शिक्षा कैसे लोगों को देने की बात कही है?

उत्तर- गोपियों के अनुसार योग की शिक्षा उन्हीं लोगों को देनी चाहिए जिनकी इन्द्रियाँ व मन उनके बस में नहीं होते। जिस तरह से चकरी घूमती रहती है उसी तरह उनका मन एक स्थान पर न रहकर भटकता रहता है। परन्तु गोपियों को योग की आवश्यकता है ही नहीं क्योंकि वह अपने मन व इन्द्रियों को श्री कृष्ण के प्रेम के रस में डुबो चुकी हैं। वे इन सबको श्री कृष्ण में एकाग्र कर चुकी हैं। इसलिए उनको इस योग की शिक्षा की आवश्यकता नहीं है।

प्रश्न 5 . 'सु तौ व्याधि हमकौ ले आए,देखि सुनी न करी' गोपियाँ किस व्याधि की बात कर रही है? उसकी क्या-क्या विशेषताएँ है?

उत्तर - गोपियाँ इस पंक्ति में योग रूपी व्याधि की बात कर रही है जो उद्धव लेकर आए है। उद्धव प्रेम-मार्ग पर चलने वाली गोपिकाओं को ज्ञान-मार्ग पर चलने के लिए कहते है। जबकि गोपियों को ज्ञान मार्ग की अपेक्षा प्रेम-मार्ग सरल और सहज लगता है।

प्रश्न 6: प्रस्तुत पदों के आधार पर गोपियों का योग-साधना के प्रति दृष्टिकोण स्पष्ट करें।

उत्तर: सूरदास द्वारा रचित इन पदों में गोपियों की कृष्ण के प्रति एक निष्ठ प्रेम, भक्ति, आसक्ति और स्नेहमयता प्रकट हुई है जिस पर किसी अन्य का असर अप्रभावित रह जाता है | गोपियों पर श्री कृष्ण के प्रेम का रंग ऐसा चढ़ा है कि खुद कृष्ण का भेजा योग संदेश कड़वी ककड़ी और रोग व्याधि के समान लगता है|

२-राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद

1.पाठ का सारांश:-

राम लक्ष्मण परशुराम संवाद रामचरित मानस से लिया गया है। यह प्रसंग सीता जी के स्वयंवर के समय का है। श्री राम, शिव जी का धनुष उठाकर उसे तोड़ देते हैं, तो सारे संसार में इस बात की चर्चा आग की तरह फैल जाती है। जब यह बात परशुराम जी के कानों तक जाती है और उन्हें पता चलता है कि उनके गुरुदेव शिव जी का धनुष किसी ने तोड़ दिया है, वो अपने आपे से बाहर हो जाते हैं। वो धनुष तोडने वाले व्यक्ति का वध करने के लिए सीता जी के स्वयंवर वाली सभा में आ जाते हैं। उसके बाद राम - लक्ष्मण - परशुराम जी के बीच जो बात होती है, उसका वर्णन यहाँ दिया हुआ है।

2. पठित पद्यांश:-

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए ----
(5x1=5)

सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा । सहसबाहु सम सो रिपु मोरा॥
सो बिलगाउ बिहाइ समाजा । न त मारे जैहहिं सब राजा ॥
सुनि मुनिबचन लखन मुसुकाने । बोले परसुधरहि अवमाने ॥
बहु धनुहि तोरी लरिकाईं । कबहुँ न असि रिसि किन्ही गोसाईं ॥
येहि धनु पर ममता कहि हेतू । सुनि रिसाई कह भृगुकुलकेतू ॥

1) शिवधनुष को किसने तोड़ा ?
क) राम जी ने ख) लक्ष्मण ने ग) परशुराम ने घ) विश्वामित्र जी ने

2) 'अन्यथा सारे राजा मारे जाएँगे'- परशुराम ने ऐसा क्यों कहा ?

क) अगर राजा चुप रहते हैं ।   ख) अगर सभा से धनुष तोड़ने वाले को अलग न किया गया ।
ग) उत्तर न देने पर।   घ) सभा में बोलने पर।

3) मुनि के वचन सुनकर लक्ष्मण क्या करने लगे ?
क) चिल्लाने लगे   ख) मुस्काने लगे   ग) रोने लगे   घ) गुस्सा करने लगे ।

4) पद्यांश के अनुसार लक्ष्मण ने बचपन में क्या किया ?
क) फूल तोड़े   ख) फल तोड़े   ग) धनुष तोड़े   घ) मटके फोड़े ।

5) प्रस्तुत पद कौन सी भाषा में है ?
क) ब्रज   ख) अवधी   ग) मैथिली   घ) खड़ी बोली

3.बहुविकल्पीय प्रश्न:-

1) रामपरशुराम संवाद पाठ किस ग्रंथ से गया है-लक्ष्मण- ?
क) रामायण   ख) रामचरित मानस   ग) महाभारत   घ) गीता
उत्तर= (ख)

2) शिव धनुष तोड़ने वाले को परशुराम ने किसके समान अपना शत्रु बताया है ?
क) सहश्रबाहु के समान   ख) लक्ष्मण के समान   ग) अ एवं ब दोनों   घ) इनमे से कोई नही
उत्तर= (क)

3) विश्वामित्र के अनुसार साधु किसके दोषों को मन में धारण नहीं करते?
(क) वृद्धों के   (ख) युवकों के   (ग) स्त्रियों के   (घ) बालकों के
उत्तर= (घ). बालकों के

4) 'आपके व्यवहार को संसार में कौन नहीं जानता?' ये शब्द किसने किसके प्रति कहे हैं?
(क) राम ने लक्ष्मण के प्रति   (ख) लक्ष्मण ने परशुराम के प्रति
(ग) जनक ने राम के प्रति   (घ) परशुराम ने विश्वामित्र के प्रति
उत्तर= (ख) लक्ष्मण ने परशुराम के प्रति

5) परशुराम किसे अपना गुरु मानते हैं?
(क) हनुमान को   (ख) शिवजी को   (ग) विश्वामित्र को   (घ) ब्रह्मा को
उत्तर= (ख) शिवजी को

6) परशुराम गुरु के ऋण से कैसे उऋण होना चाहते थे?
(क) धनुष को जोड़कर   (ख) ऋण चुकाकर   (ग) गुरु की भक्ति करके   (घ) धनुष तोड़ने वाले का वध करके
उत्तर=(घ) . धनुष तोड़ने वाले का वध करके

7) लक्ष्मण को शांत रहने के लिए किसने कहा?
(क) श्रीराम जी व राजा जनक ने कहा   (ख) विश्वमित्र व राजा जनक ने कहा   (ग) रामजी व प्रजा ने कहा
(घ) केवल राम जी ने कहा।
उत्तर-(घ) केवल राम जी ने कहा

8) 'हे नाथ! शिव-धनुष को तोड़ने वाला तुम्हारा ही कोई दास होगा।" ये शब्द किसने किसको कहे हैं?
(क) लक्ष्मण ने राम को (ख) राम ने परशुराम को (ग) जनक ने परशुराम को
(घ) हनुमान ने जनक को
विकल्प-
(क).क व ख दोनो सही है (ख) केवल क, घ,ख सही है
(ग) केवल ग सही है। (घ) केवल घ सही है
उत्तर= (ग). केवल ग सही है।
9) किसने स्वयंवर में पहुँचकर सबको धमकी दी थी?
(क) शिवजी व श्रीराम ने (ख) श्रीराम ने व लक्ष्मण ने (ग) केवल परशुराम ने।
(घ) केवल श्रीराम ने
उत्तर= (घ).केवल परशुराम ने
10) तुलसीदास ने 'भृगु कुल के ध्वज' किसे कहा है?
(क) श्रीराम को (ख) राजा जनक को (ग) परशुराम को
(घ) रावण को
उत्तर= (घ) परशुराम को
11) परशुराम के क्रोध को किसने शांत करने का प्रयास किया था?
(क) राजा जनक ने (ख) श्रीराम ने (ग) विश्वामित्र ने
(घ) लक्ष्मण ने
उत्तर= (ख) श्रीराम ने
12) परशुराम अपने-आपको किस कुल का द्रोही (दुश्मन) कहते हैं?
(क) ब्राहमण (ख) क्षत्रिय (ग) वैश्य
(घ) शूद्र
उत्तर = क्षत्रिय
13) 'कटुवादी' का अर्थ है----
(क) कर्कश बोलने वाला (ख) मीठा बोलने वाला (ग) कटु बोलने वाला (घ) कुछ न बोलने वाला
उत्तर= (ग) कटु बोलने वाला
14) परशुराम किसके ऋण से मुक्त होने की बात कह रहे हैं?
(क) पितृ ऋण (ख) देव ऋण (ग) मातृ ऋण
(घ) गुरु ऋण
उत्तर= (घ) गुरु ऋण
15) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपर्युक्त विकल्प चुनिये -

कथन (A) परशुराम का क्रोध अग्नि की तरह भड़क उठा था|
कारण (R) लक्ष्मण के उत्तर आहुति का काम कर रहे थे|
(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत है।
(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।
उतर= (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
16) लक्ष्मण ने परशुराम के वचनों की तुलना किससे की है?
(क) वज्र से (ख) शहद से (ग) मिर्ची से
(घ) कोयल से
उतर= (क) वज्र से
17) विश्वमित्र क्रोधित होने पर भी लक्ष्मण को बिना मारे क्यों छोड़ देते हैं?
(क) लक्ष्मण की वीरता देखकर (ख) विश्वमित्र के शील और स्वभाव को देखकर
(ग) राजा जनक के निवेदन करने पर (घ) अन्य राजाओं की प्रार्थना पर
उतर= (ख) विश्वमित्र के शील और स्वभाव को देखकर
18) सीता स्वयंवर में किसका धनुष तोडा गया था?
(क) राम का (ख) परशुराम का (ग) लक्ष्मण का
(घ) शिव का
उतर= (घ) शिव का
19) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपर्युक्त विकल्प चुनिये -
कथन (A) रघुकुल में देवता, ब्राह्मण, भक्त और गायों पर वीरता नहीं दिखाई जाती|
कारण (R) लक्ष्मण परशुराम के अपशब्दों को सहन करने के लिए तैयार हैं|
(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत है।
(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
(घ) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।
उतर= (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

20) सही जोड़े का चयन कीजिए|
(क) राम-भृगु (ख) परशुराम- दशरथ ग) लक्ष्मण-जनक
(घ) विश्वमित्र-गाधि
उतर= (घ) विश्वमित्र-गाधि
4. लघु प्रश्न :-
1 परशुराम ने सेवक और शत्रु के बारे में क्या कहा है ?
उत्तर- परशुराम ने सेवक और शत्रु के बारे में कहा कि सेवक वह होता है जो सेवा का कार्य करे तथा अपने कार्य से अपने स्वामी को प्रसन्न रखे । यदि शत्रु के समान कार्य करते हुए क्रोध को भड़काता है तो उसके साथ लड़ाई ही की जाती है ।
2)- परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष टूट जाने के लिए कौन कौन से तर्क दिए?
उत्तर- परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने तर्क देते हुए कहा कि हमने बचपन में बहुत धनुष तोड़े हैं। इसको तोड़ने पर आपको क्रोध क्यों आया? क्या आपकी इस धनुष के प्रति अधिक ममता थी? हमारी दृष्टि में तो सारे धनुष समान है। दूसरा यह धनुष अत्यधिक पुराना था जो श्रीराम के छूने मात्र से ही टूट गया। भला इसमें श्रीराम का क्या दोष?

3)- परशुराम के क्रोध करने पर राम और लक्ष्मण की जो प्रतिक्रियाएँ हुई उनके आधार पर दोनों के स्वभाव की विशेषताएँ अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर- परशुराम के क्रोध करने पर राम और लक्ष्मण की जो प्रतिक्रियाएँ हुई उनके आधार पर कहा जा सकता है कि श्री राम स्वभाव से अत्यंत सरल, शांत एवं गंभीर थे। इतना ही नहीं, श्री राम ने अपनी मधुर वाणी से लक्ष्मण को चुप रहने के लिए भी कहा। दूसरी ओर लक्ष्मण उग्र स्वभाव के थे। उन्होंने अपने कटु वाक्यों से परशुराम के क्रोध को भड़का दिया।

प्रश्न- 4 लक्ष्मण और परशुराम के संवाद का जो अंश आपको सबसे अच्छा लगा उसे अपने शब्दों में संवाद शैली में लिखिए।

उत्तर- परशुराम- शिवजी का धनुष तोड़ने का दुस्साहस किसने किया है?

राम इस शिवजी के !हे नाथ - धनुष को तोड़ने वाला अवश्य ही आपका कोई दास ही होगा।

परशुराम- सेवक वह होता है जो सेवा का कार्य करे| किन्तु जो सेवक शत्रु के समान व्यवहार करे उससे तो लड़ना पड़ेगा| जिसने भी धनुष तोड़ा है वह मेरे लिए दुश्मन है और तुरंत सभा से बाहर चला जाए अन्यथा यहाँ उपस्थित सभी राजा मारे जाएँगे|

प्रश्न- 5 लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या-क्या विशेषताएँ बताईं ?

उत्तर- लक्ष्मण ने वीर योद्धा की निम्नलिखित विशेषताएँ बताई:-

i) वीर योद्धा रणभूमि में वीरता दिखाता है। अपना गुणगान नहीं करता।

ii)कायर ही अपनी शक्ति की डींगें हाँकता है।युद्धभूमि में वीरों की वीरता ही उनकी प्रसिद्धि का आधार होती है।

प्रश्न- 6 साहस और शक्ति के साथ विनम्रता हो तो बेहतर है। इस कथन पर अपने विचार लिखिए।

उत्तर- शास्त्र में कहा गया है कि विनम्रता सदा पुरुषों को शोभा देती है। कमजोर और कायर व्यक्ति का विनम्र होना, उनका गुण नहीं, अपितु उनकी मजबूरी है क्योंकि वह किसी को हानि नहीं पहुँचा सकता। दूसरी ओर जब कोई शक्तिशाली व्यक्ति दीन दुखियों की सहायता करता है अथवा उनका सम्मान करता है तो वह उसका महान गुण बन जाता है।

प्रश्न- 7 भाव स्पष्ट कीजिए

बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी॥
पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारू। चहत उड़ावन फूँकि पहारू॥

उत्तर- इसपर लक्ष्मण हँसकर और थोड़े प्यार से कहते हैं कि मैं जानता हूँ कि आप एक महान योद्धा हैं। लेकिन मुझे बार बार आप ऐसे कुल्हाड़ी दिखा रहे हैं जैसे कि आप किसी पहाड़ को फूँक मारकर उड़ा देना चाहते हैं। ऐसा कहकर लक्ष्मण एक ओर तो परशुराम का गुस्सा बढ़ा रहे हैं और शायद दूसरी ओर उनकी आँखों पर से परदा हटाना चाह रहे हैं।

ख) इहाँ कुम्हड़बतिया कोई नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं॥
देखि कुठारु सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना॥

उत्तर- मैं कोई कुम्हड़े की बतिया नहीं हूँ जो तर्जनी अंगुली दिखाने से ही कुम्हला जाती है। मैंने तो कोई भी बात ऐसी नहीं कही जिसमें अभिमान दिखता हो। फिर भी आप बिना बात के ही कुल्हाड़ी की तरह अपनी जुबान चला रहे हैं। इस चौपाई में लक्ष्मण ने कटाक्ष का प्रयोग करते हुए परशुराम को यह बताने की कोशिश की है के वे लक्ष्मण को कमजोर समझने की गलती नहीं करें।

ग) गाधिसूनु कह हृदय हसि मुनिहि हरियरे सूझ। अयमय खाँड़ न ऊखमय अजहुँ न बूझ अबूझ॥

उत्तर- ऐसा सुनकर विश्वामित्र मन ही मन हँसे और सोच रहे थे कि इन मुनि को सबकुछ मजाक लगता है। यह बालक फौलाद का बना हुआ और ये किसी अबोध की तरह इसे गन्ने का बना हुआ समझ रहे हैं। विश्वामित्र को परशुराम की अनभिज्ञता पर तरस आ रहा है। परशुराम को शायद राम और लक्ष्मण के प्रताप के बारे में नहीं पता है।

प्रश्न- 8 पाठ के आधार पर तुलसी के भाषा सौंदर्य पर दस पंक्तियाँ लिखिए ।

उत्तर- तुलसीदास जी ने अपने काव्य में अवधी भाषा का प्रयोग किया है| तुलसीदास कवि और भक्त होने के साथ महान विद्वान भी थे| उनकी काव्य रचना व्याकरण की दृष्टि से शुद्ध एवं सफल है| उन्होंने तत्सम शब्दों के साथ साथ तद्भव शब्दों का भी प्रयोग किया है| लोक प्रचलित मुहावरे और लोकोक्तियाँ का प्रयोग देखते ही बनता है।

प्रश्न- 9 इस पूरे प्रसंग में व्यंग्य का अनूठा सौंदर्य है। उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- प्रस्तुत पदों के अध्ययन से पता चलता है कि लक्ष्मण के कथन में गहरा व्यंग्य छिपा हुआ है। लक्ष्मण परशुराम से कहते हैं कि श्री राम ने इस धनुष को छुआ ही था कि यह टूट गया। परशुराम की डींगो को सुनकर लक्ष्मण पुनः कहते हैं कि हे मुनि! आप अपने आप को एक बड़ा योद्धा समझते हैं और फूँक मारकर पहाड़ उड़ाना चाहते हैं। हम भी कोई छुईमुई के पेड़ नहीं है जो अंगुली के इशारे से मुरझा जाए। आपने धनुष-बाण व्यर्थ ही धारण किए हुए हैं क्योंकि आपका एक वचन ही करोड़ों वज्रों के समान है।

3-आत्मकथ्य (जयशंकर प्रसाद)

1.पाठ का सारांश :-

आत्मकथ्य' कविता में प्रसाद जी ने आत्मकथा लेखन के विषय में अपनी मनोभावनाएँ व्यक्त की हैं। प्रसाद जी के मित्रों और प्रशंसकों ने उनसे आत्मकथा लिखने का अनुरोध किया था। इस अनुरोध के उत्तर में प्रसाद जी ने इस कविता की रचना की। यह रचना 'हंस' पत्रिका के आत्मकथा विशेषांक में प्रकाशित हुई थी। प्रसाद जी अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहते हैं कि मैं अपनी आत्मकथा कैसे लिखूँ ? मेरा जीवन दुर्बलताओं की कहानी है। एक खाली गगरी के समान है। उसमें ऐसा कुछ भी उल्लेखनीय नहीं है जिसे मैं मित्रों और प्रशंसकों से साझा कर सकूँ। कहीं ऐसा न हो कि मेरी आत्मकथा सामने आने पर मेरे मित्र मेरी दयनीय दशा के लिए स्वयं को दोषी समझने लगें। अपनी भूलों और अपने साथ हुए धोखों की कहानी सुनाकर मैं अपनी सरलता की हँसी करना नहीं चाहता।कवि कहता है कि वह अपने जीवन के मधुर क्षणों की कहानी नहीं सुनना चाहता। उसके सुख के सपने कभी साकार नहीं हुए। सुख उसकी बाँहों में आते-आते दूर हो गया। आज वह उन मधुर स्मृतियों के सहारे ही अपने जीवन को बिता रहा है। मित्र मुझसे आत्मकथा लिखवाकर मेरी कटु स्मृतियों को क्यों उधेड़ना चाहते हैं?अपनी कथा सुनाने से तो यही अच्छा हैं कि मैं औरों की कथाएँ मौन होकर सुनता रहूँ। मेरी भोली आत्मकथा सुनकर कोई क्या करेगा। कवि नहीं चाहता है कि आत्मकथा लिखकर वह अपनी भूली हुई पीड़ा को जगाए।इन आत्मकथाओं को सार्वजनिक करके क्या मिलता है? इन कथाओं को सुनाकर लोग अपने ही ऊपर व्यंग्य करते है। स्वयं को उपहास का पात्र बनाते हैं।

2. पठित पद्यांश:-

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए ----

(5x1=5)

मधुप गुनगुनाकर कह जाता कौन कहानी यह अपनी|
मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी|
इस गम्भीर अनंत नीलिमा में असंख्य जीवन इतिहास|

यह लो, करते ही रहते हैं अपना व्यंग्य मलिन उपहास|
तब भी कहते हो - कह डालूँ दुर्बलता अपनी बीती|
तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे- यह गागर रीती|
किन्तु कहीं ऐसा न हो कि तुम ही खाली करने वाले-
अपने को समझो, मेरा रस ले अपनी भरने वाले|
यह विडंबना! अरी सरलते! तेरी हँसी उड़ाऊँ मैं
भूलें अपनी या प्रवंचना औरों की दिखलाऊँ मैं

1. 'गागर रीती' का क्या आशय है?

(क) उपलब्धियों से रहित जीवन (ख) खाली घड़ा (ग) रेत से भरी गगरी (घ) दुःख से भरा जीवन

उत्तर- (क)

2. 'मुरझाकर गिरती पत्तियों' से क्या अर्थ निकलता है?

(क) पतझड़ का मौसम (ख) जीवन की नश्वरता (ग) जीवन में खुशियाँ आना (घ) सूखा पड़ जाना

उत्तर- (ख)

3. असंख्य जीवन इतिहासों का क्या हश्र होता है?

(क) अमर हो जाते हैं (ख) पुरस्कृत होते हैं (ग) उपहास के पात्र होते हैं (घ) प्रसिद्ध होते हैं

उत्तर- (ग)

4. (A) कथन - कवि द्वारा पूरी ईमानदारी से आत्मकथा लिखने पर मित्र बुरा मान सकते हैं|
(R) कारण - कवि के मित्रों ने कई बार विश्वासघात करके उनकी खुशियाँ छीनीं हैं|

(क) कथन(A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत है
(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है
(घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है

उत्तर - (ग)

5. कवि आत्मकथा लेखन को अपने भोलेपन का मज़ाक क्यों मानता है?

(क) आत्मकथा पसंद न होने के कारण (ख) लोगों के व्यवहार के कारण
(ग) सपना टूट जाने के कारण (घ) अपनी कमजोरियाँ दर्शाने के कारण

उत्तर- (घ)

3.बहुविकल्पीय प्रश्न:-

1. 'विडंबना' में छिपा अर्थ बताइए।

(क) दुर्भाग्य (ख) निराशा और उपहास दोनों (ग) छल
(घ) कातर

उत्तर - (ख)

2. कवि कैसा स्वप्न देखकर जाग गया ?

(क) डरावना (ख) सुखद स्वप्न (ग) दुःखद स्वप्न (घ) ऐसा स्वप्न जिसकी उन्हें प्राप्ति ही नहीं हुई

उत्तर - (घ)

3. कवि ने भोर को कैसा माना है ?

(I) सुखद (II) सुहावना (III) प्रेम और लाली से युक्त (IV) उपर्युक्त सभी

नीचे दिए गए सही विकल्प का चयन करें -

(क) केवल (I) सही है (ख) (I) और (II) विकल्प सही है

(ग) केवल (I) और (III) सही है (घ) उपरोक्त सभी

उत्तर - (घ)

4. कवि अपने जीवन की सुखद स्मृति को किस रूप में देखता है ?

(क) पाथेय अर्थात् जीवन का एक सहारा (ख) दुःखी कर देने वाले पल के रूप में

(ग) अपनी पत्नी के रूप में (घ) अपनी प्रेयसी के रूप में

उत्तर - (क)

5. 'सीवन' को उधेड़ने का अर्थ क्या है?

(क) हृदय को चीरकर दिखाना (ख) दिल को ठेस पहुँचाना

(ग) मन में छिपी पुरानी बातों को फिर से याद करना (घ) दूध का दूध पानी का पानी कर देना

उत्तर - (ग)

6. 'कथा' का प्रयोग कवि ने किसके लिए किया है?

(क) अपने मित्रों के लिए (ख) अपने जीवन इतिहास के लिए

(ग) अपने अंतर्मन के लिए (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (ख)

7. (A) कथन - 'छोटे से जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज कहूँ' |

(R) कारण - कवि ने अपने छोटे से जीवन में कोई बड़ी उपलब्धि प्राप्त नहीं की है इसलिए सबके सम्मुख नहीं प्रकट करना चाहता है |

(क) कथन(A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत है

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है

(घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है

उत्तर - (ग)

8. कवि ने अपनी कथा को कैसा माना है ?

(क) टेढ़ी (ख) भोली और सीधी-साधी (ग) रहस्यमय (घ) प्रेरणाप्रद

उत्तर - (ख)

9. कवि की मौन व्यथा हृदय में क्या कर रही है ?

(क) थककर सो रही है (ख) हृदय को पीड़ित कर रही है

(ग) किसी भूचाल की प्रतीक्षा कर रही है (घ) जागने का इंतजार कर रही है

उत्तर - (क)

10. जयशंकर प्रसाद किस वाद के प्रवर्तक कवि थे ?

(I) छायावाद (II) प्रयोगवाद (III) प्रगतिवाद (IV) हालावाद

नीचे दिए गए सही विकल्प का चयन करें -

(क) केवल (I) सही है (ख) (I) और (II) विकल्प सही है

(ग) केवल (I) और (III) सही है (घ) उपरोक्त सभी

उत्तर - (क)

11. प्रसाद जी का जन्म कब और कहाँ हुआ ?

(क) सन् 1889 में लखनऊ में (ख) सन् 1836 में काशी में

(ग) सन् 1889 में काशी में (घ) सन् 1903 में छपरा में

उत्तर - (ग)

12. 'पत्तियों का मुरझाना' किस ओर संकेत करता है?

(क) सूखे की ओर (ख) पेड़ के सूखने की ओर

(ग) मन में उत्पन्न दुःख और आनंद के भावों के मिट जाने की ओर (घ) मृत्यु की ओर

उत्तर - (ग)

13. कवि ने 'असंख्य जीवन इतिहास' किसे कहा है ?

(क) मानव मन में उत्पन्न विचार (ख) महापुरुषों की दास्तान

(ग) इतिहास के अनेक ग्रंथ (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (ख)

14. 'रीती गागर' का प्रतीकार्थ क्या है?

(क) भरा घड़ा (ख) विचार-शून्य मन (ग) अपशकुन का प्रतीक (घ) अभावग्रस्त जीवन का प्रतीक

उत्तर - (घ)

15.'अरी सरलते' के प्रयोग से कवि का क्या भाव प्रकट हुआ है?

(क) अपनत्व का भाव (ख) विद्वेष का भाव (ग) अनासक्ति का भाव (घ) निर्लिप्तता का भाव

उत्तर - (क)

16. कवि किसे याद करके दुखी था ?

(क) अपने बचपन को (ख) अपने वर्तमान को (ग) अपने दुख भरे अतीत को (घ) पारिवारिक जीवन

उत्तर - (ग)

17. मधुप किसे कहा गया है ?

(क) मन रूपी भौंरे को (ख) भौंरे को (ग) शहद पीने वाले को (घ) इनमें से कोई नहीं ।

नीचे दिए गए सही विकल्प का चयन करें -

(क) केवल (I) सही है (ख) (I) और (II) विकल्प सही है

(ग) केवल (I) और (III) सही है (घ) इनमें से कोई नही

उत्तर - (क)

18. (A) कथन - पत्तियों का मुरझाना निराशा की ओर संकेत करता है |

(R) कारण - पेड़ों पर पत्तियाँ बहुत घनी हो गई थीं||

(क) कथन(A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत है

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है

(घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है

उत्तर - (घ)

19. कवि ने यहाँ अपने जीवन के किस पक्ष का उल्लेख किया है ?

(क) सुखद पक्ष का (ख) दुःखद पक्ष का (ग) बचपन का (घ) वृद्धावस्था का

उत्तर - (ख)

20.'खिलखिलाकर हँसते होने वाली बातें' किन्हें कहा है -

(क) हँसी मजाक युक्त बात को (ख) हँसकर कहने वाली बात को

(ग) खुशियों से युक्त बात को (घ) दुखों से युक्त बात को

उत्तर - (ग)

4. लघु प्रश्न :-

कवि मन रूपी भौरें से क्या कह रहा है ?|

उत्तर: कभी मन रूपी भंवरे से कहता है कि मेरे मन! तू गुनगुना कर कौन सी कहानी कहने को कह रहा है? मेरे जीवन को सुख पहुंचाने वाली खुशियां एक-एक करके मेरा साथ छोड़ कर चली गई है । मेरा जीवन अनंत अभाव और असफलताओं से भरा हुआ है। इसमें ऐसा कुछ भी नहीं है, जिसे सुनकर लोग प्रेरित हो सके ।

कवि जयशंकर प्रसाद ने चाँदनी रातों की गाथा को उज्जवल क्यों कहा है?

उत्तर: कवि जयशंकर प्रसाद ने चांदनी रातों की गाथा को उज्जवल कहा है, क्योंकि तब उसकी प्रिया उसके साथ ही और उन रातों में हंसते-खिलखिलाते हुए प्रिया के साथ बातें होती थीं। उसने अपनी प्रेमिका के साथ जो क्षण व्यतीत किए वह उज्जवल अर्थात सुख प्रदान करने वाले थे।

"सीवन को उधेड़ कर देखोगे क्यों मेरी कंथा की ?" पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए |

उत्तर: प्रस्तुत पंक्ति के माध्यम से कवि ने दूसरों के जीवन की लोगों से बातों को जानने के लिए उत्सुक लोगों पर व्यंग्य किया है। कभी प्रश्न करता है कि यदि उसने अपने असफल प्रेम की कथा को उद्घाटित किया, तो जिस प्रकार लोग कथा अर्थात रजाई की सीवन अर्थात सिलाई उधेड़ कर उसके भीतर की वस्तुओं को जानने का प्रयास करते हैं, उसी प्रकार तुम भी क्या मेरी असफल प्रेम कथा का सीवन उधेड़ कर उसकी गहराइयों में जाने का प्रयास करोगे ? और मुझे उपहास का पात्र बनाओगे।

कवि अपने दिल खोलकर क्यों नहीं दिखाना चाहता?

उत्तर: कवि अपने दिल को खोलकर इसलिए नहीं दिखाना चाहता, क्योंकि उसके जीवन में सुख के पल कभी नहीं आए। उसके इस छोटे से जीवन में अभावों से भरी बड़ी-बड़ी कथाएँ हैं, जिन्हें वह किसी से नहीं कहना चाहता। कभी अपने जीवन की दुर्बलताओं को नहीं कहना चाहता, क्योंकि उसे सुनकर किसी को भी सुख प्राप्त नहीं होगा, अपितु वह उनके मध्य हंसी का पात्र बनेगा।

'आत्मकथ्य' कविता में कवि जयशंकर प्रसाद ने अपनी कथा न कहने के क्या कारण बताए?

उत्तर: (i) दुनिया में संवेदनहीन लोग बहुत हैं, जो दूसरों के दुखों का मजाक उड़ाते हैं। कवि जीवन भी अनेक दु:खों से भरा है और वह उनका मजाक बनाना नहीं चाहता है।

(ii) उसका जीवन भी एक सामान्य व्यक्ति की तरह सामान्य सा ही है, जिसमें ना अधिक रोचकता है और ना ही प्रेरित करने की क्षमता।

(iii) कवि आत्मकथा कहकर अपने साथ छल कपट करने वालों का पर्दाफाश करना नहीं चाहता, क्योंकि ना तो इसे कभी को लाभ है और ना दूसरों को ।

प्रसाद जी ने अपनी कविता का शीर्षक 'आत्मकथा' न लिखकर 'आत्मकथ्य' क्यों रखा है ?

उत्तर: आत्मकथा में जीवन के आरंभ से लेकर लिखने के समय तक का वर्णन होता है । आत्मकथ्य का अर्थ हैं -स्वयं के बारे में कहने योग्य । प्रस्तुत कविता में कवि ने संपूर्ण जीवन वृतांत ना बताकर, अपने जीवन के बारे में बहुत संक्षेप में उन्हीं पक्षों को स्पष्ट किया है, जिन्हें वह कहने योग्य समझता है, इसलिए इस कविता का शीर्षक आत्मकथा की जगह 'आत्मकथ्य' रखा गया है ।

जयशंकर प्रसाद के जीवन के कौन-से अनुभव उन्हें आत्मकथा लिखने से रोकते हैं ?

उत्तर: कभी अपनी आत्मकथा लिखने से इसलिए बचना चाहता है, क्योंकि उसका मानना है कि उसने अपने जीवन में कोई ऐसी उपलब्धि प्राप्त नहीं की है, जिसे वह दुनिया के सामने ला सके । उसके जीवन की कथा तो एक सामान्य व्यक्ति के जीवन की कथा है । उसमें ऐसा विशेष कुछ नहीं है,जिससे लोग प्रेरणा प्राप्त कर सकें ।

प्रस्तुत काव्यांश के आधार पर कवि के व्यक्तित्व का वर्णन कीजिए |

उत्तर: प्रस्तुत काव्यांश में कवि जयशंकर प्रसाद के भावुक, निष्कपट, सीधे-साधे व सरल गुणों से धनी व्यक्तित्व का पता चलता है । जो न तो अपने जीवन के निजी पलों को उजागर करके हँसी का पात्र बनना चाहता है और न ही दूसरों के छल-कपटपूर्ण आचरण को उजागर कर उन्हें निंदा का पात्र बनाना चाहता है ।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न-उत्तर -

प्रश्न 1. कवि ने जो सुख का स्वप्न देखा था उसे कविता में किस रूप में अभिव्यक्त किया है?

उत्तर- कवि ने जो सुख का स्वप्न देखा था, कविता में उसकी अभिव्यक्ति इस प्रकार है-कवि की प्रेमिका अत्यंत सुंदर थी। उसका रूप-सौंदर्य प्रात:कालीन उषा से भी बढ़कर था। कवि को उसके रूप-सौंदर्य को सान्निध्य अल्पकाल के लिए ही मिल सका। उसकी प्रेमिका सुख की अल्पकालिक मुसकान बिखेरकर उसके जीवन से दूर हो गई। इससे कवि की चिरकाल तक सुख पाने की कामना अपूर्ण रह गई । कवि ने इस व्यथा को दबाना तो चाहा पर कविता में वह प्रकट हो ही गई|

जिसके अरुण-कपोलों की मतवाली सुंदर छाया में।
अनुरागिनी उषा लेती थी निज सुहाग मधुमाया में ।।
उज्ज्वल गाथा कैसे गाऊँ, मधुर चाँदनी रातों की।

प्रश्न 2. आत्मकथा सुनाने के संदर्भ में 'अभी समय भी नहीं ' कवि ऐसा क्यों कहता है?

उत्तर- 'अभी समय भी नहीं' कवि ने ऐसा इसलिए कहा है क्योंकि कवि को लगता है कि उसने जीवन में अब तक कोई ऐसी उपलब्धि नहीं हासिल की है जो दूसरों को बताने योग्य हो तथा उसकी दुख और पीड़ा इस समय शांत है अर्थात् वह उन्हें किसी सीमा तक भूल गया है और इस समय उन्हें याद करके दुखी नहीं होना चाहता है।

प्रश्न 3. भाव स्पष्ट कीजिए -

(क) मिला कहाँ वह सुख जिसका मैं स्वप्न देखकर जाग गया।
आलिंगन में आते-आते मुसक्या कर जो भाग गया|

(ख) जिसके अरुण कपोलों की मतवाली सुंदर छाया में।
अनुरागिनी उषा लेती थी निज सुहाग मधुमाया में।

उत्तरउक्त पंक्तियों का भाव यह है कि कवि भी अन्य लोगों की भाँति सुखमय जीवन बिताना(क)- चाहता था पर परिस्थिति वश सुखमय जीवन की यह अभिलाषा उसकी इच्छा बनकर ही गई। सुख पाने का उसे अवसर

भी मिला पर वह हाथ आतेआते रह गया अर्थात् उसकी पत्नी की मृत्यु हो जाने से वह सुखी जीवन का आनंद अधिक दिनों तक न पा सका।

लप्रेयसी अत्यंत सुंदर थी। उसके कपो कवि की (ख) इतने लाल, सुंदर और मनोहर थे कि प्रातकालीन उषा भी अपना सौंदर्य बढ़ाने के लिए लालिमा इन्हीं कपोलों से लिया करती थी। अर्थात् उसकी पत्नी के कपोल उषा से भी बढ़कर सौंदर्यमयी थे।

4-उत्साह (सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला')

1.पाठ का सारांश :-

प्रस्तुत कविता एक आह्वान गीत है। इसमें कवि बादल से घनघोर गर्जन के साथ बरसने की अपील कर रहे हैं। बादल बच्चों के काले घुंघराले बालों जैसे हैं। कवि बादल से बरसकर सबकी प्यास बुझाने और गरज कर सुखी बनाने का आग्रह कर रहे हैं। कवि बादल में नवजीवन प्रदान करने वाली बारिश तथा सबकुछ तहस-नहस कर देने वाला वज्रपात दोनों देखते हैं इसलिए वे बादल से अनुरोध करते हैं कि वह अपने कठोर वज्रशक्ति को अपने भीतर छुपाकर सब में नई स्फूर्ति और नया जीवन डालने के लिए मूसलाधार बारिश करे।

आकाश में उमड़ते-घुमड़ते बादल को देखकर कवि को लगता है कि वे बेचैन से हैं तभी उन्हें याद आता है कि समस्त धरती भीषण गर्मी से परेशान है इसलिए आकाश की अनजान दिशा से आकर काले-काले बादल पूरी तपती हुई धरती को शीतलता प्रदान करने के लिए बेचैन हो रहे हैं। कवि आग्रह करते हैं कि बादल खूब गरजे और बरसे और सारे धरती को तृप्त करे।

अट नहीं रही है (सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला')

प्रस्तुत कविता में कवि ने फागुन का मानवीकरण चित्र प्रस्तुत किया है। फागुन यानी फ़रवरी-मार्च के महीने में वसंत ऋतु का आगमन होता है। इस ऋतु में पुराने पत्ते झड़ जाते हैं और नए पत्ते आते हैं। रंग-बिरंगे फूलों की बहार छा जाती है और उनकी सुगंध से सारा वातावरण महक उठता है। कवि को ऐसा प्रतीत होता है मानो फागुन के साँस लेने पर सब जगह सुगंध फैल गयी हो। वे चाहकर भी अपनी आँखे इस प्राकृतिक सुंदरता से हटा नहीं सकते।

इस मौसम में बाग़-बगीचों, वन-उपवनों के सभी पेड़-पौधे नए-नए पत्तों से लद गए हैं, कहीं यहीं लाल रंग के हैं तो कहीं हरे और डालियाँ अनगिनत फूलों से लद गई हैं जिससे कवि को ऐसा लग रहा है जैसे प्रकृति देवी ने अपने गले में रंग बिरंगे और सुगन्धित फूलों की माला पहन रखी हो। इस सर्वव्यापी सुंदरता का कवि को कहीं ओऱ-छोर नजर नही आ रहा है इसलिए कवि कहते हैं कि फागुन की सुंदरता अट नही रही है।

2. पठित पद्यांश:-

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए ---

5x1=5

बादल , गरजो !
घेर घेर घोर गगन , धाराधर ओ !
ललित ललित , काले घुंघराले ,
बाल कल्पना के-से पाले ,
विद्युत छबि उर में , कवि नवजीवन वाले !
वज्र छिपा , नूतन कविता
फिर भर दो - बादल गरजो !
विकल विकल , उन्मन थे उन्मन

विश्व के निदाघ के सकल जन,
आए अज्ञात दिशा से अनंत के घन !
तप्त धरा , जल से फिर
शीतल कर दो बादल , गरजो !

1. कवि बादलों का आह्वान क्यों कर रहा है?
क. गरजने के लिए
ख. बिजली चमकाने के लिए
ग. प्रकृति को नवजीवन प्रदान करने के लिए
घ. जल का अपार प्रवाह लाकर प्रलय करने के लिए
उत्तर- (ग) प्रकृति को नवजीवन प्रदान करने के लिए

2. 'धाराधर' शब्द का क्या तात्पर्य है?
क. बादल
ख. पर्वत
ग. नदी
घ. सागर
उत्तर- (क) बादल

3. आकाश में फैले बादल कैसे लग रहे हैं?
क. धुएँ की तरह
ख. बर्फ की तरह
ग. घने बालों की तरह
घ. बच्चों की कल्पना की तरह
उत्तर- (घ) बच्चों की कल्पना की तरह

4. बादलों के अपने ह्रदय में किसकी छवि है?
क. पानी की धारा की
ख. बिजली की चमक की
ग. कठोर वज्र की
घ. नूतन कविता की
उत्तर- (घ) बिजली की चमक की

5. 'बादलों की गर्जना' किस बात की प्रतीक है?
क. क्रांति की
ख. क्रोध की
ग. युद्ध की
घ. विनाश की
ङ. उत्तर- (क) क्रांति की

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए ---
5x1=5

अट नहीं रही है
आभा फागुन की तन

सट नहीं रही है।
कहीं साँस लेते हो,
घर-घर भर देते हो,
उड़ने को नभ में तुम
पर-पर कर देते हो,
आँख हटाता हूँ तो
हट नहीं रही है।
पत्तों से लदी डाल
कहीं हरी, कहीं लाल,
कहीं पड़ी है उर में
मंद गंध पुष्प माल,
पाट-पाट शोभा श्री
पट नहीं रही है।

1. कविता में किसकी सुन्दरता की बात कही गई है?

क. आकाश की
ख. पृथ्वी की
ग. तारों की
घ. फागुन की

उत्तर- (घ) फागुन की

2. 'साँस लेने' का क्या अर्थ है?

क. हवा में फैली फूलों की खुशबू
ख. प्राणायाम करना
ग. ऑक्सीजन ग्रहण करना
घ. फूलों को सूँघना

उत्तर- (क) हवा में फैली फूलों की खुशबू

3. कवि की नजरें फागुन के सौन्दर्य से हट क्यों नहीं रही हैं?

क. वह ध्यान में मग्न है
ख. वह पलक नहीं झपका पा रहा
ग. वह फागुन को देखकर अभिभूत है
घ. वह फागुन के सौन्दर्य को समझना चाहता है

उत्तर- (ग) वह फागुन को देखकर अभिभूत है

4. 'कल्पनाओं की उड़ान' किस पंक्ति से अभिव्यक्त होती है?

क. घर-घर भर देते हो
ख. पर-पर कर देते हो
ग. पत्तों से लदी डाल
घ. पाट-पाट शोभा-श्री

उत्तर- (ख) पर-पर कर देते हो

5. कविता में किस ऋतु का वर्णन है?

क.   वसंत

ख.   शरद

ग.   हेमंत

घ.   शिशिर

उत्तर- (क) वसंत

3.बहुविकल्पीय प्रश्न:-

1.   उत्साह गीत किसको संबोधित है?

(क) बादल   (ख) किताब   (ग) खेल   (घ) गीत

उत्तर- (क) बादल

2.   धाराधर किसका समानार्थी है ?

(क) समुद्र   (ख) बारिश   (ग) बादल   (घ) इनमे से कोई नहीं

उत्तर- (ग) बादल

3.   नूतन शब्द का शाब्दिक अर्थ होता है ?

(क) कौन   (ख) भूल   (ग) फूल   (घ) नया

उत्तर- (घ) नया

4.   कविता में बादलों को किस रूप में देखा गया है ?

(क) आक्रमणकारी   (ख) क्रोधी   (ग) क्रांतिदूत   (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (ग) क्रांतिदूत

5.   वज्र शब्द का क्या अर्थ होता है ?

(क) बीज   (ख) बादल   (ग) कठोर   (घ) इनमे से कोई नहीं

उत्तर- (ग) कठोर

6.   बादल किस दिशा से आए है ?

(क) पूरब   (ख) पश्चिम   (ग) उत्तर   (घ) अज्ञात

उत्तर- (घ) अज्ञात

7.   निराला बादल को किसका प्रतीक मानते हैं ?

(क) क्रांति   (ख) खिलौने   (ग) बारिश   (घ) इनमे से कोई नहीं

उत्तर- (क) क्रांति

8.   कवि ने बादल का आह्वान क्यों किया है?

(क) गर्जन और वर्षा करने के लिए   (ख) मधुर राग सुनाने के लिए

(ग) खेल दिखाने के लिए   (घ) छाया करने के लिए

उत्तर- (क) गर्जन करने के लिए

9.   'तप्त धरा' का सांकेतिक अर्थ क्या है?

(क) गर्म धरती   (ख) सूखी धरती

(ग) दुखों से पीड़ित धरती   (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (ग) दुखों से पीड़ित धरती

10.   कवि बादल की 'गर्जन' के द्वारा क्या करना चाहता है?

(क) समाज में भय और आलस्य   (ख) समाज में उत्साह और क्रांति

(ग) समाज में आलस्य   (घ) समाज में कायरता और डर

उत्तर- (ख) समाज में उत्साह और क्रांति

11. निम्नलिखित में से कौन सा आभा का पर्याय है ?

(क) आइना (ख) आरती (ग) चमक (घ) चमेली

उत्तर- (ग) चमक

12. अट का शाब्दिक अर्थ होता है ?

(क) आटा (ख) समाना (ग) प्रविष्ट (घ) ख और ग दोनों

उत्तर- (ख) समाना

13. अट नहीं रही कविता में किस महीने की सुंदरता का वर्णन किया गया है?

(क) फागुन (ख) चैत्र (ग) वैशाख (घ) आषाढ़

उत्तर- (क) फागुन

14. उर का क्या अर्थ होता है ?

(क) ऊन (ख) पेट (ग) हृदय (घ) इनमे से कोई नहीं

उत्तर- (ग) हृदय

15. सकल का अर्थ होता है ?

(क) चेहरा (ख) चाँद (ग) गर्मी (घ) सारे

उत्तर- (घ) सारे

16. कवि के अनुसार घर-घर में क्या भर जाता है?

(क) धुआँ (ख) जल (ग) सुगंध (घ) वर्षा का पानी

उत्तर- (ग) सुगंध

17. फागुन मास में कौन-सी ऋतु होती है?

(क) वर्षा (ख) बसंत (ग) ग्रीष्म (घ) सर्दी

उत्तर- (ख) बसंत

18. बादल के आने के पूर्व प्राणियों की मनोदशा कैसी है उत्साह कविता के आधार पर बताइए।

(क) निराश और हताश (ख). प्रसन्न भी और दुखी भी

(ग) मस्ती और मजेदार (घ) धूप के कारण छुट्टियों की प्रसन्नता

उत्तर- (क) निराश और हताश

19. कविता 'अट नहीं रही है' में किस ऋतु के प्राकृतिक सौंदर्य का चित्रण किया गया है?

(क) ग्रीष्म ऋतु (ख) वर्षा ऋतु (ग) शरद ऋतु (घ) वसंत ऋतु

उत्तर- (घ) वसंत ऋतु

20. कवि ने 'निदाघ' अर्थात् भीषण गर्मी से किसकी ओर इशारा किया है?

(क) अधिक गर्मी (ख) सांसारिक कष्ट (ग) असफलता (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (ख) सांसारिक कष्ट

21. कविता में जल का बरसना किसका प्रतीक है?

(क) बारिश होना (ख) शांति और सुख की स्थापना (ग) प्यास बुझना (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (ख) शांति और सुख की स्थापना

22. किस महीने में चारों तरफ हरियाली छा जाती है?

(क) फागुन (ख) ज्येष्ठ (ग) वैशाख (घ) चैत्र

उत्तर-(क) फागुन

23. बादल अपने गर्जन-तर्जन से किसे घेर लेता है?

(क) समुद्र को (ख) पृथ्वी को (ग) आकाश को (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (ग) आकाश को

24. फागुन मास के कारण लोगों पर के चेहरे क्या है?

(क) मायूसी (ख) डर (ग) दुःख (घ) ख़ुशी

उत्तर-(घ) ख़ुशी

25. बादल को कवि ने गरजने के लिए कहा है, जिससे कि वातावरण में-

(क) जोश और क्रांति फ़ैल सके (ख) गर्मी समाप्त हो सके

(ग) बच्चे डर जाए (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर-(क) जोश और क्रांति फ़ैल सके

26. कवि बादल में किसका स्वर सुनता है ?

(क) रूदन (ख) क्रांति (ग) वेदना (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (ख) क्रांति

27. कवि के अनुसार किसके केश सुंदर, काले और घुँघराले हैं?

(क) यसी केप्रे(ख) बादल के धरती के (ग) (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (क) बादल के

28. कविता में जल का बरसना किसका प्रतीक है ?

(क) बारिश होना (ख) शांति और सुख की स्थापना (ग) प्यास बुझना (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (ख) शांति और सुख की स्थापना

29. कवि ने 'निदाघ' अर्थात् भीषण गर्मी से किसकी ओर इशारा किया है?

(क) अधिक गर्मी (ख) सांसारिक कष्ट (ग) असफलता (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (ख) सांसारिक कष्ट

30. बादल को कवि ने गरजने के लिए कहा है, जिससे कि वातावरण में-

(क) जोश और क्रांति फ़ैल सके (ख) गर्मी समाप्त हो जाए (ग) बच्चे डर जाएँ (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (क) जोश और क्रांति फ़ैल सके

4. लघु प्रश्न :-

1. कवि ने उत्साह जगाने के लिए किसका आहवान किया और क्यों ?

उत्तर: कवि ने उत्साह जगाने के लिए बादलों का आहवान किया क्योंकि बादल अपनी गर्जना से आकाश को गुंजायमान करते हुए घनघोर वर्षा से ग्रीष्म काल की सारी निराशा को मिटा देते हैं|

2. कवि ने नवजीवन शब्द का प्रयोग बादलों के लिए क्यों किया होगा, अपने विचार लिखिए ।

उत्तर: ग्रीष्म में मृतप्राय प्रकृति बादलों की छाया में फिर हरी-भरी हो जाती है| धरती से नए अंकुर फूटते हैं और लोगों की प्यास बुझती है| बादल नई कल्पनाएँ जगाते हैं|

3. अट नहीं रही है' कविता में किस ऋतु का वर्णन है और ऐसी कौन-सी चीज है, जो नहीं अट रही है?

उत्तर: 'अट नहीं रही है' कविता में फागुन मास अर्थात् वसंत ऋतु की शोभा एवं मस्ती का वर्णन है। फागुन की शोभा, उसकी आभा सर्वव्यापक है। वह इतनी अधिक है कि प्रकृति और तन-मन में वह समा नहीं पा रही है। फागुन की शोभा, उसकी आभा से सृष्टि का कण-कण शोभायमान है।

4. 'उत्साह' कविता किस प्रकार की रचना है?

उत्तर: 'उत्साह' एक आह्वान गीत है, जिसमें कवि ने बादलों का आह्वान किया है कि वे उत्साहपूर्वक बरसकर जन-जन की व्याकुलता दूर करें। यह आह्वान दो रूपों में अभिव्यक्त हुआ है। कवि चाहता है कि एक ओर बादल गरजकर समाज में क्रांति की चेतना एवं उत्साह का संचार करें। समाज को नवजीवन प्रदान कर गतिशीलता प्रदान करें तथा दूसरे रूप में जल-वर्षा कर गर्मी से पीड़ित धरती एवं लोगों की प्यास बुझाकर उन्हें शीतलता एवं संतुष्टि प्रदान करें।

5. कवि की आँख फागुन की सुंदरता से क्यों नहीं हट रही है?

उत्तर: कवि की आँख फागुन की सुंदरता से इसलिए नहीं हट रही है क्योंकि फागुन मास में प्रकृति का सौंदर्य अपनी चरम सीमा पर है। चारों तरफ़ हरियाली का वातावरण है। पेड़-पौधे, रंग-बिरंगे फूलों एवं पल्लवों से लद गए हैं। शीतल, मंद, सुगंध पवन सुहावने मौसम की सृष्टि कर रही है। सर्वत्र प्रफुल्लता, उल्लास एवं उत्साह का वातावरण है। फागुन के आगमन से प्रकृति नवजीवन से भर उठी है। ऐसे में फागुन का सौंदर्य आँखों में समा नहीं रहा है।

6. 'अट नहीं रही है' कविता में चारों ओर छाई सुंदरता देखकर कवि क्या करना चाहता है?

उत्तर: 'अट नहीं रही है' कविता में चारों तरफ़ छाई सुंदरता को देखकर कवि का मन अभिभूत है। फागुन माह में प्रकृति नव-पल्लव, पुष्पों से सुशोभित हो गई है। हरियाली का वातावरण अनुपम दृश्य की सृष्टि कर रहा है। कवि इस सौंदर्य से अपनी दृष्टि हटा पाने में असमर्थ है। वह इस सौंदर्य को निरंतर निहारता जा रहा है। इस सौंदर्य-दर्शन से वह तृप्त नहीं होता है।

7. 'उत्साह' कविता में 'नव जीवन वाले' किसको कहा गया है और क्यों ?

उत्तर: 'उत्साह कविता में कवि ने 'नव जीवन वाले' बादलों के लिए प्रयुक्त किया है। क्योंकि बादल बरसकर दग्ध पृथ्वी के ताप को शांत करते हैं, प्रकृति में नव-जीवन का संचार करते हैं। बादलों की फुहार प्रकृति में प्रफुल्लता का संचार करती है। पशु, पक्षी, पेड़-पौधे, मनुष्य सभी के जीवन में आनंद एवं उत्साह का संचार होता है। जीवन हरा-भरा एवं उल्लास से परिपूर्ण बन जाता है। इसलिए बादलों को 'नव जीवन वाले' कहना सर्वथा उपयुक्त है।

8. कवि निराला बादल से बरसने के स्थान पर गरजने के लिए क्यों कहते हैं?

उत्तर:कवि समाज में क्रांति और उत्साह की भावना का संचार करना चाहते हैं। वह समाज में परिवर्तन एवं नवजीवन लाना चाहते हैं। इसके लिए वह बादल को क्रांति का सूत्रधार मानते हैं। उसके माध्यम से जोश, उत्साह, पौरुष का संचार करना चाहते हैं। बादल के 'गरजने से ही क्रांति का संदेश जन-जन तक पहुँचेगा। बादल का 'बरसना' उसके शांत रूप का प्रतीक है, जबकि वह बादल के गरजने के साथ क्रांति की चेतना को जागृत करना चाहते हैं। इसलिए वह बादल से बरसने के स्थान पर गरजने को कहते हैं।

9. 'उत्साह' कविता में कौन विकल और उन्मन थे और क्यों?

उत्तर: 'उत्साह' कविता में विश्व के मनुष्य विकल और उन्मन थे, क्योंकि गर्मी निरंतर बढ़ रही थी और बादलों के न बरसने से लोगों में बेचैनी और व्याकुलता बढ़ती जा रही थी। भयंकर गर्मी के कारण सारी धरती जलती-सी प्रतीत हो रही थी।

10. 'पाट-पाट शोभा-श्री पट नहीं रही है।'-पंक्ति किस सन्दर्भ में लिखी गई है?

उत्तर: 'पाट-पाट शोभा-श्री पट नहीं रही है।'-पंक्ति में कवि कवि ने फागुन मास की सुन्दरता का बखान करते हुए कहा है की प्रकृति का हर एक भाग कण-कण शोभायमान हो रहा है तथा इसकी सुन्दरता पूरी प्रकृति के सौन्दर्य को इस प्रकार बढ़ा रही है कि वह प्रकृति में पूर्ण रूपेण समा नहीं पा रही है|

11. 'बाल कल्पना के से पाले' पंक्ति का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: उपर्युक्त पंक्ति का भाव है कि जिस प्रकार बच्चों की कल्पनाएँ पलभर में ही बनती और बिगड़ती हैं उसी प्रकार बादल भी अचानक अज्ञात दिशा से आ जाते हैं और पल भर में ही तिरोहित भी होने लगते हैं |

12. इन कविताओं के आधार पर निराला के काव्य शिल्प की विशेषताएँ बताएँ।

उत्तर - महाकवि सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' जी छायावाद के प्रमुख कवि माने जाते हैं। छायावाद की प्रमुख विशेषताएँ हैं - प्रकृति चित्रण और प्राकृतिक उपादानों का मानवीकरण। अर्थात यह छायावाद के अनुरूप प्रकृति का चित्रण करते हैं ,और प्रकृति में व्याप्त निर्जीव वस्तुओं को एक सजीव वस्तु के रूप में दिखाते हैं। 'उत्साह' और 'अट नहीं रही है' दोनों ही कविताओं में प्राकृतिक उपादानों का चित्रण और मानवीकरण हुआ है। इनकी कविता "उत्साह" इनके समाज के प्रति गहन चिंतन एवं बादलों के मानवीकरण को प्रदर्शित करती है , वहीं दूसरी कविता " अट नहीं रही है " में फागुन मास के समय में आए परिवर्तनों को प्रदर्शित करती है एवं फागुन को एक उत्सुक मनुष्य के रूप में प्रदर्शित करती है, जो इधर-उधर विचरण करना चाहता है। इनकी कविताओं में छायावाद की अन्य विशेषताएँ जैसे गेयता, प्रवाहमयता और अलंकार योजना इत्यादि भी है। निराला जी की कविताओं में खड़ी बोली, जनमानस में व्याप्त शब्दों का सुंदर प्रयोग किया गया है। इनकी कविता समाज में नई चेतना जगाने का प्रयास करती है। भाषा सरल, सहज, सुबोध और प्रवाहमयी है।

13. कविता का शीर्षक उत्साह क्यों रखा गया है ?

उत्तर - बादल भयंकर गर्जना के साथ जब बरसते हैं तो धरती के प्राणियों में एक नई ऊर्जा का संचार हो जाता हैं। लोगों का मन एक बार फिर नये जोश व उत्साह से भर जाता हैं। कवि बादलों के माध्यम से लोगों में उत्साह का सृजन करना चाहते हैं।और एक नई क्रांति लाने के लिए लोगों को उत्साहित करना चाहते हैं। इसलिए इस कविता का शीर्षक "उत्साह" रखा गया है।

14. कविता में बादल किन अर्थों की और संकेत करता है?

उत्तर - इस कविता में बादल निम्न अर्थों की ओर संकेत करते है।

1. बादलों में जल बरसाने की असीम शक्ति होती है जो धरती के प्राणियों में नवजीवन का संचार करते हैं।
2. बादल तपती गर्मी से बेहाल लोगों की प्यास बुझाकर उनको एक नए उत्साह व उमंग से भर देता है।
3. बादल जोरदार ढंग से गर्जना कर लोगों के अंदर की क्रांतिकारी चेतना को जागृत करने का काम करते हैं।
4. बादलों के अंदर नवसृजन करने की असीम शक्ति होती है।

15. शब्दों का ऐसा प्रयोग जिससे कविता के किसी खास भाव या दृश्य में ध्वन्यात्मक प्रभाव पैदा हो, नाद सौन्दर्य कहलाता है| 'उत्साह' कविता में ऐसे कौन-से शब्द हैं, जिनमें नाद-सौन्दर्य मौजूद है| छाँटकर लिखिए|

उत्तर - उत्साह कविता में निम्न पंक्तियों में नाद सौंदर्य दिखाई देता है।

1. घेर घेर घोर गगन , धाराधर ओ !
2. ललित ललित , काले घुंघराले , बाल कल्पना के-से पाले।
3. विद्युत छबि उर में।
4. विकल विकल , उन्मन थे उन्मन।

16. छायावाद की एक खास विशेषता है। अंतर्मन के भावों का बाहर की दुनिया से सामंजस्य बिठाना। कविता की किन पंक्तियों को पढ़कर यह धारणा पुष्ट होती है? लिखिए।

उत्तर- कविता की निम्न पंक्तियों को पढ़कर यह धारणा पुष्ट होती है कि अंतर्मन के भावों का बाहर की दुनिया से सामंजस्य बिठाया गया हैं।

1 . आभा फागुन की तन , सट नहीं रही है।

2 . उड़ने को नभ में तुम , पर-पर कर देते हो।

3 . आँख हटाता हूँ तो , हट नहीं रही है।

17. प्रस्तुत कविता में कवि ने प्रकृति की व्यापकता का वर्णन किन रूपों में किया है?

उत्तर: प्रस्तुत कविता में कवि ने फागुन की सर्वव्यापी सौंदर्य और मादक रूप के प्रभाव को दर्शाया है। पेड़ पौधे में पत्ते पाकर खेल रहे हैं फूलों की खुशबू वातावरण को सुगंधित कर रही है बाग बगीचों में चारों ओर हरियाली छा गई है डालिया कहीं हरी तो कहीं लाल पंक्तियों से भरी हुई हैं।

18. फागुन में ऐसा क्या होता है जो बाकी ऋतुओं से भिन्न होता है?

उत्तर: फागुन बाकी ऋतुओं से निम्नलिखित प्रकार से भिन्न है:

क- इस समय प्रकृति की शोभा अपने चरम पर होती है।

ख- पेड़-पौधे नए पत्तों, फल और फूलों से लद जाते हैं।

ग- हवा सुगंधित हो उठती है।

घ- आकाश स्वच्छ होता है।

ङ- बाग-बगीचों और पक्षियों में उल्लास भर जाता हैं।

5-यह दंतुरित मुस्कान, फसल (नागार्जुन)

1.पाठ का सारांश :-प्रस्तुत कविता “ यह दंतुरित मुसकान ” के कवि नागार्जुन जी हैं। यह दंतुरित मुस्कान कविता में कवि ने एक बच्चे की मुस्कान का बड़ा ही मनमोहक चित्रण किया है। कवि के अनुसार एक बच्चे की मुस्कान को देखकर , हम अपने सब दु:ख भूल जाते हैं और हमारा अंतर्मन प्रसन्न हो जाता है। कवि ने यहाँ बाल - अवस्था में एक बालक द्वारा की जाने वाली नटखट और प्यारी हरकतों का बहुत ही सुन्दर वर्णन किया है। इस कविता में छोटे बच्चे की मन को हरने वाली मुस्कान को देखकर कवि के मन में जो भाव उमड़ते है , उन्हें कवि ने कविता में अनेक बिम्बों के माध्यम से प्रकट किया है।

कठोर मन को भी पिघला देती है। कहने का तात्पर्य यह है कि अगर कोई कठोर हृदय वाला व्यक्ति भी उसकी मुस्कराहट को देख ले तो वह भी अपने आप को मुस्कुराने से नहीं रोक पाएगा। कवि बताते हैं कि इस छोटे-छोटे नए दाँतों वाली मुस्कराहट की मोहकता तब और बढ़ जाती है जब उसके साथ नज़रों का तिरछापन जुड़ जाता है। कहने का तात्पर्य यह है कि जब कोई बालक किसी व्यक्ति को नहीं पहचानता है तो उसे सीधी नज़रों से नहीं देखता , लेकिन एक बार पहचान लेने के बाद वो उसे टकटकी लगाकर देखता रहता है|

फसल

सुप्रसिद्ध कवि नागार्जुन द्वारा रचित गंभीर भावों को प्रकट करती हुई एक प्रभावपूर्ण कविता है। इसमें ग्रामीण धरती की महक भी है और मिटटी की सृजन - शक्ति की गरिमा भी कविता को पढ़ते ही खेतों में लहलहाती हुई फसल का सुंदर नैसर्गिक दृश्य आँखों के सामने छा जाता है। परंतु फसल को पैदा करने में किन - किन तत्वों का योगदान होता है, इस तथ्य को नागार्जुन ने इस कविता में अत्यंत भावपूर्ण शब्दों में अभिव्यक्त किया है। कवि ने यह स्पष्ट किया है कि सृजन के लिए प्रकृति और मनुष्य दोनों के ही सहयोग की आवश्यकता है। आम बोलचाल की भाषा की गति और लय से कविता अत्यंत प्रभावशाली बन गई है। यह कविता व्यस्तता भरी आधुनिक जीवन - शैली और उपभोक्ता - संस्कृति के इस दौर में हमें कृषि -

संस्कृति के निकट ले जाती है। यह हमें कृत्रिमता और चमक - दमक भरी दुनिया से निकालकर प्रकृति का साक्षात्कार कराती है।

2. पठित पद्यांश:-

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए ----

(5x1=5)

यह दंतुरित मुसकान
मृतक में भी डाल देगी जान
धूलि-धूसर तुम्हारे ये गात
छोड़कर तालाब मेरी झोंपड़ी में खिल रहे जलजात
परस पाकर तुम्हारा ही प्राण,
पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण
छू गया तुमसे कि झरने लग पड़े शेफालिका के फूल
बाँस था कि बबूल?
तुम मुझे पाए नहीं पहचान?
देखते ही रहोगे अनिमेष!
थक गए हो?
आँख लूँ मैं फेर?
क्या हुआ यदि हो सके परिचित न पहली बार?
यदि तुम्हारी माँ न माध्यम बनी होती आज
मैं न पाता जान
धन्य तुम, माँ भी तुम्हारी धन्य!
चिर प्रवासी मैं इतर, मैं अन्य!
इस अतिथि से प्रिय तुम्हारा क्या रहा संपर्क|

1. 'दंतुरित मुसकान' क्या अर्थ है?

क. दाँत निपोरना

ख. हँसी के साथ दिखते दो दाँत

ग. बत्तीसी दिखाना

घ. दाँत दिखाना

उत्तर- (ख) हँसी के साथ दिखते दो दाँत

2. दंतुरित मुस्कान का मृतक पर क्या प्रभाव पड़ता है?

क. वह जी उठता है

ख. वह सब जान जाता है

ग. वह हिलता है

घ. वह स्थिर रहता है

उत्तर- (क) वह जी उठता है

3. धूल से भरा बच्चा कवि को कैसा लग रहा है?

क. बहुत चंचल

ख. बहुत गन्दा

ग. कमल की तरह सुंदर

घ. तालाब में नहलाने योग्य

उत्तर- (ग) कमल की तरह सुंदर

4. बच्चा कवि को किस तरह देख रहा है?

क. अजूबे की तरह

ख. आँखे फाड़-फाड़ कर

ग. दुखी होकर

घ. बिना पलक झपकाए

उत्तर- (घ) बिना पलक झपकाए

5. कठोर पत्थर पर बच्चे के स्पर्श का क्या प्रभाव पड़ता है?

क. वह पिघल कर पानी बन जाता है

ख. वह फूल-सा कोमल हो जाता है

ग. वह रुई-सा मुलायम हो जाता है

घ. वह भाप बन कर उड़ जाता है

उत्तर- (क) वह पिघल कर पानी बन जाता है

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए ---- (5x1=5)

एक की नहीं,
दो की नहीं,
ढेर सारी नदियों के पानी का जादू:
एक के नहीं,
दो के नहीं,
लाख-लाख कोटि-कोटि हाथों के स्पर्श की गरिमा:
एक की नहीं,
दो की नहीं,
हज़ार-हज़ार खेतों की मिट्टी का गुण धर्म:
फसल क्या है?
और तो कुछ नहीं है वह
नदियों के पानी का जादू है वह
हाथों के स्पर्श की महिमा है
भूरी-काली-संदली मिट्टी का गुण धर्म है
रूपांतर है सूरज की किरणों का
सिमटा हुआ संकोच है हवा की थिरकन का!

1. 'फसल' किसका जादू है?

क. समुद्र की विशालता का

ख. नदियों के पानी का

ग. जादूगर की छड़ी का

घ. भगवान के आशीर्वाद का

उत्तर- (ख) नदियों के पानी का

2. 'फसल' किसकी गरिमा को प्रदर्शित करती है?

क. ऊँचे आकाश की

ख. हरियाली के विस्तार की

ग. प्रकृति के सौन्दर्य की

घ. लाखों-करोड़ों हाथों के स्पर्श की

उत्तर- (घ) लाखों-करोड़ों हाथों के स्पर्श की

3. 'फसल' में किसका गुण-धर्म समाया हुआ है?

क. खेतों की मिट्टी का

ख. तालाबों के पानी का

ग. पेड़ों की पत्तियों का

घ. फूलों की खुशबू का

उत्तर- (क) खेतों की मिट्टी का

4. 'फसल' किसके योगदान का प्रतिफल है?

क. कर्म और भाग्य के

ख. आँसू और मुस्कान के

ग. प्रकृति और मनुष्य के श्रम के

घ. इच्छा और संकल्प के

उत्तर- (ग) प्रकृति और मनुष्य के श्रम के

5. किस चीज़ का रूपांतर फसल के रूप में होता है?

क. पसीने की गंध का

ख. मिट्टी के रंग का

ग. हवा की शीतलता का

घ. सूरज की किरणों का

3.बहुविकल्पीय प्रश्न:-

यह दंतुरित मुसकान

प्रश्न-1. यह दंतुरित मुसकान' नामक कविता के कवि का क्या नाम है?

(क) तुलसीदास (ख) नागार्जुन

(ग) निराला (घ) सूरदास

उत्तर- नागार्जुन

प्रश्न-2. कवि ने किसकी मुसकान को दंतुरित मुसकान कहा है?

(क) वृद्ध की (ख) युवक की

(च) बच्चे की (घ) युवती की

उत्तर- बच्चे की

प्रश्न-3. बच्चे की दंतुरित मुसकान किसमें भी जान डाल देगी?

(क) रोगी में (ख) पक्षी

(ग) कठोर व्यक्ति में (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- कठोर व्यक्ति में

प्रश्न-4. शिशु की प्रथम गुरू कौन होती है?

(क) बहन (ख) नानी

(ग) माँ (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- माँ

प्रश्न-5. किसकी मुसकान इतनी मनमोहक है कि यह मुर्दे में भी जान डाल सकती है?

(क) नन्हें शिशु की (ख) गुड़िया की

(ग) पक्षियों की (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- नन्हें शिशु की

प्रश्न-6. कवि को एकटक कौन निहार रहा है?

(क)लड़की (ख) किसान

(ग) शिशु (घ) मेहमान

उत्तर- शिशु

प्रश्न-7. 'पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण' इस पंक्ति का क्या आशय है?

(क) बच्चे के आगमन से पहाड़ पिघल गए

(ख) बच्चे के आगमन से पत्थर पिघल गए

(ग) बच्चे के आगमन से कवि का कठोर ह्रदय पिघल गया

(घ) बच्चे के आगमन से सभी को हर्ष हुआ

उत्तर- बच्चे के आगमन से कवि का कठोर ह्रदय पिघल गया

प्रश्न-8. बच्चा कवि को क्यों नहीं पहचान पाया ?

(क) बच्चा उसको पहली बार देख रहा था

(ख) बच्चे का उससे कोई परिचय नहीं था

(ग) कवि बच्चे के जन्म के बाद पहली बार घर पहुंचा था

(घ) उपर्युक्त सभी कथन सही है

उत्तर- उपर्युक्त सभी कथन सही है

प्रश्न-9. कवि ने अपने आप को क्या खा है ?

(क) चिर-प्रवासी (ख) कठोर ह्रदय

(ग) अभागा (घ) बेरहम

उत्तर- चिर-प्रवासी

प्रश्न-10. इस कविता में कौन-सी शब्द-शक्ति का प्रयोग है?

(क) अभिधा (ख) लक्षणा

(ग) व्यंजना (घ) इनमे से कोई नहीं

उत्तर- अभिधा

फसल

प्रश्न-1. 'फसल' कविता में कवि ने किसके बारे में बताया है ?

(क) फसल के पैदा होने के (ख) लोगों के परिश्रम के

(ग) मिट्टी की विभिन्नता के (घ) उपर्युक्त सभी

उत्तर- उपर्युक्त सभी

प्रश्न-2. फसल की पैदावार किसके जादू के कारण होती है ?

(क) रासायनिक खाद (ख) सरकार का अनुदान

(ग) नदियों के पानी (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- नदियों के पानी

प्रश्न-3. फसल को किसकी गरिमा बताया गया है ?

(क) नदियों के पानी की (ख) करोड़ों हाथों के स्पर्श की

(ग) मिट्टी के गुणधर्म की (घ) सूरज की किरणों की

उत्तर- करोड़ों हाथों के स्पर्श की

प्रश्न-4.संदली मिट्टी से कवि का क्या आशय है ?

(क) चंदन वर्णी सुगंधित मिट्टी (ख) चूल्हा लीपने के काम आने वाली मिट्टी

(ग) नदियों द्वारा लाई गई मिट्टी (घ)पहाड़ों से कटकर आने वाली मिट्टी

उत्तर- चंदन वर्णी सुगंधित मिट्टी

प्रश्न-5. फसल को थिरकना कौन सिखाती है ?

(क) सूरज की किरणें (ख) हवा

(ग) पानी (घ) किसानों के संगठित हाथ

उत्तर- हवा

प्रश्न-6. फसल किसका रूपांतर है ?

(क) नदियों के पानी का (ख) मिट्टी के गुणधर्म का

(ग) रासायनिक खाद का (घ) सूर्य की किरणों का

प्रश्न-7. कवि के अनुसार फसल क्या है ?

(क) मनुष्य के परिश्रम, लगन और शारीरिक श्रम का फल

(ख) प्रकृति के जादुई सहयोग का फल

(ग) दोनों कथन सत्य हैं

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- दोनों कथन सत्य हैं

प्रश्न-8. कवि 'नागार्जुन' का वास्तविक नाम क्या था ?

(क) श्रीपति मिश्र (ख) प्रतापनारायण मिश्र

(ग) मंडन मिश्र (घ) वैद्यनाथ मिश्र

उत्तर- वैद्यनाथ मिश्र

प्रश्न-9. नागार्जुन को कैसा कवि माना जाता है ?

(क) प्रगतिशील जनवादी कवि (ख) प्रगतिवादी कवि

(ग) छायावादी कवि (घ) रहस्यवादी कवि

उत्तर- प्रगतिशील जनवादी कवि

प्रश्न-10. 'दन्तुरित मुस्कान'कविता में कौन-सा रस है?

(क) शांत रस (ख) श्रृंगार रस

(ग) भक्ति रस (घ) वात्सल्य रस

उत्तर- वात्सल्य रस

4. लघु प्रश्न :-

प्रश्न-1. बच्चे की दंतुरित मुसकान का कवि के मन पर क्या प्रभाव पड़ता है?
उत्तर- बच्चे की दंतुरित मुसकान को देखकर कवि का मन अत्यंत प्रसन्न हो उठा। प्रवास पर रहने के कारण वह शिशु को पहली बार देखता है तो उसकी दंतुरित मुसकान पर मुग्ध हो जाता है। इससे कवि के मन की सारी निराशा और उदासी दूर हो जाती है।
प्रश्न 2. बच्चे की मुसकान और एक बड़े व्यक्ति की मुसकान में क्या अंतर है?
उत्तर- बच्चे की मुसकान और एक बड़े व्यक्ति की मुसकान में बहुत अंतर होता है। बच्चे की मुसकान अत्यंत सरल, निश्छल, भोली और स्वार्थरहित होती है। इस मुसकान में स्वाभाविकता होती है। इसके विपरीत एक बड़े व्यक्ति की मुसकान में स्वार्थपरता तथा बनावटीपन होता है। वह तभी मुसकराता है जब उसका स्वार्थ होता है। इसमें कुटिलता देखी जा सकती है जबकि बच्चे की मुसकान में सरलता दिखाई देती है।
प्रश्न-3. कवि ने बच्चे की मुसकान के सौंदर्य को किन-किन बिंबों के माध्यम से व्यक्त किया है?
उत्तर- कवि ने बच्चे की मुसकान के सौंदर्य को निम्नलिखित बिंबों के माध्यम से व्यक्त किया है
कवि को लगता है कि कमल तालाब छोड़कर इसकी झोपड़ी में खिल गये हैं।
ऐसा लगता है जैसे पत्थर पिघलकर जलधारा के रूप में बह रहे हों।
बाँस या बबूल से शेफालिका के फूल झरने लगे हों।
प्रश्न 4. मुसकान और क्रोध भिन्न-भिन्न भाव हैं। इनकी उपस्थिति से बने वातावरण की भिन्नता का चित्रण कीजिए।
उत्तर- मुसकान से किसी व्यक्ति की प्रसन्नता व्यक्त होती है। मुसकराने वाला स्वयं तो खुश होता ही है, अपनी मुसकान से दूसरों को भी प्रसन्न कर देता है। इससे वातावरण बोझिल होने से बच जाता है। दूसरी ओर क्रोध हमारे मन की व्यग्रता, आक्रोश और अप्रसन्नता का भाव प्रकट करता है। क्रोध की अधिकता में हम अपना नियंत्रण खो बैठते हैं और दुर्व्यवहार करने लगते हैं। इससे वातावरण में शांति कहीं खो जाती है और वातावरण में कटुता घुल जाती है।
प्रश्न-5. 'फ़सल' कविता हमें उपभोक्तावादी संस्कृति के दौर से कृषि संस्कृति की ओर ले जाती है। स्पष्ट कीजिए।
उत्तर- 'फ़सल' कविता के माध्यम से हमें कवि ने यह बताने का प्रयास किया है कि फ़सल क्या है ? किन-किन तत्वों के योगदान से उसका यह अस्तित्व हमारे सामने आता है। इस कविता से यह भी ज्ञात होता है कि एक ओर प्रकृति के अनेकानेक तत्व फ़सल के लिए रूपांतरित होते हैं तो मानव श्रम भी इसके लिए आवश्यक है।
प्रश्न-6. फ़सल उगाने में किसानों के योगदान को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर- फ़सल उगाने में प्रकृति के विभिन्न तत्व हवा, पानी, मिट्टी अपना योगदान देते हैं, परंतु किसानों के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। सारी परिस्थितियाँ फ़सल उगाने योग्य होने पर भी किसान के अथकश्रम के बिना फ़सल तैयार नहीं हो सकती है। इससे स्पष्ट है कि किसानों का योगदान सर्वाधिक है
प्रश्न-7. यह दंतुरित मुसकान' कविता में कवि ने नारी को गरिमामय स्थान प्रदान किया है? इससे आप कितना सहमत हैं, स्पष्ट कीजिए।
उत्तर- 'दंतुरित मुसकान' कविता में कवि ने शिशु की माँ को महत्ता देकर संपूर्ण नारी जाति को गरिमामय स्थान प्रदान किया है। मैं इससे पूर्णतया सहमत हूँ। इसका कारण यह है कि कवि यह स्वीकार करता है कि शिशु की माँ न होती तो वह शिशु से परिचित न हो पाता। इस प्रकार का यथार्थ पाठकों के सामने रखकर उसने नारी जाति की गरिमा बढ़ाई है।

संगतकार(मंगलेश डबराल)

1. पाठ का सारांश :-

संगतकार कविता कवि मंगलेश डबराल द्वारा उन सहायक गायक कलाकारों के महत्व को प्रतिपादित करने का प्रयास किया है जो मुख्य गायकों के स्वर में अपना स्वर मिलाकर उनके स्वर को गति प्रदान करके सहायता प्रदान करते हैं किंतु कभी भी अपनी उन्नति के प्रयास नहीं करते इन सहायक गायक कलाकारों को संगतकार कहा जाता है कभी कहता है कि एक संगतकार मुख्य गायक के स्वर में अपना स्वर मिलाकर मुख्य गायक के स्वर को गति प्रदान करता है उसके स्वर को भारी होने पर उसे सहायता प्रदान करता है। यहां तक कि मुख्य गायक का आत्मविश्वास डगमगाने पर भी संगतकार उसे धैर्य बनाता है। इस प्रकार संगतकार सदैव मुख्य गायक के स्वर में अपना स्वर मिलाकर उसे जटिलताओं की उलझन से भारत आया है। संगतकार की ऐसी भूमिका होती है जैसे मुख्य कार्य के विक्रय या टूटे हुए सामान को समेट रहा हूं।

2. पठित पद्यांश:-

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए ---

5x1=5

मुख्य गायक के चट्टान जैसे भरी स्वर का साथ देती
यह आवाज़ सुंदर कमजोर कांपती हुई थी
यह मुख्य गायक का छोटा भाई है
या उसका शिष्य
या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का कोई रिश्तेदार
मुख्य गायक की गरज में
वह अपनी गूँज मिलाता आया है प्राचीन काल से
गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में
खो चुका होता है
या अपने ही सरगम को लाँघकर
चला जाता है भटकता हुआ एक अनहद में
तब संगतकार ही स्थायी को संभाले रहता है
जैसे समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ समान
जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन
जब वह नौसिखिया था

1. मुख्य गायक का आत्मविश्वास से भरा स्वर कैसा होता है?

क. चट्टान जैसा भारी

ख. शहद जैसा मीठा

ग. कमजोर काँपता हुआ

घ. धीमा-धीमा और मधुर

उत्तर- (क) चट्टान जैसा भारी

2. प्राचीन काल से संगतकार ने क्या भूमिका निभाई है?

क. अभिभावक के समान सहारा दिया है

ख. मुख्य गायक की गरज में गूँज मिलाई है

ग. पैदल चलकर सीखने आया है

घ. छोटे भाई की तरह सेवा की है

उत्तर- (ख) मुख्य गायक की गरज में गूँज मिलाई है

3. सरगम को लाँघकर मुख्य गायक कहाँ चला जाता है?

क. दूसरे शहर

ख. अपने घर

ग. मंच से नीचे

घ. अनहद में

उत्तर- (घ) अनहद में

4. संगतकार मुख्य गायक को भटकने से कैसे बचाता है?

क. दीपक का उजाला दिखाकर

ख. घर का सही रास्ता बताकर

ग. बचपन का नौसिखियापन याद दिलाकर

घ. उसकी आवाज में आवाज मिलाकर

उत्तर- (ग) बचपन का नौसिखियापन याद दिलाकर

5. गायक कभी-कभी किस जंगल में भटक जाता है?

क. अंतरे की जटिल तानों के

ख. मन की भावनाओं के

ग. लोगों की आलोचनाओं के

घ. संगतकार की परेशानियों के

उत्तर- (क) अंतरे की जटिल तानों के

3.बहुविकल्पीय प्रश्न:-

1. मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर को कौन मधुरता देता है ?

क.संगतकार ख.कवि ग. ढोलकबाज घ. उस्ताद

2. जब गायक जटिल तानों के जंगल में खो जाता है तब संगतकार क्या करता है ?

i. प्रसन्नता से भर उठता है ii. स्थाई मुख्य तान को संभाले रहता है

iii. परेशान हो जाता है iv. धीमी आवाज में गाने लगता है

क.केवल ii ख. केवल ii और iii ग.केवल iv घ.केवल I, ii और iii

3 संगतकार कविता के कवि हैं -

क.मैथिलीशरण गुप्त ख.मंगलेश डबराल ग.महादेवी वर्मा घ. मीराबाई

प्रश्न 4 .कविता में नौसिखिया किसे बताया गया है ?

क.स्वयं को ख.बच्चे को ग.संगतकार को घ. मुख्य गायक को

प्रश्न 5 संगतकार का स्वर गायक को ढाढस कब बंधाता है ?

i. जब तार सप्तक में गायक का गला बैठने लगता है ii.जब गायक का उत्साह अस्त होने लगता है

iii.जब गायक की आवाज से राख जैसा कुछ गिरता हुआ लगता है iv.जब गायक रोने लगता है

क.इनमें से सभी ख.इनमें से कोई नहीं ग.केवल i और ii घ. केवल i,ii औरiii

प्रश्न 6 संगतकार द्वारा अपनी आवाज को दबाना उसकी विफलता है | यह कथन -

क.सत्य है ख.असत्य है ग. क और ख दोनों घ.इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 7 संगतकार के संदर्भ में प्रयुक्त कथन का चयन कीजिए|

i. वह मुख्य गायक की सेवा करता है

ii. मुख्य गायक को सम्मान देने के लिए अपनी आवाज धीमी रखता है

iii. वह मुख्य गायक का फायदा उठाता है iv. संगतकार की आवाज कमजोर होती है

क. केवल iv ख. केवल i और ii ग. केवल iii घ. केवल i,iiऔर iv

प्रश्न 8 निम्नलिखित में से किससे कवि मंगलेश डबराल संबंध नहीं है -

क.जनसत्ता ख.सहारा समय ग. नेशनल बुक ट्रस्ट घ.इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 9. संगतकार के लक्ष्य के विरुद्ध क्या है ?

क.मुख्य गायक के साथ गाना ख.मुख्य गायक के स्थान पर गाना

ग. मुख्य गायक से अधिक ऊंचे स्वर में गाना घ.इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 10. संगतकार द्वारा अपने स्वर को मुख्य गायक के स्वर से कम रखने को क्यों मानता है ?

क. समझदारी ख.ईमानदारी ग.चालाकी घ.मनुष्यता

प्रश्न 11. कथन- संगतकार मुख्य गायक की तुलना में अपना स्वर धीमा रखता है |

कारण- हर संगतकार मुख्य गायक को सम्मान देता है।

क. कथन सही हैं किंतु कारण इसकी सही व्याख्या नहीं है।

ख. कथन और कारण दोनों सही है।

ग. ग. कथन और कारण दोनों सही हैं किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।

घ. कथन और कारण दोनों गलत है।

प्रश्न 12 मुख्य गायक के साथ संगतकार का होना आवश्यक है -

i. उन्हें आराम देने के लिए ii. दर्शकों को बांधे रखने के लिए

iii. मुख्य गायक को गायन के सुर ताल के लिए वाद्य यंत्र की आवश्यकता होती है।

iv. सूर के आरोह- अवरोह इत्यादि के लिए संगतकार की आवश्यकता होती है |

क. i और ii ख. Ii,iii और iv ग. iiiऔर iv घ. I,ii, iii और iv

प्रश्न 13. संगतकार कविता के माध्यम से कवि ने किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत किया है?

क.किसी गायक या कलाकार की सहयोगी साथियों की ओर

ख. मुख्य गायक अथवा कलाकार की ओर

ग.उपायुक्त क और ख दोनों घ. इनमे से कोई नहीं

प्रश्न 14 संगतकार की प्रमुख विशेषता क्या होती है?

क. वह अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं ख. वे मुख्य कलाकार को पीछे छोड़कर आगे निकल जाते हैं

ग.वे अपनी योग्यता को छुपाकर मुख्य कलाकार के कृतित्व को बढ़ाने में पूर्ण योगदान देते हैं

घ.उपर्युक्त सभी कथन सही हैं

प्रश्न 15 संगतकार अपना स्वर धीमा क्यों रखता है?

क. वह अभी नौसिखिया है ख. वह मुख्य गायक को सम्मान देने के लिए ऐसा करता है

ग. उसका गला बैठा हुआ है घ.इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 16 तार सप्तक क्या है ?

क. मध्य स्वर में गायन ख. मंद स्वर में गायन ग. उच्च स्वर में गायन घ. इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 17 राख जैसा गिरने से का क्या अभिप्राय है ?

क. गायन सुनकर राख गिरने लगती है ख.आग से राख का गिरना

ग. सब जलकर राख हो जाता है घ. मुख्य गायक की आवाज का क्षीण होना

प्रश्न 18. 'बैठने लगता है उसका गला' इस पंक्ति का भाव क्या है ?

क. गला बैठ जाता है
ख.गले से खड़ा नहीं रह जाता
ग.सुर को ऊपर उठाने के प्रयास में गला साथ नहीं देता था
घ.उपर्युक्त सभी

प्रश्न 19 कवि ने संगतकार के होने में किन-किन संबंधों की कल्पना की है?

क. मुख्य गायक का छोटा भाई
ख. मुख्य गायक का शिष्य
ग.उसका दूर का कोई रिश्तेदार
घ.उपर्युक्त सभी

प्रश्न 20 संगतकार प्राचीन काल से क्या करता आ रहा है ?

क.वह मुख्य गायक के स्वर में स्वर मिलाता है
ख. वह मुख्य गायक की सेवा करता है
ग. वह मुख्य गायक का फायदा उठाता है
घ.इनमें से कोई नहीं

बहुविकल्पीय प्रश्न - उत्तरमाला

प्रश्न क्र.	संभावित विकल्प
1	क-
2	क-
3	ख
4	ग
5	घ
6	ख
7	घ
8	घ
9	ग
10	घ
11	ख
12	ग
13	क
14	ग
15	ख
16	ग
17	घ
18	ग
19	घ
20	क

4. लघु प्रश्न :-

प्रश्न 1.संगतकार की धीमी आवाज उसकी विफलता क्यों नहीं है?

उत्तर- संगतकार योग्य होते हुए भी जानबूझकर अपनी आवाज को नीचा रखता है और अपनी भूमिका को मुख्य गायक का सहयोग करने तक ही सीमित रखता है|

प्रश्न 2. संगतकार मुख्य गायक को किसकी याद दिलाता है कि टेक गाते हुए कैसे प्रतीत होते हैं ?

उत्तर- संगतकार मुख्य गायक को उसका बचपन याद दिलाता है ,जब वह नौसिखिया था अर्थात जब उसने संगीत सीखना आरंभ किया था। संगतकार गीत की टेक को गाते हुए ऐसे प्रतीत होते हैं जैसे मुख्य गायक के द्वारा रास्ते में जुड़े हुए सामान को समझते हुए वह आगे बढ़ रहा हो या मुख्य गायक को संगतकार उसके बचपन की याद दिलाता है।

प्रश्न 3. मुख्य गायक के साथ संगतकार की क्या भूमिका होती है ?

उत्तर- संगतकार दूसरों को शीर्ष पर पहुंचाने का कार्य करते हैं। संगतकार के बिना मुख्य कलाकार असफल ही रहता है। संगतकार के माध्यम से कवि, नाटक, संगीत, फिल्म, यांत्रिक आदि कलाओं में काम करने वाले सहायक कलाकारों तथा किसी भी क्षेत्र में कार्यरत सहायक कर्मचारियों की ओर संकेत करता है |यह अपनी मानवतावादी दृष्टिकोण से मुख्य व्यक्ति की भूमिका को विशिष्ट बनाने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं|

प्रश्न 4 संगतकार की आवाज को कमजोर कांपती हुई आवाज क्यों कहा गया है ?

उत्तर- मुख्य गायक गायन कला में निपुण मुख्य गायक के समक्ष अपनी लघुता का बोध ही उसमें हीन भावना ले आता है, तभी संगतकार की आवाज कमजोर और कांपती है।

प्रश्न 5.संगतकार जैसे व्यक्ति सर्वगुण संपन्न होकर भी समाज की दृष्टि में महत्वपूर्ण क्यों नहीं माने जाते ?

उत्तर- सर्वगुण संपन्न होने पर भी मुख्य गायक के पीछे रहकर सहयोगी बने रहते हैं। मुख्य कलाकार की सफलता में अपनी सफलता देखते हैं, अधिक प्रतिभाशाली,कर्तव्यनिष्ठ तथा परोपकारी होते हैं।

प्रश्न 6.संगतकार के माध्यम से कवि ने समाज के किस वर्ग के व्यक्तियों की ओर संकेत किया है?

उत्तर-संगतकार जो अन्य व्यक्ति के साथ चलते हैं और उनके सहायक होते हैं। किसी भी व्यक्ति की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं| जैसे संगीत में गायक के साथ संगतकार महत्वपूर्ण होते हैं, उसी प्रकार जीवन में साथ चलने वाले लोग महत्वपूर्ण होते हैं।

प्रश्न 7 'संगतकार में त्याग की उत्कट भावना भरी हुई है' इसकी पुष्टि कीजिए।

उत्तर-संगतकार मुख्य कलाकार का संबल बनती हैं ,उसे भटकने से बचाती हैं एवं प्रतिभावान होने पर भी आगे बढ़ने के प्रयास नहीं करते हैं। संगतकार मुख्य गायक की आवाज में अपनी आवाज़ मिलाता है| वह भारी-भरकम आवाज को कोमलता प्रदान करता है, गायक के कष्टों का निवारण करता है|

प्रश्न 8 मुख्य गायक की सफलता का श्रेय संगतकार को न दिया जाना समाज की किस प्रवृत्ति का परिचायक है? इस प्रवृत्ति से क्या हानियां हैं?

उत्तर- मुख्य गायक की सफलता का श्रेय सरकार को न दिया जाना समाज की स्वार्थी प्रवृत्ति का परिचायक है। संगतकार कभी आगे नहीं बढ़ पाता | उसकी कला दूसरे के नाम से जानी जाती है। मन में हीन भावना आ सकती है।

प्रश्न 9. संगतकार कविता में नौसिखिया से क्या अभिप्राय है? उसका गला कब बंद हो जाता है?

उत्तर- नौसिखिया से आशय है गायन को नया -नया सीखने वाला। जब उत्साह गिरने का प्रभाव उस पर पड़ता है तो उसका गला बंद हो जाता है। सहयोगी गायक गीत को ऐसे गाने लगते हैं जैसे गायक के द्वारा रास्ते में छोड़े हुए सामान को समझते हुए आगे बढ़ते हुए या फिर ऐसे लगता है जैसे संस्कार मुख्य गायक को बचपन की याद दिलाते हैं जब उसने जितना आरंभ किया था।

अनुपूरक पाठ्यपुस्तक

कृतिका भाग -2

1. माता का अँचल - श्री शिवपूजन सहाय

'माता का आँचल', शिवपूजन सहाय द्वारा लिखा गया है, जिसमें लेखक ने अपने माता-पिता के साथ बचपन के आत्मीय लगाव को ख़ूबसूरत तरीके से व्यक्त किया है । इस पाठ में ग्रामीण संस्कृति का अद्भुत चित्रण है साथ ही साथ ग्राम्य लोकोक्तियों का बेहतरीन इस्तेमाल हुआ है । जैसे -

"जहाँ लड़कों का संग, तहाँ बाजे मृदंग, बुड्ढों का संग, तहाँ खरचे का तंग | "

ऐसे और भी कई लोकोक्तियाँ इस पाठ में मौजूद हैं । लेखक का बचपन का नाम 'तारकेश्वरनाथ' होता है, जिसे सब घर में या यूँ कहें खास करके उनके पिताजी प्यार से 'भोलानाथ' कहके संबोधित किया करते थे । लेखक भी अपने पिता को 'बाबू जी' और माता को 'मइयाँ' कहके पुकारा करते थे ।

बचपन में लेखक ज्यादातर वक़्त अपने बाबू जी के सानिध्य गुजारा करते थे । वे अपने पिता के साथ ही सोते, सुबह जल्दी उठते और पिता जी के हाथों से स्नान करने का सुख भी प्राप्त करते थे। जब लेखक के पिताजी रामायण का पाठ करते, तब वे उनके बगल में बैठकर आईने में अपना मुँह निहारा करते थे पिता की नज़र जब लेखक पर पड़ती तो वे लजाकर आइना नीचे कर देते थे । इस बात पर लेखक के पिताजी मुस्कुरा देते थे लेखक अपने माथे पर तिलक लगवाकर खुश हो जाते थे । पूजा के बाद पिता जी उसे कंधे पर बिठाकर गंगा में मछलियों को दाना खिलाने के लिए ले जाते थे और रामनाम लिखी पर्चियों में लिपटी आटे की गोलियाँ गंगा में डालते थे। लौटते हुए उसे रास्ते में पड़ने वाले पेड़ों की डालों पर झुलाते घर आकर जब वे उसे अपने साथ खाना खिलाते, तो माँ को कौर छोटे लगते थे। लेखक की माँ जब पक्षियों के नाम के निवाले'कौर' बनाकर उनके उड़ने का डर बतातीं, तो लेखक बड़े चाव से उस निवाले को अपने मुँह में ले लेते थे। फिर लेखक की माँ अचानक उसे पकड़ के अपने आगोश में भरती और माता का आँचल उसके सिर पर कड़वा तेल (सरसों तेल) डाल देती थीं। लेखक रोने लगते तो उसके पिता जी लेखक की माँ पर गुस्सा हो जाते । रोने के बावजूद भी माँ बालों में तेल डाल कंघी कर देतीं थीं । कुरता टोपी पहनाकर चोटी गूँथकर फूलदार लट्टू लगा देती थीं | लेखक रोते-रोते बाबूजी की गोद में बाहर आते बाहर आते ही वे बालकों के झुंड के साथ मौज-मस्ती में डूब जाते थे वे चबूतरे पर बैठकर तमाशे और नाटक किया करते थे । मिठाइयों की दुकान लगाया करते थे । घरौंदे के खेल में खाने वालों की पंक्ति में आखिरी में चुपके से बैठ जाने पर जब लोगों को खाने से पहले ही उठा दिया जाता, तो वे पूछते कि भोजन फिर कब मिलेगा ।लेखक से उनके पिता जी का बेहद लगाव था । वे कभी उसके हाथों का चुम लेते, तो कभी दाढ़ी-मूँछ गड़ाकर मस्ती करते । कुश्ती खेलते और बार-बार हार जाते थे । लेखक अपने दोस्तों के साथ आस-पास के छोटे-मोटे सामान को जुटाकर इतनी रुचि से खेलते कि उन खेलों को देखकर सभी खुश हो जाते थे ।एक बार रास्ते में आते हुए लड़कों की टोली ने मूसन तिवारी को "बुढ़वा बेईमान माँगे करैला का चोखा" कहकर चिढ़ा दिया | मूसन तिवारी ने उनको खूब खदेड़ा | जब वे लोग भाग गए तो मूसन तिवारी पाठशाला पहुँच गए। अध्यापक ने लेखक की खूब पिटाई की । यह सुनकर पिताजी पाठशाला दौड़े-दौड़े आए अध्यापक से विनती कर पिताजी उन्हें घर ले आए। फिर वे रोना-धोना भुलकर अपने मित्र मंडली के साथ हो गए और खेतों में चिड़ियों को पकड़ने की कोशिश करने लगे चिड़ियों के उड़ जाने पर जब एक टीले पर आगे बढ़कर चूहे के बिल में उसने आस-पास का भरा पानी डाला, तो उसमें से एक साँप निकल आया ।

डर के मारे लुढ़ककर गिरते-पड़ते हुए लेखक लहूलुहान स्थिति में जब घर पहूँचा, तो सामने पिता को बैठकर हुक्के गुड़गुडाते हुए देखा पिता के साथ सदा अधिक समय बिताने के बाद भी उसे अंदर जाकर माँ से चिपटने में सुरक्षा महसूस हुई। माँ ने घबराते हुए और चिंतित अवस्था में आँचल से उसकी धूल साफ की और हल्दी लगाई ।

बेशक, लेखक को तब माँ की ममता, पिता के प्यार-दुलार से ज्यादा मजबूत और प्रगाढ़ लगी । शायद उस वक़्त माँ का आँचल लेखक के लिए किसी महफ़ूज आशियाने से कम न था|

महत्वपूर्ण प्रश्न- उत्तर

प्रश्न.1. भोलेनाथ के पिताजी की पूजा के कौन कौन से अंग थे?

उत्तर- भोले नाथ के पिताजी की पूजा के चार अंग थे-

1- भगवान शंकर की विधिवत पूजा करना।

2- रामायण का पाठ करना।

3- 'रामनामा बही' पर राम-राम लिखना।

4- इसके अतिरिक्त छोटे-छोटे कागज पर रामनाम लिखकर उन कागजों के आटे की गोली बनाकर उन गोलियों को गंगा में फेंककर मछलियों को खिलाना।

प्रश्न.2. लेखक के पिताजी भोलानाथ को पूजा में अपने साथ क्यों बैठाते थे?

उत्तर- भोलानाथ को पूजा में बैठाने के निम्न कारण हो सकते हैं -

1- भोलानाथ से अधिक प्यार करते थे।

2- लेखक के पिताजी धार्मिक प्रवृत्ति के थे। उनकी यही इच्छा रही होगी कि भोलानाथ भी धार्मिक प्रवृति का बने।

3- शिशु भोलानाथ पर ईश्वर की कृपा बरसती रहे।

प्रश्न.3. भोलानाथ के पिता भोलानाथ को पूजा पाठ में शामिल करते, उसे गंगा तट पर ले जाते हैं तथा लौटते हुए पेड़ की डाल पर झुलाते, उनका ऐसा करना किन किन मूल्यों को उभारने में सहायक है?

उत्तर- भोले नाथ के पिता उसको अपने पूजा पाठ पर बैठाते। पूजा के बाद आटे की गोलियां लिए हुए गंगा घाट जाते। मछलियों को आटे की गोलियां खिलाते, वहाँ से लौटते हुए उसे पेड़ की झुकी डाली पर झुलाते। उनके इस कार्यव्यवहार से भोलानाथ में कई मानवीय मूल्यों का उदय एवं विकास होगा। ये मानवीय मूल्य हैं -

1- भोलानाथ द्वारा अपने पिता के साथ पूजा पाठ में शामिल होने से उसमें धार्मिक भावना का उदय होगा?

2- प्रकृति से लगाव उत्पन्न होने के लिये प्रकृति का सानिध्य आवश्यक है। भोलेनाथ को अपने पिता के साथ प्रकृति के निकट आने का अवसर मिलता है। ऐसे में उसमें प्रकृति से लगाव की भावना उत्पन्न होगी।

3- मछलियों को निकट से देखना एवं उन्हें आटे की गोलियां खिलाने से भोलानाथ में जीव जंतुओं के प्रति लगाव एवं दया भाव उत्पन्न होगा।

4- नदियों के निकट जाने से भोलानाथ के मन में नदियों को प्रदूषण मुक्त रखने की भावना का उदय।

प्रश्न .4.माता का आँचल पाठ में भोलानाथ द्वारा चूहे के बिल में पानी डालना बच्चो की किस मनोवृति को प्रकट करता है? क्या यह उचित है?

उत्तर: माता का आँचल पाठ में भोलानाथ द्वारा चूहे के बिल में पानी डालना बच्चो की पशु पक्षियों के प्रति शरारती प्रवृति को दर्शाता है जो प्रकृति के लिए उचित नहीं हैं। यदि पशु पक्षी नहीं रहेंगे तो पर्यावरण का संतुलन बिगड़ जायेगा। इसीलिए बचो को विद्यालय स्तर पर पशु पक्षियों के संरक्षण का महत्त्व समझाना चाइए।

प्रश्न.5. माता का आँचल पाठ में वर्णित तत्कालीन विद्यालयों के अनुशासन से वर्तमान युग के विद्यालयों के अनुशासन की तुलना करते हुए बताइए की आप किस अनुशासन की तुलना करते हुए बताइए की आप किस अनुशासन व्यवस्था को अच्छा मानते हैं और क्यों ?

उत्तर: माता का आँचल पाठ में जिस विद्यालय का वर्णन है वहाँ अध्यापक बच्चो की पिटाई करके, उन्हें शारीरिक दंड दे कर अनुशासन में रखते थे आज के विद्यालयों में शारीरिक दंड देना वर्जित है। आज के विद्यालयों में जो अनुशासन व्यवस्था है वह पुराने तरीके से अधिक अच्छी है।

प्रश्न.6. प्रस्तुत पाठ के आधार पर यह कहा जा सकता है कि बच्चे का अपने पिता से अधिक जुड़ाव था, फिर भी विपदा के समय वह पिता के पास न जाकर माँ की शरण लेता है। आपकी समझ से इसकी क्या वजह हो सकती है?

उत्तर: बच्चा विपदा के समय पिता के पास ना जाकर मां की शरण लेता है क्योंकि विपदा के समय उसे अत्यधिक ममता और लाड़ की जरूरत होती है। जो कि उसे मां के कोमल हृदय और प्रेम से ही प्राप्त होती है। बच्चों का पिता से कितना भी अधिक लगाव क्यों ना हो परंतु मां जैसा प्यार ना मिलने के कारण वे पिता के पास नहीं जाते हैं।

प्रश्न.7. आपके विचार से भोलानाथ अपने साथियों को देखकर सिसकना क्यों भूल जाता है?

उत्तर: पल में रोना और पल में हंसना बच्चों का स्वभाव होता है। भोलानाथ भी इसी आदत के अनुसार अपनी उम्र के बच्चों को देख कर उनके साथ खेलने में रुचि लेने लगता है। दूसरा कारण यह भी हो सकता है कि बच्चे अपने साथियों के बीच रोने में हीनता का अनुभव करते हैं। इसलिए भी वह खेल-खेल में रोना भूल जाता है।

प्रश्न.8. भोलानाथ और उसके साथियों के खेल और खेलने की सामग्री आपकी खेल और खेलने की सामग्री से किस प्रकार भिन्न है ?

उत्तर: भोलानाथ उसके साथियों के खेल और खेलने की सामग्री हमारे खेल और खेलने की सामग्री से बहुत भिन्न है। भोलानाथ के समय में सभी बच्चे एक दूसरे के साथ मिट्टी में खेलते थे। घर की कोई भी बेकार वस्तु बच्चों के खेलने के काम आ जाती थी। परिवार कि तरफ से बच्चों और खेलने पर कोई रोक टोक नहीं होती थी और ना ही किसी का भय। वही आज के समय में खेलने की लगभग सभी वस्तुएं बाजार से खरीदनी पड़ती है। और परिवार की भी पाबंदियां बच्चों को झेलनी पड़ती है। स्कूल हो या घर खेलने की समय-सीमा भी तय कर दी गई है।

प्रश्न.9. इस उपन्यास के अंश में तीस के दशक का ग्राम्य संस्कृति का चित्रण है। आज की ग्रामीण संस्कृति में आपको किस तरह के परिवर्तन दिखाई देते हैं।

उत्तर: आज के परिवारों में एकल संस्कृति ने जन्म ले लिया है। अब लोग इक्कठा रहना पसंद नहीं करते। घर भी सिमट गए है। आंगन और चबूतरों का प्रचलन समाप्त हो गया है। आज की संस्कृति बच्चों को धूल - मिट्टी से बचाना चाहती है। आज हमे कोई भी सामान लेना हो तो बाजार पर ही निर्भर रहना पड़ता है। लोग अपने खेत में कुछ भी उगाने में असमर्थ हैं।

प्रश्न .10. माता का आंचल शीर्षक की उपयुक्तता बताते हुए कोई अन्य शीर्षक सुझाइए।

उत्तर: माता का आंचल पाठ में इसके अलावा और भी शीर्षक हो सकते थे क्योंकि इसमें माता के स्नेह,चिंता प्रेम के साथ-साथ उसके पिता का भी साथ लिखा गया है। जैसे-भोलानाथ का अधिकांश समय पिता के समीप में बीतता है। प्रातः उठकर नहलाना-धुलाना, पूजा में बैठाना, गंगा तक कन्धे पर ले जाना। यहाँ तक बच्चे के हर खेल में खेल के अन्त में शिशु के साथ पिता की उपस्थिति रही है। ऐसा लगता है कि पिता भोलानाथ का सम्बन्ध शिशु से व्यक्ति और छाया का है। भोलानाथ का माँ के साथ सम्बन्ध दूध पीने तक का रह गया है। अन्त में साँप से डरा हुआ बालक भोलानाथ पिता को हुक्का गुड़गुड़ाता पहले देखकर भी माता की शरण में जाता है और अद्भुत रक्षा और शान्ति का अनुभव करता है। यहाँ भोलानाथ पिता को

अनदेखा कर देता है जबकि अधिकांश समय पिता के सान्निध्य में रहता है। इस आधार पर 'माता का आँचल' सटीक शीर्षक है। इसकी जगह यह शीर्षक हो सकते थे:-

1. मां की ममता।
2. मां की ममता व पिता का प्यार।
4.माता-पिता का सान्निध्य।
5.बचपन के वे दिन।
6.बचपन की मधुर स्मृतियाँ

प्रश्न.11.बच्चे माता-पिता के प्रति अपने प्रेम को कैसे अभिव्यक्त करते हैं?

उत्तर :1.शिशु की जिद्द में भी प्रेम का प्रकटीकरण है।

2.शिशु और माता पिता के सान्निध्य में यह स्पष्ट करना कठिन होता है कि माता-पिता का स्नेह शिशु के प्रति है या शिशु का माता-पिता के प्रति दोनों एक ही प्रेम के सम्पूरक होते हैं।

3.शिशु की मुस्कराहट, शिशु को उनकी गोद में जाने की ललक उनके साथ विविध क्रीड़ाए करके अपने प्रेम के प्रकटीकरण करते हैं।

4.माता-पिता की गोद में जाने के लिए मचलना उसका प्रेम ही होता है।

प्रश्न.12.शिशु का नाम भोलानाथ कैसे पड़ा? .

उत्तर : शिशु का मूल नाम तारकेश्वर नाथ था। तारकेश्वर के पिता स्वयं भोलेनाथ अर्थात् शिव के भक्त थे। अपने समीप बैठा कर शिशु के माथे पर भभूत लगाकर और त्रिपुण्डाकार में तिलक लगाकर, लम्बी जटाओं के साथ शिशु से कहने लगते कि बन गया भोलानाथ। फिर तारकेश्वर नाथ न कहकर धीरे-धीरे उसे भोलानाथ कहकर पुकारने लगे और फिर हो गया भोलानाथ।

अतिरिक्त प्रश्न-

लेखक किस घटना को याद कर कहता है कि वैसा घोड़मुँहा आदमी हमने कभी नहीं देखा?.भोलानाथ के गोरस-भात खा चुकने के बाद माता और खिलाती थी। क्यों?

प्रश्न.2.भोलानाथ भयभीत होकर बाग से क्यों भागा?

प्रश्न.3.लेखक किस घटना को याद कर कहता है कि वैसा घोड़मुँहा आदमी हमने कभी नहीं देखा?

प्रश्न.4.मूसन तिवारी ने बच्चों को क्यों खदेड़ा?

प्रश्न.5.गुरुजी की फटकार से रोता हुआ बालक यकायक कैसे चुप हो गया?

2-साना-साना हाथ जोड़ि

पाठ का सारांश :- साना साना हाथ जोड़ि की लेखिका मधु कांकरिया जी ने अपने यात्रा वृतांत के बारे में इसमें बताया है। यह यात्रा सिक्किम की राजधानी गंतोक और यूथनांक के बीच थी। लेखिका जब इस शहर में उतरी वह हैरान हो गई। उनका हैरान होने का कारण सितारों की झिलमिलाहट में जगमगाता इतिहास और वर्तमान के संधि स्थल पर खड़ा मेहनतकश बादशाहों का शहर गंतोक की सुंदरता थी।

इस सुंदरता ने लेखिका के मन में भीतर-बाहर शून्य स्थापित कर दिया था। उन्होंने इस यात्रा के दौरान एक नेपाली युवती से प्रार्थना के बोल "साना-साना हाथ जोड़ि गर्दहु प्रार्थना" सीखें जिसका अर्थ था छोटे-छोटे हाथ जोड़कर प्रार्थना कर रही हूं कि मेरा सारा जीवन अच्छाइयों को समर्पित हो। लेखिका ने अगले दिन यूथनांक जाने का निश्चय किया था। जैसे प्रातःकाल में उनकी नींद खुली वह बालकनी की ओर दौड़ी क्योंकि वहां के लोगों ने उन्हें बताया था कि मौसम साफ होने पर कंचनजंघा साफ दिखाई देती है। कंचनजंगा तू ना दिखे

परंतु इतने सारे फूल देखे कि वह लिखती हैं "मानो ऐसा लगा कि फूलों के बाग में आ गई हूं।" यूथनांक जोकि गंगटोक से 149 किलोमीटर की दूरी पर था वहां जाने के लिए ड्राइवर कम गाइड जितेन नार्गे के साथ निकलती हैं।

लेखिका जब आ रही थी तब उन्हें गदराए पाईन, नुकीले पेड़, पहाड़ दिखे इसके साथ ही दिखी सफेद बौद्ध पताकाएं जोकि शांति व अहिंसा के प्रतीक होती हैं और बुध की मान्यता के अनुसार जब किसी बुद्धिस्ट की मृत्यु होती है तब 108 श्वेत पताकाएं लहराई जाती है जिन पर मंत्र लिखे होते हैं। कई बार नए कार्य के प्रारंभ में भी पताकाएं फहरा दी जाती है परंतु वह रंगीन होती है। अब गाइड नॉर्वे के साथ लेखिका की जीप उस जगह पहुंची जहां गाइड फिल्म की शूटिंग हुई थी यह की जगह- कवी लॉन्ग स्टॉक। उन्हीं रास्तों के भीतर लेखिका मधु जी की एक कुटिया की तरफ नजर पड़ी जहां उन्होंने धर्म चक्र को घूमते देखा।

इस प्रेयर व्हील के बारे में नार्वे ने बताया कि इसको घुमाने से पाप धुल जाते हैं ऐसा माना जाता है। अब पर्वतों, घाटियों, नदियों की सुंदरता से आगे बढ़कर लेखिका ने फेन उगलता झरना देखा जिसका नाम- सेवेन सिस्टर्स वॉटरफॉल था। लेखिका लिखती है- पहली बार एहसास हुआ.... जीवन का आनंद है यही चलायमान सौंदर्य। वहां उन्होंने पहाड़ तोड़ती तथा बच्चे को पीठ पर बांधकर पत्ते बीनती महिलाओं को देखा। वापस लौटते समय भी जीप में नॉर्वे ने कई जानकारियां दी। उसने गुरु नानक के फुटप्रिंट और खेदुम एक पवित्र स्थल के बारे में बताया। तभी लेखिका ने कहा गंगटोक बहुत सुंदर है तब नॉर्वे ने कहा मैडम गंतोक कहिए जिसका अर्थ पहाड़ होता है।

लघुत्तरीय प्रश्न -

प्रश्न1. गंतोक को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' क्यों कहा गया?

उत्तर: गंतोक को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' इसलिए कहा गया है क्योंकि गंतोक एक पर्वतीय क्षेत्र है जहां जीवनयापन करना बहुत ही मुश्किल है। गंतोक की औरतों को अपने बच्चों को पीठ पर बांधकर भी पत्थर तोड़ने पड़ते हैं। यह कार्य इतने खतरनाक हैं कि कई बार ऐसे कार्य करते हुए उन्हें अपने प्राणों को गवाना पड़ता है। यह शहर बच्चों के लिए भी बड़ा दुर्गम है क्योंकि स्कूल दूर होने के कारण बच्चों को तीन-चार किलोमीटर की चढ़ाई चढ़कर स्कूल जाना पड़ता है।

प्रश्न 1. लेखक को भिखमंगे का वेश बनाकर यात्रा क्यों करनी पड़ी ?

उतर: तिब्बत के पहाड़ों में लूटपाट और हत्या का भय बना रहता था I अधिकतर हत्याएं लूटपाट के इरादे से होती थी | लेखक ने डाकुओं से सुरक्षित होने का यह उपाय किया है कि उसने भिखमंगे का वेश बनाया| जब भी कोई संदिग्ध आदमी सामने आता, वह 'कुची-कुची' (दया-दया) एक पैसा कहकर भीख मांगने लगता | इस प्रकार उसने अपनी जान-माल की सुरक्षा के लिए भिखमंगे का वेश बनाया था |

प्रश्न 2. कभी श्वेत तो कभी रंगीन पताकाओं का फहराना किन अलग-अलग अवसरों की ओर संकेत करता है?

उत्तर: श्वेत पताकाए तब फहराई जाती है जब किसी बुद्धिस्ट की मृत्यु हो जाती है। शहर या कस्बे से दूर किसी वीरान जगह पर मंत्र लिखित 108 पताकाओं को फहराया जाता है। इन्हें उतारा नहीं जाता यह समय के साथ स्वयं ही नष्ट हो जाती है। और रंगीन पताकाओं को किसी शुभ या नए कार्य की शुरुआत के समय ही फहराया जाता है।

प्रश्न 3. जितेन नार्गे ने लेखिका को सिक्किम की प्रकृति, वहाँ की भौगोलिक स्थिति एवं जनजीवन के बारे में क्या महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ दीं, लिखिए।

उत्तर: सिक्किम भारत से लगता हुआ एक स्वतंत्र राज्य था। यह एक ऐतिहासिक शहर था। यहां के लोग बहुत ही भोले और मेहनती है। सिक्किम में गंतोक से लेकर यूमथांग तक तरह-तरह के फूल हैं। फूलों से

लदी वादियाँ हैं। ज्यादा विकास ना होने के कारण यहां के लोग बहुत गरीब हैं। महिलाओं को भी बच्चों को अपनी पीठ में बांधकर सड़क बनाने और पत्थर तोड़ने का कार्य आदि करना पड़ता है। परंतु ये अपने जीवन से हतोत्साहित नहीं है तथा खुशी-खुशी जीवन-यापन करते हैं और सच्चे देशभक्त हैं।

प्रश्न 4. जितेन नार्गे की गाइड की भूमिका के बारे में विचार करते हुए लिखिए कि एक कुशल गाइड में क्या गुण होते हैं?

उत्तर: १. उसे अपने क्षेत्र की अच्छी भौगोलिक जानकारी होती है।

२. उसमे वाक्पटुता और विनम्र स्वभाव होता है।

३. उसे उस क्षेत्र की सांस्कृतिक, जनश्रुति और दंतकथा आदि की भी अच्छी जानकारी होती है।

४. वह साहसी होता है।

५. उसमे स्वयं निर्णय लेने का साहस होता है।

६. उसमें अपने भ्रमणकर्ताओ के सभी सवालों के जवाब देने की क्षमता होती है।

प्रश्न 5. प्रकृति के उस अनंत और विटाट स्वरूप को देखकर लेखिका को कैसी अनुभूति होती है ?

उत्तर: लेखिका प्रकृति के उस अनंत और विटाट स्वरूप को देखकर रोमांचित व पुलकित थी। लेखिका को प्रकृति अत्यंत रहस्यमई और मोहक लगती है। प्रकृति के विभिन्न रहस्य को देखकर लेखिका के मन की सारी तामसिकताएँ और दुष्ट वासनाएँ खत्म हो गई। और प्रकृति के सौंदर्य को देखकर लेखिका को जीवन की अद्भुत सुंदरता का एहसास हुआ।

प्रश्न 6. “कितना कम लेकर ये समाज को कितना अधिक वापस लौटा देती हैं।” इस कथन के आधार पर स्पष्ट करें कि आम जनता की देश की आर्थिक प्रगति में क्या भूमिका है?

उत्तर: किसी देश की आमजनता देश की आर्थिक प्रगति में बहुत अधिक अप्रत्यक्ष योगदान देती है। जैसे मज़दूर, ड्राइवर, फेरीवाले, कृषि कार्यों से जुड़े लोग देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह लोग अपने श्रम के बदले में बहुत थोड़ा सा हिस्सा लेकर बाकी सब कुछ समाज को वापस लौटा देते हैं। यहां तक कि कई बार तो इनको जान से भी हाथ धोना पड़ता है लेकिन फिर भी पूरी लगन व मेहनत के साथ श्रम साधना में लगे रहते हैं। जैसे कि इस पाठ में पत्थर तोड़ने वाली और सड़क में काम करने वाली औरतें जो पीठ पर अपने बच्चों को लादकर भी इन खतरनाक वह मेहनती कामों को करती हैं। और कभी-कभी तो इस काम में उनकी जान भी चली जाती है। लेकिन देश के विकास के लिए यह लोग बहुत कम लेकर भी जान की बाजी खेल जाते हैं।

प्रश्न 7. ‘कटाओ’ पर किसी भी दुकान का न होना उसके लिए वरदान है। इस कथन के पक्ष में अपनी राय व्यक्त कीजिए?

उत्तर: ‘कटाओ’ पर किसी भी दुकान का न होना उसके लिए वरदान है क्योंकि दुकान आदि ना खुलने के कारण वहां व्यवसायीकरण ज्यादा नहीं फैल पाया। जिसके कारण लोग वहां बड़ी संख्या में नहीं आते हैं। और लोगों के ना आने के कारण वहां कूड़ा-करकट नहीं फैलता है।

प्रश्न 8. लोंग स्टॉक में घूमते हुए चक्र को देखकर लेखिका को पूरे भारत की आत्मा एक-सी क्यों दिखाई दी?

उत्तर: लोंग स्टॉक में घूमते हुए चक्र को देखकर लेखिका को पूरे भारत की आत्मा एक-सी दिखाई दी क्योंकि लोंग स्टॉक में घूमते हुए चक्र को देखकर लेखिका ने जब जितेन नार्गे से उसके बारे में पूछा। तो पता चला कि यह धर्म-चक्र है। इसे घुमाने पर सारे पाप धुल जाते हैं। यह सब जानकर लेखिका सोचती भारत में लोग अब भी मानसिक संकीर्णता तथा अंधविश्वासों से मुक्त नहीं हुए हैं। उसे लगा कि पूरे भारत की आत्मा एक-सी है। और सारी वैज्ञानिक प्रगति के बावजूद उनके अंध-विश्वास और पाप-पुण्य की अवधारणाएँ एक-सी हैं।

4-' मैं क्यों लिखता हूँ ' (सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय')

(लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर)

1. "एक दिन मैंने हिरोशिमा पर कविता लिखी।" लेखक की अनुभूति अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर: लेखक ने हिरोशिमा की सड़क पर घूमते हुए एक पत्थर पर मानवाकार छाया देखी और अनुभव किया कि यह परमाणु बम की किरणों से झुलसा मानव था, तो लेखक के हृदय में भावनात्मक आकुलता का दबाव बना, उसे संवेदनात्मक प्रत्यक्ष अनुभूति हुई कि मानो वहाँ कोई व्यक्ति खड़ा रहा होगा जो रेडियोधर्मी किरणों का शिकार हुआ। जिसने पत्थर तक को झुलसा दिया और उस व्यक्ति को भाप बनाकर उड़ा दिया और तब उसने सहसा 'हिरोशिमा' कविता लिखी।

2. हिरोशिमा के एक जले हुए पत्थर पर पड़ी छाया को देखकर लेखक ने क्या अनुमान लगाया?

अथवा

जापान में अज्ञेय ने एक जले हुए पत्थर पर एक उजली छाया देखकर क्या सोचा?

उत्तर: लेखक सच्चिदानन्दजी जापान यात्रा के समय हिरोशिमा भी गए थे। जहाँ पर विश्व युद्ध में अणु बम बरसाए गए थे। लेखक ने वहाँ के लोगों की त्रासदी को देखा। उसे अनुभव भी हुआ कि लोग रेडियम पदार्थ से किस प्रकार प्रभावित थे। पर अनुभव पर्याप्त नहीं होता, अनुभूति कहीं गहरी संवेदना होती है जो कल्पना के सहारे सत्य का भोग लेती है। तब लेखक ने अनुमान लगाया कि विस्फोट के समय कोई आदमी वहाँ खड़ा होगा और विस्फोट से बिखरे हुए रेडियमधर्मी पदार्थ की किरणें उसमें रुद्ध गयी होंगी, जिन्होंने आगे बढ़कर पत्थर को झुलसा दिया और आदमी को भाप बनाकर उड़ा दिया होगा।

3. हिरोशिमा पर कविता लिखते समय लेखक की मनःस्थिति क्या थी? .

अथवा

हिरोशिमा पहुँच कर लेखक ने कैसा अनुभव किया? उसकी मनःस्थिति का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

अथवा

लेखक ने 'हिरोशिमा' कविता किस मानसिक स्थिति में लिखी?

उत्तर:

हिरोशिमा में पहुँच कर वहाँ के दृश्यों को देखने पर लेखक को अणुबम के विस्फोट की भयानकता का अनुभव हुआ। वहाँ की सड़कों पर घूमते हुए जले हुए पत्थर पर लम्बी उजली छाया देखकर कवि को अनुभूति हुई कि रासायनिक हमले के शिकार व्यक्तियों की क्या दशा हुई होगी? तब उन्होंने अनुमान लगाया कि मानो वहाँ कोई व्यक्ति खड़ा रहा होगा जो रेडियोधर्मी किरणों का शिकार हुआ। जिसने पत्थर तक को झुलसा दिया और उस व्यक्ति को भाप बनाकर उड़ा दिया। इसी प्रत्यक्ष अनुभूति से उन्होंने यह कविता लिखी।

4. 'मैं क्यों लिखता हूँ?' प्रश्न के उत्तर में लेखक क्या कारण बताता है ?

उत्तर: लेखक स्वयं जानना चाहता है कि वह क्यों लिखता है? इसका उत्तर देना कठिन है लेकिन लिखकर ही कोई लेखक अपने मन की विवशता को प्रकट करता है और आकुलता से मुक्त हो जाता है। यह अलग बात है कि कुछ प्रसिद्धि मिल जाने के बाद बाह्य विवशता के आधार पर भी लिखा जाता है। कुछ सम्पादकों के आग्रह से, प्रकाशक के तकाजे से और कुछ आर्थिक आवश्यकता से भी लिखा जाता है। परन्तु इसका सम्बन्ध आत्मिक अनुभूति से अधिक रहता है और यही इसका मूल कारण है।

5. 'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ के आधार पर बताइए कि कुछ आलसी लेखक कब लिखते हैं ?

उत्तर: 'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ के आधार पर लेखक बतलाता है कि कुछ आलसी लेखक बिना बाहरी दबाव के नहीं लिख पाते। उन पर संपादकों, प्रकाशकों का दबाव पड़ता है, तभी वे लिखते हैं या धन की

आवश्यकता की पूर्ति के लिए अपना लेखन कार्य करते हैं। ऐसा लेखक केवल बाहरी दबाव के कारण ही लिखता है, परन्तु वह उसके प्रति पूर्ण समर्पित नहीं हो पाता है। वह उसे केवल एक सहायक यंत्र की तरह ही काम में लेता है, जिससे भौतिक यथार्थ के साथ उसका संबंध बना रहे।

6. 'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ में लेखक ने अपने विज्ञान के ज्ञान के बारे में क्या बतलाया है ?

उत्तर: लेखक विज्ञान का विद्यार्थी रहा। वह अणु-शक्ति रेडियम-धर्मी तत्वों के प्रभाव से परिचित था। जब हिरोशिमा पर अणु-बम गिराया गया, तब उसने समाचार-पत्रों में उसके परवर्ति प्रभाव का विवरण पढ़ा। लेखक के मन में विज्ञान के इस दुरुपयोग के प्रति विद्रोह का भाव जागा। तब उसने एक लेख भी लिखा। पर अनुभूति स्तर पर जो विवशता होती है वह बौद्धिक पकड़ अथवा विज्ञान के सैद्धान्तिक ज्ञान से अलग होती है।

7. 'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ के आधार पर विस्तार से समझाइए कि लेखक को कौनसी बातें लिखने के लिए प्रेरित करती हैं ।

उत्तर: लेखक का सम्बन्ध मन की स्थिति से होता है। जब अनुभूति और प्रत्यक्ष का अनुभव रचना करने के लिए उकसाते हैं तभी व्यक्ति लेखन करता है। परन्तु प्रत्येक लेखक को कई अन्य कारणों से भी लेखन करना पड़ता है। सम्पादक यदि किसी विषय-विशेष के लिए आग्रह करे अथवा प्रकाशक का दबाव हो, तो भी लेखक को लिखना पडता है। कई तरह के आर्थिक लाभ अथवा सामाजिक और राजनीतिक दायित्व को पूरा करने के लिए भी रचनाएँ करनी पड़ती हैं। किन्तु लेखन सर्वोत्कृष्ट तभी होता है जब लेखक का भीतरी दबाव उसे विवश कर दे और वह स्वयं ही इतना बेचैन हो उठे कि लिखना अनिवार्य हो जाए।

8. लेखक की आभ्यन्तर विवशता क्या होती है? 'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ के आलोक में उत्तर दीजिए।

उत्तर: लेखक की आभ्यन्तर विवशता यह है कि वह स्वयं को पहचानने के लिए लिखता है। लेखक लिखकर अपने मन के अन्दर की विवशता को जानना चाहता है। जो विचार उसके अन्दरं छटपटाहट पैदा कर रहे हैं, उन्हें जानने के लिए लिखता है। लेखक मानता है कि कई बार बाहरी तत्वों जैसे-आर्थिक विवशता, सम्पादक का आग्रह, प्रसिद्धि पाने या बनाए रखने के लिए भी लिखा जाता है। परन्तु लेखक तटस्थ रहकर, आन्तरिक विचारों से मुक्ति पाने के लिए अपनी अनुभूति के आधार पर लिखे।

प्रश्न 9.लेखक ने अपने आपको हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता कब और किस तरह महसूस किया?

उत्तर- लेखक हिरोशिमा के बम विस्फोट के परिणामों को अखबारों में पढ़ चुका था। जापान जाकर उसने हिरोशिमा के अस्पतालों में आहत लोगों को भी देखा था। अणु-बम के प्रभाव को प्रत्यक्ष देखा था, और देखकर भी अनुभूति न हुई इसलिए भोक्ता नहीं बन सका। फिर एक दिन वहीं सड़क पर घूमते हुए एक जले हुए पत्थर पर एक लंबी उजली छाया देखी। उसे देखकर विज्ञान का छात्र रहा लेखक सोचने लगा कि विस्फोट के समय कोई वहाँ खड़ा रहा होगा और विस्फोट से बिखरे हुए रेडियोधर्मी पदार्थ की किरणें उसमें रुद्ध हो गई होंगी और जो आसपास से आगे बढ़ गईं पत्थर को झुलसा दिया, अवरुद्ध किरणों ने आदमी को भाप बनाकर उड़ा दिया होगा। इस प्रकार समूची ट्रेजडी जैसे पत्थर पर लिखी गई है। इस प्रकार लेखक हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता बन गया।

10. हिरोशिमा की घटना विज्ञान का भयानकतम दुरुपयोग है। आपकी दृष्टि में विज्ञान का दुरुपयोग कहाँ-कहाँ किस तरह से हो रहा है।

उत्तर- आजकल विज्ञान का दुरुपयोग अनेक जानलेवा कामों के लिए किया जा रहा है। आज आतंकवादी संसार-भर में मनचाहे विस्फोट कर रहे हैं। कहीं अमरीकी टावरों को गिराया जा रहा है। कहीं मुंबई बम-विस्फोट किए जा रहे हैं। कहीं गाड़ियों में आग लगाई जा रही है। कहीं शक्तिशाली देश दूसरे देशों को दबाने के लिए उन पर आक्रमण कर रहे हैं। जैसे, अमरीका ने इराक पर आक्रमण किया तथा वहाँ के जनजीवन

को तहस-नहस कर डाला। विज्ञान के दुरुपयोग से चिकित्सक बच्चों का गर्भ में भ्रूण-परीक्षण कर रहे हैं। इससे जनसंख्या का संतुलन बिगड़ रहा है। विज्ञान के दुरुपयोग से किसान कीटनाशक और जहरीले रसायन छिड़ककर अपनी फसलों को बढ़ा रहे इससे लोगों को स्वास्थ्य खराब हो रहा है। विज्ञान के उपकरणों के कारण ही वातावरण में गर्मी बढ़ रही है, प्रदूषण बढ़ रहा है, बर्फ पिघलने को खतरा बढ़ रहा है तथा रोज-रोज भयंकर दुर्घटनाएँ हो रही हैं।

11. मैं क्यों लिखता हूँ? के आधार पर बताइए कि- लेखक को कौन-सी बातें लिखने के लिए प्रेरित करती हैं? किसी रचनाकार के प्रेरणा स्रोत किसी दूसरे को कुछ भी रचने के लिए किस तरह उत्साहित कर सकते हैं?

उत्तर-लेखक को यह जानने की प्रेरणा लिखने के लिए प्रेरित करती है कि वह आखिर लिखता क्यों है। यह उसकी पहली प्रेरणा है। स्पष्ट रूप से समझना हो तो लेखक दो कारणों से लिखता है-

भीतरी विवशता से। कभी-कभी कवि के मन में ऐसी अनुभूति जाग उठती है कि वह उसे अभिव्यक्त करने के लिए व्याकुल हो उठता है।

कभी-कभी वह संपादकों के आग्रह से, प्रकाशक के तकाजों से तथा आर्थिक लाभ के लिए भी लिखता है। परंतु दूसरा कारण उसके लिए जरूरी नहीं है। पहला कारण अर्थात् मन की व्याकुलता ही उसके लेखन का मूल कारण बनती है।

12. क्या बाह्य दबाव केवल लेखन से जुड़े रचनाकारों को ही प्रभावित करते हैं या अन्य क्षेत्रों से जुड़े कलाकारों को भी प्रभावित करते हैं, कैसे?

उत्तर- बाहरी दबाव सभी प्रकार के कलाकारों को प्रेरित करते हैं। उदाहरणतया अधिकतर अभिनेता, गायक, नर्तक, कलाकार अपने दर्शकों, आयोजकों, श्रोताओं की माँग पर कला-प्रदर्शन करते हैं। अमिताभ बच्चन को बड़े-बड़े निर्माता-निर्देशक अभिनय करने का आग्रह न करें तो शायद अब वे आराम करना चाहें। इसी प्रकार लता मंगेशकर भी 50 साल से गाते - गाते थक चुकी होंगी, अब फिल्म-निर्माता, संगीतकार और प्रशंसक ही उन्हें गाने के लिए बाध्य करते होंगे।

13. हिरोशिमा पर लिखी कविता लेखक के अंतः व बाह्य दोनों दबाव का परिणाम है, यह आप कैसे कह सकते हैं?

उत्तर-हिरोशिमा पर लिखी कविता हृदय की अनुभूति होती हुई भावों और शब्दों में जीवंत हो उठी है। कवि ने हिरोशिमा के भयंकर रूप को देखा था, आहत लोगों को देखा था। उसे देखकर लेखक के मन में उनके प्रति सहानुभूति तो उत्पन्न हुई होगी। किंतु उनकी उनकी व्यक्तिगत त्रासदी नहीं बनी। जब पत्थर पर मनुष्य की काली छाया को देखा तो उन्हें अपने हृदय से अणु-बम के विस्फोट का प्रतिरूप त्रासदी बनकर मन में समाने लगा। वही त्रासदी जीवंत होकर कविता में परिवर्तित हो गई। इस तरह हिरोशिमा पर लिखी कविता अंतः दबाव का परिणाम थी। बाह्य दबाव मात्र इतना हो सकता कि जापान से लौटने पर लेखक ने अभी तक कुछ नहीं लिखा? वह इससे प्रभावित हुआ होगा और कविता लिख दिया होगा।

रचनात्मक

लेखन

अनुच्छेद लेखन

किसी भाव या विचार को व्यक्त करने के लिए सुगठित वाक्य समूह को अनुच्छेद कहते हैं।अनुच्छेद शब्द अंग्रेजी के 'पैराग्राफ' शब्द का समानार्थी है। अनुच्छेद में मूलत प्रत्येक वाक्य सुगठित होता है तथा इसमें एक भी वाक्य अनावश्यक नहीं होता इसके लेखन की संरचना बहुत ही सघन होती है क्योंकि विषय वस्तु की मुख्य बातें और मूल भाव ही इसमें व्यक्त किए जाते हैं तथा अनुच्छेद लेखन के समय शब्द सीमा का पालन किया जाता है। अनुच्छेद की भाषा सरल स्पष्ट तथा प्रभावशाली होनी चाहिए। अनुच्छेद का प्रारंभिक वाक्य आकर्षक होना चाहिए। प्राय: अच्छे अनुच्छेद का प्रारंभ किसी सूक्ति या किसी प्रसिद्ध कथन से होता है। इसके लेखन में एक ही पैराग्राफ में अपने समस्त विचारों को सहज रूप से व्यक्त किया जाता है।

अनुच्छेद लेखन के चरण अथवा भाग-

भूमिका/ परिचय 2- विस्तार/ मुख्य भाग 3- निष्कर्ष

एक प्रभावी अनुच्छेद लिखते समय निम्नलिखित बिंदुओं पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है-

अनुच्छेद लेखन समय उसके सभी पक्षों पर और संकेत बिंदुओं पर त्वरित मनन कर लेना चाहिए । यदि अनुच्छेद लेखन में संकेत बिंदु न दिए हैं तो अनुच्छेद के स्वरूप के अनुसार संकेत बिंदुओं का निर्माण कर लेना चाहिए।

संकेत बिंदु के आधार पर क्रमबद्ध रूप से लिखें।

लेखन की भाषा सरल सहज तथा प्रभावशाली होनी चाहिए।

भाषा प्रवाहपूर्ण तथा श्रृंखलाबद्ध हो तो अनुच्छेद प्रभावशाली बन जाता है।

लेखन के समय विषय वस्तु पर ही केंद्रित रहना चाहिए अनावश्यक भटकाव से बचें।

अनुच्छेद लेखन में अपने एक ही विचार को अथवा वाक्य दोहराने से बचें।

शब्द सीमा का पालन करें।

विषय वस्तु में सूक्ति अथवा किसी कविता की पंक्ति का प्रयोग कर सकते हैं।

एक सशक्त अनुच्छेद लेखन में कुछ मौलिक विचारों का समावेश आवश्यक है

अनुच्छेद में तथ्यों की प्रधानता होती है परंतु विषय वस्तु के अनुसार कल्पना सृजनात्मकता और तथ्यात्मकता में समन्वय आवश्यक है।

अनुच्छेद मूलत: निबंध का संक्षिप्त रूप ही होता है। निबंध में जहां भूमिका और निष्कर्ष कुछ बड़े होते हैं वही अनुच्छेद लेखन में संक्षिप्त भूमिका के साथ प्रधान विषय पर केंद्रित हो जाना चाहिए। निष्कर्ष मूलत: पूरे अनुच्छेद पर आप का मंतव्य तथा सार प्रकट करता है।

विशेष- पाठ्यक्रम के अनुसार अनुच्छेद 80 से 100 शब्दों में लिखने होते है प्राय: अनुच्छेद में तीन से चार संकेत बिंदु होते हैं सभी संकेत बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए अनुच्छेद क्रमिक रूप से लिखना चाहिए।

अनुच्छेद हेतु निर्धारित अंक विभाजन

भूमिका 1 अंक

विषय वस्तु 3 अंक

भाषा 1 अंक

उदाहरणस्वरूप कुछ प्रमुख अनुच्छेद लेखन नीचे दिए जा रहे हैं-

मेरे जीवन का लक्ष्य

संकेत बिंदु-: 1-जीवन में लक्ष्य की आवश्यकता 2-लक्ष्य क्यों और कैसे 3-मेरा लक्ष्य 4-लक्ष्य पाकर क्या करेंगे

जीवन में व्यक्तित्व के बहुमुखी विकास हेतु एक निश्चित लक्ष्य का होना आवश्यक है, उस अर्जुन की तरह जिसका लक्ष्य तोते की आंख पर था। आपका चलना तभी सार्थक माना जाएगा जब आप एक निश्चित मंजिल पर पहुंचते हैं।एक व्यक्ति को अपनी योग्यता एवं अपनी रूचि के अनुसार लक्ष्य निर्धारण करना चाहिए इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अनुशासन एवं कड़ा परिश्रम अत्यावश्यक है। निरंतर अभ्यास से ही लक्ष्य की प्राप्ति होती है- कहा गया कि "रसरी आवत जात ते सिल पर परत निसान।" मेरे जीवन का लक्ष्य एक सफल शिक्षक बनना है शिक्षा मनुष्य के व्यक्तित्व का विकास करती है इसलिए जीवन में शिक्षा का बहुत अधिक महत्व शिक्षक के माध्यम से ही विभिन्न लक्ष्यों का निर्धारण होता है इसलिए शिक्षक विभिन्न लक्ष्यों के निर्धारण का आधार स्तंभ है।एक शिक्षक के माध्यम से ही व्यक्ति में नैतिक मूल्यों का विकास होता है और उचित अनुचित का बोध होता है। वर्तमान समाज में व्याप्त धार्मिक कट्टरता, जातिवाद, भेदभाव, भ्रष्टाचार, नैतिक मूल्यों का पतन, नशाखोरी, बढ़ते अपराध आदि विभिन्न समस्याएं जीवन और व्यक्ति की गुणवत्ता को बुरी तरह प्रभावित करते हैं।इन बुराइयों पर नियंत्रण हेतु मुझे शिक्षक बनकर स्वयं भी अनुशासित और आदर्श रूप छात्रों के समक्ष प्रस्तुत करना है । शैक्षिक मनोविज्ञान और बाल मनोविज्ञान के सहज प्रयोग से नियमित रूप से शिक्षा देना मेरे जीवन का लक्ष्य है। कुल मिलाकर मनसा, वाचा कर्मणा एक शिक्षक के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर एक सभ्य समाज की स्थापना मेरे जीवन का प्रमुख लक्ष्य है।

ऑनलाइन शिक्षा के फायदे और नुकसान

संकेत बिंदु- 1-परिभाषा 2-ऑनलाइन शिक्षा के फायदे 3-ऑनलाइन शिक्षा के नुकसान 4-निष्कर्ष

ऑनलाइन शिक्षा वर्तमान विश्व में इंटरनेट के माध्यम से आभासी और दूरस्थ रूप से विद्यार्थियों को शिक्षित करने का एक माध्यम है,जिसने समय और दूरी की धारणा को मिटा दिया है तथा स्मार्ट शिक्षा की नई व्यवस्था की स्थापना की है, जो बढ़ते सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का प्रतिफल है। वर्तमान परिवेश में गूगल मीट, व्हाट्सएप, जूम वीडियो आदि इसके प्रमुख साधन बनकर उभरे हैं। कोविड-19 काल में ऑनलाइन शिक्षा ने शिक्षण की बाधित परंपरा को सुचारू ढंग से चलाने का काम किया। इसने बच्चों का शिक्षकों के साथ नियमित 24 घंटे का संपर्क स्थापित किया।इसने शिक्षा व्यवस्था को लचीलापन बनाया व दूरदराज के बच्चों को शिक्षा सुलभ हुई। इसके माध्यम से कभी भी शिक्षा प्रदान की जा सकती है।कोविड-19 में महामारी से सुरक्षा प्रदान करते हुए इसने यात्रा एवं समय के साथ धन की बचत का कार्य पूरा किया।ऑनलाइन शिक्षण में वीडियो, ग्राफिक्स, रेखा चित्र आदि के माध्यम से शिक्षा से बच्चों के अधिगम में सरलता आई तथा शिक्षा बोझिल न होकर मनोरंजक हुई। किसी भी सिक्के के दो पहलू होते हैं इस शिक्षा व्यवस्था के जहां फायदे हैं वहीं इसकी सीमाएं भी उभर कर आई है।इस शिक्षा में छात्र और अध्यापक में पूरी तरह से भावनात्मक संबंध स्थापित नहीं हो पाता। छात्रों पर शिक्षकों का पूर्ण नियंत्रण नहीं हो पाता तथा अनुशासनात्मक समस्याएं भी पैदा होती है ऑनलाइन परीक्षा की विश्वसनीयता में भी संदेह है। तकनीकी पर अधिक निर्भरता ने हमारी बौद्धिक रचनात्मक प्रक्रिया को क्षीण किया है। नेटवर्क की समस्या ने दूरदराज और ग्रामीण पृष्ठभूमि के बच्चों को प्रभावित किया है। इस शिक्षा से शारीरिक शिक्षा खेल आदि की शिक्षा अधूरी रह जाती है। बच्चों को प्रतिस्पर्धा का वातावरण नहीं मिल पाता। प्रैक्टिकल यानी व्यावहारिक शिक्षा का अभाव भी होता है जो केवल आमने-सामने की शिक्षा में ही संभव है। निष्कर्ष रूप में हम कह सकते हैं कि 21वीं सदी की आवश्यकता के अनुसार ऑनलाइन शिक्षण बहुत जरूरी है परंतु इसे

शिक्षा के माध्यम के पूरक रूप में ही इस्तेमाल करना चाहिए ताकि बच्चों के व्यक्तित्व का संतुलित विकास हो सके।

ग्लोबल वार्मिंग (वैश्विक तापन/ वैश्विक ऊष्मन)

संकेत बिंदु-: 1-ग्लोबल वार्मिंग 2- कैसे? 3-ग्लोबल वार्मिंग का दुष्प्रभाव 4-बचाव (उपसंहार)

"दिल के फफोले जल उठे सीने की आग से, इस घर को आग लग गई घर के चिराग से" ये पंक्तियां ग्रीनहाउस गैसों से हमारी धरती के गर्म होने की घटना अर्थात ग्लोबल वार्मिंग को सहज रूप में ही व्यक्त कर देती है।ग्लोबल वार्मिंग अर्थात वैश्विक तापन या वैश्विक उष्णता का अर्थ है संपूर्ण पृथ्वी के तापमान में वृद्धि होना हमारी धरती का वातावरण एक ग्रीन हाउस की तरह कार्य करता है जिसमें सूर्य से आने वाली सूक्ष्म तरंगे पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करती हैं तथा पृथ्वी से जब वे तरंगे परावर्तित होती है तो दीर्घ तरंगों के रूप में उत्सर्जित होती है हमारा वायुमंडल इन तरंगों के लिए पूरी तरह पारगम्य नहीं है। वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड, मिथेन तथा जलवाष्प की उपस्थिति के कारण यह पारगम्यता और भी कम हो जाती है जिससे धरती के तापमान में क्रमिक वृद्धि होती है। कल कारखानों वाहनों आदि के अबाधित प्रयोग से कार्बन डाई ऑक्साइड का उत्सर्जन ग्लोबल वार्मिंग के प्रमुख कारक है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण धरती का तापमान बढ़ने से हिम ग्लेशियर पिघल रहे हैं और समुद्री जलस्तर के बढ़ने का खतरा बन रहा है जिससे छोटे समुद्री द्वीपीय देशों के डूबने का संकट है। इसके कारण कोरल रीफ पर संकट, चक्रवात, वैश्विक उत्पादन में कमी तथा विभिन्न बीमारियों के प्रकोप का खतरा बढ़ जाता है। ग्लोबल वार्मिंग पर नियंत्रण पाने हेतु जापान के क्योटो शहर में क्योटो प्रोटोकोल की अवधारणा अपनाई है जिसमें कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन मे एक निश्चित सीमा तक कमी की बात विभिन्न देशों के द्वारा की गई। कार्बन क्रेडिट अवधारणा, ऊर्जा के गैर परंपरागत संसाधनों के प्रयोग पर बल देना, वृक्षारोपण अभियान ग्लोबल वार्मिंग पर नियंत्रण हेतु प्रमुख साधन है ।हमें भावी पीढ़ी के विकास से समझौता किए बिना वर्तमान पीढ़ी को आगे बढ़ाना है इसके लिए संपोषणीय विकास की अवधारणा सार्थक हो सकती है। कुल मिलाकर दृढ़ निश्चय जागरूकता और विश्व के समस्त देशों के नवाचारी प्रयासों के माध्यम से ग्लोबल वार्मिंग पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

कोरोनावायरस: चुनौतियां एवं नए अवसर

संकेत बिंदु-: 1- परिचय 2- चुनौतियां 3- नए अवसर 4- निष्कर्ष

"कोई हाथ भी न मिलाएगा अगर गले मिलोगे तपाक से यह नए मिज़ाज का शहर है जरा फासले से मिला करो" बशीर बद्र की ये प्रसिद्ध पंक्तियां क्वारंटाइन, लॉकडाउन सोशल डिस्टेंसिंग की सहज ही याद दिला देती है जो कोरोना के संदर्भ में पूरी दुनिया में प्रचलित शब्द हो गए हैं। कोरोना एक विषाणु जनित महामारी है जो मनुष्य से मनुष्य में फैलती है चीन के वुहान शहर से दिसंबर 2019 में प्रारंभ कोरोना से लाखों लोगों की मृत्यु हो चुकी है सन 2020-21 के समय इसका चरम काल था और यह वर्तमान में भी है बना हुआ है।इसके कारण लोगों के जीवन स्तर में गिरावट, स्वास्थ्य की समस्या, मृत्यु दर में वृद्धि, विस्थापन, बेरोजगारी, गरीबी, बचत और निवेश में कमी, आर्थिक मंदी,जीडीपी में कमी आई है। पुरुषों के बेरोजगार होने के कारण घर में महिलाओं के प्रति घरेलू हिंसा में वृद्धि हुई है। एकाकी जीवन होने से चिड़चिड़ापन, तनाव, अनिद्रा में वृद्धि हुई। नैतिक मूल्यों का पतन हुआ क्योंकि इलाज उसी का हो सकता था जो सामर्थ्यवान होगा परंतु यह सर्वविदित है कि प्रत्येक रात्रि अपने साथ उषा की सुनहरी किरण भी लेकर आती है। इसी परिप्रेक्ष्य में कोरोना में नए अवसरों का सृजन हुआ है लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता, अनुशासन की भावना का विकास, लॉकडाउन की वजह से पर्यावरण की गुणवत्ता में सुधार, आपराधिक कार्यों में कमी, स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार, ऑनलाइन बिजनेस और ऑनलाइन कार्यों में वृद्धि हुई। भारत में आपदा में नए

अवसरों का सृजन हुआ।आत्मनिर्भर भारत के साथ-साथ, आयुर्वेदिक चिकित्सा, वैक्सीन निर्माण ,पीपीई किट के निर्माता के रूप में विश्व में भारत स्थिति बहुत सशक्त हुई है भारत में ऑनलाइन कार्यों में बढ़ोतरी हुई है उदाहरण स्वरूप ऑनलाइन शिक्षा ने भारतीय शिक्षा व्यवस्था में क्रांतिकारी परिवर्तन किया है।निष्कर्ष रूप में आज भी यह वायरस पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है क्योंकि यह परिवर्तन द्वारा दुनिया के समक्ष नए नए रूपों में प्रस्तुत हो रहा है। आवश्यकता है समस्त विश्व को एकजुट होकर अपनी लोभी उपभोक्तावादी और प्रकृति को अपने बस में कर लेने की भावना को त्यागकर समावेशी और संपोषणीय विकास को बल देने का, तभी जाकर 'सर्वे भवंतु सुखिनः' तथा 'जियो और जीने दो' की अवधारणा चरितार्थ हो सकती है।

पत्र लेखन

आज के सोशल मीडिया में चाहे जितना शोर हो लेकिन पत्रों के विना जीवन में बहुत कुछ छूटा सा लगता है चाहे हम किसी से निवेदन करना चाहे या शुभकामना देने को सोचे पत्र उसमे शक्ति, सुगमता तथा मन:स्थिति को एक नया दिशा देने का काम करते है|इसलिए इतने महत्व के विषय के लेखन में हमें कुछ सावधानिय भी रखनी पड़ेगी जो निम्नलिखित है

- सरल और स्पष्ट भाषा का प्रयोग
- शिष्टता का निर्वाह
- पत्र प्राप्त करने वाले का पद, योग्यता, सम्बन्ध, स्तर, आयु आदि|
- विषय-वस्तु की पूर्णता
- अनावश्यक विस्तार से बचाव
- अशिष्ट शब्दों का निषेध|

पत्रों के भेद- पत्रों के मुख्यरूप से दो भेद होते है|

1- औपचरिक पत्र

2- अनौपचारिक पत्र

औपचारिक पत्र :

इस श्रेणी के पत्रों को कई उपवर्गों में बाँटा जा सकता है; जैसे -

- प्रधानाचार्य को लिखा जाने वाला प्रार्थना पत्र
- कार्यालयों को लिखा जाने वाला प्रार्थना पत्र
- शिकायत सुझाव संबंधी पत्र
- संपादकीय पत्र
- आवेदन पत्र

इन पत्रों को लिखने का ढंग तथा इनकी भाषा-शैली में अंतर होता है। इन पत्रों का प्रारूप समझ लेने से पत्र लेखन में सुविधा होती है तथा परीक्षा में पूरे अंक लाए जा सकते हैं। आइए इनके प्रारूप और उदाहरण देखते हैं।

. प्रधानाचार्य को लिखे जाने वाले पत्र का प्रारूप

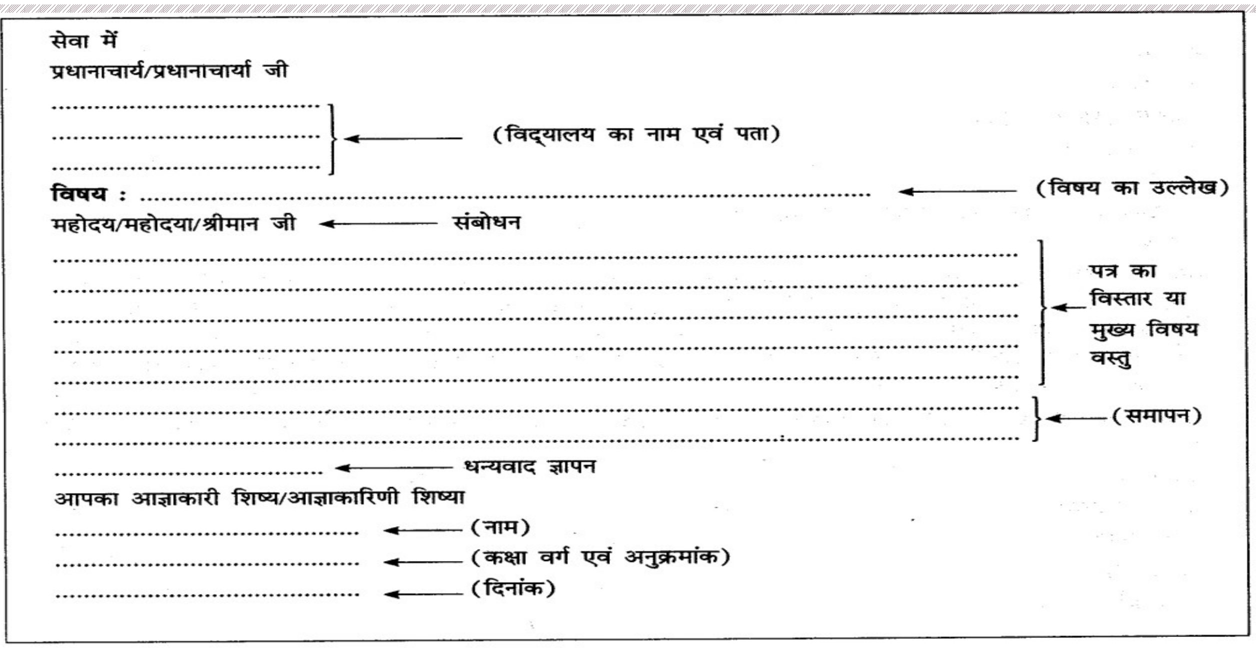

प्रधानाचार्य के नाम पत्रों के कुछ उदाहरण

1. आप ज्वरग्रस्न हैं। डॉक्टर ने आपको तीन दिन आराम करने की सलाह दी है। इसका उल्लेख करते हुए अपने विद्यालय प्रधानाचार्य को अवकाश हेतु प्रार्थना पत्र लिखिए।

सेवा में
प्रधानाचार्य
रा.व.मा. बाल विद्यालय नं. 1
श्रीनिवासपुरी, दिल्ली।

विषय- ज्वरग्रस्त होने पर अवकाश के संबंध में।

महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय की IX कक्षा का छात्र हूँ। परसों विद्यालय से घर जाते समय मैं भीग गया था। इससे मुझे कल शाम से अचानक तेज़ बुखार आ रहा है। डॉक्टर ने मुझे दवाओं के साथ तीन दिन का आराम करने की सलाह दी है ताकि मैं पूरी तरह ठीक हो सकूँ।
आपसे प्रार्थना है कि मेरी अस्वस्थता को ध्यान में रखते हुए मुझे तीन दिन का अवकाश देने की कृपा करें।

सधन्यवाद

आपका आज्ञाकारी शिष्य
विनय वर्मा
IX A अनु० 25
22 अगस्त, 20XX

2. आपके विद्यालय में पीने के पानी की व्यवस्था अच्छी नहीं है। छात्रों की धक्का-मुक्की में एक छात्र गिरकर चोटिल हो गया। इसका उल्लेख करते हुए अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को पीने के पानी की व्यवस्था ठीक करवाने हेतु प्रार्थना पत्र लिखिए।

सेवा में
प्रधानाचार्य
राजकीय सर्वोदय विद्यालय
सेक्टर 15, रोहिणी
दिल्ली।
विषय-पीने के पानी की अव्यवस्था के संबंध में।

महोदय

सविनय निवेदन यह है कि इस विद्यालय की नौवीं कक्षा का छात्र हूँ। इस विद्यालय में लगभग ढाई हज़ार छात्र-छात्राएँ अध्ययनरत हैं। इतने छात्रों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था के रूप में तीन टोंटियाँ लगी हैं जिससे हर समय यहाँ भीड़ लगी रहती है। यहाँ अक्सर छात्रों को धक्का-मुक्की करते देखा जा सकता है। प्रायः बड़ी कक्षा के छात्र छोटे बच्चों को किनारे करके खुद पानी पीने की जल्दी में रहते हैं। परसों ही किसी बड़े छात्र के धक्के से छठी कक्षा का छात्र गिर गया। इससे उसका हाथ टूट गया और उसे अस्पताल ले जाना पड़ा।

आपसे प्रार्थना है कि हम छात्रों की समस्या को ध्यान में रखते हुए नई टंकी रखवाने एवं टोटियों की संख्या बढ़ाने का कष्ट करें।

सधन्यवाद

आपका आज्ञाकारी शिष्य
क्षितिज शर्मा
IX B अनु. 15
10 जुलाई, 20xx

3. आपके विद्यालय में खेल सुविधाएँ बहुत कम हैं। अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए, जिसमें खेल संबंधी सुविधाएँ उपलब्ध कराने की प्रार्थना की गई हो।

सेवा में
प्रधानाचार्य महोदय
रा.व.मा. बाल विदयालय
मंगोलपुरी दिल्ली।
विषय-खेल संबंधी असुविधाओं के संबंध में।
महोदय

मैं आपके विद्यालय की नौवीं कक्षा का छात्र हूँ। मैं आपका ध्यान इस विद्यालय में खेल संबंधी कमियों की ओर आकर्षित कराना चाहता हूँ। श्रीमान, बरसात के बाद हमारे विद्यालय के खेल का मैदान जगह-जगह के कारण मच्छर एवं अन्य कीट-पतंगों की भरमार हो गई है जिससे वहाँ खेला नहीं जा सकता है। इसके अलावा यहाँ खेल के सामानों की घोर कमी है। इससे खेल-पीरियड में हमें माँगने पर सामान नहीं

मिल पाता है। जो सामान मिलते हैं वे दयनीय स्थिति में होते हैं। इससे हम छात्र खेलने से वंचित रह जाते हैं और हम चाहकर भी खेल प्रतियोगिताओं में कोई पदक नहीं ला पाते हैं।

अतः आपसे प्रार्थना है कि खेलों का नया सामान मँगवाने के अलावा खेल के मैदान की दशा सुधारने के लिए आवश्यक कदम उठाने की कृपा करें।

धन्यवाद

भवदीय
तुषार कुमार
IX 'अ' अनु-10
13 अगस्त, 20XX

4. आपके विद्यालय के पुस्तकालय में हिंदी की पत्र-पत्रिकाओं की कमी है, जिससे हिंदी माध्यम के छात्र पुस्तकालय जाने में अरुचि दिखाने लगे हैं। इस ओर प्रधानाचार्य का ध्यान आकृष्ट करवाते हुए प्रार्थना पत्र लिखिए।

सेवा में
प्रधानाचार्य
नवदीय सीनियर सैकेंड्री स्कूल
नांगलोई, दिल्ली।
विषय-विद्यालय के पुस्तकालय में हिंदी पत्र-पत्रिकाओं की संख्या बढ़ाने के संबंध में।

महोदय

विनम्र निवेदन यह है कि मैं इस विद्यालय की नौवीं कक्षा का छात्र हूँ। हमारे विद्यालय का पुस्तकालय अत्यंत समृद्ध है। यहाँ तरह-तरह के विषयों की हज़ारों पुस्तकें हैं। यहाँ नियमित रूप से अनेक समाचार-पत्र और पत्रिकाएँ मँगवाई जाती हैं पर इनमें हिंदी माध्यम के समाचार पत्र और पत्रिकाओं की संख्या नगण्य है। कभी-कभी एक-दो पत्रिकाएँ मँगवाकर खानापूर्ति कर दी जाती है। यहाँ की पुरानी पत्र-पत्रिकाएँ पढ़कर हमारा जी भर गया है। इससे अब हिंदी माध्यम के छात्र पुस्तकालय आने में रुचि नहीं लेते हैं। हम छात्र चाहते हैं कि यहाँ भी चंदा माना, चंपक, लोट-पोट, बाल हंस, पराग, नंदन, सुमन सौरभ आदि पत्रिकाएँ मँगवाई जाएँ।
आपसे प्रार्थना है कि हम छात्रों की रुचि देखते हुए हिंदी की उक्त पत्रिकाएँ मँगवाने का कष्ट करें।

धन्यवाद

आपका आज्ञाकारी शिष्य
पुष्कर शर्मा
IX 'स', अनु. 27
10 नवंबर 20XX

5 आपके विद्‌यालय की कैंटीन में खाद्‌य सामग्री की घटती गुणवत्ता की ओर ध्यान आकर्षित कराते हुए अपने विद्‌यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।

सेवा में
प्रधानाचार्य
जयहिंदी पब्लिक स्कूल
लाजपत नगर IV, दिल्ली

विषय-कैंटीन की खाद्‌य सामग्री की घटती गुणवत्ता के संबंध में।

महोदय

निवेदन यह है कि मैं इस विद्‌यालय की नौवीं कक्षा का छात्र हूँ। छात्रों को ताजा एवं पौष्टिक भोजन मिल सके, इसके लिए कैंटीन की व्यवस्था की गई थी। शुरू-शुरू में कैंटीन में मिलने वाला भोजन घर के भोजन के समान ही स्वादिष्ट एवं पौष्टिक होता था परंतु आजकल इस कैंटीन के भोजन की गुणवत्ता का स्तर गिर गया है। अब तो बस यहाँ जंकफूड की अधिकता में बाकी सब दबकर रह गया है। कभी-कभी तो बासी समोसे और बासी ब्रेड-पकौड़े ताज़ा के नाम पर बेच दिए जाते हैं जिसका प्रतिकूल असर छात्रों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। ये वस्तुएँ खाकर कई छात्र बीमार भी पड़ चुके हैं।

आपसे प्रार्थना है कि आप स्वयं औचक निरीक्षण कर वास्तविकता को जानें और खाद्‌य सामग्री की गुणवत्ता में सुधार लाने का कष्ट करें।

धन्यवाद

आपका आज्ञाकारी शिष्य
मयंक वर्मा
IX-सी अनु-44
20 अप्रैल, 20XX

कार्यालयों को लिखे जाने वाले पत्रों का प्रारूप :

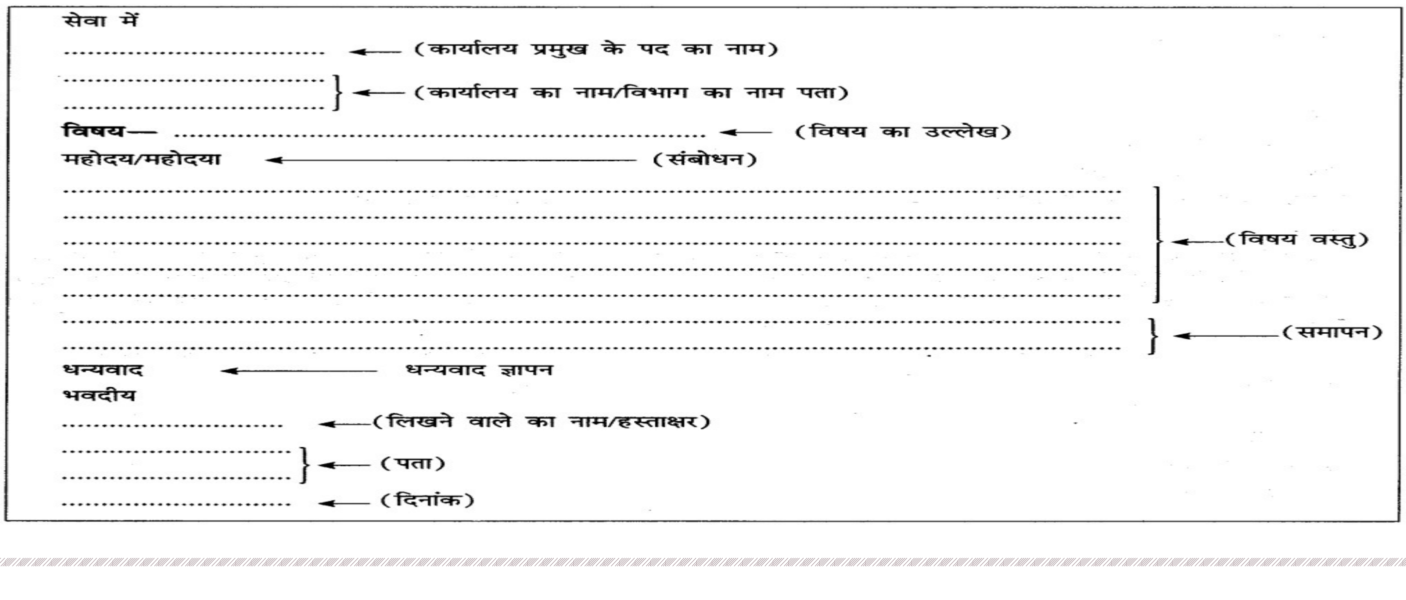

सेवा में
.... ← (कार्यालय प्रमुख के पद का नाम)
....
.... } ← (कार्यालय का नाम/विभाग का नाम पता)
विषय— .... ← (विषय का उल्लेख)
महोदय/महोदया ← (संबोधन)
....
....
.... } ← (विषय वस्तु)
....
....
....
.... } ← (समापन)
धन्यवाद ← धन्यवाद ज्ञापन
भवदीय
.... ← (लिखने वाले का नाम/हस्ताक्षर)
....
.... } ← (पता)
.... ← (दिनांक)

कार्यालय संबंधी प्रार्थना पत्र

1. आपके विद्यालय के पुस्तकालय में हिंदी की पत्र-पत्रिकाओं की घोर कमी है, जिससे हिंदी माध्यम के छात्र पुस्तकालय जाने में अरुचि दिखाने लगे हैं। इस ओर प्रधानाचार्य का ध्यान आकृष्ट करवाते हुए प्रार्थना पत्र लिखिए।

सेवा में
प्रधानाचार्य
केंद्रीय विद्यालय
नांगलोई, दिल्ली।
विषय-विद्यालय के पुस्तकालय में हिंदी पत्र-पत्रिकाओं की संख्या बढ़ाने के संबंध में।
महोदय

विनम्र निवेदन यह है कि मैं इस विद्यालय की नौवीं कक्षा का छात्र हूँ। हमारे विद्यालय का पुस्तकालय अत्यंत समृद्ध है। यहाँ तरह-तरह के विषयों की हज़ारों पुस्तकें हैं। यहाँ नियमित रूप से अनेक समाचार-पत्र और पत्रिकाएँ मँगवाई जाती हैं पर इनमें हिंदी माध्यम के समाचार पत्र और पत्रिकाओं की संख्या नगण्य है। कभी-कभी एक-दो पत्रिकाएँ मँगवाकर खानापूर्ति कर दी जाती है। यहाँ की पुरानी पत्र-पत्रिकाएँ पढ़कर हमारा जी भर गया है। इससे अब हिंदी माध्यम के छात्र पुस्तकालय आने में रुचि नहीं लेते हैं। हम छात्र चाहते हैं कि यहाँ भी चंदा माना, चंपक, लोट-पोट, बाल हंस, पराग, नंदन, सुमन सौरभ आदि पत्रिकाएँ मँगवाई जाएँ।

आपसे प्रार्थना है कि हम छात्रों की रुचि देखते हुए हिंदी की उक्त पत्रिकाएँ मँगवाने का कष्ट करें।

सधन्यवाद

आपका आज्ञाकारी शिष्य
पुष्कर शर्मा
IX 'स', अनु. 27
10 नवंबर 20XX

2-. आपने आठवीं तक की पढ़ाई हिंदी माध्यम से की है। आपको नौवीं के जिस वर्ग में प्रवेश मिला है, उसमें अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई की जाती है। इससे आपकी समझ में नहीं आ रहा है। इसका उल्लेख करते हुए विद्यालय की प्रधानाचार्या को प्रार्थना पत्र लिखिए।

सेवा में
प्रधानाचार्या
सर्वोदय कन्या विद्यालय
पुलिस लाइंस, दिल्ली

विषय-सेक्शनबदलवाने के संबंध में।
महोदया

सविनय निवेदन यह है कि मैं इस विद्यालय में नौवीं 'अ' कक्षा की छात्रा हूँ। मैंने आठवीं तक की पढ़ाई गाँव में रहकर हिंदी माध्यम से की है। मुझे नौवीं के जिस सेक्शन में प्रवेश दिया गया है उसमें

अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई कराई जाती है। इस कारण पाठ्यक्रम मेरी समझ में नहीं आ रहा है और मैं पढ़ाई में लगातार पिछड़ती जा रही हूँ। विज्ञान और गणित जैसे विषयों में मुझे विशेष परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।
अतः आपसे प्रार्थना है कि मेरी परेशानी को ध्यान में रखते हुए मेरा सेक्शनIX 'अ' से हिंदी माध्यम वाले सेक्शनIX 'द' में करने की कृपा करें ताकि पढ़ाई में अपना मन लगा सकूँ।

सधन्यवाद

आपकी आज्ञाकारिणी छात्रा
अनुपमामौर्या
IX 'अ' अनु. 34
15 अप्रैल 20XX

3 आपके विद्यालय की कैंटीन में खाद्य सामग्री की घटती गुणवत्ता की ओर ध्यान आकर्षित कराते हुए अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।

सेवा में
प्रधानाचार्य जी
जयहिंदी पब्लिक स्कूल
लाजपत नगर IV, दिल्ली

विषय-कैंटीन की खाद्य सामग्री की घटती गुणवत्ता के संबंध में।

महोदय

निवेदन यह है कि मैं इस विद्यालय की नौवीं कक्षा का छात्र हूँ। छात्रों को ताजा एवं पौष्टिक भोजन मिल सके, इसके लिए कैंटीन की व्यवस्था की गई थी। शुरू-शुरू में कैंटीन में मिलने वाला भोजन घर के भोजन के समान ही स्वादिष्ट एवं पौष्टिक होता था परंतु आजकल इस कैंटीन के भोजन की गुणवत्ता का स्तर गिर गया है। अब तो बस यहाँ जंकफूड की अधिकता में बाकी सब दबकर रह गया है। कभी-कभी तो बासी समोसे और बासी ब्रेड-पकौड़े ताज़ा के नाम पर बेच दिए जाते हैं जिसका प्रतिकूल असर छात्रों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। ये वस्तुएँ खाकर कई छात्र बीमार भी पड़ चुके हैं।
आपसे प्रार्थना है कि आप स्वयं औचक निरीक्षण कर वास्तविकता को जानें और खाद्य सामग्री की गुणवत्ता में सुधार लाने का कष्ट करें।

धन्यवाद

आपका आज्ञाकारी शिष्य
मयंक वर्मा
IX-सी अनु-44
20 अप्रैल, 20XX

2-. आपके क्षेत्र में डेंगू, मलेरिया और स्वाइनफ्लू जैसी बीमारियाँ पैर पसारने लगी हैं। अस्पतालों में रोगियों की भरमार लगी है। चिकित्सीय सुविधाओं के अभाव की ओर ध्यान दिलाते हुए स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखिए।

सेवा में
माननीय स्वास्थ्य मंत्री
दिल्ली सरकार, दिल्ली
10 सितंबर, 20XX

विषय-डेंगू, मलेरिया आदि बीमारियों के इलाज की सुविधा की कमी के संबंध में
महोदय,
निवेदन यह है कि बरसात का मौसम अपने साथ कई बीमारियाँ भी लेकर आता है। साफ़-सफ़ाई और देख-रेख के अभाव में ये बीमारियाँ जानलेवा बन जाती हैं। हमारे क्षेत्र में जगह-जगह पानी भरने और गंदगी के कारण मच्छर-मक्खियों की भरमारहो गई है। इससे क्षेत्र में डेंगू, मलेरिया और स्वाइनफ्लू जैसी बीमारियाँ पैर पसारने लगी हैं। इनके इलाज के लिए अस्पतालों में मरीजों की लंबी-लंबी लाइनें लगी हुई हैं। इन अस्पतालों में चिकित्सीय सुविधाओं जैसे डॉक्टर, दवाएँ, बेड आदि की कमी के कारण कई लोग असमय मौत का शिकार बन चुके हैं। लोगों की जान बचाने के लिए चिकित्सीय सुविधाएँ बढ़ाने की तुरंत आवश्यकता है।

आपसे प्रार्थना है कि आप इस क्षेत्र के अस्पताल का आकस्मिक निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति को जानें और चिकित्सीय सुविधाएँ बढ़ाने के लिए तुरंत निर्देश दें।

धन्यवाद सहित
भवदीय
अमन वर्मा
सी-921/3
सीमापुरी दिल्ली।

3- टेलीफ़ोन निगम लिमिटेड के महाप्रबंधक को पत्र लिखिए जिसमें आपकी कॉलोनी में नेटवर्क खराब रहने तथा अचानक बढ़कर आए बिल का उल्लेख किया गया हो।

परीक्षा भवन
नई दिल्ली
15 दिसंबर, 20XX

महाप्रबंधक महोदय
टेलीफ़ोन निगम लिमिटेड
कनाटप्लेस, दिल्ली।

विषय-नेटवर्क खराब रहने तथा अचानक बढ़े बिल के संबंध में।

महोदय

मैं आपका ध्यान अपने नागिया पार्क मुहल्ले की एम.टी.एन.एल. सेवा की कमी और अचानक बढ़कर आए बिल की ओर आकर्षित करवाना चाहता हूँ। टी.एन.एल. की सेवा में पिछले महीने से कमी आनी शुरु हो गई जिससे फोन सुनना और फोन करना कठिन हो गया है। फोन पर आवाज़ आते-आते बंद होना, खड़खड़ाहट होना जैसी बात आम हो गई है। पता नहीं क्यों इस सेवा का नेटवर्क इतना खराब हो गया। इधर हमें जो बिल दिया गया है, उसे आठ से दस गुना तक बढ़ा दिया गया है। यह समस्या हमारी ही नहीं बल्कि पूरे नागिया पार्क की है। क्षेत्रीय कार्यालय में हमारी समस्या सुनने को कोई तैयार नहीं है। इस बढ़े बिल ने हम उपभोकताओं का चैन छीन लिया है।।

अतः आपसे प्रार्थना है कि इस मामले में तुरंत आवश्यक कदम उठाएँ एवं सेवा में सुधार करते हुए दुबारा वास्तविक बिल प्रदान करवाएँ।

सधन्यवाद,

भवदीय
कुलदीपसैनी

आवेदन पत्र (नौकरी आदि के लिए) का प्रारूप

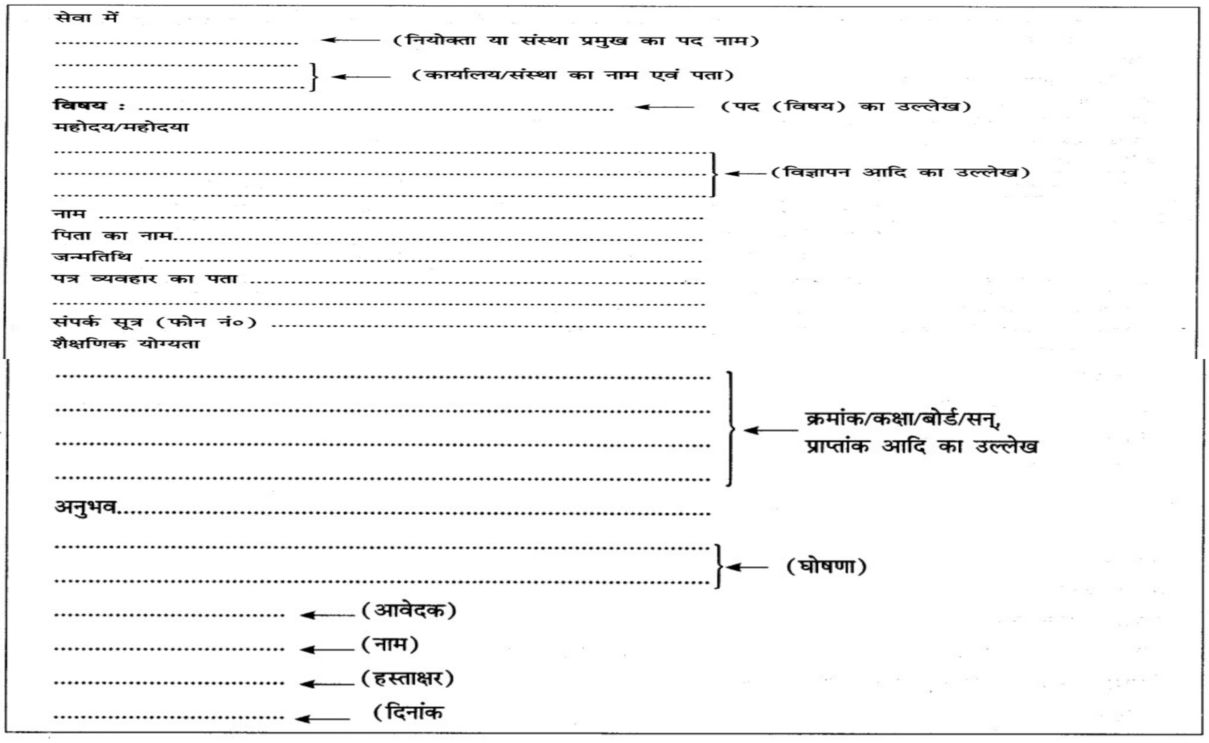
सेवा में
.... ← (नियोक्ता या संस्था प्रमुख का पद नाम)
.... } ← (कार्यालय/संस्था का नाम एवं पता)
विषय : .... ← (पद (विषय) का उल्लेख)
महोदय/महोदया
.... } ← (विज्ञापन आदि का उल्लेख)
नाम ....
पिता का नाम........................
जन्मतिथि ....
पत्र व्यवहार का पता ....
संपर्क सूत्र (फोन नं०) ....
शैक्षणिक योग्यता
.... } ← क्रमांक/कक्षा/बोर्ड/सन्, प्राप्तांक आदि का उल्लेख
अनुभव........................
.... } ← (घोषणा)
.... ← (आवेदक)
.... ← (नाम)
.... ← (हस्ताक्षर)
.... ← (दिनांक

1. उत्तरी रायपुर नगर निगम में प्राथमिक अध्यापकों के कुछ पद रिक्त हैं। इस पद हेतु अपनी योग्यता का उल्लेख करते हुए सहायक आयुक्त (शिक्षा) को आवेदन पत्र प्रस्तुत कीजिए।

उत्तरः

सेवा में

सहायक आयुक्त शिक्षा

उत्तरी रायपुर नगर निगम

टाउन हाल, रायपुर

विषय-प्राथमिक अध्यापक पद हेतु आवेदन पत्र।

महोदय

11 सितंबर 20XX के नवभारतटाइम्स में प्रकाशित विज्ञापन के संबंध में मैं भी अपना आवेदन पत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ, जिसका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है -

नाम - आलोक कुमार

पिता का नाम - मोहन सिंह

जन्म तिथि - 26 दिसंबर 1993

पत्र-व्यवहार का पता - A-115/4 सोमबाजार, रोड, संतनगर, दिल्ली।

संपर्क सूत्र - 011-2764......

शैक्षिक योग्यता

अनुभव-संत सुजान सिंह पब्लिक स्कूल में 1 वर्ष से प्राथमिक शिक्षक पद पर कार्यरत है।

घोषणा-उपर्युक्त विवरण मेरी जानकारी के अनुसार पूर्णतः सत्य है। आशा है कि मेरी योग्यता पर विचार कर आप सेवा का अवसर अवश्य देंगे।

सधन्यवाद

आवेदक - आलोक कुमार

हस्ताक्षर ......

13 सितंबर 20XX

अनौपचारिक पत्र

अनौपचारिक पत्र का प्रारूप

....

.... } ← अपना पता या परीक्षा भवन/छात्रावास आदि

....

दिनांक : ....

.... ← यथोचित संबोधन

.... ← यथोचित प्रणाम/नमस्ते/आशीर्वाद

....

.... } ← कुशल क्षेम

....

....

.... } ← मुख्य विषय वस्तु

....

....

....

.... } ← समापन

.... संबंधों का उल्लेख

.... प्रेषक का नाम

अनौपचारिक पत्रों के उदाहरण
बड़ों को पत्र
1.आपको नए सत्र के आरंभ में पुस्तकें, ड्रेस तथा कापियाँ खरीदने के अलावा फ़ीस भी जमा करवाना है। इसका उल्लेख करते हुए रुपये मँगवाने के लिए अपने पिता को पत्र लिखिए।

छात्रावास दयाल
दयालबाग, आगरा (उ०प्र०)
28 मार्च 20XX
पूज्य पिता जी
सादर चरण स्पर्श।
मैं यहाँ सकुशल रहकर आशा करता हूँ कि आप सभी लोग आनंद से होंगे। पिता जी, कल घोषित हुए परिणाम से पता चला कि मैं कक्षा में प्रथम आया हूँ, यह जानकर आपको काफ़ी खुशी होगी। नए सत्र, की पढ़ाई 02 अप्रैल से शुरू हो जाएगी। इसके लिए मुझे नई किताब-कापियाँ और ड्रेस खरीदनी है। इसके अलावा छात्रावास की फ़ीस भी जमा करवानी है। इसके लिए मुझे पाँच हज़ार रुपये की आवश्कता है। किताब-कापियाँ खरीदकर मैं नए सत्र की पढ़ाई शुरू कर दूंगा। आप रुपये मेरे खाते में जमा करवा दीजिएगा ताकि मैं समय से फ़ीस जमा कर सकूँ।
पूज्य माता जी को प्रणाम और चाँदनी को स्नेह। शेष सब कुशल है।

आपका प्रिय पुत्र
पुलकित

2.आप अपने विद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए जाना चाहते हैं। इसके लिए अनुमति माँगते हुए अपने पिता जी को पत्र लिखिए।
परीक्षा भवन
नई दिल्ली
25 जुलाई 20XX
पूज्य पिता जी
सादर चरण स्पर्श।
मैं यहाँ सकुशल रहकर आशा करता हूँ कि आप भी सकुशल होंगे। मैं आप सब की कुशलता हेतु प्रार्थना करता हूँ। पिता जी, आपको तो पता ही होगा कि आजकल फैज़ाबाद और उसके आसपास के क्षेत्र में बाढ़ आई हुई है। इससे वहाँ रहने वालों का जीवन संकट में पड़ गया है। इन बाढ़ पीड़ितों की मदद से हमारे विद्यालय से एक दल राहत सामग्री, दवाइयाँ और कपड़े लेकर जा रहा है। इसमें हमारी कक्षा के छात्र-छात्राएँ भी जा रहे हैं। मनुष्यता की सेवा के इस पावन काम में मैं भी हाथ बँटाना चाहता हूँ। इसके लिए आपकी अनुमति की आवश्यकता है।

पूज्या माता जी को चरण स्पर्श और शैली को प्यार। शेष सब ठीक है। पत्रोत्तर की प्रतीक्षा में,
आपका प्रिय पुत्र
चंदन कुमार

3. अपने बड़े भाई की स्वास्थ्य संबंधी सलाह मानने के कारण आपका स्वास्थ्य सुधरता जा रहा है। इसके लिए उन्हें धन्यवाद देते हुए पत्र लिखिए।

आनंद निकेतन छात्रावास
यपुर, राजस्थान।
10 दिसंबर, 20XX
आदरणीय भाई साहब
सादर प्रणाम।

मैं यहाँ सकुशल रहकर आशा करता हूँ कि आप सब भी सकुशल होंगे। इसके लिए मैं ईश्वर से यही प्रार्थना करता हूँ। भाई साहब, इस बार छात्रावास में आते ही मैंने आपके बताने के अनुसार प्रातः पाँच बजे उठना शुरू कर दिया हूँ। मैं आधे घंटे तक व्यायाम करता हूँ, दौड़ता हूँ। इसे मैंने प्रतिदिन का नियम बना लिया है। शाम को मैं एक-डेढ़ घंटे नियमित रूप से खेलों में भाग ले रहा हूँ। इससे मेरा आलस्य कम हो रहा है और पढ़ाई में मेरा मन लगने लगा है। अब मैं हर काम के लिए उत्साहित रहता हूँ। यह सबकुछ आपके सुझाव एवं निर्देशन के कारण संभव हो पाया है। इसके लिए आपको बार-बार धन्यवाद देता हूँ। भविष्य में भी आप ऐसा ही सहयोग बनाए रखेंगे ऐसी आशा है।
पूज्या माता एवं पिता जी को चरण स्पर्श तथा विभा को स्नेह। पत्रोत्तर की प्रतीक्षा में,

आपका अनुज
विकास विष्ट
समान उम्रवालों को पत्र
3. आपके मित्र ने दसवीं की बोर्ड परीक्षा में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस खुशी में शामिल होते हुए उसे बधाई पत्र लिखिए।

ए. 37/5, रामा मार्ग
आदर्श नगर, दिल्ली।
30 मई 20XX
प्रिय मित्र विनय
सप्रेम नमस्ते।

मैं यहाँ सकुशल रहकर तुम्हारी कुशलता हेतु ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ।
मित्र! कल समाचार-पत्र में तुम्हारा नाम और फोटो देखकर सहसा विश्वास ही नहीं हुआ कि सचमुच में तुम्हीं हो। मित्र, जनपद भर में बोर्ड परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करना बड़ी उपलब्धि है। इस शानदार उपलब्धि पर मैं तुम्हें बार-बार बधाई देता हूँ। इस सफलता से तुमने अपने साथ-साथ परिवार, विद्यालय, गुरुजन और मित्रों को भी गौरवान्वित किया है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि भविष्य में भी वह तुम्हारा

साथ दे और तुम इससे भी बढ़कर सफलता अर्जित करो। इस शानदार सफलता के लिए एक बार पुनः मेरी बधाई स्वीकार करो। अपने माता-पिता को मेरा प्रणाम कहना। पत्रोत्तर की प्रतीक्षा में,

तुम्हारा अभिन्न मित्र

मोहित

स्ववृत्त लेखन

स्ववृत्त शब्द अंग्रेजी भाषा बायोडाटा का हिंदी पर्याय है| स्ववृत्त दो शब्दों से मिलकर बना है - स्व और वृत्त | स्व का अर्थ- खुद का (स्वयं का),वृत्त का अर्थ -विवरण या वृतांत(व्यौरा)| शाब्दिक अर्थ-खुद का व्यवस्थित व्यौरा देना |

किसी व्यक्ति विशेष द्वारा अपने बारे में सूचनाओं का सिलसिलेवार संकलन ही स्ववृत्त कहलाता है। इसमें व्यक्ति अपने व्यक्तित्त्व, ज्ञान और अनुभव के सबल पक्ष को इस प्रकार प्रस्तुत करता है जो नियोक्ता के मन में उम्मीदवार के प्रति अच्छी व सकारात्मक छबि प्रस्तुत करता है। स्ववृत्त में अपनी पूरा परिचय, पता, सम्पर्क सूत्र (टेलीफोन, मोबाइल, ई-मेल आदि), शैक्षणिक व व्यावसायिक योग्यताओं के सिलसिलेबार विवरण के साथ-साथ अन्य संबंधित योग्यताओं, विशेष उपलब्धियों, कार्येत्तर गतिविधियों व अभिरुचियों का उल्लेख होना चाहिए। एक-दो ऐसे सम्मानित व्यक्तियों के विवरण, जो उम्मीदवार के व्यक्तितव व उपलब्धियों से परिचित हों, का समावेश भी होना चाहिए।

'स्ववृत्त एक विशेष प्रकार का लेखन है,जिसमें व्यक्ति विशेष के बारे में किसी विशेष प्रयोजन को ध्यान में रखकर सिलसिलेवार ढंग से सूचनाएँ संकलित की जाती हैं |' यदि व्यक्ति किसी नौकरी या व्यवसाय के लिए जाता है तो उसे अपना बायोडाटा देना होता है। क्योंकि इस बायोडाटा के जरिए व्यक्ति अपने आपको, अपने स्किल्स को, अनुभव को दर्शाता है | इसका प्रयोग विवाह संबंध में प्रस्ताव के लिए भी किया जाता है |

कुछ महत्वपूर्ण बिंदु -

एक स्ववृत्त की तुलना हम उम्मीदवार के दूत या प्रतिनिधि से कर सकते हैं |

एक अच्छा स्ववृत्त किसी चुम्बक की तरह होता है जो नियुक्तिकर्ता को आकर्षित करता है |

स्ववृत्त के दो पक्ष होते हैं- पहले पक्ष में वह व्यक्ति है जिसको ध्यान में रखकर सूचनाएँ संकलित की गई होती है | दूसरा पक्ष उस व्यक्ति या संस्था का होता है जिसके लिए या जिसके प्रयोजन को ध्यान में रखकर सूचनाएँ जुटाई जाती हैं | पहला पक्ष - उम्मीदवार और दूसरा पक्ष - नियोक्ता |

किसी भी प्रकार के झूठे दावे या अतिश्योक्ति से बचना चाहिए |

अपने व्यक्तित्व,ज्ञान और अनुभव के सबल पहलुओं को अवश्य लिखना चाहिए |

लेखन की भाषा-शैली - सरल,सीधी,सटीक और साफ़ होनी चाहिए | अलंकारिक भाषा से बचें |

स्ववृत्त न तो जरुरत से अधिक लंबा हो और न ही ज्यादा छोटा |

स्ववृत्त साफ़-सुथरे ढंग से टंकित या कंप्यूटर-मुद्रित होना चाहिए |

व्याकरण सम्बन्धी त्रुटियों से बचना चाहिए |

स्ववृत्त सूचनाओं का एक अनुशासित प्रवाह है | यानी इसमें प्रवाह और अनुशासन दोनों होने चाहिए | प्रवाह व्यक्ति परिचय से प्रारंभ होता है और शैक्षणिक योग्यता,अनुभव,प्रशिक्षण,उपलब्धियाँ,कार्येतर गतिविधियाँ इत्यादि पड़ावों को पार करता हुआ अपनी पूर्णता प्राप्त करता है | आवश्यकतानुसार इनमें फेरबदल किया जा सकता है |

व्यक्ति परिचय के बाद अपनी शैक्षणिक योग्यता को लिखें | शैक्षणिक योग्यता से सम्बन्धित सूचनाएँ एक सारणी के रूप में प्रस्तुत की जानी चाहिए जिनमें प्राप्त डिप्लोमा या डिग्री का विवरण,स्कूल या कॉलेज का नाम,बोर्ड या विश्वविद्यालय का नाम,सम्बन्धित परीक्षा का वर्ष,परीक्षा के विषय,प्राप्तांक प्रतिशत और श्रेणी का उल्लेख श्रेणी का उल्लेख होना चाहिए |

स्ववृत्त के साथ एक आवेदन भी लिखना होता है | यह उम्मीदवार के भाषा-ज्ञान और अभिव्यक्ति की क्षमता की तो जानकारी देते ही हैं,साथ ही यह भी दर्शाते हैं की उम्मीदवार पद और संस्थान को लेकर गंभीर है या नहीं |

आवेदन पत्रों की विषय-वस्तु के मुख्यतः चार हिस्से होते हैं | पहला हिस्सा भूमिका का होता है,जिसमें उम्मीदवार विज्ञापन और विज्ञापित पद का हवाला देते हुए अपनी उम्मीदवारी की इच्छा प्रकट करता है | दूसरे खंड में उम्मीदवार यह बतलाता है कि वह विज्ञापन में वर्णित योग्यताओं और आवश्यकताओं को पूरा करने में किस प्रकार सक्षम है | तीसरे खंड में उम्मीदवार पद और संस्थान के प्रति अपनी गम्भीरता और अभिरुचि को अभिव्यक्ति करता है | चौथा खंड उपसंहार यानी आवेदन-पत्र की विषय-वस्तु के औपचारिक समापन के लिए होता है |

स्ववृत्त का नमूना -

स्ववृत्त

व्यक्तिगत परिचय -

नाम	:	मोहन कुमार
पिता का नाम	:	नरेश कुमार
माता का नाम	:	गीता देवी
जन्मतिथि	:	1 जनवरी, 1981
वर्तमान पता	:	सी 95, आदर्श कॉलोनी सोनहत कोरिया, छतीसगढ़
स्थायी पता	:	बी ब्लॉक 1/10 नेताजी मोहल्ला रायपुर, छतीसगढ़
सम्पर्क सूत्र	:	1234567890
ई - मेल	:	mohankr07@gmail.com

शैक्षणिक योग्यताएँ -

क्र.सं. परीक्षा/डिग्री/डिप्लोमा	वर्ष	विद्यालय/बोर्ड/विश्वविद्यालय	विषय	श्रेणी	प्रतिशत
दसवीं कक्षा	1996	राजकीय विद्यालय,सीबीएसई	हिंदी,अंग्रेजी,गणित	प्रथम	95%
बारहवीं	1998	राजकीय विद्यालय,सीबीएसई	अंग्रेजी,गणित,विज्ञान	प्रथम	98%
बी.एस.सी.	2001	हिंदू कॉलेज,दिल्ली	गणित	प्रथम	92%
एम.बी.ए.	2003	आई आई एम हैदराबाद		प्रथम	91%

अन्य सम्बन्धित योग्यताएँ -

कम्प्यूटर का अच्छा ज्ञान और अभ्यास (एम.एस. ऑफिस तथा इंटरनेट)

रसियन भाषा का कार्य योग्य ज्ञान

उपलब्धियाँ -

अखिल भारतीय वाद-विवाद प्रतियोगिता (वर्ष 2000) में प्रथम पुरस्कार

विद्यालय और महाविद्यालय क्रिकेट टीमों का कप्तान

कार्येतर गतिविधियाँ और अभिरुचि -

उद्योग व्यापार सम्बन्धी पत्रिकाओं और अख़बारों का नियमित पाठन

देश भ्रमण का शौक
इंटरनेट सर्फिंग
फूटबाल और क्रिकेट में अभिरुचि
<u>वैसे सम्मानित व्यक्तियों का विवरण जो उम्मीदवार के व्यक्तित्व और उपलब्धियों से परिचित हो -</u>
श्री अमरेन्द्र नाथ, निदेशक आई आई एम, हैदराबाद
तिथि
स्थान हस्ताक्षर

<u>नौकरी के लिए आवेदन पत्र का नमूना -</u>

सर्वोदय बाल विद्यालय गोल मार्केट दिल्ली में हिंदी विषय पी.जी.टी. का पद रिक्त है | विज्ञापन के अनुसार अपनी योग्यता का विवरण प्रस्तुत करते हुए शिक्षा निदेशक को आवेदन पत्र प्रस्तुत करें |

प्रेषक (क.ख.ग.)
परीक्षा भवन
अ.ब.स. नगर
दिनांक - 26/09/2022

सेवा में
शिक्षा निदेशक
शिक्षा निदेशालय

दिल्ली 110051

विषय - पी.जी.टी. हिंदी पद के लिए आवेदन पत्र |
महोदय,

सविनय निवेदन है की मैं दिल्ली में रहने वाली क.ख.ग. नाम की एक महिला हूँ | दिनांक 20 सितम्बर 2022 को दिल्ली से प्रकाशित नवभारत टाइम्स पत्र में प्रकाशित विज्ञापन के द्वारा मुझे ज्ञात हुआ कि आपके विद्यालय में हिंदी पी.जी.टी. पद के लिए एक स्थान रिक्त है | इस पद के लिए मै अपना आवेदन पत्र प्रस्तुत कर रही हूँ |

आशा करती हूँ कि आप मुझे अपने विद्यालय में सेवा का अवसर अवश्य प्रदान करेंगे | मैं आपकी सभी अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करूँगी |

मेरा स्ववृत्त एवं समस्त प्रमाण-पत्रों की प्रतिलिपियाँ एस आवेदन के साथ संलग्न है |
धन्यवाद !
प्रार्थी
क.ख.ग

स्ववृत्त

नाम : क.ख.ग.
पिता का नाम : च.छ.ज.
माता का नाम : ट.ठ.ड.
जन्मतिथि : 30 जुलाई 1992
वर्तमान पता : 302 गोल मार्केट,नई दिल्ली 110052
दूरभाष : 011 - 2254567

क्रम सं. कक्षा	वर्ष	विद्यालय/बोर्ड	विषय	उत्तीर्ण प्रतिशत
10वीं	2006	सीबीएसई	हिंदी,अंग्रेजी,गणित	75%
12वीं	2008	सीबीएसई	हिंदी,अंग्रेजी,इतिहास	90%
स्नातक	2011	दिल्ली विश्वविद्यालय	हिंदी	70%
बी.एड.	2012	दिल्ली विश्वविद्यालय	हिंदी	95%
परास्नातक	2014	दिल्ली विश्वविद्यालय	हिंदी	95%

अन्य योग्यताएँ-

कम्प्यूटर में एक वर्ष का डिप्लोमा |
हिंदी,अंगेजी,जर्मनी,स्पेनिश भाषा की जानकारी है |
योगा के क्षेत्र में छः माह का प्रशिक्षण है |

अन्य उपलब्धियाँ -

विद्यालय स्टार पर एन.सी.सी. में उच्च प्रशिक्षण |
योगा प्रतियोगिता में राज्य स्तर पर द्वितीय पुरस्कार |

कार्येतर गतिविधियाँ एवं अभिरुचियाँ -

योगाभ्यास,क्रिकेट,शास्त्रीय संगीत,गायन-वादन में विशेष रूचि |
सांस्कृतिक कार्यक्रम को आयोजन करने का अनुभव तथा रूचि |
आधुनिक तकनीकों का प्रयोग सीखना तथा समाज के लिए उपयोगी बनाना |

अभ्यास -प्रश्न -

आप का नाम अंकित/अंकिता है | आप बी.एड. कर चुके हैं | आपको विवेक इंटरनेशनल स्कूल, मयूर विहार में हिंदी अध्यापक अध्यापिका पद के लिए आवेदन करना है | इसके लिए आप अपना एक संक्षिप्त स्ववृत्त (बायोडाटा) लगभग 80 शब्दों में तैयार कीजिए |

राजीव गाँधी फाउंडेशन उच्च शिक्षा हेतु स्कालरशिप प्रदान करती है अतः उसे भेजने के लिए अपना 'बायोडाटा' तैयार कीजिए |

कल्पना कीजिए की आपने पत्रकारिता के क्षेत्र में अपना अध्ययन पूरा कर लिया है और किसी प्रसिद्ध अख़बार में पत्रकार पद के लिए आवेदन भेजा है | इसके लिए एक आवेदन पत्र लिखिए |

ई- मेल लेखन :

प्रेषक (From)
an...@gmail.com
प्रेषिती (To)
tan..bank@mail.com
विषय- चेक बुक जारी करने हेतु
शाखा प्रबंधक महोदय,
सविनय निवेदन है कि मैं आपके बैंक का खाताधारक हूँ। एक महीने पहले ऑनलाइन नई चेक-बुक जारी करने का अनुरोध किया था लेकिन अभी तक नई चेक-बुक प्राप्त नहीं हुई है, कृपया नई चेक-बुक उपलब्ध कराने की कृपा करें।
भवदीय
नाम-: अनिल कुमार
खाता संख्या-: 247*****
ग्राहक संख्या:-344****
दूरभाष संख्या-: 3456***
संलग्नक-: चेक-बुक-रसीद की डिजिटल प्रतिलिपि
उदाहरण
1.विवाह में शामिल होने के लिए 3 दिन के अवकाश के लिए प्रधानाचार्य को ईमेल लिखिए।
प्रेषक (From)
an...@gmail.com
प्रेषिती (To)
abschool@mail.com
विषय-तीन-दिन अवकाश हेतु।
प्रधानाचार्य महोदय,
सविनय निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय की कक्षा दसवीं 'अ' का छात्र हूँ। मेरी बहन का विवाह 5 मार्च, 2022 को होना निश्चित हुआ है। विवाह में सम्मिलित होने के कारण मैं 3 दिन तक विद्यालय आने में असमर्थ हूं। इसलिए आपसे अनुरोध है कि दिनांक 4 मार्च, 2023 से 6 मार्च, 2023 अवकाश प्रदान करने की कृपा करें।
धन्यवाद!
आज्ञाकारी शिष्य
नाम- अ० ब० स०
कक्षा- 10 अ

दिनांक- 4 मार्च, 2023

2.वन-महोत्सव के अवसर पर आप पौधारोपण करना चाहते हैं। नगर के उद्यान अधिकारी को एक ईमेल लिखकर पौधों की व्यवस्था करने के लिए आग्रह (अनुरोध) कीजिए।

(वृक्षारोपण त्रुटि वाला शब्द है, क्योंकि पौधे लगाए जाते हैं, वृक्ष नहीं। इसलिए पौधारोपण सही शब्द है।)

प्रेषक (From)

an...@gmail.com

प्रेषिती / प्रेषकर्ता (To)

forest@mail.com

विषय- पौधारोपण के लिए पौधों की व्यवस्था हेतु।

उद्यान अधीक्षक,

सविनय निवेदन है कि मैं ग्रीन हाउस सोसाइटी का सचिव हूं। हमारे क्षेत्र राजनगर के आसपास पेड़-पौधों और हरियाली की कमी है। आगामी वन-महोत्सव के अवसर पर हमारी सोसाइटी इन क्षेत्रों के आसपास पौधारोपण करना चाहती है। अतः आपसे अनुरोध है कि पौधारोपण के लिए पौधे उपलब्ध कराने की उचित व्यवस्था करें।

धन्यवाद!

भवदीय

अ० ब० स०

(राजनगर, ग्रीन सोसाइटी, सचिव)

दिनांक- 4 मार्च, 2023

विज्ञापन लेखन :-

विज्ञापन लेखन करते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए। -

1. एक बाक्स-सा बनाकर ऊपर मध्य में विज्ञापित वस्तु का नाम मोटे अक्षरों में लिखना चाहिए।
2. शब्द सीमा का ध्यान रखना चाहिए, एवं विज्ञापन कम शब्दों में आकर्षक बनाना चाहिए। यह अनुच्छेद लेकिन की तरह नहीं होना चाहिए।
3. सेल धमाका, खुशखबरी, खुल गया जैसे लुभावने शब्दों को लिखना चाहिए।
4. बाईं ओर या मध्य में विज्ञापित वस्तु के गुणों का उल्लेख करना चाहिए।
5. दाहिनी ओर वस्तु का बड़ा-सा चित्र देना चाहिए।
6. क़ोई स्लोगन, तुकबंदी, स्टॉक सीमित या जल्दी करें जैसे प्रेरक शब्दों का प्रयोग करना चाहिए।
7. मुफ़्त मिलने वाले सामानों या छूट का उल्लेख अवश्य किया जाना चाहिए।
8. संपर्क करें/फ़ोन नं. के स्थान पर xxxxxxxx लिख देना चाहिए।

विज्ञापन लेखन के नमूने।

एक पुस्तक की दुकान का विज्ञापन :

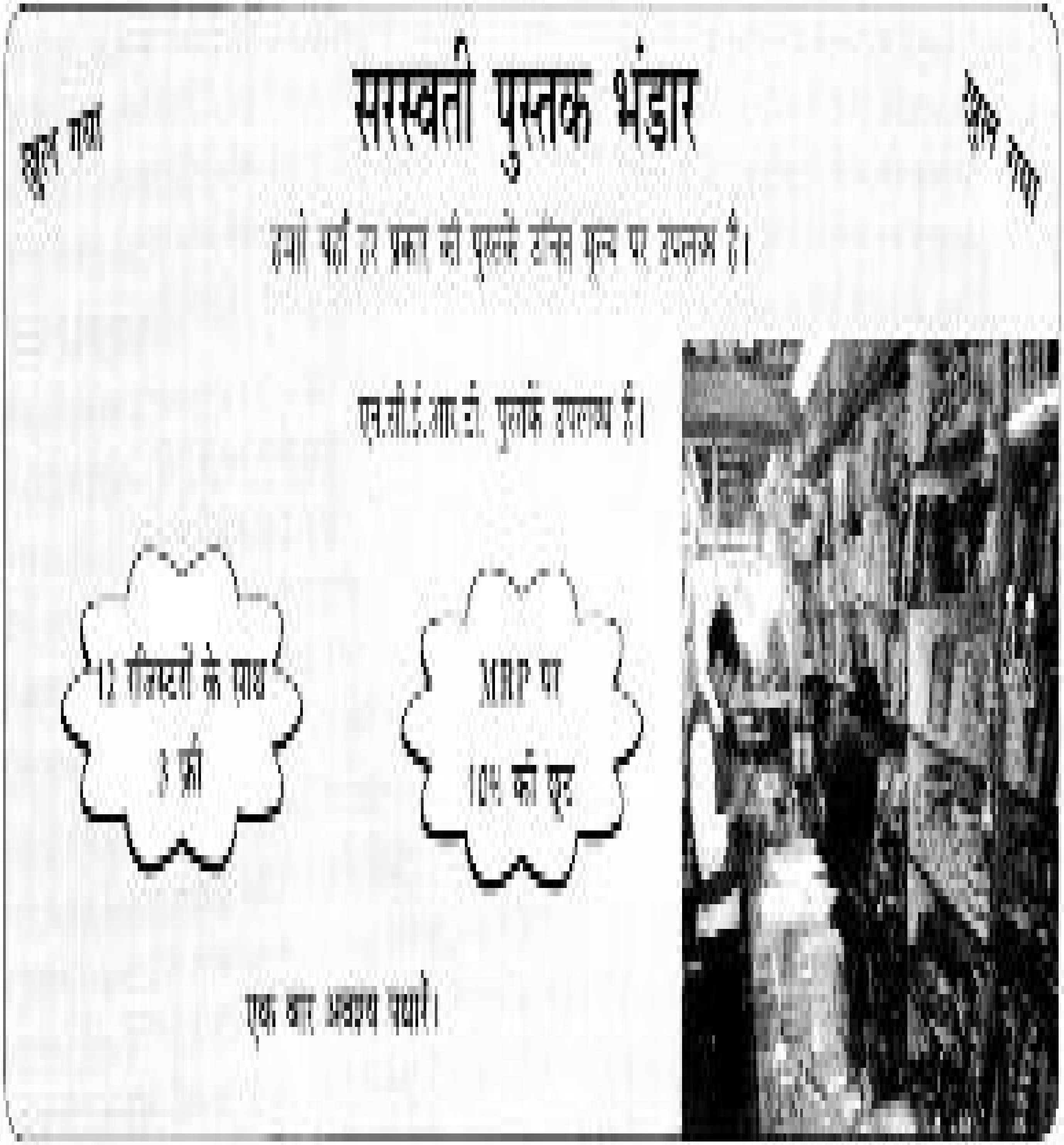
खुल गया
सरस्वती पुस्तक भंडार
खुल गया
हमारे यहाँ हर प्रकार की पुस्तकें उचित मूल्य पर उपलब्ध है।
एन.सी.ई.आर.टी. पुस्तकें उपलब्ध है।
12 कॉपियों के साथ
3 फ्री
MRP पर
10% की छूट
एक बार अवश्य पधारें।

3 न के लिए एक

वि

मॉडर्न स्कूल की रंग रचना सभा द्वारा बनाए
गए चित्रों एवं कलाकृतियों की बिक्री
आकर्षक एवं
स्वनिर्मित चित्र
मूल्य केवल 50 से 150/-
स्थान : विद्यालय सभागार
समय : प्रातः 10:00 बजे से सांय 5:00 बजे तक
सौजन्य से : रचना रंग सभा, मॉडर्न स्कूल, चण्डीगढ़
दूरभाष : 9876543210

नवांकुर प्ले स्कूल
क्या आप अपने नन्हे-मुन्ने बच्चों में ज्ञान और संस्कार चाहते हैं तो आइए
नवांकुर प्ले स्कूल
खेल खेल में शिक्षा
प्रशिक्षित अध्यापिकाएं
स्वच्छ हवादार कमरे, खेल खिलौने
दाखिले के समय स्कूल बैग मुफ्त

संदेश लेखन

1-स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर देशवासियों के लिए एक संदेश लिखें।

स्वतन्त्रता दिवस पर शुभ कामना संदेश

दिनांक -15अगस्त 2022

समय -6:00 am

समस्त देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ |

आइए स्वतन्त्रता दिवस के शुभ अवसर पर हम सब मिलकर अपने देश को चहुंमुखी विकास के मार्ग पर अग्रसर करने का दृढ़ संकल्प लेते हैं |

2-जन्म दिवस पर शुभकामनाएँ -मित्र के लिए शुभकामना संदेश _

तुम जियो हजारों साल ,

साल के दिन हो पचास हजार ||

दिनांक -28सितंबर2022

समय -10:00 am

प्रिय मित्र अभिषेक जन्म दिन की हार्दिक शुभकामनाएँ |

आप दीर्घायु हों ,स्वस्थ रहें और जीवन मेन निरंतर उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहें |

यही मेरी ईश्वर से प्रार्थना है |

तुम्हारा मित्र

कैलाश

3- शोक संदेश का उदाहरण-

शोक संदेश

29 सितंबर 2022

प्रात:6:00

अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मेरी पूज्य माताजी

श्रीमती -------का स्वर्गवास हो गया है |

उनका दशगात्र 5 अक्टूबर शाम 5:00 बजे हमारे निवास पर किया जाएगा |

कृपया इसी सूचना को व्यक्तिगत बुलावे कि मान्यता प्रदान करें |

समस्त अग्रवाल परिवार

4-दीपावली के शुभ अवसर पर एक संदेश लिखें।-

दीपावली पर मित्र को शुभकामनाएँ संदेश

दीपावली की रात आई है , खुशियों की सौगात लाई है |

आज लगता है कुछ ऐसा , जैसे सितारों की बारात आई है |

दीपावली के पावन पर्व की आप सभी क्षेत्र वासियों को हार्दिक शुभकामाएँ |

इस दीपावली में माता लक्ष्मी आपके घर सुख , समृद्धि , धन वैभव व शांति लेकर लाये |

आपका मित्र -

उदाहरण - 5 -माँ को एक संदेश लिखें।-

संदेश

दिनांक -28 मार्च 2022 समय -6:00 सांय

माँ अग्रवाल आंटी का फोन आया था | आप घर मैं नहीं थीं इसलिए फोन मैंने उठाया था |

आन्टी को आपसे कोई जरूरी बात करनी थी ,इसलिए आप घर आते ही उन्हें फोन कर लेना |

आपका पुत्र

सौरभ

अभ्यास प्रश्न पत्र

प्रतिदर्श

प्रश्न पत्र

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र 2022 -23

कक्षा -10 वी
विषय -हिंदी ,कोर्स -ए (कोड -002)

कक्षा - 10 वीं	विषय हिन्दी (कोर -002)-अ	पूर्णांक - 80	समय - 3 घंटे			
	विषय सूची	बहुविकल्पीय	प्रश्न संख्या	वर्णनात्मक		कुल अंक
क्रमांक			52	पाठ्य पुस्तक	रचनात्मक लेखन	
1	अपठित गद्यांश	1 * 5	5	-	-	5
2	अपठित पद्यांश	1 * 5	5	-	-	5
3	व्याकरण	1 * 16	16	-	-	16
4	पठित गद्यांश	1 * 7	7	-	-	7
5	पठित पद्यांश	1 * 7	7	-	-	7
6	गद्य खंड (क्षितिज -2)	-	3	2 * 3	-	6
7	पद्य खंड (क्षितिज -2)	-	3	2 * 3	-	6
8	पूरक पाठ्य पुस्तक (कृतिका -2)	-	2	4 * 2	-	8
9	अनुच्छेद लेखन	-	1	-	6 * 1	6
10	पत्र लेखन	-	1	-	5 * 1	5
11	सवावृत्त लेखन अथवा ई-मेल लेखन	-	1	-	5 * 1	5
12	विज्ञापन लेखन अथवा संदेश लेखन	-	1	-	4 * 1	4
	कुल योग	40	-	20	20	80

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र 2022 -23

सेट - 1

कक्षा -10 वी

विषय -हिंदी ,कोर्स -ए (कोड -002)

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक :80**

सामान्य निर्देश :

(1) एस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं - खंड 'क' और 'ख' | खंड -क में वस्तुपुरक / बहुविकल्पी और खंड- ख में वस्तुनिष्ठ /वर्णात्मक प्रश्न दिए गए हैं |

(2) प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 17 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं |

(3) यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए |

(4) खंड 'क' में कुल 10 प्रश्न हैं,जिनमे उपप्रश्नों की संख्या 49 हैं |दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य हैं |

(5) खंड 'ख' में कुल 7 प्रश्न है,सभी प्रश्नों के उनके विकल्प भी दिए गए हैं |निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए |

खंड -क (वस्तुपुरक / बहुविकल्पी प्रश्न)

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- (1×5=5)

राहे पर खड़ा है, सदा से ठूँठ नहीं है। दिन थे जब वह हरा भरा था और उस जनसंकुल चौराहे पर अपनी छतनार डालियों से बटोहियों की थकान अनजाने दूर करता था। पर मैंने उसे सदा ठूँठ ही देखा है। पत्रहीन, शाखाहीन, निरवलंब, जैसे पृथ्वी रूपी आकाश से सहसा निकलकर अधर में ही टंग गया हो। रात में वह काले भूत-सा लगता है, दिन में उसकी छाया इतनी गहरी नहीं हो पाती जितना काला उसका जिस्म है और अगर चितेरे को छायाचित्र बनाना हो तो शायद उसका-सा 'अभिप्राय' और न मिलेगा। प्रचंड धूप में भी उसका सूखा शरीर उतनी ही गहरी छाया ज़मीन पर डालता जैसे रात की उजियारी चांदनी में।जब से होश संभाला है, जब से आंख खोली है, देखने का अभ्यास किया है, तब से बराबर मुझे उसका निस्पंद, नीरस, अर्थहीन शरीर ही दिख पड़ा है। पर पिछली पीढ़ी के जानकार कहते हैं कि एक जमाना था जब पीपल और बरगद भी उसके सामने शरमाते थे और उसके पत्तों से, उसकी टहनियों और डालों से टकराती हवा की सरसराहट दूर तक सुनाई पड़ती थी। पर आज वह नीरव है, उस चौराहे का जवाब जिस पर उत्तर-दक्षिण, पूरब-पश्चिम चारों और की राहें मिलती हैं और जिनके सहारे जीवन अविरल बहता है। जिसने कभी जल को जीवन की संज्ञा दी, उसने निश्चय जाना होगा की प्राणवान जीवन भी जल की ही भांति विकल, अविरल बहता है। सो प्राणवान जीवन, मानव संस्कृति का उल्लास उपहार लिए उन चारों राहों की संधि पर मिलता था जिसके एक कोण में उस प्रवाह से मिल एकांत शुष्क आज वह ठूँठ खड़ा है। उसके अभाग्यों परंपरा में संभवतः एक ही सुखद अपवाद है - उसके अंदर का स्नेहरस सूख जाने से संख्या का लोप हो जाना। संज्ञा लुप्त हो जाने से कष्ट की अनुभूति कम हो जाती है।

1.'पर मैने उसे सदा ठूंठ ही देखा 'किससे संदर्भित हैं -

कथन

i) पत्रहीन

ii) शाखाहीन

iii) शाखा सहित

iv) निरवलंब

विकल्प -

क. कथन i सही है

ख. कथन i और ii सही है

ग. कथन i, ii और iii सही है

घ. कथन i , ii और iv सही है

2. आम की छतनार डालियों के कारण क्या होता था?

क) यात्रियों को ठंडक मिलती थी

ख) यात्रियों को विश्राम मिलता था

ग) यात्रियों की थकान मिटती थी.

घ) यात्रियों को हवा मिलती थी

3. शाखाहीन, रसहीन, शुष्क वृक्ष को क्या कहा जाता है?

क) नीरस वृक्ष

ख) जड़ वृक्ष

ग) ठूँठ वृक्ष .

घ) हीन वृक्ष

4. आम के वृक्ष के सामने पीपल और बरगद के शरमाने का क्या कारण था?

क) उसका अधिक हरा-भरा और सघन होना.

ख) हवा की आवाज सुनाई देना

ग) अधिक फल फूल लगना

घ) अधिक ऊँचा होना

5. आम के अभागेपन में संभवतः एक ही सुखद अपवाद था -

क) उसका नीरस हो जाना

ख) संज्ञा लुप्त हो जाना .

ग) सूख कर ठूँठ हो जाना

घ) अनुभूति कम हो जाना

प्रश्न 2. निम्नलिखित दो पद्यांशों में से किसी एक पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए - (1×5=5)

क्या करोगे अब ?
समय का
जब प्यार नहीं रहा
सर्वसहा पृथ्वी का
आधार नहीं रहा
न वाणी साथ है
न पानी साथ है

न कही प्रकाश है स्वच्छ
जब सब कुछ मैला है आसमान
गंदगी बरसाने वाले
एक अछोर फैला है
कही चले जाओ
विनती नहीं है
वायु प्राणप्रद
आदमकद आदमी
सब जग से गायब है

1. कवि ने धरती के बारे में क्या कहा है ...
क. रत्नगर्भा
ख. आधारशिला
ग. सर्वसहा.
घ. माँ

2. 'आदमकद आदमी' से क्या तात्पर्य है
क. मानवीयता से भरपूर आदमी.
ख. ऊंचे कद का आदमी
ग. सम्पूर्ण मनुष्य
घ. सामान्य आदमी

3. आसमान की तुलना किससे से की गयी है...
क. समुद्र से
ख. नीली झील से
ग. पतंग से
घ. गंदगी बरसाने वाले थैले से.

4. प्राणदान का तात्पर्य है |
कथन -
i. प्राणों को पूर्ण करने वाला
ii. प्राण दान करने वाला
iii. प्राणों को प्रणाम करने वाला
iv. प्राणों को छीन लेने वाला

विकल्प
क. कथन i सही है
ख. कथन i और ii सही है
ग. कथन i, ii और iii सही है
घ. कथन ii और iv सही है

5. कवि समय से कब और क्यों कतराना चाहते हैं
क. किसी के पास बात करने का समय नहीं
ख. किसी को दो क्षण बैठने का समय नहीं

ग. किसी को प्यार करने का समय नही.
घ. किसी को गप मारने का समय नही
अथवा
कोई खंडित, कोई कुंठित,
कृष बाहु, पसलियां रेखांकित,
टहनी से टांगे, बढ़ा पेट,
टेढ़े मेढ़े, विकलांग घृणित!
विज्ञान चिकित्सा से वंचित,
ये नहीं धात्रियों से रक्षित,
ज्यों स्वास्थ्य सेज हो, ये सुख से,
लौटते धूल में चिर परिचित!
पशुओं सी भीत मुक्त चितवन,
प्राकृतिक स्फूर्ति से प्रेरित मन,
तृण तरुओं से उग-बढ़, झर-गिर,
ये ढोते जीवन क्रम के क्षण!
कुल मान ना करना इन्हें वहन,
चेतना ज्ञान से नहीं गहन,
जगजीवन धारा में बहते ये मूर्ख पंगु बालू के कण!

(1)काव्यांश आपके अनुसार किस विषय पर लिखा गया है?
क. गांव के बच्चों में कुपोषण की समस्या
ख. गांव के बच्चों में चेतना ज्ञान का अभाव
ग. गांवों में चिकित्सा सुविधाओं का अभाव
घ .गांव के बच्चों की दयनीय दशा का वर्णन.
(2) दूसरे पद में कवि कह रहा है कि
क. गांव में विज्ञान की शिक्षा नहीं दी जा रही है
ख. गांव में शिशु जन्म हेतु पर्याप्त दाइयां नहीं है.
ग. गांव में बच्चे स्वास्थ्य के प्रति सजग रहकर शारीरिक व्यायाम कर रहे हैं
घ. गांव में बच्चे अपने मित्रों के साथ धूल में कुश्ती जैसे खेल खेल रहे हैं
(3) गाँव के बच्चों की स्थिति कैसी है
क .कुपोषित, खिन्न तथा अशिक्षित हैं।.
ख .क्षीणकाय , किंतु कुल कुल के मान का ध्यान करने वाले हैं।
ग .पशुओं की तरह प्राकृतिक वातावरण में रहते हुए पूर्ति से भरे हुए हैं।
घ .पशुओं की तरह बलिष्ठ परंतु असहाय व मूर्ख है।
(4) काव्यांश में कवि का रवैया कैसा प्रतीत होता है?
क .वे बच्चों की दशा के विषय में व्यंग्य कर मनोरंजन करना चाह रहे हैं।
ख .वह बच्चों की दशा की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं।.
ग.वह तटस्थ रहकर बच्चों की शारीरिक व मानसिक दशा का वर्णन कर रहे हैं।

घ.वे बच्चों की शारीरिक व मानसिक दशा से संतुष्ट प्रतीत होते हैं।
(5) “तृण तरुओं से उग-बढ़” इस पंक्ति का अर्थ है?
क.घास फूस की तरह हल्के हैं इसलिए तिनकों की तरह उड़ रहे हैं।
ख.पौधों तथा घास की तरह बिना कुछ खाए पिए बढ़ रहे हैं ।
ग.घास तथा पौधों की तरह पैदा हो रहे हैं तथा मर रहे हैं।.
घ.प्राकृतिक वातावरण में घास व पौधों की तरह फल फूल रहे हैं।
प्रश्न 3. निर्देशानुसार ‘रचना के आधार पर वाक्य भेद’ पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए -
(1×4=4)
(1) 'वह नहीं चाहता कि तुम्हारे साथ पढ़े' रचना के आधार पर वाक्य भेद बताइए।
क) सरल वाक्य
ख) मिश्र वाक्य
ग) समूह वाक्य
घ) संयुक्त वाक्य
(2) 'यहां जो नल है वह ख़राब है ' वाक्य के भेद बताइए।
क) मिश्र वाक्य
ख) संयुक्त वाक्य
ग) सरल वाक्य
घ) समूह वाक्य
(3) 'आज धूप निकलने की संभावना है' मिश्र वाक्य में बदलिए
क) आज धूप निकल सकती है
ख) आज धूप और बारिश आने की संभावना है
ग) संभावना है कि आज धूप और बारिश आएगी
घ) संभावना है कि आज धूप निकले
.(4) 'जब शाम हो तब लौट आना' सरल वाक्य में बदलिए।
क) शाम होते ही घर आ जाना
ख) शाम में लौट आना
ग) जैसे ही शाम हो वैसे ही लौट आनाी
घ) उपर्युक्त कोई नहीं
(5) मै चाहता हु कि मै महान वयक्ति बनु
क) सरल वाक्य
ख) संयुक्त वाक्य
ग) मिश्र वाक्य
घ) इनमें से कोई नहीं
प्रश्न4.निर्देशानुसार ‘वाच्य’ पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
(1×4=4)
(1) 'मैं दौड़ नहीं सकता' वाक्य को भाववाच्य में बदलिए
क) मुझसे दौड़ा नहीं गया

ख) मुझे नहीं दौड़ना चाहिए था
ग) मुझसे दौड़ा नहीं जा सकता
घ) मुझसे दौड़ा गया
(2) 'प्रेमचंद द्वारा गबन लिखा गया' वाक्य को कर्तृवाच्य में बदलिए।
क) प्रेमचंद ने गबन लिखा
ख) गबन प्रेमचंद द्वारा लिखी गई
ग) गबन प्रेमचंद द्वारा लिखित उपन्यास है
घ) प्रेमचंद से गबन लिखा गया
(3) 'राकेश से रोया नहीं जाता' वाक्य को कर्तृवाच्य में बदलिए।
क) राकेश नहीं रोता है
ख) राकेश द्वारा रोया जाता है
ग) राकेश रोने के लिए उत्सुक है
घ) उपर्युक्त कोई नहीं
(4) 'वह नृत्य देख रहा है' प्रयोग के आधार पर वाक्य भेद बताइए
क) कर्मवाच्य
ख) भाव वाच्य
ग) कर्तृवाच्य
घ) उपर्युक्त सभी
(5)'इनमें कर्तृवाच्य का उदहारण है -
क) चलो ,अब घर चले |
ख) चलो ,अब घर चला जाये |
ग) कैरम के बाद अब शतरंज खेली जाए
घ) हमारे द्वारा शतरंज खेली जा सकती है |
प्रश्न5. निर्देशानुसार ‘पद परिचय ’ पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (1×4=4)
(1) रेखा नित्य दौड़ने जाती है ।
क) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'दौड़ने जाता है' क्रिया की विशेषता
ख) रीतिवाचक क्रिया विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'दौड़ने जाता है' क्रिया की विशेषता
ग) अव्यय, स्थानवाचक क्रिया विशेषण, 'दौड़ने जाती है' क्रिया की विशेषता
घ) अव्यय, कालवाचक क्रिया विशेषण, 'दौड़ने जाती है' क्रिया की विशेषता
(2) 'लाल गुलाब देखकर मन खुश हो गया।'-रेखांकित पद का परिचय है-
क) संख्यावाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, 'गुलाब विशेष्य का विशेष
ख) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, 'गुलाब विशेष्य का विशेष.
ग) परिमाणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'गुलाब विशेष्य का विशेष
घ) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, स्त्रीलिंग, 'गुलाब विशेष्य का विशेष
(3) राधिका ने आपको बुलाया है।
क) प्रथम पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक
ख) निजवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

ग) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक.
घ) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक
(4) राखी से मैं कल यहीं मिला था।
क) क्रिया, अकर्मक, पूर्ण भूतकाल, पुल्लिंग एकवचन, कर्तृवाच्य
ख) क्रिया, सकर्मक, पूर्ण भविष्यत काल, पुल्लिंग एकवचन, कर्मवाच्य
ग) क्रिया, अकर्मक, वर्तमान काल, स्त्रीलिंग एकवचन, कर्म वाच्य
घ) क्रिया, अकर्मक, भूतकाल, पुल्लिंग, बहुवचन, भाववाच्य
(5) राकेश आठवीं कक्षा में पढ़ता है।
क) विशेषण, संख्यावाचक, आवृत्तिसूचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कक्षा' विशेष्य
ख) विशेषण, परिमाणवाचक, क्रमसूचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कक्षा' विशेष्य
ग) विशेषण, संख्यावाचक, क्रमसूचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कक्षा' विशेष्य
घ) विशेषण, निश्चयवाचक, क्रमसूचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कक्षा' विशेष्य
प्रश्न6 . निर्देशानुसार 'अलंकार ' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (1×4=4)
(1) "आगे नदिया पड़ी अपार, घोड़ा कैसे उतरे पार।
राणा ने सोचा इस पार, तब तक घोड़ा था उस पार।।" इस पद में प्रयुक्त अलंकार है -
क. श्लेष अलंकार
ख. अतिशयोक्ति अलंकार.
ग. मानवीकरण अलंकार
घ. उत्प्रेक्षा अलंकार
(2) " 'मेघ आए बन ठन के' इसमें कौन- सा अलंकार है?
क. श्लेष अलंकार
ख. अतिशयोक्ति अलंकार
ग. मानवीकरण अलंकार.
घ. उत्प्रेक्षा अलंकार
(3) " 'मुख मानो चांद है' में कौन सा अलंकार है?"
क. श्लेष अलंकार
ख. अतिशयोक्ति अलंकार
ग. मानवीकरण अलंकार
घ. उत्प्रेक्षा अलंकार.
(4) "संध्या-सुंदरी उतर रही है'" इस पद में प्रयुक्त अलंकार है -
क. श्लेष अलंकार
ख. अतिशयोक्ति अलंकार
ग. मानवीकरण अलंकार.
घ. उत्प्रेक्षा अलंकार
(5) "मंगन को देखि पट देत बार-बार है। " इस पद में प्रयुक्त अलंकार है -
क. श्लेष अलंकार.
ख. अतिशयोक्ति अलंकार

ग. मानवीकरण अलंकार

घ. उत्प्रेक्षा अलंकार

प्रश्न 7 . निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- (1×5=5)

शहनाई और डुमराँव एक-दूसरे के लिए उपयोगी हैं। शहनाई बजाने के लिए रीड का प्रयोग होता है। रीड अंदर से पोली होती है जिसके सहारे शहनाई को फूँका जाता है। रीड, नरकट (एक प्रकार की घास) से बनाई जाती है जो डुमराँव में मुख्यतः सोन नदी के किनारों पर पाई जाती है। इतनी ही महता है इस समय डुमराँव की, जिसके कारण शहनाई जैसा वाद्य बजता है। फिर अमीरुद्दीन जो हम सबके प्रिय हैं, अपने उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ साहब हैं। उनका जन्म-स्थान भी डुमराँव ही है। इनके परदादा उस्ताद सलार हुसैन खाँ डुमराँव निवासी थे। बिस्मिल्ला खाँ उस्ताद पैगंबर बख्श खाँ और मिट्ठन के छोटे साहबजादे हैं।

1. शहनाई को बजाने के लिए किसका प्रयोग किया जाता है ?

क. रीड

ख. पाईप

ग. जल

घ. सरकंडा

2. 'नौबतखाने में इबादत' पाठ के लेखक कौन हैं?

क. यतींद्र मिश्र

ख. महावीरप्रसाद द्विवेदी

ग. मंगलेश डबराल

घ. मन्नू भंडारी

3. कथन - शहनाई और डुमराँव एक-दूसरे के लिए उपयोगी हैं।

निष्कर्ष - i . बिस्मिल्ला खाँ का जन्म डुमराँव गाँव में हुआ था |

ii. बिस्मिल्ला खाँ शहनाई बजाते हैं

iii. शहनाई बजाने के लिए जिस रीड का प्रयोग होता है, वह डुमराँव में मिलती है |

क. निष्कर्ष i सही है

ख. निष्कर्ष i और ii सही है

ग. निष्कर्ष ii और iii सही है

घ. सभी निष्कर्ष सही है

4. 'नौबतखाना' किसे कहते हैं?

क. प्रवेश द्वार के ऊपर मंगल ध्वनि बजाने का स्थान

ख. प्रवेश द्वार में बैठने का स्थान

ग. मंदिर का मुख्य द्वार

घ. नौबत बजाने की जग

5. बिस्मिल्ला खाँ का बचपन का क्या नाम था?

क. अजरुद्दीन

ख. अमीरुद्दीन

ग. शम्सुद्दीन

घ. सादिक हुसैन

प्रश्न 8. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए - (1×2 =2)

(1) भगत जी की बहू उन्हें छोड़कर क्यों नहीं जाना चाहती थी?

(क) सामाजिक मर्यादा के कारण

(ख) संपत्ति के लोभ में

(ग) पति से प्यार होने के कारण

(घ) ससुर की चिंता के कारण

(2) हालदार साहब किस बात पर दुखी हो गए?

(क) दुनिया के स्वार्थी स्वभाव पर

(ख) नेताजी की मूर्ति को देखकर

(ग) पानवाले को देखकर

(घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 9. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए (1×5=5)

मधुप गुन - गुनाकर कह जाता कौन कहानी यह अपनी ,
मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी ।
इस गंभीर अनंत - नीलिमा में असंख्य जीवन - इतिहास
यह लो , करते ही रहते हैं अपना व्यंग्य - मलिन उपहास
तब भी कहते हो - कह डालूँ दुर्बलता अपनी बीती ।
तुम सुनकर सुख पाओगे , देखोगे - यह गागर रीती ।
किंतु कहीं ऐसा न हो कि तुम ही खाली करने वाले -
अपने को समझो , मेरा रस ले अपनी भरने वाले ।

(1) कवि ने अपने मन को किसका रूप दिया है?

कथन -

i. भँवरे

ii. गीतकार

iii. कोयल

iv. मधुप

विकल्प

क. कथन i सही है

ख. कथन i और ii सही है

ग. कथन i सही iv गलत है

घ. कथन i और iv सही है

(2). कवि के जीवन के सारे दुःख-दर्द और अभाव अब कैसे हैं?

(क) मौन

(ख) अधिक

(ग) कम

(घ) इनमें से कोई नहीं

(3). गहरे नीले आकाश में अनगिनत लोगों ने क्या लिखे हैं?

(क) आत्मकथा

(ख) कविता

(ग) कहानियाँ

(घ) गीत

(4). कवि के जीवन की गागर कैसी है?

(क) रंगीन

(ख) खाली

(ग) भरी

(घ) सुनहरी

(5). कवि ने खाली घड़े से किसकी ओर इशारा किया है?

(क) खाली घर

(ख) सूखी नदी

(ग) असफल जीवन

(घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न10 पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए - (1×2 =2)

(1) फागुन अन्य ऋतुओं से इस प्रकार भिन्न होता है -

(क) सुहावने मौसम के कारण

(ख) पहाड़ों पर बर्फ जमने के कारण

(ग) नदियों में गर्म पानी बहने के कारण

(घ) पेड़ -पौधों पर फूल मुरझाने के कारण

(2) कठिन पाषाण के पिघलने से क्या अभिप्राय है -

(क) तेज धूप से पत्थर का पिघलना

(ख) कठोर पत्थर को तोड़ना

(ग) सभी का मन प्रफुल्लित होना

(घ) कठोर ह्रदय वाले व्यक्ति का विनम्र बनना

खंड -ख (वर्णात्मक प्रश्न)

प्रश्न11. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए - (2×3 =6)

(क) सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे?

(ख)भगत की पुत्रवधू उन्हें अकेला क्यों नहीं छोड़ना चाहती थी?

(ग) नवाब साहब ने बहुत ही यत्न से खीरा काटा, नमक -मिर्च बुरका, अंततः सूँघकर ही खिड़की से बाहर फेंक दिया। उन्होंने ऐसा क्यों किया होगा?

(घ) एक कहानी यह भी में लेखिका के पिता ने रसोई को 'भटियारखाना' कहकर क्यों संबोधित किया है?

प्रश्न12. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए - (2×3 =6)

(क) उद्धव के व्यवहार की तुलना किस--किस से की गई है?
(ख)परशुराम जी ने सेवक की क्या विशेषता बताई है?
(ग) कवि आत्मकथा लिखने से क्यों बचना चाहता है?
(घ) कवि बादल से फुहार, रिमझिम या बरसने के स्थान पर 'गरजने के लिए कहता है, क्यों?

प्रश्न13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों के आधार पर निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए- (4×2 =8)

(क) माता का आँचल पाठ में माता-पिता का बच्चे के प्रति जो वात्सल्य व्यक्त हुआ है उसे अपने शब्दों में लिखिए।
(ख)लोंग स्टॉक में घूमते हुए चक्र को देखकर लेखिका को पूरे भारत की आत्मा एक-सी क्यों दिखाई दी?
(ग) बाह्य दबाव केवल लेखन से जुड़े रचनाकारों को ही प्रभावित करते हैं या अन्य क्षेत्रों से जुड़े कलाकारों को भी प्रभावित करते हैं, कैसे?

प्रश्न14.निम्नलिखित तीन विषयों में से एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में सारगर्भित अनुच्छेद लिखिए- (6)

(क)सबको भाए मधुर वाणी
संकेत -बिंदु -
- मधुर वाणी सबको प्रिय
- मधुर वाणी एक औषधि
- मधुरवाणी का प्रभाव
- मधुर वाणी की प्रासंगिकता।

(ख)बच्चों की शिक्षा में माता-पिता की भूमिका
संकेत -बिंदु -
- शिक्षा और माता-पिता
- शिक्षा की महत्ता
- उत्तरदायित्व
- शिक्षाविहीन नर पशु समान।

(ग) बढ़ती महँगाई
संकेत -बिंदु -
- महँगाई और आम आदमी पर प्रभाव
- कारण
- महँगाई रोकने के उपाय
- सरकार के कर्तव्य।

प्रश्न15.आप 29/5 संस्कार अपार्टमेंट, सेक्टर-14 रोहिणी, दिल्ली के निवासी हैं। आप चाहते हैं कि लोग दीपावली में पटाखों का कम से कम प्रयोग करें। पटाखों से होने वाली हानियों से अवगत कराते हुए नवभारत टाइम्स के संपादक को पत्र लिखिए। (5)

अथवा

नए विद्यालय में दाखिला दिलाने के बाद आपकी माता जी आपके विद्यालय के छात्रावास में मिलने वाले भोजन और अन्य बातों को लेकर चिंतित रहती हैं। उनकी चिंता दूर करते हुए एक पत्र द्वारा स्थिति को बताइए।

प्रश्न16.सर्वोदय बाल विद्यालय गोल मार्केट दिल्ली में हिंदी विषय पीजीटी का पद रिक्त है। विज्ञापन के अनुसार अपनी योग्यता का विवरण प्रस्तुत करते हुए शिक्षा निदेशक को आवेदन पत्र प्रस्तुत करना है | इसके लिए आप अपना एक संक्षिप्त स्ववृत (बायोडाटा) लगभग 80 शब्दों में तैयार कीजिए | (5)

अथवा

कई बार मुख्य चिकित्सा अधिकारी को आपने पत्र लिखा लेकिन किसी तरह की कार्रवाई नहीं हुई , अस्पताल की अव्यवस्था के बारे में जानकारी देते हुए अपने जिले के डीएम को इस पर संज्ञान लेने के लिए एक ईमेल पत्र लिखिए।

प्रश्न17. हिंदी की पुस्तकों की प्रदर्शनी में आधे मूल्य पर बिक रही महत्तवपूर्ण पुस्तकों को खरीदकर लाभ उठाने के लिए लगभग 60 शब्दों में एक विज्ञापन लिखिए। (4)

अथवा

आप सोहन कौशल /सोहनी कौशल हैं | आपके मामा -मामी की पहली वैवाहिक वर्षगाँठ है | इस अवसर पर उनके लिए लगभग 60 शब्दों में शुभकामना एवं बधाई सन्देश लिखिए |

अंक योजना /उत्तर कुंजी/ सेट 1

विषय -हिंदी ,कोर्स -ए (कोड -002)

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक :80**

सामान्य निर्देश :

(1)इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं - खंड 'क' और 'ख' | खंड -क में वस्तुपुरक / बहुविकल्पी और खंड- ख में वस्तुनिष्ठ /वर्णात्मक प्रश्न दिए गए हैं | वर्णात्मक प्रश्नों के उत्तर - बिंदु अंतिम नहीं है | ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक है |

(2) समान त्रुटियों के लिए स्थान -स्थान पर अंक न काटे जाये |

खंड -क (वस्तुपुरक / बहुविकल्पी प्रश्न)

उत्तर

प्रश्न 1. अपठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प -
(1×5=5)

1. घ) कथन i,ii तथा iv सही हैं।
2. ग) यात्रियों की थकान मिटती थी.
3. ग) ठूँठ वृक्ष .
4. क) उसका अधिक हरा-भरा और सघन होना.
5. ख) संज्ञा लुप्त हो जाना .

प्रश्न 2. निम्नलिखित दो पद्यांशों में से किसी एक पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प - (1×5=5)

1. (ग). सर्वसहा.
2. (क). मानवीयता से भरपूर आदमी.

3. (घ). गंदगी बरसाने वाले थैले से.
4. (घ) कथन ii और iv सही है.
5. (ग). किसी को प्यार करने का समय नही.
अथवा

(1) (घ)गांव के बच्चों की दयनीय दशा का वर्णन.
(2) ख)गांव में शिशु जन्म हेतु पर्याप्त दाइयां नहीं है.
(3) (क)कुपोषित, खिन्न तथा अशिक्षित हैं।.
(4) (ख)वह बच्चों की दशा की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं।.
(5) (ग) घास तथा पौधों की तरह पैदा हो रहे हैं तथा मर रहे हैं।.

प्रश्न 3. निर्देशानुसार ‘रचना के आधार पर वाक्य भेद’ पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर -
(1×4=4)
(1) (ख) मिश्र वाक्य
(2) (क) मिश्र वाक्य
(3) (घ) संभावना है कि आज धूप निकले
.(4) (अ) शाम होते ही घर आ जाना
(5) (ग) मिश्र वाक्य

प्रश्न4.निर्देशानुसार ‘वाच्य’पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
(1×4=4)
(1) (ग) मुझसे दौड़ा नहीं जा सकता
(2) (अ) प्रेमचंद ने गबन लिखा
(3) (अ) राकेश नहीं रोता है
(4) (ग) कर्तृवाच्य
(5) (क) चलो, अब घर चले |

प्रश्न5. निर्देशानुसार ‘पद परिचय ’ पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर
(1×4=4)
(1) (घ) अव्यय, कालवाचक क्रिया विशेषण, 'दौड़ने जाती है' क्रिया की विशेषता
(2) (ख) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, 'गुलाब विशेष्य का विशेष.
(3)(ग) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक.

(4)(क) क्रिया, अकर्मक, पूर्ण भूतकाल, पुल्लिंग एकवचन, कर्तृवाच्य
(5) (ग) विशेषण, संख्यावाचक, क्रमसूचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कक्षा' विशेष्य

प्रश्न6 . निर्देशानुसार ‘अलंकार ’ पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-(1×4=4)
(1) (ख). अतिशयोक्ति अलंकार.
(2) (ग). मानवीकरण अलंकार.
(3) (घ). उत्प्रेक्षा अलंकार.
(4) (ग). मानवीकरण अलंकार.

(5) (क). श्लेष अलंकार.

प्रश्न 7 . निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- (1×5=5)

(1) (क) रीड

(2) (क)यतींद्र

(3) (घ)सभी निष्कर्ष सही हैं

(4) (क). प्रवेश द्वार पर मंगल ध्वनि बजाने का स्थान।

(5) (ख). अमीरुद्दीन

प्रश्न 8. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प - (1×2 =2)

(1) (घ) ससुर की चिंता के कारण

(2) (क) दुनिया के स्वार्थी स्वभाव पर

प्रश्न 9. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प (1×5=5)

(1) (घ) कथन i और iv सही है।

(2)(क) मौन

(3)(क) आत्मकथा

(4) (ख) खाली

(5) (ग) असफल जीवन

प्रश्न10 पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए - (1×2 =2)

(1) (क) सुहावने मौसम के कारण

(2) (घ) कठोर हृदय वाले व्यक्ति का विनम्र बनना

खंड -ख (वर्णात्मक प्रश्न)

प्रश्न11. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए -(2×3 =6)

(क)उत्तर-सेनानी न होते हुए भी लोग चश्मेवाले को कैप्टन इसलिए कहते थे, क्योंकि

कैप्टन चश्मेवाले में नेताजी के प्रति अगाध लगाव एवं श्रद्धा भाव था।

वह शहीदों एवं देशभक्तों के अलावा अपने देश से उसी तरह लगाव रखता था जैसा कि फ़ौजी व्यक्ति रखते हैं।

उसमें देश प्रेम एवं देशभक्ति का भाव कूट-कूटकर भरा था।

(ख)भगत की पुत्रवधू उन्हें अकेला क्यों नहीं छोड़ना चाहती थी?

उत्तर-भगत की पुत्रवधू उन्हें इसलिए अकेला नहीं छोड़ना चाहती थी क्योंकि भगत के इकलौते पुत्र और उसके पति की मृत्यु के बाद भगत अकेले पड़ गए थे। स्वयं भगत वृद्धावस्था में हैं। वे नेम-धर्म का पालन करने वाले इंसान हैं, जो अपने स्वास्थ्य की तनिक भी चिंता नहीं करते हैं। वह वृद्धावस्था में अकेले पड़े भगत को रोटियाँ बनाकर देना चाहती थी और उनकी सेवा करके अपना जीवन बिताना चाहती थी।

(ग) नवाब साहब ने बहुत ही यत्न से खीरा काटा, नमक-मिर्च बुरका, अंतत: सूँघकर ही खिड़की से बाहर फेंक दिया। उन्होंने ऐसा क्यों किया होगा? उत्तर

नवाब साहब ने यत्नपूर्वक खीरा काटकर नमक-मिर्च छिड़का और सँधकर खिड़की से बाहर फेंक दिया। उनका ऐसा करना उनकी नवाबी ठसक दिखाता है। वे लोगों के कार्य व्यवहार से हटकर अलग कार्य करके अपनी नवाबी दिखाने की कोशिश करते हैं। उनका ऐसा करना उनके अमीर स्वभाव और नवाबीपन दिखाने की प्रकृति या स्वभाव को इंगित करता है।

(घ) एक कहानी यह भी में लेखिका के पिता ने रसोई को 'भटियारखाना' कहकर क्यों संबोधित किया है?

उत्तर-

इस आत्मकथ्य में लेखिका के पिता ने रसोई को 'भटियारखाना' कहकर इसलिए संबोधित किया है क्योंकि उसके पिता को मनना था कि रसोई में काम करने से लड़कियाँ चूल्हे-चौके तक सीमित रह जाती हैं। उनकी नैसर्गिक प्रतिभा उसी चूल्हे में जलकर नष्ट हो जाती है अर्थात् वह पुष्पित-पल्लवित नहीं हो पाती हैं।

प्रश्न12. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए -(2×3 =6)

(क) उद्धव के व्यवहार की तुलना किस-किस से की गई है?

उत्तर-

उद्धव के व्यवहार की तुलना दो वस्तुओं से की गई है

कमल के पत्ते से जो पानी में रहकर भी गीला नहीं होता है।

तेल में डूबी गागर से जो तेल के कारण पानी से गीली नहीं होती है।

(ख)परशुराम जी ने सेवक की क्या विशेषता बताई है?

उत्तर - परशुराम जी ने क्रोधित होकर बोले सेवक वह कहलाता है जो सेवा का कार्य करता है शत्रुता का काम करके तो लड़ाई ही मोल ली जाती है।

(ग) कवि आत्मकथा लिखने से क्यों बचना चाहता है?

उत्तर - आत्मकथा लिखने के लिए अपने मन कि दुर्बलताओं, कमियों का उल्लेख करना पड़ता है। कवि स्वयं को इतना सामान्य मानता है कि आत्मकथा लिखकर वह खुद को विशेष नहीं बनाना चाहता है, कवि अपने व्यक्तिगत अनुभवों को दुनिया के समक्ष व्यक्त नहीं करना चाहता। क्योंकि वह अपने व्यक्तिगत जीवन को उपहास का कारण नहीं बनाना चाहता।

(घ) कवि बादल से फुहार, रिमझिम या बरसने के स्थान पर 'गरजने के लिए कहता है, क्यों?

उत्तर - कवि ने बादल से फुहार, रिमझिम या बरसने के लिए नहीं कहता बल्कि 'गरजने' के लिए कहा है; क्योंकि 'गरजना' विद्रोह का प्रतीक है। कवि ने बादल के गरजने के माध्यम से कविता में नूतन विद्रोह का आहवान किया है।

प्रश्न13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों के आधार पर निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए-(4×2 =8)

(क) माता का आँचल पाठ में माता-पिता का बच्चे के प्रति जो वात्सल्य व्यक्त हुआ है उसे अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर - भोलानाथ के पिता एक सजग, व स्नेही पिता हैं। उनके दिन का आरम्भ ही भोलानाथ के साथ शुरू होता है। उसे नहलाकर पुजा पाठ कराना, उसको अपने साथ घुमाने ले जाना, उसके साथ खेलना व उसकी बालसुलभ क्रीड़ा से प्रसन्न होना, उनके स्नेह व प्रेम को व्यक्त करता है। भोलानाथ की माता वात्सल्य व ममत्व से भरपूर माता है। भोलानाथ को भोजन कराने के लिए उनका भिन्न–भिन्न तरह से स्वांग रचना एक स्नेही माता की ओर संकेत करता है। जो अपने पुत्र के भोजन को लेकर चिन्तित है। दूसरी ओर उसको लहुलुहान व भय से काँपता देखकर माँ भी स्वयं रोने व चिल्लाने लगती है।

(ख) लोंग स्टॉक में घूमते हुए चक्र को देखकर लेखिका को पूरे भारत की आत्मा एक-सी क्यों दिखाई दी?
उत्तर - लेखिका सिक्किम में घूमती हुई कवीं-लोंग स्टॉक नाम की जगह पर गई । वहाँ एक कुटिया में घूमता चक्र है। मान्यता है कि इसे घुमाने से सारे पापों का नाश होता है। लेखिका के अनुसार आप भारत के किसी भी कोने में चले जाएँ आपको लोगों की आस्थाएँ, विश्वास, अंधविश्वास, पाप–पुण्य की अवधारणाएँ और कल्पनाएँ हर जगह एक सी मिलेंगी हर जगह उनके भगवान बदल जाएँ, पूजा के तरीकों में अन्तर हो परन्तु विश्वास सदैव एक सा रहेगा और यही विश्वास पूरे भारत को एक ही सूत्र में बाँध देता है जहाँ पूरे भारत की एक आत्मा प्रतित हो, ऐसा जाना पड़ता है।

(ग) बाह्य दबाव केवल लेखन से जुड़े रचनाकारों को ही प्रभावित करते हैं या अन्य क्षेत्रों से जुड़े कलाकारों को भी प्रभावित करते हैं, कैसे?
उत्तर - बिल्कुल! ये दवाब किसी भी क्षेत्र के कलाकार हो, सबको समान रुप से प्रभावित करते हैं। कलाकार अपनी अनुभूति या अपनी खुशी के लिए अवश्य अपनी कला का प्रदर्शन करता हो, परन्तु उसके क्षेत्र की विवशता एक रंचनाकार से अलग नहीं है। जैसे एक अभिनेता, मंच कलाकार या नृत्यकार हो सबको उनके निर्माता या निर्देशकों के दबाव पर प्रदर्शन करना पड़ता है। जनता के सम्मुख अपनी कला का श्रेष्ठ प्रदर्शन करें, इसलिए जनता का दबाव भी उन्हें प्रभावित करता है। उनकी आर्थिक स्थिति तो प्रभावित करती ही है क्योंकि यदि आर्थिक दृष्टि से वह सबल नहीं है तो वह अपनी ज़रुरतों का निर्वाह करने में असमर्थ महसूस करेगा। यह सब दबाव हर क्षेत्र के कलाकार को प्रभावित करते हैं।

प्रश्न14.निम्नलिखित तीन विषयों में से एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में सारगर्भित अनुच्छेद हेतु मूल्यांकन बिंदु - (6)

विषयवस्तु - 4 अंक, भाषा - 1 अंक, प्रस्तुति - 1 अंक

प्रश्न15.दिए गए औपचारिक व अनौपचारिक पत्रों में से किसी एक विषय पर 100 शब्दों में पत्र लेखन हेतु मूल्यांकन बिंदु (5)

आरम्भ व अंत की औपचारिकता - 1 अंक

विषयवस्तु - 2 अंक , भाषा - 1 अंक , प्रस्तुति - 1 अंक

प्रश्न16. दिए गए स्ववृत लेखन व औपचारिक ई -मेल लेखन में से किसी एक विषय 80 शब्दों में लेखन हेतु मूल्यांकन बिंदु - (5)

प्रारूप - 2 अंक , विषयवस्तु -2 , भाषा -1 अंक

प्रश्न17. दिए गए विज्ञापन लेखन व सन्देश लेखन में से किसी एक विषय 60 शब्दों में लेखन हेतु मूल्यांकन बिंदु - (4)

प्रारूप - 2 अंक, विषयवस्तु - 2 अंक , भाषा - 1 अंक

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र 2022 -23

सेट - 2

कक्षा -10 वी

विषय -हिंदी ,कोर्स -ए (कोड -002)

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक :80**

सामान्य निर्देश :

(1) इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं- खंड 'क' और 'ख' | खंड-क में वस्तुपरक / बहुविकल्पी और खंड-ख में वस्तुनिष्ठ / वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।

(2) प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 17 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(3) यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।

(4) खंड 'क' में कुल 10 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 49 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(5) खंड 'ख' में कुल 7 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

खंड- अ (बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त लिखिए विकल्प चुनकर लिखिए - (1x5=5)

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अध्ययनों और संयुक्त राष्ट्र की मानव-विकास रिपोर्टों ने भारत के बच्चों में कुपोषण की व्यापकता के साथ-साथ बाल मृत्यु-दर और मातृ मृत्यु दर का ग्राफ़ काफ़ी ऊँचा रहने के तथ्य भी बार-बार जाहिर किए हैं। यूनिसेफ़ की रिपोर्ट बताती है कि लड़कियों की दशा और भी खराब है। पाकिस्तान और अफ़गानिस्तान के बाद, बालिग होने से पहले लड़कियों को ब्याह देने के मामले दक्षिण एशिया में सबसे ज़्यादा भारत में होते हैं। मातृ-मृत्यु दर और शिशु मृत्यु-दर का एक प्रमुख कारण यह भी है। यह रिपोर्ट ऐसे समय जारी हुई है जब बच्चों के अधिकारों से संबंधित वैश्विक घोषणा-पत्र के पच्चीस साल पूरे हो रहे हैं। इस घोषणा-पत्र पर भारत और दक्षिण एशिया के अन्य देशों ने भी हस्ताक्षर किए थे। इसका यह असर ज़रूर हुआ कि बच्चों की सेहत, शिक्षा, सुरक्षा से संबंधित नए कानून बने, मंत्रालय या विभाग गठित हुए, संस्थाएँ और आयोग बने।

घोषणा-पत्र से पहले की तुलना में कुछ सुधार भी दर्ज हआ है। पर इसके बावजूद बहुत सारी बातें विचलित करने वाली हैं। मसलन, देश में हर साल लाखों बच्चे गुम हो जाते हैं। लाखों बच्चे अब भी स्कूलों से बाहर हैं। श्रम-शोषण के लिए विवश बच्चों की तादाद इससे भी अधिक है वे स्कूल में पिटाई और घरेलू हिंसा के शिकार होते रहते हैं।

परिवार के स्तर पर देखें तो संतान का मोह काफ़ी प्रबल दिखाई देगा, मगर दूसरी ओर बच्चों के प्रति सामाजिक संवेदनशीलता बहुत क्षीण है। कमज़ोर तबकों के बच्चों के प्रति तो बाकी समाज का रवैया अमूमन असहिष्णुता का ही रहता है। क्या ये स्वस्थ समाज के लक्षण हैं?

(1) यूनिसेफ की रिपोर्ट में किस बात पर चिंता व्यक्त की गई है ? कथन पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए-

कथन

(i) नवजात बच्चों की ऊँची मृत्युदर पर

(ii) माताओं की ऊँची मृत्युदर पर

(iii) नवजात बच्चों और माताओं की ऊँची जन्मदर पर

विकल्प

(क) कथन (i) सही है।

(ख) कथन (ii) सही है।

(ग) कथन (i) व (ii) सही हैं।

(घ) कथन (ii) व (iii) सही हैं।

(2) घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करने का उद्देश्य क्या था?

(क) बच्चों एवं माताओं की जन्मदर में कमी लाना

(ख) बच्चों एवं माताओं की मृत्युदर में कमी लाना

(ग) बच्चों एवं माताओं की जन्मदर में कमी लाकर उनकी दशा सुधारने का प्रयास करना

(घ) बच्चों एवं माताओं की मृत्युदर में कमी लाकर उनकी दशा सुधारने का प्रयास करना

(3) भारत-पाकिस्तान की वर्णित समस्या का मुख्य कारण क्या है?

(क) निजी जीवन व एकांतिकता से

(ख) वयस्क होने से पहले ही लड़कियों का विवाह कर देना है।

(ग) बिना मेहनत सब कुछ मिल जाने की भावना से

(घ) धन कमाने के लिए जी तोड़ मेहनत करने की कमी से

(4) बच्चों के अधिकारों से संबंधित घोषणापत्र जारी होने के बाद क्या सुधार हुआ?

(क) बच्चों की सेहत, शिक्षा सुरक्षा आदि से जुड़े कानून बने

(ख) प्रतिवर्ष लाखों बच्चों का गुम होना

(ग) लाखों बच्चों का स्कूल न जाना

(घ) उपर्युक्त सभी

(5) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए-

कथन (A) गरीब वर्ग के बच्चों के प्रति समाज का रवैया अच्छा न होना |

कारण (R) -सामाजिक स्तर पर लोग संवेदनहीन

बन गए हैं।

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित दो पद्यांशों में से किसी एक पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- (1x5=5)

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए

क्या करोगे अब ?
समय का
जब प्यार नहीं रहा
सर्वसहा पृथ्वी का
आधार नहीं रहा
न वाणी साथ है
न पानी साथ है
न कही प्रकाश है स्वच्छ
जब सब कुछ मैला है आसमान
गंदगी बरसाने वाले
एक अछोर फैला है
कही चले जाओ
विनती नहीं है
वायु प्राणप्रद
आदंकर आदमी
सब जग से गायब है

(1) कवि ने धरती के बारे में क्या कहा है ? दिए गए कथनों को पढ़कर सबसे सही विकल्प चुनिए-

कथन

(i) रत्नगर्भा
(ii) आधारशिला
(iii) सर्वसहा

विकल्प

(क) कथन (i) सही है।
(ख) कथन (iii) सही है।
(ग) कथन (i) व (ii) सही हैं।
(घ) कथन(i), (ii) व (iii) सही हैं।

(2) 'आदमकद आदमी' से क्या तात्पर्य है
(क) मानवीयता से भरपूर आदमी

(ख) ऊंचे कद का आदमी
(ग) सम्पूर्ण मनुष्य
(घ) सामान्य आदमी

(3) आसमान की तुलना किससे से की गयी है...
(क) समुद्र से
(ख) नीली झील से
(ग) पतंग से
(घ) गंदगी बरसाने वाले थैले से

(4) प्राणदान का तात्पर्य है
(क) प्राणों को पूर्ण करने वाला
(ख) प्राण प्रदान करने वाला
(ग) प्राणों को प्रणाम करने वाला
(घ) प्राणों को छीन लेने वाला

(5) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए-

कथन (A) जीवन में किसी के पास समय नहीं हैं |

कारण (R) सभी उच्च जीवन स्तर जी रहे हैं |

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

अथवा

क्षमा शोभती उस भुजंग को, जिसके पास गरल हो ।
उसको क्या जो दंतहीन, विषरहित, विनीत, सरल हो।
तीन दिवस तक पंथ माँगते रघुपति सिंधु किनारे ।
बैठे पढ़ते रहे छंद अनुनय के प्यारे-प्यारे । ।
उत्तर में जब एक नाद भी उठा नहीं सागर से ।
उठी अधीर धधक पौरुष की आग राम के शर से ।।
सिंधु देह धर 'त्राहि-त्राहि करता आ गिरा शरण में।
चरण पूज दासता ग्रहण की, बँधा मूढ़ बंधन में ।।
सच पूछो, तो शर में ही बसती है दीप्ति विनय की।
संधि-वचन संपूज्य उसी का जिसमें शक्ति विजय की । ।

(1) क्षमा शोभती उस भुजंग को, जिसके पास गरल हो' पंक्ति द्वारा कवि क्या कहना चाहता है?

कथन

(i) दुर्बल व्यक्ति का जीवन बेकार है |

(ii) विषैले सर्प किसी को क्षमा नहीं करते
(iii) क्षमा करने की बात उसी व्यक्ति को शोभा देती है, जिसके पास बल हो।

विकल्प

(क) कथन (i) सही है।
(ख) कथन (ii) सही है।
(ग) कथन (iii) सही हैं।
(घ) कथन (ii) व (iii) सही हैं।

(2) 'पौरूष की आग राम के शर से' पंक्ति में निहित अलंकार का नाम चुनिए-

(क) रूपक

(ख) अनुप्रास

(ग) उत्प्रेक्षा

(घ) अनुप्रास

(3) जब राम की प्रार्थना का समुद्र पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा तो राम ने क्या किया सबसे उपयुक्त विकल्प चुनिए-

(क) राम को बहुत क्रोध आ गया।

(ख) राम ने धनुष संभाल लिया।

(ग) राम ने सागर को सुखाने का निश्चय कर लिया।

(घ) राम ने सागर को सबक सुखाने के लिए अपने तरकश से एक अग्निबाण निकाल लिया।

(4) अनुप्रयुक्त पर्यायवाची शब्द छांटिए-

(क) भुजंग

(ख) नाग

(ग) विष

(घ) उरग

(5) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए-

कथन (A) 'संधि वचन संपूर्ण उसी का जिसमें शक्ति विजय की '

कारण (R) विषैले सर्प किसी को क्षमा नहीं करते

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

प्रश्न 3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (1x4= 4)

(1) 'सीमा दौड़कर राधा के पास गई।' वाक्य का संयुक्त रूप है-
(क) सीमा दौड़ी और राधा के पास गई।
(ख) सीमा तेजी से दौड़कर राधा के पास आयेगी।
(ग) सीमा जल्दी-जल्दी दौड़ी एवं राधा के पास आई।
(घ) सीमा जैसे ही दौड़ी राधा के पास आ गई।

(2) 'जैसे ही चोर ने इशारा किया उसका साथी निकल भागा।' वाक्य का भेद है-
(क) सरल वाक्य
(ख) मिश्र वाक्य
(ग) संयुक्त वाक्य
(घ) देशज वाक्य

(3) 'आप चाय पीएँगे अथवा शर्बत ।' वाक्य का भेद है-
(क) सरल वाक्य
(ख) मिश्र वाक्य
(ग) संयुक्त वाक्य
(घ) प्रश्नवाचक वाक्य

(4) निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्य पहचानकर नीचे दिए गए सबसे सही विकल्प को चुनिए-

(i) सुमेश ने फुटबॉल खेला और चला गया।

(ii) अपना पक्ष रखने पर अवश्य ही निर्दोष सिद्ध होगे ।

(iii) जब तुमने अपराध की ही नहीं, तो उसका दंड तुमको क्यों मिलेगा?

(iv) मोहन खाना खाया और पढ़ने बैठ गया |

विकल्प

(क) केवल कथन (i) सही है।

(ख) कथन (ii) व (iii) सही हैं।

(ग) कथन (i) व (iv) सही हैं।

(घ) कथन (ii), (iii) व (iv) सही हैं।
(5) कॉलम 1 को कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए

कॉलम 1	कॉलम 2
(1) रीमा आई और दूध पी गई।	(i) सरल वाक्य

(2) यदि मेहनत न किए होते, तो सफल नहीं हो पाते । (ii) संयुक्त वाक्य
(3) हमें क्रिकेट खेलने जाना चाहिए । (iii) मिश्र वाक्य

विकल्प

(क) 1-iii, 2-1, 3-ii

(ख) 1-ii, 2-iii, 3-1

(ग) 1-ii, 2-1, 3-iii

(घ) 1-ii, 21, 3-iii

प्रश्न 4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए -
(1x4=4)

(1) कॉलम 1 को कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए

कॉलम 1 कॉलम 2
(1) राम द्वारा रण जीत लिया गया। (i) कर्तृवाच्य
(2) सोहन ने खेल में अच्छा प्रदर्शन किया। (ii) कर्मवाच्य
(3) दादी से चला नहीं जाता । (iii) भाववाच्य

विकल्प

(क) 1-(ii), 2-(i), 3-iii

(ख) 1 (i), 2-(iii), 3-(ii)

(ग) 1-(ii), 2-(iii), 3-(i)

(घ) 1-(i), 2-(iii), 3-(ii)

(2) 'राहुल ने गाना गाया ' प्रयोग के आधार पर वाक्य के भेद बताइए।
(क) कर्तृवाच्य
(ख) कर्मवाच्य
(ग) भाववाच्य
(घ) उपर्युक्त सभी

(3) 'सुमित से पढ़ा नहीं जाता' वाक्य में वाक्यभेद बताइए |
(क) कर्तृवाच्य
(ख) कर्मवाच्य
(ग) भाववाच्य
(घ) उपर्युक्त कोई नहीं

(4) ‘उसके द्वारा भोजन कर लिया गया’ वाक्य को कर्तृवाच्य में बदलिए-
(क) उसने भोजन किया

(ख) उसके द्वारा भोजन नहीं किया गया
(ग) उसने भोजन कर लिया
(घ) उपर्युक्त कोई नहीं

(5) 'प्रेमचंद द्वारा गोदान लिखा गया' वाक्य को कर्तृवाच्य में बदलिए।
(क) प्रेमचंद ने गबन लिखा
(ख) गबन प्रेमचंद द्वारा लिखी गई
(ग) गबन प्रेमचंद द्वारा लिखित उपन्यास है
(घ) प्रेमचंद से गबन लिखा गया

प्रश्न 5. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए

(1x4=4)

(1) उद्यानों में फूल खिलते हैं।
(क) सकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य
(ख) अकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य
(ग) सकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य
(घ) अकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य

(2) 'लाल गुलाब देखकर मन आनंदित हो गया।'-रेखांकित पद का परिचय है-
(क) संख्यावाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, 'गुलाब विशेष्य का विशेष
(ख) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, 'गुलाब विशेष्य का विशेष
(ग) परिमाणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'गुलाब विशेष्य का विशेष
(घ) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, स्त्रीलिंग, 'गुलाब विशेष्य का विशेष

(3) मोनिका ने आपको बुलाया है।
(क) प्रथम पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक
(ख) निजवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक
(ग) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक
(घ) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

(4) ममता पटना जा रही है।
(क) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक
(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक
(ग) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, करण कारक
(घ) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक

(5) हिना से मैं कल यहीं मिला था।
(क) क्रिया, अकर्मक, पूर्ण भूतकाल, पुल्लिंग एकवचन, कर्तृवाच्य
(ख) क्रिया, सकर्मक, पूर्ण भविष्यत काल, पुल्लिंग एकवचन, कर्मवाच्य
(ग) क्रिया, अकर्मक, वर्तमान काल, स्त्रीलिंग एकवचन, कर्म वाच्य
(घ) क्रिया, अकर्मक, भूतकाल, पुल्लिंग, बहुवचन, भाववाच्य

प्रश्न 6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
(1x4=4)

(1) 'आगे नदियां पड़ी अपार घोडा कैसे उतरे पार। राणा ने सोचा इस पार तब तक चेतक था उस पार।' में कौन सा अलंकार है।
(क) अनुप्रास अलंकार
(ख) यमक अलंकार
(ग) अतिश्योक्ति अलंकार
(घ) रूपक अलंकार
(2) 'फूल हँसे कलियाँ मुसकाई।' में कौन सा अलंकार है।
(क) मानवीकरण अलंकार
(ख) यमक अलंकार
(ग) उपमा अलंकार
(घ) रूपक अलंकार
(3) 'बंदौ गुरु पद पदुम परगा। सुरुचि सुबास सरस अनुरागा' में कौन सा अलंकार है।
(क) अनुप्रास अलंकार
(ख) यमक अलंकार
(ग) उपमा अलंकार
(घ) रूपक अलंकार
(4) 'मेघ आये बड़े बन-ठन के संवर के।' में कौन सा अलंकार है।
(क) अनुप्रास अलंकार
(ख) मानवीकरण अलंकार
(ग) उपमा अलंकार
(घ) रूपक अलंकार
(5) 'तीन बेर खाती थी वो तीन बेर खाती है।' में कौन सा अलंकार है।
(क) अनुप्रास अलंकार
(ख) अतिश्योक्ति अलंकार
(ग) उपमा अलंकार
(घ) यमक अलंकार

प्रश्न 7. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त लिखिए विकल्प चुनकर लिखिए -
(1x5=5)

अब हालदार साहब को बात कुछ- कुछ समझ में आई एक चश्मे वाला है जिसका नाम कैप्टन है उसे नेताजी की बगैर चश्मे वाली मूर्ति बुरी लगती है। जबकि आहत करती है मानव चश्मे के बगैर नेताजी को असुविधा हो रही हो इसलिए वह छोटी सी दुकान में उपलब्ध गिने-चुने फ्रेमों में से एक नेता जी की मूर्ति पर फिट कर देता है। लेकिन जब कोई ग्राहक आता है तो उसे वैसे ही प्रेम की दरकार होती है जैसा मूर्ति पर लगा है तो कैप्टन चश्मे वाला मूर्ति पर लगा फ्रेम नेताजी से क्षमा मांगते हुए लाकर ग्राहक को दे देता है और बाद में नेताजी को दूसरा फ्रेम लौटा देता है। वाह !भाई खूब क्या आइडिया है ।

(1) हालदार साहब को चश्मे वाले के बारे में किसने बताया?
(क) नेता जी ने (ख) पान वाले ने (ग) बच्चों ने (घ) स्थानीय लोगों ने
(2) हालदार साहब को बात कुछ कुछ समझ में आई ?
(क)कैप्टन चश्मे वाला नेता जी की मूर्ति पर चश्मा लगाता था (ख)कैप्टन सेना में भर्ती था
(ग) कैप्टन की चश्मे की दुकान थी (घ) कैप्टन फौज का एक सिपाही था
(3) कैप्टन चश्मे वाला अपने गिने-चुने फ्रेमों में से एक फ्रेम नेताजी की मूर्ति को क्यों पहनाता था ?

(क)नेताजी की मूर्ति सुंदर लगती थी (ख)उसकी नजर में ऐसा करना देशभक्तों का अनादर करना था

(ग)वह लोगों को चश्मे दिखाना चाहता था (घ)वह लोगों को चश्मे की जानकारी देना चाहता था जिन्हें बिल्कुल भी नहीं थी

(4) कैप्टन को नेताजी की मूर्ति से क्षमा क्यों माननी पड़ती थी?

(क) नेताजी को बुरा लगता था (ख) नेताजी खुशमिजाज व्यक्ति थे

(ग)चश्मा उतारने की व्यवस्था पर कैप्टन को अपराध बोध होता था (घ)वह नेता जी के प्रति सम्मान प्रकट करना चाहता था

(5) हालदार साहब ने क्यों कहा वाह !भाई खूब । क्या आईडिया है।

(क) हालदार साहब को मूर्ति पर चश्मा पहनाने का आईडिया अच्छा लगा

(ख) लोगों को जानकारी देने का तरीका अच्छा लगा

(ग) लोगों को चश्मा को खरीदने के लिए प्रेरित करना

(घ)मूर्ति तथा ग्राहक दोनों को चश्मा देने की भी चित्र शैली के कारण ऐसा कहा ।

प्रश्न 8. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- (1x2 = 2)

(1) प्रभाती क्या है?

(क) भोर की बेला में गाए जाने वाले गीत (ख) दोपहर में गाए जाने वाले गीत

(ग) शाम को गाए जाने वाले गीत (घ) रात में गाए जाने वाले गीत।

(2) खीरे को लेकर नबाब साहब के संकोच का क्या कारण था ?

(क) नबाब को खीरा खाते देखने से कोई क्या सोचेगा

(ख) खीरा एक अपदार्थ वस्तु होती है

(ग) वह अपना लखनवी अंदाज बनाए रखना चाहता था

(घ) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं

प्रश्न 9. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त लिखिए विकल्प चुनकर लिखिए - (1x5=5)

बादल , गरजो !
घेर घेर घोर गगन , धाराधर ओ !
ललित ललित , काले घुंघराले ,
बाल कल्पना के-से पाले ,
विद्युत छबि उर में , कवि नवजीवन वाले !
वज्र छिपा , नूतन कविता
फिर भर दो -
बादल गरजो !
विकल विकल , उन्मन थे उन्मन
विश्व के निदाघ के सकल जन ,
आए अज्ञात दिशा से अनंत के घन !
तप्त धरा , जल से फिर
शीतल कर दो
बादल , गरजो !

(1) उत्साह' कविता में कवि ने किसका आह्वान किया है?

(क) बादल का (ख) पवन का (ग) सूर्य का (घ) वर्षा का

(2) कवि ने बादल का आह्वान क्यों किया है?;'

(क) गर्जन करने के लिए (ख) मधुर राग सुनाने के लिए

(ग) वर्षा करने के लिए (घ) छाया करने के लिए

(3) कवि बादल की 'गर्जन' के द्वारा क्या करना चाहता है?

(क) समाज में भय (ख) समाज में उत्साह (ग) समाज में आलस्य (घ) समाज में कायरता

(4) कवि के अनुसार कौन व्याकुल थे?

(क) संसार के लोग (ख) अमीर लोग (ग) गरीब लोग (घ) बच्चे

(5) कवि बादलों के माध्यम से मानव को क्या प्रदान करना चाहता है?

(क) धन (ख) ज्ञान (ग) जीवन की नई-नई प्रेरणाएँ (घ) अतीत का इतिहास

प्रश्न 10. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- (1x2 = 2)

(1) क्षत्रिय कुल के द्रोही किसे बताया गया है?

(क) राम (ख) लक्ष्मण (ग) विश्वामित्र (घ) परशुराम।

(2) फसल को किसकी गरिमा बताया गया है ?

(क) नदियों के पानी की (ख) करोड़ों हाथों के स्पर्श की

(ग) मिट्टी के गुणधर्म की (घ) सूरज की किरणों की

खंड - ख (वर्णनात्मक प्रश्न)

प्रश्न 11. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- (2x3=6)

(क) जब लेखक ने नवाब साहब द्वारा खीरे की सुगंध और स्वाद की कल्पना से संतुष्ट होते देखा तथा पेट भरने व तृप्ति का अनुभव करने का आचरण करते देखा, तो उनके ज्ञान-चक्षु खुल गए,इस उक्ति के पीछे कौन सा तर्क हैं ?

(ख) उत्साह कविता में निहित भाव को स्पष्ट कीजिए ?

(ग) आप किन व्यक्तियों की आत्मकथा पढ़ना चाहेंगे और क्यों ?

(घ) फसल कविता में फसल उपजाने वाले तत्वों की बात कही गई है, वे तत्व कौन-कौन से हैं ?

प्रश्न 12. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- (2x3=6)

(क) 'पाठ में सेवक व शत्रु के कार्य की बात कही गई वे कार्य कौन कौन से है ।' 'राम-लक्ष्मण परशुराम संवाद' कविता के आलोक में इस कथन की पुष्टि कीजिए ।

(ख) कवि नागार्जुन जी ने बच्चे की मुस्कान के सौंदर्य को किन-किन बिंबो के माध्यम से व्यक्त किया है? ।

(ग) कवि आत्मकथा लिखने से क्यों बचना चाहता है?

(घ) कवि बादल से फुहार, रिमझिम या बरसने के स्थान पर 'गरजने के लिए कहता है, क्यों?

प्रश्न 13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए- (4x2= 8)

(क) माता का आँचल पाठ में माता-पिता का बच्चे के प्रति जो वात्सल्य व्यक्त हुआ है उसे अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) लोंग स्टॉक में घूमते हुए चक्र को देखकर लेखिका को पूरे भारत की आत्मा एक-सी क्यों दिखाई दी?

(ग) बाह्य दबाव केवल लेखन से जुड़े रचनाकारों को ही प्रभावित करते हैं या अन्य क्षेत्रों से जुड़े कलाकारों को भी प्रभावित करते हैं, कैसे?

प्रश्न 14. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में सारगर्भित अनुच्छेद लिखिए- (6)

(क) जीवन का कठिन दौर और मानसिक मज़बूती

संकेत-बिंदु :- * मानसिक दृढ़ता से मुश्किल हालातों का सामना संभव *कठिन हालातों से दो-दो हाथ करने की शक्ति *अनेक संघर्षशील व्यक्तियों के उदाहरण *मानसिक दृढ़ता का संकल्प |

(ख) खेल और स्वास्थ्य

संकेत बिंदु :- * प्रस्तावना * खेल स्वास्थ्य और भौतिक सुख * खेल के साधन * खेल, भूख, पाचन और आरोग्य * उपसंहार।

(ग) स्त्री शिक्षा का महत्व

संकेत बिंदु :- * भूमिका * शिक्षा की एक समान आवश्यकता * प्राचीन काल में शिक्षा * शिक्षा की आवश्यकता पुरुष से अधिक * वर्तमान स्थिति * उपसंहार।

प्रश्न 15. अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को प्रार्थना पत्र लिखिए जिसमें विद्यालय के पुस्तकालय के लिए हिंदी पत्र-पत्रिकाएँ मँगवाने का अनुरोध किया गया हो। आप केन्द्रीय विद्यालय रोहताश नगर, दिल्ली के छात्र हो। (5)

अथवा

एक चौराहे पर स्कूल जाने की उम्र की किसी लड़की को भीख माँगता देखकर आपके मन में क्या भाव उठे? अपनी बड़ी बहन को पत्र लिखकर बताइए।

प्रश्न 16. सर्वशिक्षा अभियान के अंतर्गत प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय, पुराना सचिवालय दिल्ली को कुछ नवयुवकों की आवश्यकता है जो सायंकालीन कक्षाओं (छह बजे से नौ बजे) में पढ़ा सकें। आप भी अपनी योग्यता एवं अभिरुचि का उल्लेख करते हुए अपना स्ववृत्त (बायोडाटा) प्रस्तुत कीजिए। (5)

अथवा

विवाह में शामिल होने के लिए 3 दिनों के अवकाश के लिए अपने प्राचार्य को ई मेल लिखिए |

प्रश्न 17. सड़क पर टहलते हुए आपको एक बैग मिला, जिसमे कुछ रुपये, मोबाइल फोन तथा अन्य कई महत्वपूर्ण कागज़ात थे। लगभग 25-30 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए कि अधिकारी व्यक्ति आपसे संपर्क कर अपना बैग ले जाए। (4) अथवा

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर देशवासियों के लिए एक संदेश लिखें।

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र 2022 -23

कक्षा -10 वी

विषय -हिंदी ,कोर्स -ए (कोड -002)

अंक योजना /उत्तर कुंजी/ सेट 2

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक :80**

सामान्य निर्देश :

(1)इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं – खंड 'क' और 'ख' | खंड -क में वस्तुपुरक / बहुविकल्पी और खंड- ख में वस्तुनिष्ठ /वर्णात्मक प्रश्न दिए गए हैं | वर्णात्मक प्रश्नों के उत्तर – बिंदु अंतिम नहीं है | ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक है |

(2) समान त्रुटियों के लिए स्थान –स्थान पर अंक न काटे जाये |

खंड -क (वस्तुपुरक / बहुविकल्पी प्रश्न)

उत्तर

प्रश्न 1. अपठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प - (1×5=5)

1. (ग) कथन i व ii सही हैं।
2. (घ) बच्चों एवं माताओं की मृत्युदर में कमी लाकर उनकी दशा सुधारने का प्रयास करना
3. (ख) वयस्क होने से पहले ही लड़कियों का विवाह कर देना है।
4. (घ) उपर्युक्त सभी
5. (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित दो पद्यांशों में से किसी एक पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प - (1×5=5)

1. (ख) कथन (iii) सही है।

2. (क). मानवीयता से भरपूर आदमी.

3. (घ). गंदगी बरसाने वाले थैले से.
4. (ख) प्राण प्रदान करने वाला
5. (घ) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

<u>अथवा</u>

(1) (ग) कथन (iii) सही हैं।

(2) (क) रूपक

(3) (ग) राम ने सागर को सुखाने का निश्चय कर लिया।

(4) (ग) विष

(5) (घ) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

प्रश्न 3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर –

(1×4=4)

(1) (क) सीमा दौड़ी और राधा के पास गई।

(2) (ख) मिश्र वाक्य

(3) (ग) संयुक्त वाक्य

(4) (ग) कथन (i) व (iv) सही हैं।

(5) (ख) 1-ii, 2-iii, 3-1

प्रश्न4.निर्देशानुसार 'वाच्य'पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(1×4=4)

(1) (क) 1-(ii), 2-(i), 3-iii

(2) (क) कर्तृवाच्य

(3) (ग) भाववाच्य

(4) (ग) उसने भोजन कर लिया

(5) (क) प्रेमचंद ने गबन लिखा

प्रश्न5. निर्देशानुसार 'पद परिचय ' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर (1×4=4)

(1) (ख) अकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य

(2) (ख) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, 'गुलाब विशेष्य का विशेष

(3) (ग) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

(4) (ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(5) (क) क्रिया, अकर्मक, पूर्ण भूतकाल, पुल्लिंग एकवचन, कर्तृवाच्य

प्रश्न6 . निर्देशानुसार 'अलंकार ' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए–(1×4=4)

(1) (ग) अतिश्योक्ति अलंकार

(2) (क) मानवीकरण अलंकार

(3) (घ) रूपक अलंकार

(4) (ख) मानवीकरण अलंकार

(5) (घ) यमक अलंकार

प्रश्न 7 . निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- (1×5=5)

(1) (ख) पान वाले ने

(2) (क)कैप्टन चश्मे वाला नेता जी की मूर्ति पर चश्मा लगाता था

(3) (ख)उसकी नजर में ऐसा करना देशभक्तों का अनादर करना था

(4) (ग)चश्मा उतारने की व्यवस्था पर कैप्टन को अपराध बोध होता था

(5) (घ)मूर्ति तथा ग्राहक दोनों को चश्मा देने की भी चित्र शैली के कारण ऐसा कहा ।

प्रश्न 8. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प - (1×2 =2)

(1) (क) भोर की बेला में गाए जाने वाले गीत

(2)(घ) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं

प्रश्न 9. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प (1×5=5)

(1)(क) बादल का

(2)(क) गर्जन करने के लिए

(3)(ख) समाज में उत्साह

(4)(क) संसार के लोग

(5)(ग) जीवन की नई-नई प्रेरणाएँ

प्रश्न10 पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए - (1×2 =2)

(1) (घ) परशुराम।

(2) (ख) करोड़ों हाथों के स्पर्श की

खंड -ख (वर्णात्मक प्रश्न)

प्रश्न11. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए -(2×3 =6)

(क) उत्तर - लेखक ने देखा कि नवाब साहब खीरे की नमक मिर्ची लगी आंखों को खाने के स्थान पर सुनकर खिड़की के बाहर से ले गए बाद में उन्होंने डकार लेकर अपनी तृप्ति और संतुष्टि दर्शाने का प्रयास किया यही देखकर लेखक के ज्ञान चक्षु खुल गए कि इसी तरह बिना घटनाक्रम पात्र और विचारों के कहानी भी लिखी जा सकती है

(ख) उत्तर–इस कविता में कवि ने बादल के बारे में लिखा है। कवि बादलों से गरजने का आह्वान करता है। कवि का कहना है कि बादलों की रचना में एक नवीनता है। काले-काले घुंघराले बादलों का अनगढ़ रूप ऐसे लगता है जैसे उनमें किसी बालक की कल्पना समाई हुई हो। उन्हीं बादलों से कवि कहता है कि वे पूरे आसमान को घेर कर घोर ढ़ंग से गर्जना करें। बादल के हृदय में किसी कवि की तरह असीम ऊर्जा भरी हुई है। इसलिए कवि बादलों से कहता है कि वे किसी नई कविता की रचना कर दें और उस रचना से सबको भर दें।

(ग) नीचे कुछ महान व्यक्तियों की आत्मकथा का उल्लेख किया गया है। हमें उनकी आत्मकथा पढ़कर उनसे शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए -

(1) महात्मा गाँधी की आत्मकथा - हमें महात्मा गाँधी की आत्मकथा पढ़नी चाहिए। इससे हमें सत्य तथा अहिंसा के महत्व की जानकारी मिलती है।

(2) भगत सिंह की आत्मकथा - देशभक्त भगतसिंह की आत्मकथा को पढ़ने से हमें देश भक्ति की प्रेरणा मिलती है।

(3) महावीर प्रसाद द्विवेदी की आत्मकथा - प्रसिद्ध साहित्यकार महावीर प्रसाद द्विवेदी जी का जीवन अत्यंत संघर्षपूर्ण रहा है। एक महान साहित्यकार के रुप से हमें उनकी आत्मकथा पढ़नी चाहिए।

(घ) कवि ने फसल उपजाने के लिए मानव परिश्रम, पानी, मिट्टी, सूरज की किरणों तथा हवा जैसे तत्वों को आवश्यक कहा है।

प्रश्न12. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए -(2×3 =6)

(क) **परशुराम जी ने क्रोधित होकर बोले सेवक वह कहलाता है जो सेवा का कार्य करता है शत्रुता का काम करके तो लड़ाई ही मोल ली जाती है।**

(ख)-कवि ने बच्चे की मुसकान के सौंदर्य को निम्नलिखित बिंबों के माध्यम से व्यक्त किया है

कवि को लगता है कि कमल तालाब छोड़कर इसकी झोपड़ी में खिल गये हैं।
ऐसा लगता है जैसे पत्थर पिघलकर जलधारा के रूप में बह रहे हों।
बाँस या बबूल से शेफालिका के फूल झरने लगे हों
(ग) कवि आत्मकथा लिखने से क्यों बचना चाहता है?
उत्तर - आत्मकथा लिखने के लिए अपने मन कि दुर्बलताओं, कमियों का उल्लेख करना पड़ता है। कवि स्वयं को इतना सामान्य मानता है कि आत्मकथा लिखकर वह खुद को विशेष नहीं बनाना चाहता है, कवि अपने व्यक्तिगत अनुभवों को दुनिया के समक्ष व्यक्त नहीं करना चाहता। क्योंकि वह अपने व्यक्तिगत जीवन को उपहास का कारण नहीं बनाना चाहता।
(घ) कवि बादल से फुहार, रिमझिम या बरसने के स्थान पर 'गरजने के लिए कहता है, क्यों?
उत्तर - कवि ने बादल से फुहार, रिमझिम या बरसने के लिए नहीं कहता बल्कि 'गरजने' के लिए कहा है; क्योंकि 'गरजना' विद्रोह का प्रतीक है। कवि ने बादल के गरजने के माध्यम से कविता में नूतन विद्रोह का आह्वान किया है।
प्रश्न13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों के आधार पर निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए-(4×2 =8)

(क) उत्तर - भोलानाथ के पिता एक सजग, व स्नेही पिता हैं। उनके दिन का आरम्भ ही भोलानाथ के साथ शुरू होता है। उसे नहलाकर पुजा पाठ कराना, उसको अपने साथ घुमाने ले जाना, उसके साथ खेलना व उसकी बालसुलभ क्रीड़ा से प्रसन्न होना, उनके स्नेह व प्रेम को व्यक्त करता है। भोलानाथ की माता वात्सल्य व ममत्व से भरपूर माता है। भोलानाथ को भोजन कराने के लिए उनका भिन्न – भिन्न तरह से स्वांग रचना एक स्नेही माता की ओर

संकेत करता है। जो अपने पुत्र के भोजन को लेकर चिन्तित है। दूसरी ओर उसको लहुलुहान व भय से काँपता देखकर माँ भी स्वयं रोने व चिल्लाने लगती है।

(ख) उत्तर - लेखिका सिक्किम में घूमती हुई कवीं-लोंग स्टॉक नाम की जगह पर गई । वहाँ एक कुटिया में घूमता चक्र है। मान्यता है कि इसे घुमाने से सारे पापों का नाश होता है। लेखिका के अनुसार आप भारत के किसी भी कोने में चले जाएँ आपको लोगों की आस्थाएँ, विश्वास, अंधविश्वास, पाप – पुण्य की अवधारणाएँ और कल्पनाएँ हर जगह एक सी मिलेंगी हर जगह उनके भगवान बदल जाएँ, पूजा के तरीकों में अन्तर हो परन्तु विश्वास सदैव एक सा रहेगा और यही विश्वास पूरे भारत को एक ही सूत्र में बाँध देता है जहाँ पूरे भारत की एक आत्मा प्रतित हो, ऐसा जाना पड़ता है।

(ग) उत्तर - बिल्कुल! ये दवाब किसी भी क्षेत्र के कलाकार हो, सबको समान रुप से प्रभावित करते हैं। कलाकार अपनी अनुभूति या अपनी खुशी के लिए अवश्य अपनी कला का प्रदर्शन करता हो, परन्तु उसके क्षेत्र की विवशता एक रंचनाकार से अलग नहीं है। जैसे एक अभिनेता, मंच कलाकार या नृत्यकार हो सबको उनके निर्माता या निर्देशकों के दबाव पर प्रदर्शन करना पड़ता है। जनता के सम्मुख अपनी कला का श्रेष्ठ प्रदर्शन करें, इसलिए जनता का दबाव भी उन्हें प्रभावित करता है। उनकी आर्थिक स्थिति तो प्रभावित करती ही है क्योंकि यदि आर्थिक दृष्टि से वह सबल नहीं है तो वह अपनी ज़रुरतों का निर्वाह करने में असमर्थ महसूस करेगा। यह सब दबाव हर क्षेत्र के कलाकार को प्रभावित करते हैं।

प्रश्न14.निम्नलिखित तीन विषयों में से एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में सारगर्भित अनुच्छेद हेतु मूल्यांकन बिंदु - (6)

विषयवस्तु – 4 अंक

भाषा – 1 अंक

प्रस्तुति – 1 अंक

प्रश्न15.दिए गए औपचारिक व अनौपचारिक पत्रों में से किसी एक विषय पर 100 शब्दों में पत्र लेखन हेतु मूल्यांकन बिंदु (5)

आरम्भ व अंत की औपचारिकता – 1 अंक

विषयवस्तु - 2 अंक

भाषा - 1 अंक

प्रस्तुति - 1 अंक

प्रश्न16. दिए गए स्ववृत लेखन व औपचारिक ई –मेल लेखन में से किसी एक विषय 80 शब्दों में लेखन हेतु मूल्यांकन बिंदु – (5)

प्रारूप – 2 अंक

विषयवस्तु -2

भाषा -1 अंक

प्रश्न17. दिए गए विज्ञापन लेखन व सन्देश लेखन में से किसी एक विषय 60 शब्दों में लेखन हेतु मूल्यांकन बिंदु – (4)

प्रारूप – 2 अंक

विषयवस्तु - 2 अंक

भाषा - 1 अंक

केन्द्रीय विद्यालय संगठन क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर

प्रतिदर्श प्रश्न 2022 -23

सेट 3

विषय –हिंदी **कक्षा –दसवीं**

निर्धारित समय -3 घंटा पूर्णांक – 80

खंड -क

अपठित गद्यांश /पद्यांश (बहुविकल्पीय/ वस्तुपरक प्रश्न)

प्रश्न -1 निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए - (1×5=5)

1-गांधीजी ने दक्षिण अफ्रीका में प्रवासी भारतीयों को मानव-मात्र की समानता और स्वतंत्रता के प्रति जागरुक बनाने का प्रयत्न किया। इसी के साथ उन्होंने भारतीयों के नैतिक पक्ष को जगाने और सुसंस्कृत बनाने के प्रयत्न भी किए। गांधी जी ने ऐसा क्यों किया ? इसलिए कि वे मानव-मानव के बीच काले-गोरे, या ऊँच-नीच का भेद ही मिटाना पर्याप्त नहीं समझते थे, वरन उनके बीच एक मानवीय स्वभाविक स्नेह और हार्दिक सहयोग का संबंध भी स्थापित करना चाहते थे। इसके बाद जब वे भारत आए, तब उन्होंने इस प्रयोग को एक बड़ा और व्यापक रुप दिया विदेशी शासन के अन्याय-अनीति के विरोध में उन्होंने जितना बड़ा सामूहिक प्रतिरोध संगठित किया, उसकी मिसाल संसार के इतिहास में अन्यत्र नहीं मिलती। पर इसमें उन्होंने सबसे बड़ा ध्यान इस बात का रखा कि इस प्रतिरोध में कहीं भी कटुता, प्रतिशोध की भावना अथवा कोई भी ऐसी अनैतिक बात न हो जिसके लिए विश्व-मंच पर भारत का माथा नीचा हो गांधी जी ने इसलिए किया क्योंकि वे मानते थे कि बंधुत्व, मैत्री, सद्भावना , स्नेह-सौहार्द आदि गुण मानवता रूप टहनी के ऐसे पुष्प हैं जो सर्वदा सुगंधित रहते हैं।

1. अफ्रीका में प्रवासी भारतीयों के पीड़ित होने का क्या कारण था?
क) निर्धनता धनिकता पर आधारित भेदभाव
ख) रंग-भेद और सामाजिक स्तर से संबंधित भेदभाव
ग) धार्मिक भिन्नता पर आश्रित भेदभाव
घ) विदेशी होने से उत्पन्न मन-मुटाव

2. गांधी जी अफ्रीकावासियों और भारतीय प्रवासियों के मध्य क्या स्थापित करना चाहते थे?

क) सहज प्रेम एवं सहयोग की भावना

ख) पारिवारिक अपनत्व की भावना

ग) अहिंसा एवं सत्य के प्रति लगाव

घ) विश्वबंधुत्व की भावना

3. भारत में गांधीजी का विदेशी शासन का प्रतिरोध किस पर आधारित था?

क) संगठन की भावना पर

ख) नैतिक मान्यताओं पर

ग) राष्ट्रीयता के विचारों पर

घ) शांति की सद्भावना पर

4. बंधुत्व, मैत्री आदि गुणों की पुष्पों के साथ तुलना आधारित है –

क) उनकी सुंदरता पर

ख) उनकी कोमलता पर

ग) उनके अपनत्व पर

घ) उनके कायिक प्रभाव पर

5. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक क्या होगा?

क) अफ्रीका में गांधी जी

ख) प्रवासी भारतीय और गांधी जी

ग) गांधी जी की नैतिकता

घ) गांधी जी और विदेशी शासन

प्रश्न -2 निम्नलिखित दो पद्यांशों में **से किसी <u>एक</u> पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए -((1×5=5)**

क्या करोगे अब ?

समय का

जब प्यार नहीं रहा

सर्वसहा पृथ्वी का

आधार नहीं रहा

न वाणी साथ है

न पानी साथ है

न कही प्रकाश है स्वच्छ

जब सब कुछ मैला है आसमान

गंदगी बरसाने वाले

एक अछोर फैला है

कही चले जाओ

विनती नहीं है

वायु प्राणप्रद

आदमकद आदमी

सब जग से गायब है

1. कवि ने धरती के बारे में क्या कहा है ...

1. रत्नगर्भा
2. आधारशिला
3. सर्वसहा
4. माँ

2. 'आदमकद आदमी' से क्या तात्पर्य है

1. मानवीयता से भरपूर आदमी
2. ऊँचे कद का आदमी
3. सम्पूर्ण मनुष्य
4. सामान्य आदमी

3. आसमान की तुलना किससे से की गयी है...

1. समुद्र से
2. नीली झील से
3. पतंग से
4. गंदगी बरसाने वाले थैले से

4. प्राणदान का तात्पर्य है

1. प्राणों को पूर्ण करने वाला
2. प्राण प्रदान करने वाला
3. प्राणों को प्रणाम करने वाला
4. प्राणों को छीन लेने वाला

5. कवि समय से कब और क्यों कतराना चाहते हैं

1. किसी के पास बात करने का समय नहीं
2. किसी को दो क्षण बैठने का समय नहीं
3. किसी को प्यार करने का समय नही
4. किसी को गप मारने का समय नही

अथवा

उस दिन , वह मैंने थी देखी

कॉलेज के निकट ,कच्ची सड़क के पास
गंदी नाली पर पड़ी
जहाँ से गुज़र नहीं सकता
कोई भी बिना नाक पर डाले कपड़ा –
गंदे काले चिथड़ो औ "फटी -पुरानी गुदड़ी में लिपटी ,
देखकर आती जिसको घिन ,
पौष के तीव्र शीत में करती क्रंदन –
"हाय मार गया ,पकड़ो ,पकड़ो ,
धत्त तेरे की !
क्या लिया तुम्हारा मैंने मूज़ी?
क्यों मुझ को व्यर्थ सताता ?
भागो -भागो,हाय मार गया वह मुझको "

सताए कूकर सी कटु कर्कश वाणी में चिल्लाती
वह कुबड़ी काली सी पगली नारी.
सोचा मैंने ,
पर मै समझ न पाया –
क्या वह है दैव की मारी ?
या समाज की ,जो है अत्याचारी
दोनो ,दलितों ,असहायों पर ?
या सम्बन्धियों की निज
छीन लेते हैं जो दलित बंधुओं से
सूखी रोटी का टुकड़ा भी ?

1-कवि द्वारा प्रयुक्त बिना नाक पर कपड़ा डाले का क्या अर्थ है?
1) नाक ढकना 2) मुँह छिपाकर जाना
3) दुर्गन्ध से बचना 4) उपर्युक्त में से कोई नहीं
2-मूजी शब्द का तात्पर्य क्या है ?
1) अत्याचारी 2) ज़ालिम
3) सताने वाला 4) दुर्जन
3-कवि ने पगली के आवाज की तुलना किससे की है ?
1) पक्षी से 2) जानवर से 3) कूकर से 4) कोई नहीं
4-कवि का स्वर कैसा है ?
1) व्यंग्यात्मक 2) ओजपूर्ण
3) दुखी करने वाला 4) इनमे से कोई नही
5-क्रंदन शब्द का विलोम है -
1) रोना 2) विलाप करना
3) प्रसन्न होना 4)इनमे से कोई नहीं

<u>खंड -ख</u>

प्रश्न -3 निर्देशानुसार रचना के आधार पर वाक्य भेद पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं <u>चार</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (1×4)

1-पिताजी ने माँ से कहा कि वे भी दिल्ली चलें |(सरल वाक्य में परिवर्तित कीजिए)
1-पिताजी ने माँ से दिल्ली चलने के लिए कहा |
2-पिताजी ने कहा कि माँ भी दिल्ली चलें |
3-पिताजी ने माँ को दिल्ली से चलने को कहा |
4-इनमें से कोई नहीं

2-पत्नी के बीमार होने के कारण वह कार्यालय नहीं गया |(मिश्र वाक्य में परिवर्तित कीजिए)
1-वह कार्यालय नहीं गया ,क्योंकि उसकी पत्नी बीमार है |
2-पत्नी की बीमारी के कारण वह कार्यालय नहीं गया |
3-जैसे ही पत्नी बीमार पड़ी वह कार्यालय नहीं गया |

4-इनमें से कोई नहीं

3-आप दरवाजे पर बैठकर उसकी प्रतीक्षा करें |(संयुक्त वाक्य में परिवर्तित कीजिए)
1-आप दरवाजे पर बैठें तब उसकी प्रतीक्षा करें |
2-आप दरवाजे पर बैठें और उसकी प्रतीक्षा करें |
3-आप पहले दरवाजे पर बैठें और फिर उसकी प्रतीक्षा करें |
4- आप दरवाजे पर बैठकर उसकी प्रतीक्षा करें |

4-निम्नलिखित वाक्यों में से संयुक्त वाक्य नहीं है -
1-स्वावलंबी व्यक्ति सदा सुखी रहता है |
2-उससे मिल लेना ,परंतु प्रतीक्षा करनी पड़ेगी |
3-उन्होंने मूर्ति को देखा और रुक गए |
4-गश्त लगती रही और लाट की नाक चली गई |
5- 'मैंने उसे पढ़कर नौकरी दिलवाई|' यह किस प्रकार का वाक्य है?
1-सरल वाक्य
2-संयुक्त वाक्य
3-मिश्रित वाक्य
4-असाधारण वाक्य

प्रश्न -4 निर्देशानुसार वाच्य पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं <u>चार</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए -- (1×4)

1-'रीता सो भी नहीं सकती' वाक्य को भाववाच्य में बदलिए।

1) रीता द्वारा सोया गया 2) रीता से सोया भी नहीं जाता

3) रीता ने सोया 4) रीता ने नहीं सोया

2. प्रेमचंद द्वारा गबन लिखा गया' वाक्य को कर्तृवाच्य में बदलिए।

1) प्रेमचंद ने गबन लिखा 2) गबन प्रेमचंद द्वारा लिखी गई

3) गबन प्रेमचंद द्वारा लिखित उपन्यास है 4) प्रेमचंद से गबन लिखा गया

3-वह नृत्य देख रहा है | प्रयोग के आधार पर वाच्य भेद बताइए |
1) कर्मवाच्य 2) भाव वाच्य
3) कर्तृवाच्य 4) उपर्युक्त सभी
4-जिस वाक्य में कर्म की प्रधानता होती है वहाँ कौन सा वाच्य होता है?
1) कर्तृवाच्य 2) कर्मवाच्य
3) भाववाच्य 4) इनमें से कोई नहीं
5- जब क्रिया का रूप कर्म के अनुसार बदलता है तब कौन सा वाच्य होता है ?
1) कर्तृवाच्य 2) भाववाच्य
3) कर्मवाच्य 4) मिश्र वाक्य

प्रश्न-5.निर्देशानुसार पदपरिचय पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं <u>चार</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (1×4)

1. <u>मुंशी प्रेमचंद</u> ने गोदान के रचना की।

1) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

2) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

3) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

4) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

2. रेखा <u>नित्य</u> दौड़ने जाती है ।

1) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'दौड़ने जाता है' क्रिया की विशेषता

2) रीतिवाचक क्रिया विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'दौड़ने जाता है' क्रिया की विशेषता

3) अव्यय, स्थानवाचक क्रिया विशेषण, 'दौड़ने जाती है' क्रिया की विशेषता

4) अव्यय, कालवाचक क्रिया विशेषण, 'दौड़ने जाती है' क्रिया की विशेषता

3. बागो में फूल <u>खिलते हैं</u>।

1) सकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य

2) अकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य

3) सकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य

4) अकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य

4. '<u>लाल</u> गुलाब देखकर मन खुश हो गया।'-रेखांकित पद का परिचय है-

1) संख्यावाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, 'गुलाब विशेष्य का विशेष

2) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, 'गुलाब विशेष्य का विशेष

3) परिमाणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'गुलाब विशेष्य का विशेष

4) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, स्त्रीलिंग, 'गुलाब विशेष्य का विशेष

5. राधिका ने <u>आपको</u> बुलाया है।

1) प्रथम पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

2) निजवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

3) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

4) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

प्रश्न -6 निर्देशानुसार अलंकार पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं <u>चार</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (1×4)

1-' पीपर पात सरिस मन डोला ' में कौन– सा अलंकार है?

1. उपमा अलंकार

2. अनुप्रास अलंकार

3. यमक अलंकार

4. मानवीकरण अलंकार

2- 'तीन बेर खाती है वो तीन बार खाती है' अलंकार पहचानिए?

1. अनुप्रास अलंकार

2. यमक अलंकार

3. मानवीकरण अलंकार

4. उपमा अलंकार

3- 'हरि– पद से कोमल कमल– से' इसमें कौन– सा अलंकार है?

1. यमक अलंकार

2. अनुप्रास अलंकार

3. उपमा अलंकार

4 मानवीकरण अलंकार

4- 'चरण– कमल बंदौ हरि राई' अलंकार बताइए?

1. उपमा अलंकार

2. अनुप्रास अलंकार

3. यमक अलंकार

4. रूपक अलंकार

5- 'बीती विभावरी जागरी, अंबर पनघट में डुबो रही तारा– घट उषा नागरी' इसमें कौन– सा अलंकार है?

1. मानवीकरण अलंकार

2. उपमा अलंकार

3. अनुप्रास अलंकार

4. यमक अलंकार

खंड -ग

प्रश्न -7. निम्न लिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए - (1×5=5)

आषाढ़ की रिमझिम है | समूचा गाँव खेतों में उमड़ पड़ा है | कहीं हल चल रहें हैं कहीं रोपनी हो रही | धान के पानी भरे खेतों में बच्चे उछल रहें हैं |औरतें कलेवा लेकर मेड़ पर बैठी हैं | आसमान बादल से घिरा ,धूप का नाम नहीं हैं , ठंडी पुरवाई चल रही है | ऐसे ही समय आपके कानों में एक स्वर- तरंग-झंकार -सी कर उठी | यह क्या है -यह कौन है ! यह पूछना न पड़ेगा | बाल गोबिन भगत समूचा शरीर कीचड़ में लिथड़े ,अपने खेत में रोपनी कर रहें हैं | उनकी अंगुली एक -एक धन के पौधे को , पंक्तिबद्ध , खेत में बैठा रही है | उनका कंठ एक -एक शब्द को संगीत के जीने पर चढाकर कुछ को ऊपर स्वर्ग की ओर भेज रहा है और कुछ को इस पृथ्वी की मिट्टी पर खड़े लोगों के कानों की ओर | बच्चे खेलते हुए झूम उठते हैं , मेड पर खड़ी औरतों के होठ काँप उठाते हैं , वे गुनगुनाने लगतीं हैं,हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं , रोपनी करने वालों की अंगुलियाँ एक अजीब क्रम में चलने लगती हैं | बाल गोबिन भगत का यह संगीत है या जादू !

1-भगत के संगीत के जादू का प्रभाव किस -किस पर पड़ता है ?

1-किसानों पर 2- आस -पास खेलते बच्चों पर

3-मेड पर खड़ी औरतों पर 4-ये सभी

2-बाल गोबिन भगत के संगीत को क्या कहा गया है ?

1-रहस्य 2- जादू 3- संगीत 4- ये सभी

3-भगत के गीत को सुन हलवाहों पर क्या प्रभाव पड़ा ?

1-हलवाहे के गाने लगते हैं 2- झूम उठाते हैं

3-हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं 4-इनमें से कोई नहीं

4-भगत अपने संगीत का प्रभाव बढ़ाने के लिए क्या करते थे ?

1-स्वर को ऊँचा करते थे 2- स्वर को नीचा करते थे

3- स्वर को ऊँचा -नीचा करते थे 4-इनमें से कोई नहीं

5-प्रस्तुत पाठ व लेखक का नाम लिखें ?

1-नेताजी का चश्मा (स्वयं प्रकाश) 2-बाल गोबिन भगत (रामवृक्ष बेनीपुरी)

3-लखनवी अंदाज (यशपाल) 4- आत्मकथ्य (जय शंकर प्रसाद)

प्रश्न 8- गद्य पाठों पर आधारित निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए - (1×2=2)

1-काशी का संगीत-आयोजन किस अवसर पर होता है?

(1) हनुमान-जयंती के अवसर पर

(2) जन्माष्टमी के अवसर पर

(3) रामलीला के अवसर पर

(4) इनमें से कोई नही

2-सन् 46-47 के दिनों में देश का माहौल कैसा था?

(1) देश को स्वतंत्र कराने का जोश उफान पर था|

(2) देश में युद्ध की स्थिति बनी हुई थी|

(3) स्वतंत्रता की तैयारी चल रही थी|

(4) संविधान तैयार किया जा रहा था |

प्रश्न 9- निम्न लिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए (1×5=5)

तुम्ह तौ कालु हाँक जनु लावा | बार -बार मोहि लागि बोलावा ||
सुनत लखन के वचन कठोरा | पारसु सुधारि धरेउ कर घोरा ||
अब जनि देइ दोसु मोहि लोगू | कटुबादी बालकु बधजोगू ||
बाल बिलोकि बहुत मैं बाँचा | अब येहु मरनिहार भा साँचा ||
कौसिक कहा छमिअ अपराधू | बाल दोष गुण गनहिं न साधू ||
खर कुठार मैं अकरुन कोही | आगे अपराधी गुरुद्रोही ||
उत्तर देत छोड़ौ बिनु मारे | केवल कौसिक सील तुम्हारे ||
न त येहि काटि कुठार काठोरे | गुरहि उरिन होतेऊँ श्रम थोरे ||

1-लक्ष्मण के किस कथन से उनकी निडरता का परिचय मिलता है ?

1॰परशुराम से यह कहना कि बार -बार आवाज लगाकर काल को मेरे लिए बुला रहें हो |

2.कडवे कथन बोलने से

3. अपराध करने से

4. उपरोक्त में से कोई नहीं

2-परशुराम ने लक्ष्मण की किस अवस्था को देखकर उन पर प्रहार नहीं किया ?

1-बालक 2- युवा 3- साधु 4- इनमें से कोई नहीं

3-परशुराम लक्ष्मण पर क्यों क्रोधित हो गए ?

1-लक्ष्मण के कठोर वचन सुनकर 2-लक्ष्मण की व्यंग्य भरी बातें सुनकर
3-1, और 2 4- शिव धनुष टूटने पर
4-परशुराम ने लक्ष्मण को कैसे बालक की संज्ञा दी है ?
1-कटु बोलने वाले 2-मृदु बोलने वाले 3-अहंकारी वचन वाले 4- निर्भयी
5-परशुराम के क्रोध को देखकर कौन खड़ा हो गया ?
1-लक्ष्मण 2- श्री राम 3- विश्वामित्र 4-सभा जन

प्रश्न-10- पद्य पाठों पर आधारित निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए - (1×2=2)

1-कवि के अनुसार फसल क्या है ?
1- –करोड़ों किसानों की मेहनत 2-नदियों के पानी का जादू
3- मिट्टी , सूर्य की किरणें व हवा के मिलन का नतीजा 4-ये सभी
2-संगतकार के लक्ष्य के विरूद्ध क्या है?
1- मुख्य गायक के साथ गाना
2-मुख्य गायक के स्थान पर गाना
3-मुख्य गायक से अधिक ऊँचे स्वर में गाना
4-इनमें से कोई नहीं

प्रश्न -11- गद्य पाठों पर आधारित निम्नलिखित चार प्रश्नों में से तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए - (2×3=6)

1-नवाब साहब ने खीरे की फाँकों पर नमक-मिर्च छिड़का जिसे देखकर लेखक ललचाया पर उसने खीरे खाने का प्रस्ताव अस्वीकृत क्यों कर दिया?
2-लेखिका मन्नू भण्डारी जी के जीवन पर किन दो लोगों का विशेष प्रभाव पड़ा । (एक कहानी यह भी से)
3-न्यूटन से भी अधिक ज्ञान रखने वाले और उन्नत जीवन शैली अपनाने वाले को संस्कृत कहेंगे या सभ्य और क्यों?
4- काशी में हो रहे कौन-से परिवर्तन बिस्मिल्ला खाँ को व्यथित करते थे?

प्रश्न -12- पद्य पाठों पर आधारित निम्नलिखित चार प्रश्नों में से तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए - (2×3=6)

1-स्मृति को 'पाथेय' बनाने से कवि का क्या आशय है?
2-गोपियों ने किन-किन उदाहरणों के माध्यम से उद्धव को उलाहने दिए हैं?
3- कवि के अनुसार फसल क्या है?
4-संगतकार के माध्यम से कवि किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाह रहा है?

प्रश्न -13- पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए - (4×2=8)

1. लेखक ने अपने आपको हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता कब और किस तरह महसूस किया?
2。 माता का आँचल' पाठ के आधार पर लिखिये कि माँ बच्चे को 'कन्हैया' का रूप देने के लिये किन-किन चीजों से सजाती थीं ? इससे उनकी किस भावना का बोध होता है? आपकी राय से बच्चों का क्या कर्तव्य होना चाहिए ?

3- जितेन नार्गे ने लेखिका को सिक्किम की प्रकृति, वहाँ की भौगोलिक स्थिति एवं जनजीवनके बारे में क्या महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ दीं, लिखिए।

खंड -घ

प्रश्न -14.निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में सारगर्भित अनुच्छेद लिखिए - (6)

1-गाँवों का देश भारत

संकेत बिन्दु :-1 भारतमाता ग्रामवासिनी 2-दयनीय दशा,अभावों से ग्रस्त गाँव, निर्धनता का कारण **3-** समाधान, आशा की किरण

2- इंटरनेट: एक संचार-क्रांति

संकेत बिन्दु

1-अर्थ 2-संचार-जगत में क्रांति 3- ज्ञान का भंडार, शिक्षा में सहायक 4- दोष एवं प्रभाव

3-ग्लोबल वार्मिंग -मनुष्यता के लिए खतरा

संकेत बिन्दु -

1-ग्लोबल वार्मिंग क्या है ,2-ग्लोबल वार्मिंग के कारण 3-ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव

4-समस्या का समाधान ग्लोबल वार्मिंग -मनुष्यता के लिए खतरा

प्रश्न -15.दिए गए औपचारिक व अनौपचारिक पत्रों में से किसी एक विषय पर 100 शब्दों में लिखें। (5)

1-विद्यालय की प्रयोगशाला में प्रयोग करते हुए आपसे कुछ सामान टूट गया है, जिसके कारण विज्ञान शिक्षिका ने आप पर एक हज़ार रुपये का जुर्माना कर दिया है। इसे माफ़ कराने का निवेदन करते हुए प्रार्थना पत्र लिखिए।

अथवा

खेल का महत्व समझाते हुए छोटे भाई को प्रेरणादायक पत्र लिखें।

प्रश्न -16.-स्ववृत लेखन / ई-मेल लेखन (5)

किसी समाचार पत्र के संपादक हेतु आप अपना एक स्ववृत (बायोडाटा) लगभग 80 शब्दों में तैयार कीजिए

अथवा

दैनिक हिंदुस्तान के संपादक को सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाओं और उससे उत्पन्न हिंसा के संभावित कारणों का उल्लेख कराते हुए ई-मेल लिखें।

प्रश्न -17。 विज्ञापन /संदेश लेखन- **(4)**

लगभग 60 शब्दों मेँ रसभरी मिठाई दुकान का एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए |

<u>अथवा</u>

अपने मित्र को जन्मदिन की शुभकामना देते हुए लगभग 60 शब्दों मेँ संदेश लिखें |

===

केन्द्रीय विद्यालय संगठन क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर

प्रतिदर्श प्रश्न-अंक योजना 2022 -23

सेट 3

विषय –हिंदी **कक्षा –दसवीं**

निर्धारित समय -3 घंटा पूर्णांक – 80

<u>खंड -क</u>

<u>अपठित गद्यांश / पद्यांश (बहुविकल्पीय/ वस्तुपरक प्रश्न)</u>

प्रश्न-1 निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए -

(1×5=5)

उत्तर - 1. ख- रंग-भेद और सामाजिक स्तर से संबंधित भेदभाव,

2. क -सहज प्रेम एवं सहयोग की भावना, 3. क -संगठन की भावना पर,

4. ग -उनके अपनत्व पर, 5. ग -गांधी जी की नैतिकता

प्रश्न -2 निम्न लिखित दो पद्यांशों मेँ से किसी <u>एक</u> पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए -((1×5=5)

1-क्या करोगे अब ?--------------सब जग से गायब है |

उत्तर - 1.3-सर्वसहा , 2. 1मानवीयता से भरपूर आदमी , 3. 4गंदगी बरसाने वाले थैले से , 4.2-प्राण प्रदान करने वाला , 5. 3-किसी को प्यार करने का समय नहीं

2- उस दिन , वह मैंने थी देखी------------------------सूखी रोटी का टुकड़ा भी ?

1-उत्तर- iii) दुर्गन्ध से बचना,

2-उत्तर - 1) किस्मत की मारी

3-उत्तर - 3) कूकर से

4-उत्तर - 3) दुखी करने वाला

5-उत्तर - 1) प्रसन्न होना

<u>खंड -ख</u>

प्रश्न -3 निर्देशानुसार रचना के आधार पर वाक्य भेद पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए - - (1×4)

1-पिताजी ने माँ से कहा कि वे भी दिल्ली चलें |(सरल वाक्य में परिवर्तित कीजिए)

उत्तर -1-पिताजी ने माँ से दिल्ली चलने के लिए कहा |

2-पत्नी के बीमार होने के कारण वह कार्यालय नहीं गया (मिश्र वाक्य में परिवर्तित कीजिए)

उत्तर -1-वह कार्यालय नहीं गया क्योंकि उसकी पत्नी बीमार है |

3-आप दरवाजे पर बैठकर उसकी प्रतीक्षा करें |(संयुक्त वाक्य में परिवर्तित कीजिए)

|उत्तर -2- आप दरवाजे पर बैठें और उसकी प्रतीक्षा करें |

4-निम्नलिखित वाक्यों में से संयुक्त वाक्य नहीं है -

उत्तर -1-स्वावलंबी व्यक्ति सदा सुखी रहता है |

5-'मैंने उसे पढ़ाकर नौकरी दिलवाई|' यह किस प्रकार का वाक्य है?

उत्तर- 1- सरल वाक्य

प्रश्न -4.निर्देशानुसार वाच्य पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (1×4)

1-'रीता सो भी नहीं सकती' वाक्य को भाववाच्य में बदलिए।

उत्तर -2- रीता से सोया भी नहीं जाता

2. प्रेमचंद द्वारा गबन लिखा गया' वाक्य को कर्तृवाच्य में बदलिए।

उत्तर -1) प्रेमचंद ने गबन लिखा

3-वह नृत्य देख रहा है | प्रयोग के आधार पर वाच्य भेद बताइए |

उत्तर - कर्तृ वाच्य

4-जिस वाक्य में कर्म की प्रधानता होती है वहां कौन सा वाक्य होता है

उत्तर -2) कर्मवाच्य

5- **जब क्रिया का रूप कर्म के अनुसार बदलता है तब कौन सा वाच्य होता है ?**

उत्तर -3) कर्मवाच्य

प्रश्न-5 निर्देशानुसार पदपरिचय पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (1×4)

1. <u>मुंशी प्रेमचंद</u> ने गोदान की रचना की।

व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

2. रेखा <u>नित्य</u> दौड़ने जाती है ।

अव्यय, कालवाचक क्रिया विशेषण, 'दौड़ने जाती है' क्रिया की विशेषताr

3. बागो में फूल <u>खिलते हैं</u>।

अकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य

4. '<u>लाल</u> गुलाब देखकर मन खुश हो गया।'-रेखांकित पद का परिचय है-

गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, 'गुलाब विशेष्य का विशेषण

5. राधिका ने <u>आपको</u> बुलाया है।

मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

प्रश्न -6 निर्देशानुसार अलंकार पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं <u>चार</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (1×4)

1- ' पीपर पात सरिस मन डोला ' में कौन– सा अलंकार है?

उत्तर– उपमा अलंकार

2- 'तीन बेर खाती है ते वे तीन बेर खाती है' अलंकार पहचानिए?

उत्तर– यमक अलंकार

3- 'हरि– पद से कोमल कमल– से' इसमें कौन– सा अलंकार है?

उत्तर– उपमा अलंकार

4- 'चरण– कमल बंदौ हरि राई' अलंकार बताइए?

उत्तर– रूपक अलंकार

5- 'बीती विभावरी जागरी, अंबर पनघट में डुबो रही तारा– घट उषा नागरी' इसमें कौन– सा अलंकार है?

उत्तर– मानवीकरण अलंकार

<u>खंड -ग</u>

प्रश्न -7 निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए - (1×5=5)

1-भगत के संगीत के जादू का प्रभाव किस -किस पर पड़ता है ?

उत्तर 4- ये सभी

2-बाल गोबिन भगत के संगीत को क्या कहा गया है ?

उत्तर - 4- ये सभी

3-भगत के गीत को सुन हलवाहों पर क्या प्रभाव पड़ा ?

3-हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं

4-भगत अपने संगीत का प्रभाव बढ़ाने के लिए क्या करते थे ?

उत्तर -3- स्वर को ऊँचा -नीचा करते थे

5-प्रस्तुत पाठ व लेखक का नाम लिखें ?

उत्तर -2-बाल गोबिन भगत (रामवृक्ष बेनीपुरी)

प्रश्न -8- गद्य पाठों पर आधारित निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए - (1×2=2)

1-काशी का संगीत-आयोजन किस अवसर पर होता है?

उत्तर -(1) हनुमान-जयंती के अवसर पर

2-सन् 46-47 के दिनों में देश का माहौल कैसा था?

उत्तर -(1) देश को स्वतंत्र कराने का जोश उफान पर था|

प्रश्न- 9- निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए - (1×5=5)

1-1 परशुराम से यह कहना कि बार -बार आवाज लगाकर काल को मेरे लिए बुला रहें हो

2-1-बालक
3-1-लक्ष्मण के कठोर वचन सुनकर 2-लक्ष्मण कि व्यंग्य भरी बातें सुनकर ,3-1, और 2
4-कटु बोलने वाले
5- विश्वामित्र

प्रश्न-10- गद्य पाठों पर आधारित निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए - (1×2=2)
1-मिट्टी , सूर्य की किरणें व हवा के मिलन का नतीजा
2-3-मुख्य गायक से अधिक ऊँचे स्वर में गाना

प्रश्न -11- गद्य पाठों पर आधारित निम्नलिखित चार प्रश्नों में से तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए - (2×3=6)
1-नवाब साहब ने खीरे की फाँकों पर नमक-मिर्च छिड़का जिसे देखकर लेखक ललचाया पर उसने खीरे खाने का प्रस्ताव अस्वीकृत क्यों कर दिया?
उत्तर- नवाब साहब ने करीने से सजी खीरे की फाँकों पर नमक-मिर्च छिड़ककर लेखक से खाने के लिए आग्रह किया तो लेखक ने साफ़ मना कर दिया। जबकि लेखक खीरे खाना चाहता था। इसका कारण यह था लेखक पहली बार नवाब साहब को खीरा खाने के लिए मना कर चुका था।

2-लेखिका मन्नू भण्डारी जी के जीवन पर किन दो लोगों का विशेष प्रभाव पड़ा । (एक कहानी यह भी से)
उत्तर -पिता का प्रभाव - लेखिका के जीवन पर पिताजी का ऐसा प्रभाव पड़ा कि वे हीन भावना से ग्रसित हो गई। इसी के परिमाण स्वरुप उनमें आत्मविश्वास की भी कमी हो गई थी। पिता के द्वारा ही उनमें देश प्रेम की भावना का भी निर्माण हुआ था।
शिक्षिका शीला अग्रवाल का प्रभाव- शीला अग्रवाल की जोशीली बातों ने एक ओर लेखिका के खोए आत्मविश्वास को पुन: लौटाया तो दूसरी ओर देशप्रेम की अंकुरित भावना को उचित माहौल प्रदान किया। जिसके फलस्वरूप लेखिका खुलकर स्वतंत्रता आन्दोलन में भाग लेने लगी।
3-न्यूटन से भी अधिक ज्ञान रखने वाले और उन्नत जीवन शैली अपनाने वाले को संस्कृत कहेंगे या सभ्य और क्यों?
उत्तर-न्यूटन से भी अधिक ज्ञान रखने वाले और उन्नत जीवन शैली अपनाने वाले व्यक्ति को सभ्य कहा जाएगा क्योंकि ऐसा व्यक्ति न्यूटन द्वारा आविष्कृत गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत के अलावा भले ही बहुत कुछ जानता हो पर उसने किसी नए तथ्य का आविष्कार नहीं किया है, बल्कि दूसरों के आविष्कारों का प्रयोग करते-करते सभ्य बन गया है।
प्रश्न 4- काशी में हो रहे कौन-से परिवर्तन बिस्मिल्ला खाँ को व्यथित करते थे?
उत्तर -समय के साथ-साथ काशी में अनेक परिवर्तन हो रहे है ,खाँ को दुखी करते हैं, जैसे पक्का महाल से मलाई बरफ़ वाले गायब हो रहे हैं |कुलसुम की कचौड़ियाँ और जलेबियाँ अब नहीं मिलती हैं।संगीत और साहित्य के प्रति लोगों में वैसा मान-सम्मान नहीं रहा।गायकों के मन में संगतकारों के प्रति सम्मान भाव नहीं रहा। हिंदू-मुसलमानों में सांप्रदायिक सद्भाव में कमी आ गई है।
प्रश्न -12- पद्य पाठों पर आधारित निम्नलिखित चार प्रश्नों में से तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए - (2×3=6)

1-स्मृति को 'पाथेय' बनाने से कवि का क्या आशय है?
उत्तर-
कविता में बादल तीन अर्थों की ओर संकेत करता है

1. जल बरसाने वाली शक्ति के रूप में
2. उत्साह और संघर्ष के भाव भरने वाले कवि के रूप में
3. पीड़ाओं का ताप हरने वाली सुखकारी शक्ति के रूप में।

2-गोपियों ने किन-किन उदाहरणों के माध्यम से उद्धव को उलाहने दिए हैं?
उत्तर-गोपियों ने निम्नलिखित उदाहरणों के माध्यम से उद्धव को उलाहने दिए हैं ।
1-उन्होंने कहा कि उनकी प्रेम-भावना उनके मन में ही रह गई है। वे न तो कृष्ण से अपनी बात कह पाती हैं, न अन्य किसी से।
2-वे कृष्ण के आने की इंतज़ार में ही जी रही थीं, किंतु कृष्ण ने स्वयं न आकर योग-संदेश भिजवा दिया। इससे उनकी विरह-व्यथा और अधिक बढ़ गई है।
3-वे कृष्ण से रक्षा की गुहार लगाना चाह रही थीं, वहाँ से प्रेम का संदेश चाह रही थीं। परंतु वहीं से योग-संदेश की धारा को आया देखकर उनका दिल टूट गया।
3- कवि के अनुसार फसल क्या है?
उत्तर: कवि 'नागार्जुन' जी के अनुसार फसल अपने आप उगने वाली कोई विशेष प्रकार की चीज नहीं है। फसल पर अनेक प्रकार की नदियों के अमृत समान जल का विशेष प्रभाव रहता है, फसल अनगिनत किसानों, मजदूरों के कठोर मेहनत के साथ-साथ सूर्य का प्रकाश, हवा और अनेक प्रकार की मिट्टी आदि का प्रभाव है। फसल उत्पादन में इन पंचमहाभूतों का विशेष और महत्वपूर्ण योगदान है।
4-संगतकार के माध्यम से कवि किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाह रहा है?
उत्तर -संगतकार के माध्यम से कवि उस तरह के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाह रहा है जो महान और सफल व्यक्तियों की सफलता में परदे के पीछे रहकर अपना योगदान देत हैं। ये लोग महत्त्वपूर्ण योगदान तो देते हैं परंतु ये लोगों की निगाह में नहीं आ पाते हैं और सफलता के श्रेय से वंचित रह जाते हैं। मुख्य गायक की सफलता में साथी गायकों वाद्य कलाकारों, ध्वनि एवं प्रकाश व्यवस्था देखने वाले कलाकारों या कर्मियों का योगदान रहता है पर उन्हें इसका श्रेय नहीं मिल पाता है।

प्रश्न -13- पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए - (4×2=8)

प्रश्न 1. लेखक ने अपने आपको हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता कब और किस तरह महसूस किया?
उत्तर- लेखक हिरोशिमा के बम विस्फोट के परिणामों को अखबारों में पढ़ चुका था। जापान जाकर उसने हिरोशिमा के अस्पतालों में आहत लोगों को भी देखा था। अणु-बम के प्रभाव को प्रत्यक्ष देखा था, और देखकर भी अनुभूति न हुई इसलिए भोक्ता नहीं बन सका। फिर एक दिन वहीं सड़क पर घूमते हुए एक जले हुए पत्थर पर एक लंबी उजली छाया देखी। उसे देखकर विज्ञान का छात्र रहा लेखक सोचने लगा कि विस्फोट के समय कोई वहाँ खड़ा रहा होगा और विस्फोट से बिखरे हुए रेडियोधर्मी पदार्थ की किरणें उसमें रुद्ध हो गई होंगी और जो आसपास से आगे बढ़ गईं पत्थर को झुलसा दिया, अवरुद्ध किरणों ने आदमी को भाप बनाकर उड़ा दिया होगा। इस प्रकार समूची ट्रेजडी जैसे पत्थर पर लिखी गई है। इस प्रकार लेखक हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता बन गया।

प्रश्न-2 माता का आँचल' पाठ के आधार पर लिखिये कि माँ बच्चे को 'कन्हैया' का रूप देने के लिये किन-किन चीजों से सजाती थीं ? इससे उनकी किस भावना का बोध होता है? आपकी राय से बच्चों का क्या कर्तव्य होना चाहिए ?

भोलानाथ की माँ उसके सिर में बहुत-सा सरसों का तेल डालकर बालों को तर कर देती |इसके बाद वह उसका उबटन करती। भोलानाथ की नाभि और माथे पर काजल का टीका लगाती |उसकी चोटी गूंथकर उसमें फूलदार लट्टू बाँध देती थीं |इसके बाद रंगीन कुरता टोपी पहनाकर उसे खासा कन्हैया बना देती। इससे माँ का भोलानाथ के प्रति लाड़ प्यार की भावना का बोध होता है। हमारी राय में बच्चों का भी अपने माता-पिता के प्रति यह कर्तव्य है कि वे उनके प्रति आदर सम्मान का भाव रखें व ऐसा कोई भी काम न करें जिससे उनकी भावना को ठेस पहुँचे

3- जितेन नार्गे ने लेखिका को सिक्किम की प्रकृति, वहाँ की भौगोलिक स्थिति एवं जनजीवन के बारे में क्या महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ दीं, लिखिए।
उत्तर-
जितेन ने लेखिका को एक अच्छे गाइड की तरह सिक्किम की मनोहारी प्राकृतिक छटा, सिक्किम की भौगोलिक स्थिति और वहाँ के जनजीवन की जानकारियाँ इस प्रकार दीं-

1. सिक्किम में गंतोक से लेकर यूमथांग तक तरह-तरह के फूल हैं। फूलों से लदी वादियाँ हैं।
2. शांत और अहिंसा के मंत्र लिखी ये श्वेत पताकाएँ जब यहाँ किसी बुद्ध के अनुयायी की मौत होती है तो लगाई जाती हैं। ये 108 होती हैं।
3. रंगीन पताकाएँ किस नए कार्य के शुरू होने पर लगाई जाती हैं।
4. कवी-लोंग-स्टॉक-यहाँ 'गाइड' फिल्म की शूटिंग हुई थी।
5. यह धर्मचक्र है अर्थात् प्रेअर व्हील। इसको घुमाने से सारे पाप धुल जाते हैं।
6. यह पहाड़ी इलाका है। यहाँ कोई भी चिकना-चर्बीला आदमी नहीं मिलता है।
7. नार्गे ने उत्साहित होकर 'कटाओ' के बारे में बताया कि 'कटाओ हिंदुस्तान का स्विट्जरलैंड है।"

खंड -घ

प्रश्न-14- 1-गाँवों का देश भारत

संकेत बिन्दु

1- भारतमाता ग्रामवासिनी,
2- दयनीय दशा, अभावों से ग्रस्त गाँव, निर्धनता का कारण,
3- समाधान,
4- आशा की कीरण

भारत की अधिकांश जनता गाँवों में निवास करती है। पंत जी ने अपनी कविता में भारतमाता को ग्रामवासिनी कहा है। हमारे राजनेताओं ने आज तक गाँवों के विकास के लिए गंभीर प्रयास नहीं किए। भारत के गाँवों में अभाव-ही-अभाव हैं। न वहाँ पक्के मार्ग हैं, न पीने का जल है और न

आधुनिक सुविधाएँ। शिक्षा, चिकित्सा, बाज़ार जैसी मूलभूत सुविधाएँ भी नदारद हैं। परिणामस्वरूप गाँवों में रहना आनंद का विषय नहीं, बल्कि एक विवशता हो गई है। गाँवों में रोजगार का अभाव है। आज की औद्यौगिक सभ्यता शहरों पर आश्रित है। शहरों में बड़े-बड़े कार्यालय, उद्योग और धंधे केंद्रित हैं। यहाँ तक कि कृषि के लिए उपयोगी बीज, यंत्र, खाद, दवाई आदि के लिए भी शहरों पर निर्भर रहना पड़ता है। प्रश्न यह है कि गाँव सचमुच में स्वर्ग बनें? इसका एक ही उत्तर है- विकास की धुरी गाँवों को बनाया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े-बड़े चिकित्सालय, मनोरंजन-स्थल, श्रेष्ठ विद्यालय, समृद्ध बाजार और उद्योग खोले जाएँ। ग्रामीण लोगों को जन्म, शिक्षा, चिकित्सा तथा आजीविका की सुविधाएँ गाँवों में ही उपलब्ध कराई जाएँ। तभी हमारा देश पुनः सोने की चिड़िया बनने की दिशा में अग्रसर हो सकेगा।

2-इंटरनेट: एक संचार-क्रांति

संकेत बिन्दु

1-अर्थ, संचार-जगत में क्रांति

2- ज्ञान का भंडार,

3-शिक्षा में सहायक,

4-दोष एवं प्रभाव

इंटरनेट उस ताने-बाने को कहते हैं जो विश्व-भर के कंप्यूटरों को आपस में जोड़ता है। इंटरनेट से सभी कंप्युटरों की जानकारियों सभी को उपलब्ध हो जाती हैं। इस संचार-तंत्र से संचार-जगत में सचमुच एक क्रांति घटित हो गई है। लोगों के सामने जानकारियों का अंबार लग गया है। एक प्रकार से यह ज्ञान का विस्फोट है। इंटरनेट पर ज्ञान की अनंत सामग्री उपलब्ध हो गई है। जितनी ताजा खबरें, जितने आधुनिक लेख इंटरनेट पर उपलब्ध हो जाते हैं, उतने तो रोज-रोज छपने वाले अखबारों में भी नहीं मिल पाते। वास्तव में इंटरनेट पल-प्रतिपल बदलता रहता है। इंटरनेट के सहारे रेलवे और हवाई जहाज की टिकटें मिल सकती हैं। बुकिंग की स्थिति का ज्ञान हो सकता है। बच्चों को अपने पाठ्यक्रम की सारी जानकारी इसके माध्यम से मिल सकती है। एक प्रकार से यह शिक्षक की भूमिका भी अदा करता है। इंटरनेट में उपलब्ध पाठ्य-सामग्री को बार-बार पढ़ा जा सकता है।

घर बैठे-बैठे विश्व-भर के समाचार-पत्र पढ़े जा सकते हैं। इंटरनेट की इतनी खूबियाँ होते हुए भी इसकी कठिनाइयाँ अनेक हैं। इसका ज्ञान भंडार इतना विपुल है कि ठीक जानकारी उपलब्ध करने के लिए बहुत अधिक समय, ऊर्जा तथा बिजली खर्च करनी पड़ती है। बिजली न हो तो मनुष्य पंगु हो जाता है। इंटरनेट शातिर अपराधियों के लिए स्वर्ग बन गया है। कुशल अपराधी लोगों के बैंक-खातों तथा तथा अन्य कागज़ातों में छेड़छाड़ करके उन्हें घर बैठे-बैठे लूट लेते हैं। अभी इन साइबर अपराधों से बचने के उपाय लोकप्रिय नहीं हैं। धीरे-धीरे लोग इन्हें जान जाएँगे। तभी इसके दुष्प्रभावों से बचा जा |

3-ग्लोबल वार्मिंग -मनुष्यता के लिए खतरा
संकेत बिन्दु -

1-ग्लोबल वार्मिंग क्या है ?
2-ग्लोबल वार्मिंग के कारण
3-ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव
4-समस्या का समाधान।

गत एक दशक में जिस समस्या ने मनुष्य का ध्यान अपनी ओर खींचा है, वह है-ग्लोबल वार्मिंग। ग्लोबल वार्मिंग का सीधा-सा अर्थ है है-धरती के तापमान में निरंतर वृद्धि। यद्यपि यह समस्या विकसित देशों के कारण बढ़ी है परंतु इसका नुकसान सारी धरती को भुगतना पड़ रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के कारणों के मूल हैं-मनुष्य की बढ़ती आवश्यकताएँ और उसकी स्वार्थवृत्ति। मनुष्य प्रगति की अंधाधुंध दौड़ में शामिल होकर पर्यावरण को अंधाधुंध क्षति पहुँचा रहा है। कल-कारखानों की स्थापना, नई बस्तियों को बसाने, सड़कों को चौड़ा करने के लिए वनों की अंधाधुंध कटाई की गई है।इससे पर्यावरण को दोतरफा नुकसान हुआ है तो इन गैसों को अपनाने वाले पेड़-पौधों की कमी से आक्सीजन, वर्षा की मात्रा और हरियाली में कमी आई है। इस कारण वैश्विक तापमान बढ़ता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण एक ओर धरती की सुरक्षा कवच ओजोन में छेद हुआ है तो दूसरी ओर पर्यावरण असंतुलित हुआ है। असमय वर्षा, अतिवृष्टि, अनावृष्टि, सरदी-गरमी की ऋतुओं में भारी बदलाव आना ग्लोबल वार्मिंग का ही प्रभाव है।

प्रश्न -15- दिए गए औपचारिक व अनौपचारिक पत्रों में से किसी एक विषय पर 100 शब्दों में लिखें-
1-विद्यालय की प्रयोगशाला में प्रयोग करते हुए आपसे कुछ सामान टूट गया है, जिसके कारण विज्ञान शिक्षिका ने आप पर एक हज़ार रुपये का जुर्माना कर दिया है। इसे माफ़ कराने का निवेदन करते हुए प्रार्थना पत्र लिखिए। - 5

उत्तर:
सेवा में

विषय-जुर्माना माफ़ करने के संबंध में

महोदय

सविनय निवेदन यह है कि मैं इस विद्यालय की दसवीं कक्षा का छात्र हूँ। कल तीसरे पीरियड में प्रयोगशाला में प्रयोग करते समय नाइट्रिक एसिड की बोतल मेरे हाथ से छूटकर गिर गई, जिससे बोतल टूट गई और फ़र्श पर एसिड बिखर गया। यद्यपि विज्ञान शिक्षिका से मैं यह कहता रह गया कि जान-बूझकर मैंने ऐसा नहीं किया है, फिर भी उन्होंने मुझे दोषी मानते हुए एक हज़ार रुपये का जुर्माना कर दिया है। श्रीमान जी, मेरे पिता जी चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी हैं, जो यह जुर्माना भरने में असमर्थ हैं।

अतः आपसे प्रार्थना है कि मेरे परिवार की आर्थिक स्थिति पर सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए जुर्माना माफ़ करने की कृपा करें। भविष्य में मैं ऐसी गलती नहीं करूँगा।सधन्यवाद,
आपका आज्ञाकारी शिष्य
नाम -----------

दसवीं 'ब', अनुक्रमांक-------
दिनांक ---------

अथवा

खेल का महत्व समझाते हुए छोटे भाई को प्रेरणादायक पत्र लिखें (Write a letter to younger brother telling him the importance of sports)

प्रेषक -पता हाउस नंबर - 31,
गली नंबर 04,
----------------- नगर,
-------------पिन कोड

दिनांक : -------

प्रिय अनुज,

स्नेह और आशीर्वाद।

आशा करता हूँ तुम ठीक होगे। कल तुम्हारे हॉस्टल वार्डन से फोन पर बात हुई। उन्होंने बताया कि तुम अपनी पढ़ाई को लेकर काफी मेहनत कर रहे हो। जान कर प्रसन्नता हुई कि तुम अपनी पढ़ाई-लिखाई को लेकर इतने गंभीर हो। हालांकि उन्होंने मुझे जानकारी दी कि तुम खेलकूद में कभी हिस्सा नहीं लेते और न ही इसमें कभी कोई रुचि दिखाते हो, जोकि उनके साथ-साथ मेरे लिए भी चिंता का विषय बना हुआ है।

अनुज, पढ़ाई जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा जरूर है, लेकिन खेलकूद भी जीवन का एक जरूरी हिस्सा है। खेलकूद से न सिर्फ इंसान शारीरिक रूप से मजबूत होता है, बल्कि मानसिक रूप से भी उसके अंदर तरोताजगी आती है। यही नहीं इंसान के व्यक्तित्व के साथ-साथ उसके अंदर चारित्रिक गुणों का विकास भी खेलकूद से होता है। खेलकूद से इंसान के अंदर धैर्य, संयम, परिश्रम, खेल भावना आदि जैसे गुणों का स्वतः ही विकास होता जाता है जिसकी वजह से उसे न सिर्फ करियर में, बल्कि निजी जीवन में भी फायदा मिलता है।

अतः मेरे प्यारे अनुज, जीवन में पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद में भी बढ़चढ़ कर हिस्सा लो। तुम्हारी चिट्ठी का इंतजार रहेगा। जब चिट्ठी लिखना तो यह जरूर बताना कि तुमने किस खेल में हिस्सा लिया और उससे तुमने क्या सीखा। बाकी माँ-बाबूजी और मैं यहां सकुशल हैं। तुम अपना खयाल रखना।

तुम्हारा बड़ा भाई
नाम -------

प्रश्न -16- स्ववृत व ई-मेल लेखन

प्रारूप -2 अंक , विषय वस्तु - 2 अंक , भाषा - 1अंक

प्रश्न -17- विज्ञापन लेखन व संदेश लेखन

विषय वस्तु -2 अंक , भाषा -1 अंक , प्रस्तुति -1 अंक

==

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

रायपुर संभाग

प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र सत्र :2022-23 सेट - 4

समय	कक्षा	विषय	पूर्णांक
03घंटे	दसवीं	**हिन्दी**	80

सामान्य निर्देश:

- इस प्रश्न-पत्र के चार खण्ड हैं- खंड-क, खंड- ख, खंड- ग,खंड-घ।
- खंड-क, खंड-ख के सभी प्रश्न बहुविकल्पीय हैं।

- खंड-ग प्रश्नपाठ्य पुस्तक से लिए गए हैं जिनका उत्तर लिखित रूप में देना है।
- खंड -घ रचनात्मक लेखन
- सभी प्रश्नों के अंक निर्धारित हैं।

प्र.स.	प्रश्न	अंक
	खंड-क	
1	नीचे दो अपठित गदयांश दिये गए हैं । किसी एक गदयांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए: "मनुष्य सामाजिक प्राणी है।" वह समाज में रहकर अपनी सेवाओं के आदान-प्रदान से सभी इच्छाओं की पूर्ति करता है। यह भावना मित्रता को जन्म देती है। मित्रता का अर्थ है, सहायक या दोस्त जो हर सुख-दुख में हमारा साथ निभाता है। अत: जीवन में मित्रता का महत्त्व सभी लोग स्वीकार करते हैं। सच्ची मित्रता सुख का सार है। सच्ची मित्रता उन बाँहों के समान सहारा देने वाली होती है जो हर मुसीबत में साथ देकर संकट को दूर भगाती हैं। मित्र बनाते समय हमें सावधानी भी रखनी चाहिए कि अच्छे व्यक्ति को ही अपना मित्र बनाएँ। तड़क-भड़क, शान-शौकत तथा फैशन करने वाले, हँसमुख, मनभावनी चाल देखकर ही किसी को मित्र नहीं बनाना चाहिए। अच्छे मित्र का मिलना परम सौभाग्य की बात मानी जाती है। वह व्यक्ति माता के समान धैर्य तथा कोमलता रखता है। औषधि के समान कड़वी बात कहकर भी हमारी कमियों को दूर भगाता है तथा हमारा सुधार करता है। जैसे विपत्ति में खजाना काम आ जाता है, विपत्ति से बचा लेता है उसी प्रकार एक अच्छा मित्र हरदम हमारा कल्याण चाहता रहता है। मित्र के नाम पर बुरे लोग भी समाज में मिल जाते हैं। वे हमसे नहीं; हमारे पैसे से प्रेम करते हैं। वे हमारी नैतिकता का पतन कराते हैं। अत: हमें उनसे बचकर ही रहना चाहिए। यह सोचकर मित्रता का हाथ बढ़ाना चाहिए कि वह आगामी जीवन में कितना उपयोगी सिद्ध होगा। मित्रता से अनेक लाभ हैं। सच्चा मित्र सुख, दुख में साथ देता है। हमारी सद्वृत्तियों को बढ़ाता है। जीवन का मार्ग आसान होता जाता है। अत: मित्रता के लाभ का महत्त्व स्वत: स्पष्ट हो जाता है। **(1)"** मित्रता" के विषय में कथन व कारण को पढ़कर उत्तर दीजिये **कथन- (i)** मित्रता का अर्थ है सहायक या दोस्त जो हर सुख दुःख में हमारा साथ निभाता है कारण - (i) अच्छे मित्र एक दिए के समान होता है जो हमें प्रकाश दिखता है (ii) मित्रता औषधि के समान होती है विकल्प- (क) कथन (i) व कारण (i) सही हैं (ख) कथन और कारण दोनों ही असत्य हैं (ग) कथन (i) की व्याख्या और कारण (i) व (ii) में सही दी गई है	5

(घ) इनमें से सभी असत्य है ।

(2)" मनुष्य और मित्र" के सम्बन्ध में असत्य कथन है -

(क) मनुष्य सामाजिक प्राणी है ।

(ख) मित्रता कोई प्रभाव नहीं डालती।

(ग) हमारे सच्चे मित्र विपत्ति में सहायक होते हैं

(घ) परम सौभाग्य की बात मानी जाती है।

(3) हरदम हमारा कल्याण चाहता है

(क) सहपाठी

(ख) पड़ोसी

(ग) अच्छा मित्र

(घ) उपर्युक्त तीनों

(4) 'मित्रता' शब्द व्याकरणिक परिचय दीजिए

(क) विशेषण

(ख) भाववाचक संज्ञा

(ग) प्रविशेषण

(घ) सर्वनाम

(5) 'सामाजिक' - मूल शब्द व प्रत्यय का सही विकल्प है

(क) सामाज + इक

(ख) समाज + ईक

(ग) समाज + इक

(घ) सामाज + क

अथवा

एकबार स्वामी विवेकानंद का एक शिष्य उनके पास आया और उसने कहा, 'स्वामी जी, मैं आपकी तरह भारत की संस्कृति, दर्शन और रीति-रिवाज का प्रचार-प्रसार करने के लिए अमेरिका जाना चाहता हूँ। यह मेरी पहली यात्रा है। आप मुझे विदेश जाने की अनुमति और आशीर्वाद दें ताकि मैं अपने मक़सद में सफल होऊँ।'स्वामी जी ने उसे ऊपर से नीचे तक देखा फिर कहा, 'सोचकर बताऊँगा।'शिष्य हैरत में पड़ गया। उसने विवेकानंद जी से इस उत्तर की कल्पना भी नहीं की थी। उसने फिर कहा, स्वामी जी, मैं आपकी तरह सादगी से अपने देश की संस्कृति का प्रचार करूँगा । मेरा ध्यान और किसी चीज पर नहीं जाएगा । विवेकानंद ने फिर कहा, 'सोचकर बताऊँगा।' शिष्य ने समझ लिया कि स्वामी जी उसे विदेश नहीं भेजना चाहते इसलिए ऐसा कह रहे हैं। वह उनके पास ही रुक गया। दो दिनों के बाद स्वामी जी ने उसे बुलाया और कहा,'तुम अमेरिका जाना चाहते हो तो जाओ । मेरा आशीर्वाद तुम्हारे साथ है।' शिष्य ने सोचा कि स्वामी जी ने इतनी छोटी सी बात के लिए दो दिन सोचने में क्यों लगाए। उसने अपनी यह दुविधा स्वामी जी को बताई। स्वामी जी ने कहा, 'मैं दो दिनों में यह समझना चाहता था कि तुम्हारे अन्दर कितनी सहनशक्ति है। कहीं तुम्हारा आत्मविश्वास डगमगा तो नहीं रहा है । लेकिन तुम दो दिनों तक यहाँ रहकर

निर्विकार भाव से मेरे आदेश की प्रतीक्षा करते रहे। न क्रोध किया, न जल्दबाजी की और नहीं धैर्य खोया। जिसमें इतनी सहनशक्ति और गुरु के प्रति प्रेम भाव होगा, वह शिष्य कभी भटकेगा नहीं। मेरे अधूरे काम को वही आगे बढा सकता है। किसी दूसरे देश के नागरिक के मन में अपनी देश की संस्कृति को अन्दर तक पहुँचाने के लिए ज्ञान के साथ-साथ, धैर्य,विवेक और संयम की आवश्यकता होती है। मैं इसी बात की परीक्षा ले रहा था।'

(1) 'सोचकर बताऊँगा।'-स्वामी जी ने ऐसा क्यों कहा ?

(क) शिष्य को अमेरिका नहीं भेजना चाहते थे ।

(ख) शिष्य को भारत की संस्कृति, दर्शन और रीति-रिवाज का ज्ञान नहीं था ।

(ग) शिष्य के पास पर्याप्त धन नहीं था ।

(घ) शिष्य के धैर्य, विवेक और संयम की परीक्षा लेना चाहते थे ।

(2) विवेकानंद जी के उत्तर न देने पर शिष्य के सम्बन्ध में सत्य कथन है?

(क) स्वामी जी से विनती करने लगा।

(ख) धैर्य खोकर विचलित हो गया ।

(ग) निर्विकार भाव से प्रतीक्षा करता रहा ।

(घ) अमेरिका चला गया ।

(3) शिष्य का अमेरिका जाने का उद्‌देश्य था

(क) धैर्य, विवेक और संयम बताना ।

(ख) भारत की संस्कृति, दर्शन और रीति-रिवाज का प्रचार करना ।

(ग) अमेरिका की संस्कृति, दर्शन और रीति-रिवाज जानना ।

(घ) स्वामी जी से आशीर्वाद प्राप्त करना ।

(4) निम्नलिखित में से असत्य कथन है :

(क) एक शिष्य में सहनशक्ति और गुरु के प्रति प्रेम का भाव जरूरी है ।

(ख) स्वामी जी के शिष्य में आत्मविश्वास और सहनशक्ति की कोई कमी नहीं थी ।

(ग) स्वामी जी शिष्य को अमेरिका नहीं भेजना चाहते थे ।

(घ) शिष्य भारत की संस्कृति, दर्शन और रीति-रिवाज का प्रचार करना चाहता था।

(5) गद्यांश में 'मक़सद' शब्द से आशय है :

(क) आरंभ

(ख) हैसियत

(ग) संस्कार

(घ) उद्‌देश्य

2	नीचे दो अपठित काव्यांश दिए गए हैं । किसी एक काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए : नीलांबर परिधान हरित पट पर सुन्दर है, सूर्य-चन्द्र युग मुकुट, मेखला रत्नाकर है, नदियाँ प्रेम प्रवाह, फूल तारे मंडल हैं, बंदीजन खग-वृंद शेषफन सिंहासन है, करते अभिषेक पयोद हैं, बलिहारी इस वेष की, हे मातृभूमि तू सत्य ही, सगुण मूर्ति सर्वेश की। जिसकी रज में लोट-लोट कर बड़े हुए हैं घुटनों के बल सरक-सरक कर खड़े हुए हैं, परमहंस सम बाल्यकाल में सब सुख पाए, जिसके कारण धूल भरे हीरे कहलाए, हम खेले कूदे हर्षयुत, जिसकी प्यारी गोद में। हे मातृभूमि तुझको निरख, मग्न क्यों न हो मोद में? (i) कवि किसके बारे में वर्णन कर रहा है ? (क)मातृभूमि. (ख) बचपन. (ग) देवभूमि. (घ)नीलांबर (ii) कवि ने पृथ्वी का परिधान बताया है- (क) रत्नाकर को (ख) नीलांबर को (ग) चन्द्र को. (घ) नदियों को विकल्प (i) कथन (क) सत्य है (ii) कथन (क) व (ख)सत्य है (iii) कथन (क) व (ख) असत्य है (iv) कथन (ख) सत्य है (iii) सही विकल्प का चुनाव कीजिये कथन (क) - धूलभरे हीरे कहा गया है- कारण (ख) - मातृभूमि की अमूल्य संतान को । (i) कथन क सही है व कारण ख गलत है (ii) कथन क व कारण ख सही है (iii) कथन क गलत है व कारण ख सही है (iv) कथन क सही है (iv) 'परमहंस सम बाल्यकाल' पंक्ति में अलंकार है- (क) यमक. (ख) उपमा. (ग)उत्प्रेक्षा. (घ)रूपक (v)'समुद्र' का पर्यायवाची शब्द है: (क) नीलांबर (ख) रत्नाकर (ग) बंदीजन (घ) सिंहासन	5

अथवा

ब्रह्मा से कुछ लिखा भाग्य में
मनुज नहीं लाया है
अपना सुख उसने अपने
भुजबल से ही पाया है
प्रकृति नहीं डरकर झुकती है
कभी भाग्य के बल से
सदा हारती वह मनुष्य के
उद्‌यम से श्रम-जल से
ब्रह्मा का अभिलेख पढ़ा
करते निरुद्‌यमी प्राणी
धोते वीर कु-अंक भाल के
बहा ध्रुवों के पानी
भाग्यवाद आवरण पाप का
और शस्त्र शोषण का
जिससे रखता दबा एक जन
भाग दूसरे जन का

1.सही विकल्प का चयन कीजिये -

कथन क - शोषण का शस्त्र' कहा गया है -

कारण ख - पाप के आवरण को

(i) कथन क - सही है व कारण ख - गलत है
(ii) कथन क - गलत है व कारण ख - सही है
(iii) कथन क - सही है कारण ख - सही है
(iv) कारण ख - सही है

(2) प्रकृति मनुष्य के आगे झुकती है :

(क) भाग्य से. (ख) स्वयं से. (ग) परिश्रम से. (घ) उपर्युक्त तीनों से

(3) मनुष्य ने सुख पाया है :

(क) भाग्य के बल से. (ख) दूसरों के बल से (ग) भुजबल से. (घ) उपर्युक्त तीनों से

(i) कथन क व ग सही है
(ii) कथन ख गलत है
(iii) कथन ग सही है
(iv) कथन घ सही है

(4) इस काव्यांश से क्या प्रेरणा मिलती है?

(क) दूसरों का शोषण करने की । (ख) भाग्य के भरोसे बैठने की ।

	(ग)उद्यमी प्राणी बनने की । (घ) निरुद्यमी प्राणी बनने की । (5) भाग्य का लेख कैसे लोग पढ़ते हैं? (क) उद्यमी (ख)निरुद्यमी. (ग)परिश्रमी. (घ)उपर्युक्त तीनों	
	खंड-ख- व्यावहारिक व्याकरण	
3	. निर्देशानुसार किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सही कथन का चुनाव कीजिये (1) कथन क- वह जहां भी जाता है, एक नई समस्या खड़ी कर देता है - रेखांकित उपवाक्य है- कारण(ख) - क्रियाविशेषण आश्रित उपवाक्य (i) कथन क व कारण ख सही है (ii) कथन क गलत व कारण ख सही है (iii) कथन क गलत व कारण ख गलत है (iv) कथन क सही है (2) अधोलिखित वाक्यों में से संयुक्त वाक्य छाँटिए - सही विकल्प का चुनाव कीजिये -(क) वे अक्सर माँ की स्मृति में डूब जाते थे । (ख) वह कौनसा मनुष्य है, जिसने महाप्रतापी राजा भोज का नाम नहीं सुना हो । (ग) वे दिन याद आते हैं जब हम एक पारिवारिक रिश्ते में बँधे थे । (घ) मैंने उसे समझाया और वह मान गई । (i) कथन क व ख सही है (ii) कारण ख सही है (iii)कथन क व ग गलत है (iv)कथन घ सही है (3) निम्नलिखित वाक्यों में से मिश्र वाक्य छाँटिए : (क) वे आजकल स्वतंत्र लेखन कर रहे हैं। (ख) संपूर्ण प्रजा अब शाँतिपूर्वक एक दूसरे से व्यवहार करती है । (ग) जो कमरे में सो रहा है वह मेरा भाई है । (घ) चोर घर में घुसा और चोरी करके चला गया। (4) आप खाना खाकर आराम कीजिए - रचना की दृष्टि से कौनसा वाक्य है ? (क) संयुक्त वाक्य (ख) मिश्र वाक्य (ग) सरल वाक्य (घ) कोई नहीं (5) रेखांकित में संज्ञा आश्रित उपवाक्य कौनसा है ? (क) यद्यपि बारिश हो रही है तथापि खेल होगा । (ख) जब तुम दिल्ली जाओगे तब लाल किला देखना ।	4

	(ग) <u>जहां खडे हों</u> वहाँ चींटियाँ हैं । (घ) रोहन ने कहा कि <u>वह बाजार जाएगा</u> ।	
4	निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । (1)मंगन को देखि पट देत बार-बार है। यह उदाहरण है: क. यमक अलंकार का ख. अनुप्रास अलंकार का ग. श्लेष अलंकार का घ. अतिशयोक्ति अलंकार का (2) 'मुख मानो चांद है' में कौन सा अलंकार है? क. अतिशयोक्ति अलंकार ख. मानवीकरण अलंकार ग. रूपक अलंकार घ. उत्प्रेक्षा अलंकार (3'बीती विभावरी जागरी, अंबर पनघट में डुबो रही तारा- घट उषा नागरी' इसमें कौन- सा अलंकार है? क. मानवीकरण अलंकार ख. उपमा अलंकार ग. अनुप्रास अलंकार घ. यमक अलंकार (i) कथन क सही है (ii) कथन ख सही है (iii)कथन क व ग गलत है (iv)कथन क व ख सही है (4)आगे नदिया पड़ी अपार, घोड़ा कैसे उतरे पार। राणा ने सोचा इस पार, तब तक घोड़ा था उस पार।। क. अनुप्रास अलंकार ख. अतिशयोक्ति अलंकार ग. मानवीकरण अलंकार घ. उपमा अलंकार (i) कथन क व ख सही है (ii) कथन ख गलत है (iii)कथन क व ग गलत है (iv)कथन ख सही है (5)बारे उजियारो करे बढ़े अंधेरो होय। यह उदाहरण है: क. यमक अलंकार का ख. अनुप्रास अलंकार का ग. श्लेष अलंकार का ४. अतिशयोक्ति अलंकार का	4
5	निम्नलिखित वाक्यों का पद परिचय बहुविकल्पीय प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये 1.मन की <u>कोमलता</u> अक्सर चोट खा जाती है - में रेखांकित पद का परिचय होगा क . भाववाचक संज्ञा ,स्त्रीलिंग ,एकवचन, कर्म कारक ख. विशेषण ,गुणवाचक, स्त्रीलिंग ,एक वचन ग. जातिवाचक संज्ञा ,स्त्रीलिंग ,एकवचन, कर्ताकारक घ. भाववाचक संज्ञा ,स्त्रीलिंग , एकवचन ,कर्ताकारक	1*4 =4

2. छोटी लड़की तेज दौड़ रही है .
क.विशेषण, स्त्रीलिंग , गुणवाचक, एक वचन
ख. जातिवाचक संज्ञा , स्त्रीलिंग ,एकवचन, कर्ताकारक
ग. विशेषण ,जातिवाचक संज्ञा ,स्त्रीलिंग , एकवचन ,
घ. भाववाचक संज्ञा ,स्त्रीलिंग , एकवचन ,कर्ताकारक
3.गंगा हिमालय से निकलती है
क.जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग , एकवचन , अपादान कारक
ख. भाववाचक संज्ञा ,पुल्लिंग , एकवचन ,कर्ताकारक
ग. जातिवाचक संज्ञा ,स्त्रीलिंग , एकवचन ,करणकारक
घ. समूहवाचक संज्ञा ,स्त्रीलिंग , एकवचन ,कर्ताकारक
4.हालदार साहब ने पान खाया रेखांकित अंश का पद परिचय होगा सही विकल्प का चयन कीजिये
क. अकर्मक क्रिया , सामान्य भूतकाल ,प्रेरणार्थक क्रिया
ख. सकर्मक क्रिया , सामान्य भूतकाल ,प्रेरणार्थक क्रिया
ग. भाववाचक संज्ञा ,स्त्रीलिंग , एकवचन ,कर्ताकारक
घ. भाववाचक संज्ञा ,स्त्रीलिंग , एकवचन ,अकर्मक क्रिया
विकल्प -
i.कथन क - सही है
ii.कथन ख सही है
iii.कथन क और ख सही है
iv. कथन क और ख गलत है
5. तुम वहां चले जाओ - सही विकल्प का चयन कीजिये -
क. पुरुषवाचक सर्वनाम ,बहुवचन ,पुल्लिंग , कर्ताकारक
ख. पुरुषवाचक सर्वनाम ,एकवचन ,पुल्लिंग , कर्ताकारक
ग. निश्चयवाचक सर्वनाम ,बहुवचन ,पुल्लिंग , कर्मकारक
घ. निश्चयवाचक ,सर्वनाम ,बहुवचन ,पुल्लिंग , कर्ताकारक
विकल्प -
i.कथन क - सही है
ii.कथन ख सही है
iii.कथन क और ख सही है
iv. कथन क और ख गलत है

6 — 6. निम्नलिखित पांच प्रश्नों में से चार के उत्तर दीजिए — 1*4=4
1.मई महीने में शिला अग्रवाल को कालेज वालों ने नोटिस थमा दिया
क. भाववाच्य
ख. कर्मवाच्य
ग कृतवाच्य

घ करणवाच्य

2.हम रातभर जागकर पढ़ते रहे । भाववाच्य में बदलने पर क्या होगा-

क. हम रातभर जागकर पढेंगे

ख.हमसे रातभर जागा जाएगा

ग.हमसे रातभर जागकर पढ़ा जाएगा

घ. हमारे द्वारा रात भर जगकर पढ़ा जाता रहा

3. आइये चलें | वाक्य को भाववाच्य में बदलिए |

क. आओ, चलें

ख. आओ, चलेंगे

ग. आइये, चला जायेंगे

घ. आइये, चला जाए

4. 'आप पत्र लिखिए' वाक्य को कर्मवाच्य में बदलिए |

क. आपके द्वारा पत्र लिखा जायेगा

ख. आप पत्र लिखेंगे

ग. आपने पत्र लिखा था

घ. आपके द्वारा पत्र लिखा गया था

5. क्या अर्चना के द्वारा पूजा कि गई ? वाच्य का प्रकार बताइए |

क. भाववाच्य

ख. कर्मवाच्य

ग. कर्तृवाच्य

घ. करण वाच्य

7 प्रश्न-7 **पठित गद्यांश को पढ़कर उचित विकल्पों का चयन कीजिये:- 1x5=5**

जन्मी तो मध्य प्रदेश के भानपुरा गाँव में थी, लेकिन मेरी यादों का सिलसिला शुरू होता है अजमेर के ब्रह्मपुरी मोहल्ले के उस दो-मंजिला मकान से, उसकी उपरी मंज़िल में पिता जी का साम्राज्य था , जहाँ वे निहायत अव्यवस्थित ढंग से फैली-बिखरी पुस्तकों—पत्रिकाओं और अख़बारों के बीच था तो कुछ पढ़ते रहते थे या फिर 'डिक्टेशन' देते रहते थे | नीचे हम सब भाई-बहनों के साथ रहती थीं हमारी बेपढ़ी-लिखी व्यक्तित्वविहीन माँ...सवेंरे से शाम तक हम सबकी इच्छाओं और पिता जी की आज्ञाओं का पालन करने के लिए सदैव तत्पर | अजमेर से पहले पिताजी इन्दौर में थे जहाँ उनकी बड़ी प्रतिष्टा थी, सम्मान था नाम था | कांग्रेस के साथ-साथ वे समाज-सुधर के कामों से भी जुड़े हुए थे | शिक्षा के वे केवल उपदेश हे नहीं देते थे, बल्कि उन दिनों आठ-आठ, दस-दस विद्यार्थियों को अपने घर रखकर पढाया है ; जिनमें से कई तो बाद में ऊँचे-ऊँचे ओहदों पर पहुचें |

1. सही विकल्प का चयन कीजिये -

(क) मध्य-प्रदेश	(अ) ब्रहमपुरी
(ख) अजमेर	(ब) गाँव
(ग) भानपुरा	(स) राजस्थान
(घ) दो-मंजिला मकान	(ड) इंदौर शहर

विकल्प –

i. (क) – (अ) , (ख) – (स), (ग) - (ब), (घ) – (ड)

ii. (क) – (ड) , (ख) – (स), (ग) - (ब), (घ) – (अ) .

iii. (क) – (ड) , (ख) – (ब), (ग) - (स), (घ) – (अ)

iv. (क) – (ब) , (ख) – (स), (ग) - (ड), (घ) – (अ)

2. लेखिका की माँ कैसी थी ?

(क) साधारण

(ख) पराश्रित

(ग) नासमझ

(घ) व्यक्तित्वविहीन

3. लेखिका के पिता राजनीतिक पार्टी के साथ जुड़े हुए थे -

i. कम्युनिस्ट पार्टी ii. फारवर्ड ब्लाक

iii. कांग्रेस iv. भारतीय जनता पार्टी

विकल्प -

(क) कथन i व ii सही है

(ख) कथन i व ii गलत है

(ग) कथन iii सही है

(घ) कथन ii व iii सही है

4. कथन (क)- लेखिका के पिता की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं था – कारण (ख) - उन्होंने दस-दस विद्यार्थियों को अपने घर में रख कर पढाया

विकल्प -

(क) कथन (क) गलत है

(ख) कथन (क) व कारण (ख) दोनों गलत है

(ग) कथन (क) व कारण (ख) दोनों सही है

(घ) कथन (क) गलत है व कारण (ख) सही है

5. ' निहायत ' का अर्थ है ....?

(क) बिलकुल

(ख) कुछ-कुछ

(ग) बहुत कुछ

(घ) मूर्ख

गद्य पाठ के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिये- 1x2=2

1- i- नई खोज करने वाला व्यक्ति संस्कृत कहलाता है।

ii- न्यूटन से अधिक जानने वाला विद्यार्थी सभ्य है।

iii- सभ्य मानव संस्कृत मानव नहीं होता है।

8 (क) कथन ii कथन i पर निर्भर है (ख) कथन iii कथन i व ii निर्भर है

(ग) कथन i व iii कथन ii पर निर्भर है (घ) कथन i व ii तथा iii सही नहीं है

2- नेताजी का चश्मा पाठ से कौन सा कथन सत्य है **?**

(क) नेता जी की मूर्ति फौजी वर्दी में थी

(ख) नेताजी कमसिन और सुंदर दिख रहे थे

(ग) नेताजी की मूर्ति पर चश्मा जानबूझकर नहीं लगाया

(घ) मूर्ति बनाने के लिए नगरपालिका से 5000 रुपये मिले थे।

9 **पठित पद्यांश को पढ़कर उचित विकल्पों का चयन कीजिये:- 1x5=5**

ऊधौ, तुम हौ अति बड़भागी।
अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी ।
पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।
ज्यौं जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी ।
प्रीति-नदी मैं पाउँ न बोरयौ, दृष्टि न रूप परागी ।
'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी।।

(1) उद्धव कृष्ण का कौन-सा संदेश लेकर आए थे?
(क) प्रेम-संदेश (ख) अनुराग-संदेश
(ग) योग-संदेश (घ) इनमें से कोई नहीं
(2) कृष्ण की संगति में रहकर भी कौन उनके प्रेम से अछूते रहे हैं?
(क) उद्धव (ख) गोपियाँ (ग) राधा (घ) इनमें से कोई नहीं
(3) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपर्युक्त विकल्प चुनिये -
कथन (A) गोपियाँ कहती हैं कि उद्धव, तुम तो कमल के उस पत्ते के समान हो जो जल में रहता है परंतु फिर भी जल के दाग उस पर नहीं लगते हैं।
कारण (R) उद्धव श्री कृष्ण रूपी प्रेम की नदी के साथ रहते हुए भी उसमें अपना पैर तक नहीं डूबाया है।
(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत है।
(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
(घ) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(4) गोपियों को कृष्ण का व्यवहार कैसा प्रतीत होता है?
(क) उदार (ख) छलपूर्ण (ग) निष्ठुर (घ) इनमें से कोई नहीं
(5) गोपियाँ स्वयं को क्या समझती हैं?
(क) डरपोक (ख) निर्बल (ग) अबला (घ) साहसी

10-पद्य पाठ के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिये-

1- फसल कविता में फसल की श्रेष्ठ परिभाषा के साथ प्रकाश में आये अन्य बिंदु हैं-

क. जैविक खेती को प्रोत्साहन एवं कृषिविज्ञान कि समझ द्वारा खेती

	ख. पर्यावरण संरक्षण तथा उपभोक्तावाद, प्रकृति और मनुष्य के सम्बन्ध ग. कृषि संस्कृति से निपटता, प्रकृति और मनुष्य के सहयोग से सृजन घ. कर्मवाद एवं भाग्यवाद, वैज्ञानिक तरीके से कृषि करने का आह्वान 2- गोपियों को उद्धव का शुष्क सन्देश पसंद न आने का मुख्य कारण था - क. उद्धव के कठोर शब्द एवं अति कटु व्यवहार ख. उद्धव में वाक् पटुता कि कमी एवं हृदयहीनता ग. गोपियों का प्रेम मार्ग के स्थान पर ज्ञान मार्ग को पसंद घ. गोपियों को ज्ञान मार्ग के स्थान पर प्रेम मार्ग को पसंद करना	
11 12 13	**खंड -ग (वर्णात्मक प्रश्न)** 11. गद्य पाठ के आधार पर निम्नलिखित चार में से किन्हींवर्नान्त्मक तीन प्रश्नों के 25 - 30 शब्दों में उत्तर दीजिए । (क) भगत की पुत्रवधू उन्हें अकेला क्यों नहीं छोड़ना चाहती थी? (ख) सेनानी न होते हुए भी चश्मे वाले को लोग कैप्टन के नाम से क्यों संबोधित करते थे ? (ग) लेखक को नवाब साहब के किन हाव - भावों से महसूस हुआ कि वे उनसे बात करने के लिए तनिक भी उत्सुक नहीं थे ? (घ) बिस्मिल्ला खान की तुलना कस्तूरी मृग से क्यों की गई है ? 12. पद्य पाठ के आधार पर निम्नलिखित चार में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (क) बच्चे की दंतुरित मुस्कान का कवि के मन पर क्या प्रभाव पड़ता है? (ख) फसल को 'हाथों के स्पर्श की गरिमा' और 'महिमा' कहकर कभी क्या व्यक्त करना चाहता है? (ग) कवि बादल से फुहार,रिमझिम या बरसने के स्थान पर 'गरजने' के लिए कहता है क्यों? (घ) फागुन में ऐसा क्या होता है जो बाकी ऋतुओं से भिन्न होता है? पाठ्यपूरक पुस्तक के पाठों पर आधारित तिन प्रशों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये - 50-60 शब्दों में लिखिए (क) 'माता का अंचल' पाठ के आधार पर कहा जा सकता है कि बच्चे का अपने पिता से अधिक जुड़ाव था, फिर भी विपदा के समय पिता के पास न जाकर वह मां की शरण लेता है । आपकी समझ में इसकी क्या वजह हो सकती है? (ख) प्रदूषण के कारण स्नोफॉल में कमी का जिक्र किया गया है। प्रदूषण के और कौन-कौन से दुष्परिणाम सामने आए हैं ?लिखिए। (ग) हिरोशिमा की घटना विज्ञान का भयानकतम दुरुपयोग है। आपकी दृष्टि में विज्ञान का दुरुपयोग कहाँ-कहाँ किस तरह से हो रहा है।	2x3 =6 2x3 =6 4x2 =8

	खंड -घ	
14	निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए (120 शब्दों) क.लोकतंत्र में मीडिया का उत्तरदायित्व संकेत बिंदु- लोकतंत्र और मीडिया उत्तरदायित्व लोक तंत्र में मीडिया की भूमिका ख.मोबाईल फ़ोन कितना सुखद औत कितना दुखद संकेत बिंदु- भूमिका वरदान या अभिशाप उत्तम साधन लाभ एव. हानि	5 5
15	वन-विभाग द्वारा लगाए गए वृक्ष सूखते जा रहे हैं। इस समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए किसी प्रसिद्ध दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को साकेत कॉलोनी, मेरठ निवासी अनिरुद्ध की ओर से एक पत्र लिखिए। अथवा आपके छोटे भाई/बहन ने एक आवासीय विद्यालय में एक मास पूर्व ही प्रवेश लिया है। उसको मित्रों के चुनाव में सावधानी बरतने के लिए समझाते हुए एक पत्र लिखिए।	5

16	आपने अभी हाल-ही में बीएड किया है | आपको विवेकानंद स्कूल में हिंदी अध्यापक/अध्यापिका पद के लिए आवेदन करना है , इसके लिए आप अपना इक संक्षिप्त स्ववृत्त (बायोडाटा) 80 शब्दों में तैयार कीजिये | अथवा आपने कुछ आनलाईन पुस्तके खरीदी थी | प्रकाशक द्‌वारा उनमें से पांच पुस्तकें किसी अन्य लेखक की भेज दी है और एक पुस्तक के कुछ पृष्ठ अस्पष्ट हैं | इसकी शिकायत करते हुए पुस्तकों को वापस तथा नयी पुस्तकें भेजने के लिए एक 80 शब्दों में ईमेल वरिष्ठ प्रबंधक/संपादक को लिखिए | 17- 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' पर जन सामान्य को योग अपनाने के लिए जागरूक करने हेतु एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। अथवा स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी की ओर से देशवासियों के नाम एक संदेश लिखिए।	5

:

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र-सेट 4 अंक योजना

पाठ्यक्रम - अ (**कोड सं.** 002)

कक्षा - दसवीं

पूर्णांक - 80 अंक **समय 3 घंटे**

सामान्य निर्देश:

- इस प्रश्न-पत्र के चार खण्ड हैं- खंड-क, खंड- ख, खंड- ग,खंड-घ।
- खंड-क, खंड-ख के सभी प्रश्न बहुविकल्पीय हैं।
- खंड-ग प्रश्नपाठ्य पुस्तक से लिए गए हैं जिनका उत्तर लिखित रूप में देना है।
- खंड -घ रचनात्मक लेखन
- सभी प्रश्नों के अंक निर्धारित हैं।

प्रश्न 1 .

नीचे दो अपठित गदयांश दिये गए हैं । किसी एक गदयांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए-

उत्तर - 1- ग

2- ख

3- ग

4- ख

5- ग

अथवा

उत्तर - 1- घ

2- ग

3- ख

4- ग

5- घ

प्रश्न 2 . नीचे दो अपठित काव्यांश दिए गए हैं । किसी एक काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए :

उत्तर - 1- क

2- iv

3- ii

4- ख

5- ख

अथवा

उत्तर - 1- iii

2- ग

3- iii

4- ग

5- ग

खंड -ख (व्यवहारिक व्याकरण)

प्रश्न 3 . निर्देशानुसार किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

उत्तर - 1- i

2- iv

3- ग

4- ग

5- घ

प्रश्न 4 . निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

उत्तर - 1- ख. अनुप्रास अलंकार का

2- घ. उत्प्रेक्षा अलंकार

3- (i) कथन क सही है

4- (iv)कथन ख सही है

5- ग. श्लेष अलंकार का

प्रश्न 5 . निम्नलिखित वाक्यों का पद परिचय बहुविकल्पीय प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये-

उत्तर - 1- क . भाववाचक संज्ञा ,स्त्रीलिंग ,एकवचन, कर्म कारक

2- ख. जातिवाचक संज्ञा , स्त्रीलिंग ,एकवचन, कर्ताकारक

3- क.जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग , एकवचन , अपादान कारक

4- ख. सकर्मक क्रिया , सामान्य भूतकाल ,प्रेरणार्थक क्रिया

5- iii.कथन क और ख सही है

प्रश्न 6 . . निम्नलिखित पांच प्रश्नों में से चार के उत्तर दीजिए-

उत्तर - 1- ख. कर्मवाच्य

2- ग.हमसे रातभर जगकर पढ़ा जाएगा

3- (घ) आइये, चला जाए

4- क. आपके द्वारा पत्र लिखा जायेगा

5- क. भाववाच्य

प्रश्न 7 . **पठित गद्यांश को पढ़कर उचित विकल्पों का चयन कीजिये:- 1x5=5**

उत्तर - 1 . (ii)–(क) – (ड) , (ख) – (स), (ग) - (ब), (घ) – (अ)

2 . (घ) व्यक्तित्वविहीन

3 . (ग) कथन iii सही है

4 . (ग) कथन (क) व कारण (ख) दोनों सही है

5 . (ग) बहुत कुछ

प्रश्न 8 . गद्य पाठ के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिये- 1x2=2

1. क) कथन ii कथन i पर निर्भर है

2. (क) नेता जी की मूर्ति फौजी वर्दी में थी

प्रश्न 9 . **पठित पद्यांश को पढ़कर उचित विकल्पों का चयन कीजिये:- 1x5=5**

1. (ग) योग-संदेश

2. (क) उद्धव

3\. (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

4. (ख) छलपूर्ण

5. (ग) अबला

प्रश्न 10 . पद्य पाठ के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिये-

1 . (ग) कृषि संस्कृति से निपटता, प्रकृति और मनुष्य के सहयोग से सृजन

2 . (घ) गोपियों को ज्ञान मार्ग के स्थान पर प्रेम मार्ग को पसंद करना

खंड –ग (वर्णनात्मक प्रश्न)

प्रश्न 11 . गद्य पाठ के आधार पर निम्नलिखित चार में से किन्हींवर्नान्त्मक तीन प्रश्नों के 25 - 30 शब्दों में उत्तर दीजिए ।

(क) भगत की पुत्रवधू उन्हें अकेले छोड़कर नहीं जाना चाहति थीं क्योंकि भगत के बुढ़ापे का वह एकमात्र सहारा थीं |उसके चले जाने के बाद भगत की देखभाल करने वाला और कोई नहीं था |

(ख) क्योंकि अपनी ओर से एक चश्मा नेताजी की मूर्ति पर अवश्य लगाता था इसी लिए सुभाषचंद्र बोस इसी लिए सुभाषचंद्र बोस का साथी या सेना का कैप्टन कहकर संबोधित करते थे |

(ग) लेखक के अचानक डिब्बे में कूद पड़ने से नवाब साहब की आँखों में एकांत चिंतन में विघ्न पड़जाने का असंतोष दिखाई दिया तथा लेखक के प्रति नवाब साहब ने संगती के लिए कोई विशेष उत्साह नहीं दिखाया }

(घ) क्योंकि दोनों के गुण समान हैं }

प्रश्न 12 . पद्य पाठ के आधार पर निम्नलिखित चार में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) दंतुरित मुस्कान से कवि के मन में नए जीवन का संचार होता है }

(ख) किसानों के हाथों का प्यार भरा स्पर्श पाकर ही ए फसलें इतनी फलती -फूलती हैं |

(ग) क्योंकि 'गरजना' विद्रोह का प्रतीक है |

(घ) फागुन में वर्षा होती है ,बारिश की बूंदें वातावरण को स्वच्छ कर देती है |

प्रश्न 13 . पाठ्यपूरक पुस्तक के पाठों पर आधारित तिन प्रशों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये - 50-60 शब्दों में लिखिए –

(क) भोलानाथ का अपने पिता से बहुत अधिक प्यार करता था जब उस पर विपदा आई तो उसे शांति व प्रेम की छाया अपनी माँ की गोद में जाकरमिली वह शायद उसे पिता से प्राप्त नहीं हो पाती }

(ख) प्रदुषण के कारण पहाड़ी स्थानों का तापमान बढ़ गया है ,जिससे स्नोफाल कम हो गया है }ध्वनि प्रदुषण से शांति भंग होती है , इससे बहरेपन, अनिद्रा ,मानसिक अस्थिरता जैसे रोगों का कारण बन रहा है |

(ग) हिरोशिमा तो विज्ञानं के दुरूपयोग का ज्वलंत उदहारण है ही पर हम मनुष्यों द्वारा विज्ञानं का और भी दुरूपयोग किया जा रहा है |

प्रश्न 14 . **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए (120 शब्दों)**

क.लोकतंत्र में मीडिया का उत्तरदायित्व

विषयवस्तु – 4 अंक

भाषा – 1 अंक

प्रस्तुति – 1 अंक

प्रश्न 15 . **वन-विभाग द्वारा लगाए गए वृक्ष सूखते जा रहे हैं। इस समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए किसी प्रसिद्ध दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को साकेत कॉलोनी, मेरठ निवासी अनिरुद्ध की ओर से एक पत्र लिखिए। (5)**

अथवा

आपके छोटे भाई/बहन ने एक आवासीय विद्यालय में एक मास पूर्व ही प्रवेश लिया है। उसको मित्रों के चुनाव में सावधानी बरतने के लिए समझाते हुए एक पत्र लिखिए।

आरम्भ व अंत की औपचारिकता – 1 अंक

विषयवस्तु - 2 अंक

भाषा - 1 अंक

प्रस्तुति - 1 अंक

प्रश्न 16 . **आपने अभी हाल-ही में बीएड किया है | आपको विवेकानंद स्कूल में हिंदी अध्यापक/अध्यापिका पद के लिए आवेदन करना है , इसके लिए आप अपना इक संक्षिप्त स्ववृत्त (बायोडाटा) 80 शब्दों में तैयार कीजिये |**

अथवा

आपने कुछ आनलाईन पुस्तके खरीदी थी | प्रकाशक द्वारा उनमें से पांच पुस्तकें किसी अन्य लेखक की भेज दी है और एक पुस्तक के कुछ पृष्ठ अस्पष्ट हैं | इसकी शिकायत करते हुए पुस्तकों को वापस तथा नयी पुस्तकें भेजने के लिए एक 80 शब्दों में ईमेल वरिष्ठ प्रबंधक/संपादक को लिखिए |

प्रारूप – 2 अंक

विषयवस्तु -2 अंक

भाषा -1 अंक

प्रश्न 17 . **'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' पर जन सामान्य को योग अपनाने के लिए जागरूक करने हेतु एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।**

अथवा

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी की ओर से देशवासियों के नाम एक संदेश लिखिए।

प्रारूप – 2 अंक

विषयवस्तु -2 अंक

भाषा -1 अंक

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र-सेट 5

पाठ्यक्रम - अ (कोड सं. 002)

कक्षा - दसवीं

पूर्णांक - 80 अंक **समय 3 घंटे**

प्रश्नपत्र दो खंड, खंड 'अ' और खंड 'ब' में विभक्त में होगा |

खंड 'अ' में वस्तुपरक प्रश्न पूछे जाएँगे, |

खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे |

खंड 'अ'

प्रश्न-1. नीचे दिये गए गदयांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए:

एकबार स्वामी विवेकानंद का एक शिष्य उनके पास आया और उसने कहा, 'स्वामी जी, मैं आपकी तरह भारत की संस्कृति,दर्शन और रीति-रिवाज का प्रचार-प्रसार करने के लिए अमेरिका जाना चाहता हूँ। यह मेरी पहली यात्रा है। आप मुझे विदेशजाने की अनुमति और आशीर्वाद दें ताकि मैं अपने मक़सद में सफल होऊँ।'स्वामी जी ने उसे ऊपर से नीचे तक देखा फिर कहा,'सोचकर बताऊँगा।'शिष्य हैरत में पड़ गया। उसने विवेकानंद जी से इस उत्तर की कल्पना भी नहीं की थी। उसने फिर कहा,स्वामी जी, मैं आपकी तरह सादगी से अपने देश की संस्कृति का प्रचार करूँगा । मेरा ध्यान और किसी चीज पर नहीं जाएगा ।विवेकानंद ने फिर कहा, 'सोचकर बताऊँगा।' शिष्य ने समझ लिया कि स्वामी जी उसे विदेश नहीं भेजना चाहते इसलिए ऐसाकह रहे हैं। वह उनके पास ही रुक गया। दो दिनों के बाद स्वामी जी ने उसे बुलाया और कहा,'तुम अमेरिका जाना चाहते हो तोजाओ । मेरा आशीर्वाद तुम्हारे साथ है।' शिष्य ने सोचा कि स्वामी जी ने इतनी छोटी सी बात के लिए दो दिन सोचने में क्योंलगाए। उसने अपनी यह दुविधा स्वामी जी को बताई। स्वामी जी ने कहा, 'मैं दो दिनों में यह समझना चाहता था कि तुम्हारेअन्दर कितनी सहनशक्ति है। कहीं तुम्हारा आत्मविश्वास डगमगा तो नहीं रहा है । लेकिन तुम दो दिनों तक यहाँ रहकरनिर्विकार भाव से मेरे आदेश की प्रतीक्षा करते रहे। न क्रोध किया, न जल्दबाजी की और नहीं धैर्य खोया। जिसमें इतनीसहनशक्ति और गुरु के प्रति प्रेम भाव होगा, वह शिष्य कभी भटकेगा नहीं। मेरे अधूरे काम को वही आगे बढा सकता है। किसीदूसरे देश के नागरिक के मन में अपनी देश की संस्कृति को अन्दर तक पहुँचाने के लिए ज्ञान के साथ-साथ, धैर्य,विवेक और संयमकी आवश्यकता होती है। मैं इसी बात की परीक्षा ले रहा था।'

(1) 'सोचकर बताऊँगा।'-स्वामी जी ने ऐसा क्यों कहा ?

(क) शिष्य को अमेरिका नहीं भेजना चाहते थे ।

(ख) शिष्य को भारत की संस्कृति, दर्शन और रीति-रिवाज का ज्ञान नहीं था ।

(ग) शिष्य के पास पर्याप्त धन नहीं था ।

(घ) शिष्य के धैर्य,विवेक और संयम की परीक्षा लेना चाहते थे ।

(2) विवेकानंद जी के उत्तर न देने पर शिष्य के सम्बन्ध में सत्य कथन है?

(क) स्वामी जी से विनती करने लगा।

(ख) धैर्य खोकर विचलित हो गया ।

(ग) निर्विकार भाव से प्रतीक्षा करता रहा ।

(घ) अमेरिका चला गया ।

(3)शिष्य का अमेरिका जाने का उद्देश्य था

(क) धैर्य, विवेक और संयम बताना ।

(ख) भारत की संस्कृति, दर्शन और रीति-रिवाज का प्रचार करना ।

(ग) अमेरिका की संस्कृति, दर्शन और रीति-रिवाज जानना ।

(घ) स्वामी जी से आशीर्वाद प्राप्त करना ।

(4)निम्नलिखित में से असत्य कथन है :

(i) एक शिष्य में सहनशक्ति और गुरु के प्रति प्रेम का भाव जरूरी है।

(ii) स्वामी जी के शिष्य में आत्मविश्वास और सहनशक्ति की कोई कमी नहीं थी ।

(iii) स्वामी जी शिष्य को अमेरिका नहीं भेजना चाहते थे ।

(iv) शिष्य भारत की संस्कृति, दर्शन और रीति-रिवाज का प्रचार करना चाहता था।

उत्तर -क. i

ख.ii,iii

ग.iii

घ.i, iv

(5)गद्यांश में 'मक़सद' शब्द से आशय है :

(क) आरंभ (ख) हैसियत

(ग) संस्कार (घ) उद्देश्य **(1x5=5)**

|| अथवा ||

शरीर के लिए श्रम आवश्यक है। इसलिए आवश्यक नहीं कि शरीर स्वस्थ रहे बल्कि इसलिए कि वह जीवित रहे। शरीर को गतिशील बनाए रखने के लिए अपने श्रम से हमें कई चीजें पैदा करनी होंगी। हमारे लिए दूसरे ने जो परिश्रम किया है,अब मात्र उसके सहारे जीवित रहने का अधिकार नया समाज स्वीकार नहीं करेगा। बाप-दादों के पुश्तैनी पैसों से जीवित रहने की बुरी आदत हमने वर्षों से पाल रखी है। उसने न केवल हमारे शरीर को निकम्मा बनाया है, बल्कि हमें लालची भी बना दिया है। किसी भलेमानस के लिए यह लज्जा की बात होनी चाहिए कि वह उससे अपना पेट भरे जिसके लिए उसने स्वयं परिश्रम नहीं किया।श्रम के आवश्यक नियमों के अभाव में हम मज़दूर-मालिक, अमीर-गरीब, सेठ-असामी के चुभते भेदों के शिकार हो गए हैं। इनसे अपना पिंड छुड़ाना पड़ रहा है।श्रम की नींव पर बनने वाला जीवन भीतर से संतोष देता है। आर्थिक बँटवारे को न्यायपूर्ण बनाता है। ईर्ष्या,लोभ,बेईमानी आदि बुराइयों से लोगों को बचाता है।

(1) शरीर के लिए श्रम क्यों आवश्यक है?

(i)शरीर को जीवित रखने के लिए (ii)स्वस्थ्य रहने के लिए

(iii)गतिशील रहने के लिए(iv)सुन्दर बनाने के लिए

उत्तर-क. विकल्प i असत्य है

ख.विकल्प i और ii सत्य है

ग.विकल्प i,ii,iii सत्य है

घ. सभी विकल्प सत्य है

(2) पुश्तैनी संपत्ति के भरोसे पर जीवन-यापन करने को लेखक ने बुरा क्यों कहा है?

उपर्युक्त कथन के अनुसार कौन सा विकल्प सर्वाधिक उचित है-

(i)मनुष्य आलसी हो जाता है(II)लालची हो जाता है

(iii)निकम्मा हो जाता है (iv)लालची ,निकम्मा हो जाता है

उत्तर-क .i और ii

ख.iऔर iii

ग.केवल iii विकल्प

घ. केवल विकल्प iv

(3) श्रम की नींव के विषय में कौन सा कथन असत्य है?

(क) मनुष्य को भीतरी संतोष देता है।

(ख)आर्थिक बँटवारे को न्यायपूर्ण बनाता है

(ग)लालच,ईर्ष्या,लोभसे बचाता हैं

(घ) हीनभावना पैदा करता है

(4) "पिंड छुड़ाना" के आलोक में सत्य कथन है

(क) किसी का पीछा करना (ख) किसी को मार्ग दिखाना

(ग)किसी से बातचीत करना (घ) छुटकारा पाना

(5)शरीर के लिए क्या आवश्यक है।

(क) धन (ख) वस्त्र (ग) श्रम (घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न-2. नीचे दिये गए अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए: (1x5=5)

मैं तूफानों में चलने का आदी हूँ।

तुम मत मेरी मंजिल आसान करो!
हैं फूल रोकते, काँटे मुझे चलाते,
मरुस्थल, पहाड़ चलने की चाह बढ़ाते,
सच कहता हूँ मुश्किलें न जब होती हैं,
मेरे पग तब चलने में भी शरमाते,
मेरे संग चलने लगें हवाएँ जिससे,
तुम पथ के कण - कण को तूफान करो।
मैं तूफानों में चलने का आदी हूँ।
तुम मत मेरी मंजिल आसान करो।
फूलों से मग आसान नहीं होता है,
रुकने से पग गतिवान नहीं होता है,
अवरोध नहीं तो संभव नहीं प्रगति भी,
है नाश जहाँ निर्माण वहीं होता है,
मैं बसा सकें नव स्वर्ग धरा पर जिससे,
तुम मेरी हर बस्ती वीरान करो।

(1) कवि कहाँ चलने का आदी है?

(क) पर्वतों पर (ख) तूफानों में (ग) जंगलों में (घ) समाज में ।

(2) पग चलने में कब शर्माते हैं?

(क) बरसात में (ख) जब अच्छा समय हो
(ग) जब मुश्किलें नहीं होती (घ) मंजिल मिलने पर

(3) मग का पर्याय है -

(i) वन (ii) मंजिल (iii) पहाड़ (iv) रास्ता

सही उत्तर का चयन कीजिए -

(क) केवल (i) व (ii) (ख) केवल (ii) व (iii)
(ग) केवल (iii) व (iv) (घ) केवल (iv)

(4) वीरान का अर्थ है -

(क) निर्जन (ख) एकांत (ग) जहां कोई नहीं हो। (घ) उपर्युक्त सभी

(5) कथन A- किसके नहीं होने पर प्रगति संभव नहीं ?

कारण R- रुकावट ही हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है ।

सही उत्तर का चयन कीजिए-

(क) कथन A की सही व्याख्या कारण R करता है ।
(ख) कथन A की सही व्याख्या कारण R नहीं करता है ।
(ग) कथन A सही है कारण R गलत है ।
(घ) कथन A गलत है कारण R सही है ।

अथवा

नीलांबर परिधान हरित पट पर सुन्दर है,
सूर्य-चन्द्र युग मुकुट, मेखला रत्नाकर है,
नदियाँ प्रेम प्रवाह, फूल तारे मंडल हैं,

बंदीजन खग-वृंद शेषफन सिंहासन है,
करते अभिषेक पयोद हैं, बलिहारी इस वेष की,
हे मातृभूमि! तू सत्य ही, सगुण मूर्ति सर्वेश की।
जिसकी रज में लोट-लोट कर बड़े हुए हैं
घुटनों के बल सरक-सरक कर खड़े हुए हैं,
परमहंस सम बाल्यकाल में सब सुख पाए,
जिसके कारण धूल भरे हीरे कहलाए,
हम खेले कूदे हर्षयुत, जिसकी प्यारी गोद में।
हे मातृभूमि! तुझको निरख, मग्न क्यों न हो मोद में?

(1) कवि किसके बारे में वर्णन कर रहा है?

(क) मातृभूमि (ख) बचपन (ग) देवभूमि (घ) नीलांबर

(2) कवि ने पृथ्वी का परिधान किसको बताया है?

(क) रत्नाकर को (ख) नीलांबर को (ग) चन्द्र को (घ) नदियों को

(3) कथन A - मातृभूमि की अमूल्य संतान को धूल भरे हीरे कहा गया है ।

कारण R - धूल मिट्टी उड़ाने व खेलने वालों को ।

सही उत्तर का चयन कीजिए -

(क) कथन A की सही व्याख्या कारण R करता है ।

(ख) कथन A की सही व्याख्या कारण R नहीं करता है ।

(ग) कथन A सही है कारण R गलत है ।

(घ) कथन या गलत है कारण R सही है ।

(4) 'परमहंस सम बाल्यकाल' पंक्ति में अलंकार है-

(क) यमक (ख) उपमा (ग) उत्प्रेक्षा (घ) रूपक

(5) 'समुद्र' का पर्यायवाची शब्द नहीं है:

(क) नीलांबर. (ख) रत्नाकर (ग) जलधि (घ) नीरनिधि

प्रश्न-3. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **(1X4=4)**

(1) अधोलिखित वाक्यों में से संयुक्त वाक्य छाँटिए :

(क) वे अक्सर माँ की स्मृति में डूब जाते थे ।

(ख) वह कौनसा मनुष्य है, जिसने महाप्रतापी राजा भोज का नाम नहीं सुना हो ।

(ग) वे दिन याद आते हैं जब हम एक पारिवारिक रिश्ते में बँधे थे ।

(घ) मैंने उसे समझाया और वह मान गई ।

(2) निम्नलिखित वाक्यों में से मिश्र वाक्य छाँटिए :

(क) वे आजकल स्वतंत्र लेखन कर रहे हैं।

(ख) संपूर्ण प्रजा अब शाँतिपूर्वक एक दूसरे से व्यवहार करती है ।

(ग) जो कमरे में सो रहा है वह मेरा भाई है ।

(घ) चोर घर में घुसा और चोरी करके चला गया।

(3) आप खाना खाकर आराम कीजिए - रचना की दृष्टि से कौन सा वाक्य है ?

(क) संयुक्त वाक्य (ख) मिश्र वाक्य (ग) सरल वाक्य (घ) कोई नहीं

(4) निम्नलिखित किस वाक्य में सरल वाक्य नहीं है?

(क) वह लम्बा लड़का है। (ख) वह जो लाल कपडे वाला आदमी है कहीं जा रहा है।

(ग) इसी बच्चे को शिक्षक ने डांटा था। (घ) लाल कपडे वाला आदमी कहीं जा रहा है।

(5) 'यहां जो नल है वह ख़राब है ' वाक्य के भेद बताइए।

(क) मिश्र वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य (ग) सरल वाक्य (घ) समूह वाक्य

प्रश्न-4. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **(1X4=4)**

(1) मंगन को देखि पट देत बार-बार है। यह उदाहरण है:

(क) यमक अलंकार (ख) अनुप्रास अलंकार (ग) रूपक अलंकार (घ) अतिशयोक्ति अलंकार

(2) 'मुख मानो चांद है' में कौन-सा अलंकार है?

(क) अतिशयोक्ति अलंकार (ख) पुनरुक्तिप्रकाश अलंकार (ग) रूपक अलंकार (घ) उत्प्रेक्षा अलंकार

(3) 'बीती विभावरी जागरी, अंबर पनघट में डुबो रही तारा- घट उषा नागरी' इस पंक्ति में कौन- सा अलंकार है?

(क) रूपक अलंकार (ख) उपमा अलंकार (ग) अनुप्रास अलंकार (घ) यमक अलंकार

(4) 'आगे नदिया पड़ी अपार, घोड़ा कैसे उतरे पार।

राणा ने सोचा इस पार, तब तक घोड़ा था उस पार।। ' इस पंक्ति में कौन- सा अलंकार है?

(क)अनुप्रास अलंकार (ख) अतिशयोक्ति अलंकार (ग) मानवीकरण अलंकार (घ) उपमा अलंकार

(5) बारे उजियारो करे बढ़ेअंधेरो होय। यह उदाहरण है:

(क) यमक अलंकार (ख) अनुप्रास अलंकार (ग) श्लेष अलंकार (घ) अतिशयोक्ति अलंकार

प्रश्न-5. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **(1X4=4)**

(1) 'वह नृत्य देख रहा है' प्रयोग के आधार पर वाक्य भेद बताइए ।

(क) कर्मवाच्य (ख) भाव वाच्य (ग) कर्तृवाच्य (घ) उपर्युक्त सभी

(2) 'रीता सो भी नहीं सकती' वाक्य को भाववाच्य में बदलिए।

(क) रीता द्वारा सोया गया (ख) रीता से सोया भी नहीं जाता

(ग) रीता ने सोया (घ) रीता ने नहीं सोया

(3) 'राहुल ने कपडे बाँटे' वाक्य को कर्मवाच्य में बदलिए

(क) राहुल कपड़े बटवाता हैं (ख) राहुल द्वारा कपड़े बटवाया

(ग) राहुल कपड़े बाँटने गया (घ) उपर्युक्त कोई नहीं

(4) कर्मवाच्य की पहचान किस शब्द से होती है?

(क) के लिए (ख) को (ग) ने (घ) द्वारा

(5) 'लोगों से चिल्लाया जाता है' वाक्य किस वाच्य से संबंधित है?

(क) भाववाच्य (ख) कर्मवाच्य (ग) कर्तृवाच्य (घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न-6. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **(1X4=4)**

(1) वह देखो चीता **तेज-तेज** दौड़ रहा है |

(क) अव्यय, रीतिवाचक,संज्ञा । (ख) अव्यय, रीतिवाचक क्रियाविशेषण ।

(ग) पुल्लिंग, रीतिवाचक सार्वनामिक विशेषण। (घ) पुल्लिंग, विशेष्य, रीतिवाचक क्रियाविशेषण

(2) 'राहुल **चौथी** कक्षा में पढता है' रेखांकित शब्द का पद परिचय दीजिए -

(क) विशेषण संख्यावाचक पुल्लिंग एकवचन पढता का विशेष्य

(ख) विशेषण निश्चित संख्यावाचक विशेषण स्त्रीलिंग एक वचन कक्षा का विशेष्य

(ग) विशेषण गुणवाचक विशेषण पुल्लिंग एकवचन कक्षा का विशेष्य

(घ) विशेषण निश्चित प्रमाण वाचक पुल्लिंग एकवचन कक्षा का विशेष्य

(3) **<u>ईमानदारी</u>** बहुत दुर्लभ वस्तु है | 'ईमानदारी" शब्द का पद परिचय दीजिए -

(क) गुणवाचक विशेषण सकर्मक क्रिया एकवचन (ख) भाववाचक संज्ञा स्त्रीलिंग एकवचन

(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम एकवचन पुल्लिंग (घ) संज्ञा एक क्वेश्चन सर्वनाम

(4) चपरासी को हुक्म हुआ **<u>और</u>** कमरे के सब दरवाजे बंद कर दिए गए | "और' शब्द का पद परिचय दीजिए।

(क) समुच्चयबोधक एकवचन निपात अल्पविराम (ख) समानाधिकरण अल्पविराम

(ग) विस्मयादिबोधक समुच्चयबोधक (घ) समुच्चयबोधक समानाधिकरण

(5) **<u>बुरे</u>** काम मत करो | रेखांकित शब्द का पद परिचय क्या है?

(क) समास (ख) संज्ञा (ग) विशेषण (घ) पूरक शब्द

प्रश्न-7. नीचे दिये गए गदयांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए: (1x5=5)

बार-बार सोचते क्या होगा उस कौम का जो अपने देश की खातिर घर गृहस्थी जवानी जिंदगी सव कुछ होमकर देनेवालों पर भी हंसती है और अपने लिए बिकने के मौके ढूढ़ती है | दुखी हो गए| पंद्रह दिन बाद फिर उसी कस्बे से गुजरे | कस्बे में घुसने से पहले ही खयाल आया की कस्बे की हृदयस्थली में सुभाष की प्रतिमा अवश्य ही प्रतिष्ठापित होगी | लेकिन सुभाष की आँखों पर चश्मा नहीं होगा | क्योंकि मास्टर बनाना भूल गया| और कैप्टन मर गया | सोचा वहाँ रुकेगे नहीं , पानी भी नही खाएँगे | मूर्ति की तरफ देखेंगे भी नहीं सीधे निकल जाएगे ड्राइवर से कह दिया चौराहे पर रुकना नहीं, आज बहुत काम है पान आगे कहीं खाँलेगे | लेकिन आदत से मजबूर आँखे चौराहे आते ही मूर्ति की तरफ उठ गई | कुछ ऐसा देखा कि चीखे रोको | जीप स्पीड में थी | ड्राइवर ने जोर से ब्रेक मारे | रास्ता चलते लोग देखने लगे| जीप रुकते हालदार साहब जीप से कूदकर तेज-तेज कदमों से मूर्ति की तरफ लपके और उसके ठीक सामने जाकर अटेंशन में खड़े हो गए | मूर्ति की आँखों पर सरकंडे से बना छोटा-सा चश्मा रखाँ हुआ था, जैसा बच्चे बना लेते हैं | हालदार साहब भावुक हैं| इतनी सी बात पर उनकी आँखें भर आई|

(1) हालदार साहब स्वभाव कैसा है?

(क) देशभक्त (ख) भावुक (ग) स्वंत्रता सेनानियों से प्रेम करने वाले (घ) उपरोक्त सभी

(2) लोगों ने किसकी हंसी उड़ाई थी?

(क) पानवाले की (ख) हालदार साहब की (ग) कैप्टन चश्मेवाले की (घ) नेताजी की

(3) हालदार साहब ने कस्बे से गुजरते हुए आदतन क्या देखा?

(क) पानवाले की ओर देखते थे (ख) सिनेमाहाल का पोस्टर देखते थे

(ग) कैप्टन चश्मेवाले की दुकान देखते थे (घ) नेताजी की मूर्ति देखते थे

(4) सुभाष की मूर्ति को देखकर उनकी आँखों क्यों भर आई?

(क) क्योंकि मूर्ति टूटी हुई थी

(ख) क्योंकि बच्चों के हाथो से बना सरकंडे का चश्मा मूर्ति पर लगा था

(ग) कैप्टन चश्मेवाले की दुकान बंद थी

(घ) इनमे से कोई नहीं

(5) होम देने का अर्थ है?

(क) आग जलाना (ख) बलिदान देना (ग) फूल चढ़ाना (घ) उपरोक्त सभी

प्रश्न-8. नीचे दिये गए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए: (1x5=5)

लखन कहा हँसि हमरें जाना। सुनहु देव सब धनुष समाना।।
का छति लाभु जून धनु तोरें। देखा राम नयन के भोरें।।
छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू। मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू।।
बोले चितइ परसु की ओरा। रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा।।
बालकु बोलि बधउँ नहिं तोही। केवल मुनि जड़ जानहि मोह।।
बाल ब्रह्मचारी अति कोही। बिस्व बिदित छत्रियकुल द्रोही।।
भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही। बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही।।
सहसबाहु भुज छेदनिहारा। परसु बिलोकु महीपकुमारा।।
मातु पितहि जनि सोचबस करसि महीसकिसोर।
गर्भन्ह के अर्भक दलन परसु मोर अति घोर।

(1) लक्ष्मण ने धनुष टूट जाने के क्या कारण बताए?

(i) लक्ष्मण ने कहा धनुष अत्यंत कमजोर था (ii) लक्ष्मण ने कहा धनुष अत्यंत पुराना था
(iii) राम के छूटे ही धनुष टूट गया (iv) इनमें से कोई नहीं

सही उत्तर का चयन कीजिए-

(क) (i) व (ii) (ख) (ii) व (iii) (ग) (i), (ii) व (iii) (घ) (i) व (iii)

(2) परशुराम जी ने लक्ष्मण को अपने बारे में अपने बारे में क्या कहा?

(i) अरे! दुष्ट तूने मेरे बारे में सुना नहीं क्या
(ii) मैं बाल ब्रहमचारी और क्षत्रिय कुल का दुश्मन हूँ
(iii) मैंने अनेक बार सभी राजाओं को मार कर पृथ्वी ब्राहमणों को दान में दे दिया
(iv) मैं अत्यंत दयालु और वीर हूँ

सही उत्तर का चयन कीजिए-

(क) (i) व (ii) (ख) (ii) व (iii) (ग) (i), (ii) व (iii) (घ) (i) व (iii)

(3) 'बाल ब्रह्मचारी अति कोही। बिस्व बिदित छत्रियकुल द्रोही' पंक्ति मे कौन-सा अलंकार है |

(क) रूपक अलंकार (ख) अनुप्रास अलंकार (ग) उपमा अलंकार (घ) इनमें से कोई नहीं

(4) "सहसबाहु भुज छेदनिहारा। परसु बिलोकु महीपकुमारा" पंक्ति का आशय बताइए |

(क) परशुराम जी कह रहे हैं कि राजकुमार मेरे इस भयंकर कुठार को देखों | इसने सहस्त्र बाहु कि एक हजार भुजाओं को कट दिया था |

(ख) परशुराम जी ने कहा, जिसने शिव धनुष को तोड़ा है | वह सब राजाओं से अलग हो जाए

(ग) क्योंकि यह धनुष तीनों लोकों केई स्वामी भगवान शिव का धनुष है अत: वह धनुषो से अलग है

(घ) इनमें से सभी

(5) "गर्भन्ह के अर्भक दलन परसु मोर अति घोर" इस पंक्ति के 'अर्भक' शब्द का अर्थ क्या है? |

(क) गर्भ में पल रहा (ख) अभद्र व्यवहार करने वाला
(ग) भद्र व्यवहार करने वाला (घ) इनमें से कोई नही

प्रश्न-9. क्षितिज गद्य खंड से दिये गए बहुविकल्पीय प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उनके सही विकल्प चुनकर लिखिए: (1X2=2)

(1) नवाब साहब ने खीरों को खिड़की से बाहर क्यों फेक दिया?

(क) अमीरी दिखाने के लिए (ख) भेट ज्यादा भरे होने के कारण

(ग) तबियत ख़राब होने के कारण (घ) इनमें से कोई नहीं

(2) काशी में किसका आयोजन एक प्राचीन एवं अद्भुत परम्परा है?

(i) संगीत-आयोजन (ii) नृत्य-आयोजन

(iii) कला-आयोजन (iv) चित्रकला आयोजन

सही उत्तर का चयन कीजिए-

(क) (i) व (ii) (ख) (ii) व (iii)

(ग) केवल (i) (घ) केवल (ii)

प्रश्न-10. क्षितिज पद्य खंड से दिये गए बहुविकल्पीय प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उनके सही विकल्प चुनकर लिखिए: (1X2=2)

(1) आत्मकथ्य कविता के कवि ने "मधुर चांदनी रात" किसे कहा है ?

(क) रात की शांत समय को (ख) जीवन की कठिन परिस्थितियों को

(ग) अपने जीवन के सुनहरे समय को (घ) उपर्युक्त सभी

(2) बच्चे की मुस्कान मुर्दे में भी जन डाल देती है, इसका क्या आशय है ?

(क) बीमार व्यक्ति को ठीक कर देती है (ख) मुर्दे को जीवित कर देती है

(ग) हताश व्यक्ति में उर्जा और आशा का संचार करती है (घ) उपर्युक्त सभी

खंड- 'ब'

प्रश्न-11. क्षितिज गद्य खंड से दिये गए चार प्रश्नों में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (2X3=6)

(1) पानवाले का एक शब्दचित्र अपने शब्दों में प्रस्तुत कीजिए |

(2) बालगोबिन भगत की पुत्रवधू उन्हें अकेले क्यों नहीं छोड़ना चाहती थी ?

(3) नवाब साहब ने बहुत ही यत्न से खीरा काटा, नमक-मिर्च बुरका, अंततः सूँघकर ही खिड़की से बाहर फेंक दिया। उन्होंने ऐसा क्यों किया होगा? उनका ऐसा करना उनके कैसे स्वभाव को इंगित करता है?

(4) 'एक कहानी यह भी' पाठ की लेखिका के पिताने रसोई को 'भटियारखाना' कहकर क्यों संबोधित किया है?

प्रश्न-12. क्षितिज पद्य खंड से दिये गए चार प्रश्नों में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (2X3=6)

(1) उद्धव के व्यवहार की तुलना किस-किस से की गई है?

(2) कवि की आँख फागुन की सुंदरता से क्यों नहीं हट रही है?

(3) कवि ने स्वयं को प्रवासी इतर अतिथि जैसे संबोधनों से क्यों संबोधित किया है ?

(4) आत्मकथा सुनाने के संदर्भ में ' अभी समय भी नहीं' कवि ऐसा क्यों कहते है?

प्रश्न-13. कृतिका पाठ्य पुस्तक से दिये गए तीन प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (4X2=8)

(1) गंतोक को'मेहनतकश बादशाहों का शहर' क्यों कहा गया है?

(2) आपके विचार से भोलानाथ अपने साथियों को देखकर सिसकना क्यों भूल जाता है ।

(3) लेखक ने अपने आप को हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता कब और किस तरह महसूस किया ?

प्रश्न-14. संकेत बिंदुओं की मदद से किसी एक विषय पर लगभग 120-150 शब्दों में निबंध लिखिए (6)

(1) मेरे जीवन का लक्ष्य

विचार बिंदु :- *लक्ष्य की आवश्यकता *मेरे जीवन का लक्ष्य *प्रेरणा का श्रोत *सेवा भाव *लक्ष्य प्राप्ति की तैयारी

(2) जीवन में कंप्यूटर की उपयोगिता

विचार बिंदु :- *वर्तमान युग -कम्प्युटर युग *कम्प्युटर की उपयोगिता *स्वचालित गणना प्रणाली *कार्यालय तथा इन्टरनेट में सहायक *नवीनतम उपकरणों में उपयोगिता

(3) वन रहेंगे - हम रहेंगे

विचार बिंदु :- *प्रकृति जीवनदायिनी *वनों का महत्व *जल- संतुलन में सहायक *प्रदूषण पर नियंत्रण *जीवों का संरक्षण *सरक्षण की आवश्कता

प्रश्न-15. आपके नगर की एक प्रसिद्ध डेयरी में दूध तथा दूध से निर्मित पदार्थो में मिलावट की जाती है | नगर के स्वास्थ्य अथिकारी को पत्र द्दारा जानकारी देते हुए उचित कार्यवाही के लिए अनुरोध कीजिए | (5)

|| अथवा ||

किसी प्रख्यात समाचार पत्र के संपादक के नाम पत्र लिखाकर रेल आरक्षण व्यवस्था में हुए सुधार की प्रशंसा कीजिए |

प्रश्न-16.आप भारतीय सेन में भारती होना चाहते हैं उसके लिए अपनी एक बायोडाटा तैयार कीजिए (5)

|| अथवा ||

अपने नगर के भारतीय स्टेट बैंक के शाखा प्रबंधक को पासबुक में नाम सुधरवाने के लिए ईमेल लेखन करें |

प्रश्न-17. आपके नगर में मिठाई की एक नई दुकान खुली है | इसके प्रचार के लिए एक विज्ञापन लगभग 25-30 शब्दों में तैयार कीजिए | (4)

|| अथवा ||

प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र्वाशियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामना सन्देश लिखिए |

==============

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र-सेट 5 अंक योजना

पाठ्यक्रम - अ (**कोड सं.** 002)

कक्षा - दसवीं

पूर्णांक - 80 अंक **समय 3 घंटे**

प्रश्नपत्र दो खंड ,खंड 'अ' और खंड 'ब' में विभक्त होगा |

खंड 'अ' में वस्तुपरक प्रश्न पूछे जाएँगे |

खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे |

खंड 'अ'

प्रश्न-1.

अपठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न

1.(घ) शिष्य के धैर्य,विवेक और संयम की परीक्षा लेना चाहते थे ।

2.(ग) निर्विकार भाव से प्रतीक्षा करता रहा ।

3.(ख) भारत की संस्कृति, दर्शन और रीति-रिवाज का प्रचार करना ।

4. ग.iii

5.(घ) उद्देश्य

|| अथवा ||

<u>अपठित गद्यांश</u>

1.ग.विकल्प i,ii,iii सत्य है

2. घ. केवल विकल्प iv

3(घ) हीनभावना पैदा करता है

4.(घ) छुटकारा पाना

5.(ग) श्रम

प्रश्न-2.

(1) (ख) तूफानों में

(2) (ग) जब मुश्किलें नहीं होती

(3) (घ) (iv)

(4) (घ) उपर्युक्त सभी

(5) कथन A की सही व्याख्या कारण R करता है ।

|| अथवा ||

(1) (क) मातृभूमि

(2) (ख) नीलाम्बर को

(3) (ग) कथन A सही है कारण R गलत है ।

(4) (ख) उपमा

(5) (क) नीलाम्बर

प्रश्न 3.

(1) (घ) मैंने उसे समझाया और वह मान गई ।

(2) (ग) जो कमरे में सो रहा है वह मेरा भाई है ।

(3) (ग) सरल वाक्य

(4) (ख) वह जो लाल कपडे वाला आदमी है कहीं जा रहा है।

(5) (क) मिश्र वाक्य

प्रश्न 4.

(1) (क) यमक अलंकार

(2) (घ) उत्प्रेक्षा अलंकार

(3) (क) रूपक अलंकार

(4) (ख) अतिशयोक्ति अलंकार

(5) (ग) श्लेष अलंकार

प्रश्न 5.

(1) (ग) कर्तृवाच्य

(2) (ख) रीता से सोया भी नहीं जाता

(3) (घ) उपर्युक्त कोई नहीं

(4) (घ) द्‌वारा

(5) (क) भाववाच्य

प्रश्न 6.

(1) (ख) अव्यय, रीतिवाचक क्रियाविशेषण ।

(2) (ख) विशेषण निश्चित संख्यावाचक विशेषण स्त्रीलिंग एक वचन कक्षा का विशेष्य

(3) (ख) भाववाचक संज्ञा स्त्रीलिंग एकवचन

(4) (घ) समुच्चयबोधक समानाधिकरण

(5) (ग) विशेषण

प्रश्न 7.

(1) (घ) उपरोक्त सभी

(2) (ग) लोगों ने चस्मेवाले की हंसी उड़ाई थी |

(3) (घ) नेताजी की मूर्ति को |

(4) (ख) बच्चों के हाथो से बना सरकंडे का चश्मा मूर्ति पर लगा था |

(5) (ख) बलिदान देना

प्रश्न 8.

(1) (ग) (i), (ii) और (iii)

(2) (ग) (i), (ii) और (iii)

(3) (ख) अनुप्रास अलंकार (बाल ब्रह्मचारी , बिस्व बिदित)

(4) (क) परशुराम जी कह रहे हैं कि राजकुमार मेरे इस भयंकर कुठार को देखो | इसने सहस्त्र बाहु अर्जुन के एक हजार भुजाओं को काट दिया था |

(5) (क) गर्भ में पल रहा

प्रश्न-9.
(1) (क) अमीरी दिखाने के लिए
(2) (घ) केवल (ii)
प्रश्न-10.
(1) (ग) अपने जीवन के सुनहरे समय को
(2) (ग) हताश व्यक्ति में उर्जा और आशा का संचार करती है
प्रश्न-11.
उत्तर- (1) पानवाला स्वभाव से बहुत ही रसिया हंसोड़ और मजाकिया था | वह शारीर से मोटा था | उसकी तोंद निकली रहती थी | उसके मुंह में पान ठुंसा रहता था | पान के कारण वह ठीक से बात तक नहीं कर पाता था और हंसने पर उसके लाल काले दन्त खिल उठते थे | वह बातें बनाने में उस्ताद था | उसकी बोली में हांसी और व्यग्य का पूट बना रहता था |
उत्तर - (2) भगत की पुत्रबधू जानती थी कि भगत जी संसार में अकेले है | उनका एकमात्र पुत्र मर चुका है वे बूढ़े हैं और भक्त हैं | उन्हें घर बार और संसार में कोई रूचि नहीं है | अंत वे अपने खाने पीने और स्वास्थ्य की ओर भी ध्यान नहीं दे पाएंगे | इसलिए वह सेवा भाव से उनके चरणों में अपने दिन बिताना चाहती थी | वह उनके लिए भोजन और दवा का प्रबंध करना चाहती थी |
उत्तर - (3) नवाब साहब को झूठी शान दिखाने की आदत रही होगी। वे खीरे को गरीबों का फल मानते होंगे और इसलिए किसी के सामने खीरे को खाने से बचना चाहते होंगे। वह यह भी दिखाना चाहते होंगे कि नफ़ासत के मामले में उनका कोई सानी नहीं है। इसलिए उन्होंने खीरे को बड़े यत्न से काटा, नमक-मिर्च बुरका और फिर खिड़की से बाहर फेंक दिया।
उत्तर - (4) भटियारखाने के दो अर्थ हैं-
1.जहाँ हमेशा भट्ठी जलती रहती है, अर्थात् चूल्हा चढा रहता है। 2. जहॉ बहुत शोर-गुल रहता है। भटियारे का घर। दुष्ट और असभ्य लोगों का जमघट। पाठ के संदर्भ में यह शब्द पहले अर्थ में प्रयुक्त हुआ है। रसोईघर में हमेशा खाना-पकाना चलता रहता है। पिताजी अपने बच्चों को घर-गृहस्थी या चूल्हे-चौक तक सीमित नहीं रखना चाहतेथे। वे उन्हें जागरुक नागरिक बनाना चाहते थे। इसलिए उन्होंने रसोईघर की उपेक्षा करते हुए भटियारखाना अर्थात् प्रतिभा को नष्ट करने वाला कह दिया है।
प्रश्न-12.
उत्तर- (1) गोपियों ने उद्धव के व्यवहार की तुलना निम्नलिखित उदाहरणों से की है -
• गोपियों ने उद्धव के व्यवहार की तुलना कमल के पत्ते से की है जो जल में रहते हुए भी उससे प्रभावित नहीं होता है|
• वह जल में रखे तेल के मटके के समान हैं, जिस पर जल की एक बूँद भी टिक नहीं पाती।
उत्तर - (2) कवि की आँख फागुन की सुंदरता से इसलिए हट नहीं रही है क्योंकि इस महीने में प्रकृति का सौंदर्य अत्यंत मनमोहक होता है | पेड़ों पर हरी और लाल पत्तियाँ लटक रहे हैं | चारों ओर फैली हरियाली और खिले रंग-बिरंगे फूल अपनी सुगंध से मुग्ध कर देते हैं| प्रकृति का नया रंग और सुगंध जीवन में नयी ऊर्जा का संचार करती है|
उत्तर - (3) कवि आजीविका हेतु बाहर रहता है | कभी कभी ही उसका घर आना हो पाता है अतः बच्चे से उसका संपर्क नाममात्र को ही हो पाता हैं | इसलिए कवि ने स्वयं को प्रवासी, इतर अतिथि जैसे सम्बोधनो से संबोधित किया है |

उत्तर - (4) आत्मकथा सुनाने के संदर्भ में ' अभी समय भी नहीं' कवि ऐसा इसलिए कहते हैं क्योंकि उनका मानना है की उन्होंने जीवन में कोई खास उपलब्धियां हासिल नहीं की है, उनका कहना है की उनके जीवनी में ऐसी कोई विशेष बात नहीं है की लोग उनकी जीवनी को पढ़े तथा उनकी प्रशंसा करेंगे |

प्रश्न-13.

उत्तर - (1) सिक्किम भारत में मिलने से पूर्व एक स्वतंत्र रजवाड़ा था|आज यह एक प्रसिद्ध टूरिस्ट स्पॉट बन गया है | यहां के लोग बहुत परिश्रमी होते हैं | केवल पुरुष ही नहीं यहां स्त्रियां भी परिश्रमी हैं, सड़कों को चौड़ा करने के लिए पत्थर तोड़ती हैं ,पहाड़ी बच्चे पढ़ने के साथ मवेशी चराने, पानी भरने, जंगल से लकडियाँ लाने का काम करते हैं | स्त्रियाँ चाय के बागानों में भी काम करती हैं | लगता है, बादशाहों की बुद्धिमत्ता और प्रजा के सहयोग से ही गंतोक को सुंदर बनाया गया होगा |

उत्तर - (2) शिशु अपनी स्वाभाविक आदत के अनुसार अपनी उम्र के बच्चों के साथ खेलने में रुचि लेता है। वह उनको अपने दिल के करीब समझता है, उनके साथ खेलना उन्हें अच्छा लगता है।अपनी उम्र के बच्चों के साथ जिस रुचि से खेलता है वह रुचि बड़ों केसाथ नहीं होती है। दूसरा कारण मनोवैज्ञानिक भी है -बच्चे को अपने साथियों के बीच रोने में हीनता का अनुभव होता है। वह सोचता है कि यदि आज मैं इनके सामने कमजोर दिखाई दूंगा तो कल यही मेरा मजाक उड़ाएंगे। यही कारण है कि भोलानाथ अपने साथियों को देखकर सिसकना भूल जाता है पर हर परिस्थिति में यह जरूरी नहीं है कि वह डर कर ही चुप हो।बच्चों को उनसे सहानुभूति की उम्मीद रहती है जिससे आत्मीयता का भाव आता है । इसलिए उनको देखकर चुप हो जाता है ।

उत्तर - (3) अपनी जापान यात्रा के दौरान लेखक ने एक पत्थर में मानव की उजली छाया देखी | वे विज्ञानं के विद्यार्थी थे इस कारण समझ गए की विस्फोट के समय पत्थर के पास कोई व्यक्ति खड़ा होगा| विस्फोट से विसर्जित रेडियोधर्मी पदार्थ ने उस व्यक्ति को भाप बना दिया और पत्थर को झुलसा दिया | इस प्रत्यक्ष अनुभूति ने लेखक के हृदय को झकझोर दिया | इस प्रकार लेखक हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता बन गया |

प्रश्न14. निम्नलिखित तीन विषयों में से एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में सारगर्भित अनुच्छेद हेतु मूल्यांकन बिंदु - (6)

विषयवस्तु - 4 अंक
भाषा - 1 अंक
प्रस्तुति - 1 अंक

प्रश्न15.दिए गए औपचारिक व अनौपचारिक पत्रों में से किसी एक विषय पर 100 शब्दों में पत्र लेखन हेतु मूल्यांकन बिंदु - (5)

आरम्भ व अंत की औपचारिकता - 1 अंक
विषयवस्तु - 2 अंक
भाषा - 1 अंक
प्रस्तुति - 1 अंक

प्रश्न16. दिए गए स्ववृत लेखन व औपचारिक ई -मेल लेखन में से किसी एक विषय 80 शब्दों में लेखन हेतु मूल्यांकन बिंदु - (5)

प्रारूप - 2 अंक
विषयवस्तु - 2 अंक
भाषा - 1 अंक

प्रश्न17. दिए गए विज्ञापन लेखन व सन्देश लेखन में से किसी एक विषय 60 शब्दों में लेखन हेतु मूल्यांकन बिंदु - (4)

प्रारूप - 2 अंक

विषयवस्तु - 2 अंक

भाषा - 1 अंक

========================